उत्तराखंड दर्पण

2023-24

Valley of Flowers

Badrinath Temple

Purnagiri Temple

Tehri Lake

पवित्रमातृभूरजः शिरस्तु धार्यतां भटां ।
रजस्तदेव चन्दनं रजस्तदेव वन्दनम् ।।

उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था, इन्दौर (म.प्र.) की प्रतिनिधी पत्रिका

स्व. श्रीमती रामप्यारी देवी मैन्दोला

अवसान – 3 नवम्बर 2011

माँ

माँ की महिमा तो
है सदा ही अपरम्पार,
दे नहीं सकता और कोई,
माँ के जैसा स्नेहिल प्यार।
माँ, की अहैतुकी कृपा,
बनी रहती बच्चों पर ऐसी,
मानो भरे हुए छलाछल,
किसी अमृत कलश के जैसी,
किसी अमृत कलश के जैसी ।।

माँ, तुम्हें शत्-शत् नमन...

सौजन्य : **मैन्दोला परिवार**
इन्दौर (म.प्र.)

उत्तराखण्ड सांस्कृतिक संस्था, इन्दौर (म.प्र.)

उत्तराखण्डवासियों का सामाजिक सांस्कृतिक संगठन

उत्तराखंड दर्पण स्मारिका

2023-2024

(षष्ठम संस्करण)

संपादक
के.के. पुनेठा

उप–संपादक
डॉ. ए.एस. सजवान

संपादन सहयोग
यशवंतसिंह बिष्ट
हरीश मैन्दोला
जितेन्द्र सिंह नेगी
दिनेश मैन्दोला
डॉ. राजीव भट्ट
बी.एस. भण्डारी

स्मारिका के प्रेरणास्त्रोत
मीर रंजन नेगी
अध्यक्ष
श्रीमती माया बिष्ट
श्रीमती पायल कन्डारी
कर्नल यशपालसिंह राजपूत

मार्गदर्शक
रमेश मैंदोला
विधायक क्षेत्र क्र.2, इन्दौर (म.प्र.)

कार्यालय : 319-एम, स्टेडियम ग्राउण्ड, जनता कॉलोनी, नंदा नगर, इन्दौर (म.प्र.)
ई-मेल : uttarakhandsanskratiksanstha@gmail.com

।। प्रातः स्मरणीय ।।

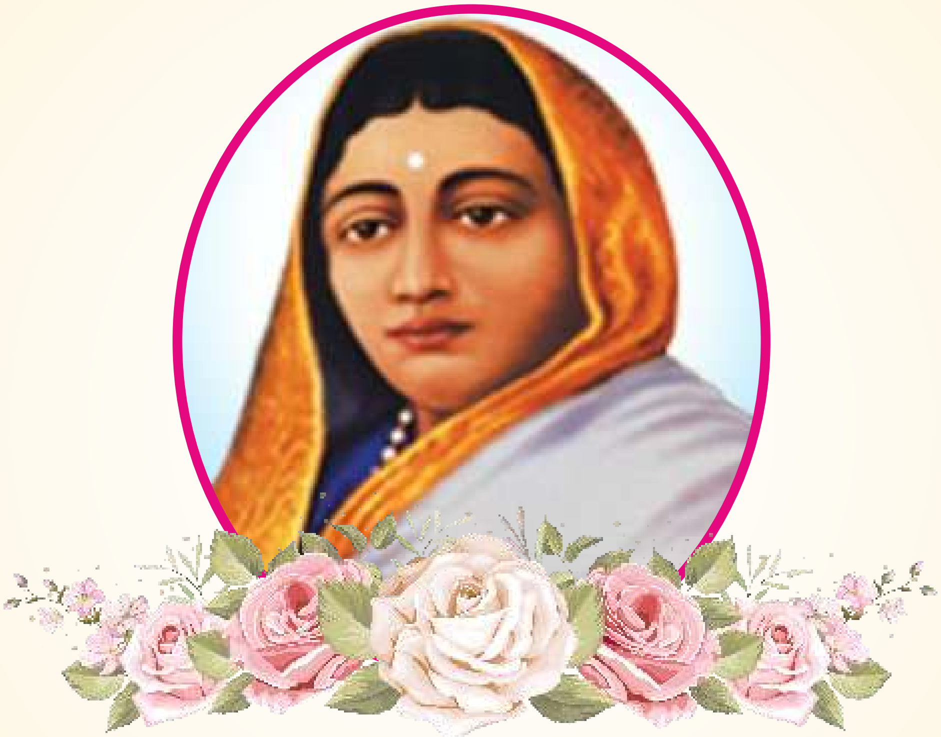

माता अहिल्याबाई होल्कर

आदरांजलि

प्रखर तेजस्विता, अनन्य शिवभक्त, अनेक देवीय गुणों से परिपूर्ण सम्पूर्ण भारतवर्ष में हिन्दू मंदिरों का निर्माण एवं जीर्णोद्धार करने वाली न्यायप्रिय प्रातः वंदनीय देवी अहिल्या बाई होल्कर का जन्म महाराष्ट्र प्रांत के चौंडी गाँव में हुआ था। आपके पिताजी का नाम मानकोजी शिन्दे तथा माताजी का नाम सुशीला बाई था।

बचपन से ही अत्यन्त सौम्य, सादगीपूर्ण तथा धार्मिक वृत्ति के संस्कारों वाली माता अहिल्या बाई का विवाह तत्कालीन इन्दूर होल्कर महाराज के सुपुत्र तथा युवराज खण्डेराव से हुआ तथा आप इस प्रकार अहिल्या महारानी बनकर इन्दौर आ गई तथा यहाँ पर आपने अत्यंत उच्च मानदण्ड स्थापित करते हुए सम्पूर्ण देश में इन्दूर राज्य की कीर्ति की पताका फहराने का अतुलनीय कार्य किया।

ऐसी महान प्रातः स्मरणीय माँ अहिल्या बाई होल्कर को 'उत्तराखंड दर्पण' परिवार की तरफ से शत्–शत् नमन एवं आदरांजलि....।

।। वैवाहिकी परिशिष्ट ।।

उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था, इन्दौर द्वारा आयोजित सामुहिक परिचय सम्मेलन एवं अन्य स्रोतों से प्राप्त प्रविष्ठियों के आधार पर विवाह योग्य युवक-युवतियों की जानकारी

विशेष आग्रह

उत्तराखंड दर्पण के वर्तमान अंक में वैवाहिकी प्रविष्ठी का प्रारुप दिया जा रहा है। जिन अभिभावकों को अपने बच्चों (प्रत्याशियों) के परिचय संस्था की वेबसाईट में एवं पत्रिका के अगले अंक में प्रकाशित करवाने हों, कृपया वह इस परिचय प्रारुप को भरकर सीधे संस्था कार्यालय को भेंजे एवं आगामी परिचय सम्मेलन में सम्मिलित होकर इस सुविधा का लाभ लें।

प्रत्याशियों के लिये आवेदन पत्र भरने की व्यवस्था नि:शुल्क की जा रही है।

कृपया अधिक जानकारी के लिए संस्था कार्यालय से सम्पर्क करें।

उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था, इन्दौर (म.प्र.)

कार्यालय : 319-एम, स्टेडियम ग्राउण्ड, जनता कॉलोनी,
नंदा नगर, इन्दौर (म.प्र.)

ई-मेल : uttarakhandsanskratiksanstha@gmail.com

भावभिनी श्रद्धांजलि

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः ।
न चौनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः ।।

विगत वर्षों में अत्यन्त दुर्भाग्यपूर्ण मानवीय त्रासदी के रूप में जो वैश्वीक महामारी कोरोना आयी, उसमें सम्पूर्ण विश्व में अनेक लोगों को असमय ही मृत्यु का वरण करना पड़ा।

इस महामारी से हमारा उत्तराखण्ड समाज भी अछुता नहीं रहा तथा हमारे अनेक प्रियजन इस आपदा के चलते हमसे हमेशा-हमेशा के लिए बिछुड़ गये। इसके अलावा भी हमारे अनेक समाजजन इस बीच हमसे बिछुड़ कर देवलोकगमन कर गये।

ऐसी सभी पुण्यात्माओं को उत्तराखण्ड सांस्कृतिक संस्था परिवार अपनी भावभिनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

।। राष्ट्र गौरव ।।

जनरल विपिन रावत

// सुमनांजलि समर्पित //

देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ (CDS), राष्ट्र के सच्चे सपूत एवं भारतीय सेना के जाबांज अधिकारी विपिन रावत जी का सम्बन्ध मूल रूप से उत्तराखंड से ही रहा है, यह हम सभी के लिए अत्यन्त ही गौरव की बात है।

देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस जिनके नेतृत्व में भारतवर्ष की तीनों ही सेनाओं ने चौतरफा प्रगति करते हुए देश को डिफेंस के मामले में एक नयी बुलदियों पर पहुँचाया।

जनरल विपिन रावत को उनके शानदार मिलिट्री कैरियर के दौरान PVSM, UYSM, AVSM, SM, VSM तथा ADC जैसी उपाधियाँ प्राप्त हुई थी।

8 दिसम्बर 2021 को अपनी सरकारी यात्रा के दौरान हुई हैलीकॉप्टर दुर्घटना में आपकी असमय मौत ने ना केवल उत्तराखंड का अपितु सम्पूर्ण देश का एक महान सपूत खो दिया।

आपको उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था परिवार के एक-एक सदस्य सहित 'उत्तराखंड दर्पण' पत्रिका की सम्पूर्ण सम्पादकीय टीम की तरफ से अगाध श्रद्धा सहित शत्–शत् नमन।

।। स्मृति शेष ।।

डॉ. के.एन. रुवाली

जाने–माने कृषि वैज्ञानिक, उच्च कोटि के विद्वतापूर्ण व्यक्तित्व के धनी एवं प्रखर समाज सेवी डॉ. खीमानंद रुवाली जी का दिनांक 10 दिसम्बर, 2023 को असामायिक निधन हो गया। आप उत्तराखण्ड जागृति के पूर्व सम्पादक भी थे। डॉ. रुवाली का असामायिक निधन न केवल उत्तराखण्ड समाज अपितु देश के वैज्ञानिक समुदाय के लिए भी एक अपूर्णीय क्षति है।

उत्तराखण्ड सांस्कृतिक संस्था, इन्दौर एवं उत्तराखण्ड दर्पण परिवार डॉ. खीमानंद रुवाली जी को अपनी भावभिनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

उत्तराखण्ड दर्पण

स्मारिका 2023–24

वैधानिक सूचना

उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था, इंदौर (मध्य प्रदेश) की प्रतिनिधि पत्रिका **उत्तराखंड दर्पण** के इस अंक के माध्यम से उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था अपने सभी पाठकों एवं सदस्यों का अभिनंदन करती है।

पत्रिका के इस अंक में प्रकाशित आलेखों एवं अन्य सभी रचनात्मकत सामग्री मैं प्रकाशित विचार रचनाकारों के स्वतंत्र एवं निजी विचार हैं इनसे संस्था का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

अन्य सभी पहलुओं के प्रकाशन मैं भी यथापि यथोचित सावधानी बरती गई है, परंतु फिर भी किसी अनजान तथा गेर –इरादतन त्रुटि हेतु सम्पादक मंडल एवं संस्था उत्तरदायी नहीँ ठहराई जा सकेगी।

मीर रंजन नेगी
अध्यक्ष

के.के. पुनेठा
संपादक

उत्तराखण्ड सांस्कृतिक संस्था इन्दौर (म.प्र.)

20.02.2022 को नवगठित कार्य समिति

क्र.	नाम सदस्य	पद	पता	फोन
1.	श्री मीर रंजन नेगी	अध्यक्ष	302, आनन्द नगर, चितावद, इन्दौर-452001	99205 55118
2.	श्री के.के. पुनेठा	उपाध्यक्ष	डी-36/6, आर.आर. केट कालोनी, सुखनिवास रोड, इन्दौर	98934 91573
3.	श्रीमती सीमा डंगवाल	सचिव	श्रीजी वेली, बिचोली मर्दाना, इन्दौर	97547 96608
4.	श्री देवीदत्त भट्ट	सह सचिव	19, गांधी नगर, कृष्णा विहार अपार्ट., इन्दौर	98276 83435
5.	श्री सोहन सिंह रावत	कोषाध्यक्ष	126-बी, वैभव नगर एक्सटेंशन, कनाडिया रोड, इन्दौर	88713 90960
6.	श्री सुनिल कोठारी	महू प्रभारी	शांति नगर, महूगांव, महू	89622 00879
7.	डॉ. राजीव भट्ट	पूर्व उपाध्यक्ष	ई-51, आर.आर. केट कालोनी, इन्दौर	93021 31002
8.	श्री संजय ठाकुर	सदस्य	डी.एम.-288, सुखलिया, इन्दौर	99931 10948
9.	श्री यशवंतसिंह बिष्ट	पूर्व अध्यक्ष	डी-7, एच.आई.जी. कालोनी, इन्दौर	94250 55854
10.	श्री दिनेश मैन्दोला	संरक्षक सदस्य	195, स्कीम नं. 113, नक्षत्र गार्डन के सामने, इन्दौर	94253 13651
11.	श्री आशुतोष पाण्डे	संरक्षक सदस्य	46, जानकी नगर, इन्दौर	98260 63792
12.	श्री सुभाष भट्ट	संरक्षक सदस्य	ए-304, बी.सी.एम. सिटी, नवलखा चौराहा, इन्दौर	93021 32277
13.	श्रीमती पूनम पाण्डे	महिला सदस्य	154, ग्रेटर वैशाली, इन्दौर	97528 53054
14.	श्री अनिल डंडरियाल (जॉली)	सदस्य	डी-134, स्कीम नं. 51, इन्दौर	98265 68685
15.	डॉ. ए.एस. सजवान	सदस्य	49-ए, वंदना नगर एक्सटेंशन, पावर हाउस के पीछे, इन्दौर	99266 66379
16.	श्री सोहनसिंह रावत (रामा)	सदस्य	168, ब्रह्मबाग कालोनी, नियर मरिमाता चौराहा, इन्दौर	88713 90960
17.	श्रीमती माया बिष्ट	महिला सदस्य	डी-7, एच.आई.जी. कालोनी, इन्दौर	90390 24726
18.	श्रीमती अनिता रावत	महिला सदस्य	126-बी, वैभर नगर एक्स., कनाडिया रोड, इन्दौर	84355 45454
19.	श्रीमती पायल कंडारी	महिला सदस्य	सी-30, पंचदीप निकुंज, स्टॉफ क्वॉर्टर, नंदा नगर, इन्दौर	88279 58426
20.	श्री चन्द्रदत्त बिनवाल	सदस्य	345, 74-सी, विजय नगर, इन्दौर	94253 12899
21.	श्री संदीप सिंह रावत	सदस्य	261, शुभम पैलेस, स्कीम नं. 51 के पास, इन्दौर	79746 64090
22.	श्री सैनसिंह रावत	सदस्य	94, गंगा बाग कालोनी, इन्दौर	93006 22507
23.	श्री डी.एस. कंधारी	सदस्य	355, प्रीमियम पेराडाइज, अरविन्दो के सामने, इन्दौर	62616 86108
24.	श्री वेद प्रकाश पाण्डे	सदस्य	बी-271, वीणा नगर, सुखलिया, इन्दौर	94071 19326
25.	श्रीमती अंजना पेटवाल	महिला सदस्य	स्कीम नं. 103, नीयर चमेलीदेवी स्कूल, इन्दौर	94240 12620
26.	श्री विजेश रावत	सदस्य	4-बी सेक्टर, साईंनाथ कालोनी, तिलक नगर, इन्दौर	94250 52102
27.	श्री दिनेश मठपाल	सदस्य	44-ए, च्वॉइस रेसीडेंसी, प्राइम सिटी, सुखलिया	95890 05322
28.	श्री विरेन्द्रसिंह रावत	सदस्य	48, पिपलियाराव, भोलाराम उस्ताद मार्ग, इन्दौर	86025 20200
29.	श्री हरीश मैंडोला	सदस्य	शहनाई रेसीडेन्सी, सी–ब्लॉक फ्लेट नं. 701, इन्दौर	88270 57999
30.	श्री यतेन्द्रसिंह रावत	सदस्य	96, ब्लॉक नं. 4/4, केवली लाईन, इन्दौर	98937 24010

उत्तराखण्ड दर्पण स्मारिका 2023-2024

अनुक्रमणिका

1.	सम्पादकीय		16
2.	अध्यक्ष की कलम से		17
3.	सचिव की कलम से		18
4.	सामूहिक विवाह परिचय सम्मेलन	पायल कंडारी	19
5.	कलम और खुरपी के महामना	विद्यादत्त उनियाल	20
6.	उत्तराखण्ड सांस्कृतिक संस्था के प्रति....	यशवन्त बिष्ट	21
7.	चम्मी की पीठ	दीप नेगी	22
8.	घुघूति बासूति – उत्तराखंड के परांपरागत ...	दीक्षा पंत	24
9.	उत्तराखंड का लोकपर्व : सातूं – आठूं	पूनम पंत	25
10.	कन्यादान का पुण्य	अरुण घिल्डियाल	26
11.	लिपस्टिक	प्रदीप कोठियाल	28
12.	दैदिव्यमान व्यक्तित्व सम्पन्न योगी : डबराल बाबा	गार्गी शर्मा	30
13.	सोनी रानीखेत स्थित आलौकिक स्वर्गाश्रम बिनसर....	डी.एस. नेगी	31
14.	अद्वैत आश्रम : लोहाघाट प्राकृतिक रमणियता....	दीपा पुनेठा	33
15.	उत्तराखंड मूल का अपने समय का होनहार....	सतीश ढोंढियाल	34
16.	देवभूमि उत्तराखंड में मनाये जाने वाले प्रमुख तीज-त्यौहार	मनोज कांडपाल	36
17	स्कंद पुराण में वर्णित कोटद्वार का श्री सिद्धबली मंदिर	ममता पांडे	38
18	कोट भ्रामरी मन्दिर	मीरा मठपाल	39
19	अपना मुलक अपने रिवाज	चन्द्रमोहन ढोंढियाल	40
20.	वैद्य दामोदर प्रसाद कुकरेती 'शास्त्री' : एक महान....	हरीश मैंदोला	43
21.	माधुरी	सुनीता चमोली	45
22.	लघु कथा : गाँव की याद	कामेश्वर खण्डूरी	48
23.	दक्षिण के ब द्रीनाथ मंदिर की निर्माण यात्रा	रिकेश्वर प्रसाद पेटवाल	50
24.	यादों में बसा गांव	गीता रावत (नामदेव)	51
25.	पुस्तक समीक्षा : कुछ तेरी, कुछ मेरी		52
26.	पुस्तक समीक्षा : तौं दिनु जब - गढ़वाली बोली में.,..	प्रदीप कोठियाल	53
27.	भयावह केदारनाथ त्रासदी और उसके सबक	मीर रंजन नेगी	55
28.	ओ मेर पहाड़ ! जी रेया, जाग रेया	गरिमा जोशी पंत	57
29.	पुरानी टिहरी : दास्तान एक ऐतिहासिक शहर की	अंजना पेटवाल	59
30.	एक फौजी अफसर जो कालान्तर में ब़ने महान	वेद प्रकाश पांडे	61
31.	ऋषिगंगा आपदा - 2021	विनोद कुमार पुनेठा	62
32.	देवभूमि उत्तराखंड : प्रकृति से आशीर्वादित हमारा राज्य....	डॉ. राजीव भट्ट	63
33.	वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह 2019		65
34.	वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह 2023		66
35.	प्रतिभा सम्मान समारोह 2022-23		71
36.	प्रतिभा सम्मान समारोह 2019		74
37.	श्रेष्ठ खिलाड़ी सम्मान समारोह 2019-2020		77
38.	श्रेष्ठ खिलाड़ी सम्मान समारोह 2023		79
39.	उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था ऑडिट रिपोर्ट		80
40.	विवाह योग्य युवक-युवतियों क़ी सूची		81
41.	सदस्यता सूची		89

शुभकामना संदेश

पुष्कर सिंह धामी

मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सचिवालय
देहरादून– 248001
सचिवालय फोन: 0135–2716262
0135–2650433
फैक्स: 0135–2712827
विधान सभा फोन: 0135–2665100
0135–2665497
फैक्स: 0135–2665166
Email: cm-ua@nic.in

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि उत्तराखण्ड सांस्कृतिक संस्था, इंदौर मध्य प्रदेश द्वारा "उत्तराखण्ड सांस्कृतिक स्मारिका–2024" का प्रकाशन किया जा रहा है। मुझे यह अवगत कराया गया है कि उक्त संस्था मालवांचल में देवभूमि उत्तराखण्ड की शिक्षा, संस्कृति, सभ्यता एवं संस्कारों के साथ–साथ राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत सुविचारों का निरन्तर प्रचार–प्रसार करने के साथ–साथ विगत वर्षों से कई प्रान्तीय स्तर के सामूहिक विवाह, परिचय सम्मेलन, राष्ट्रीय पर्व, प्रतिभा समारोह एवं समाज के बुजुर्गों का सम्मान, श्रेष्ठ विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों का सम्मान जैसे महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम करती आ रही है। इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजन होने से निःसन्देह प्रवासी उत्तराखण्ड वासियों को अपनी संस्कृति के बारे में जानकारी प्राप्त होने के साथ–साथ युवा पीढी के लिये भी अत्यन्त प्रेरणादायी सिद्ध होगी। मुझे आशा है कि संस्था द्वारा समय–समय पर समाजहित में किये जा रहे अनेकों कार्यों एवं देवभूमि उत्तराखण्ड की संस्कृति, सभ्यता एवं संस्कारों की जानकारियों का समावेश भी उक्त स्मारिका में होगा। संस्था द्वारा इस प्रकार के विभिन्न कार्यक्रमों एवं अनेकों ज्ञानवर्द्धक जानकारियों का समावेश एक स्मारिका के माध्यम से किया जाना निःसंदेह प्रशंसनीय कार्य है।

मेरी ओर से उत्तराखण्ड सांस्कृतिक संस्था, इंदौर मध्य प्रदेश को "उत्तराखण्ड सांस्कृतिक स्मारिका–2024" के सफल प्रकाशन हेतु हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें।

(पुष्कर सिंह धामी)

शुभकामना संदेश

उषा बाबू सिंह ठाकुर
मंत्री
संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास
और धर्मस्व, मध्यप्रदेश

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निवास बी-20 चार इमली, भोपाल, पिन-462016
दूरभाष क्रं 0755-2551976, 2777723
Email: minister.tcamp@gmail.com

पत्र क्रमांक : 1811/मंत्री/सं/प./ध./2023
भोपाल, दिनांक 07/10/23

शुभकामना संदेश

उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था, नंदानगर, इन्दौर विगत कई वर्षो से मालवाचल में देवभूमि उत्तराखंड की शिक्षा, संस्कृति, सभ्यता एवं संस्कारो के साथ-साथ राष्ट्रीय भावना के सुविचारो के प्रचार प्रसार विगत कई वर्षो से कर रही है। संस्था इन्ही सफलतम प्रयासों पर आधरित स्मारिका प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी प्रकाशित कर रही है। स्मारिका के प्रकाशन पर सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाए। संस्था के उज्जवल भविष्य की कामना करती हुँ।

सादर वन्दे।

(उषा बाबू सिंह ठाकुर)

कार्यालय : कक्ष क्र. 318, एन-एक्स-3, मंत्रालय, भोपाल, पिन-462004 (म.प्र.) दूरभाष 0755-2708769 (कार्या.)

शुभकामना संदेश

कैलाश विजयवर्गीय
राष्ट्रीय महासचिव

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

क्रमांक................ दिनांक 01/10/2023

—: शुभ कामना संदेश :—

अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि, उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था द्वारा ४९ वर्ष पुनः उत्तराखंड सांस्कृतिक स्मारिका 2024 का नए कलेवर के साथ प्रकाशन किया जा रहा है।

मुझे प्रसन्नता है कि आपकी संस्था समाज के सर्वहारा वर्ग को ध्यान में रखते हुए, समाज को संगठित रखने एवं समाजोत्थान के विभिन्न कार्यक्रमों का सफल आयोजन कर रही है।

स्मारिका के सफल प्रकाशन पर मेरी ओर से अग्रिम शुभकामनाऐं, आशा है कि स्मारिका में समाज से संबंधित सारगर्भित जानकारियों का प्रकाशन किया जाएगा जिससे यह स्मारिका संग्रहणीय साबित होगी।

स्मारिका के सफल प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाऐं...

(कैलाश विजयवर्गीय)

प्रति,
श्री के.के. पुनेठा,
संपादक,
उत्तराखंड सांस्कृतिक स्मारिका 2024
319-एम, स्टेडियम ग्राउण्ड,
जनता कॉलोनी, नन्दा नगर,
इन्दौर।

6-ए, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली 110 002, दूरभाष : 011-23500000 फैक्स : 011-23500190
6-A, Deendayal Upadhyay Marg, New Delhi-110 002. Phone : 011-23500000 Fax : 011-23500190

शुभकामना संदेश

रमेश मैन्दोला
विधायक, इन्दौर-2
मध्यप्रदेश विधानसभा

निवास : 42/7, नन्दानगर
इन्दौर-452011 (म.प्र.)
मोबा.: 94249-91299

क्रमांक.............. दिनांक..........................

शुभकामना सन्देश

सादर वंदे मातरम्,

हर्ष का विषय है कि "उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था, इन्दौर" द्वारा उत्तराखण्ड सांस्कृतिक स्मारिका 2024 का प्रकाशन किया जा रहा है।

इस प्रकार के आयोजनों से समाज के प्रति समर्पण एवं उसके उत्थान के लिये स्वजनों में प्रेरणा भाव की उत्पत्ति होती है वहीं नवोदित प्रतिभाओं को मंच प्राप्त होता है। निश्चित ही इस प्रकाशन में मौलिक रचनाओं के माध्यम से मानवीय कल्पना, आशाओं और अपेक्षाओं के साथ जीवन के विविध अनुभवों को शब्दों में बांधकर समाज में साहित्य के रूप में प्रस्तुत करने का सराहनीय आपके द्वारा किया जाना प्रशंसनीय है।

आशा करता हूँ कि इस लक्ष्योन्मुख प्रायोजन में आप अपने नित नये मौलिक विचारों से युक्त आलेखों को अपनी साहित्य साधना द्वारा विशेष रूप से उचित कर इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले पाठकों को पठन पाठन, लेखन के लिये प्रोत्साहित एवं प्रेरित करेंगे। धन्यवाद।

मेरी ओर से आपके इस प्रयास के लिये शुभकामनायें, हार्दिक अभिनंदन...

(रमेश मैन्दोला)

rameshmendola7office@gmail.com
Ramesh Mendola

शुभकामना संदेश

आकाश कैलाश विजयवर्गीय
विधायक
विधानसभा क्षेत्र क्र. इन्दौर-3 (206)

880/9, नन्दा नगर, इन्दौर
फोन: 0731-2550088
कार्यालय : 13, नेहरू मार्केट,
ए.बी. रोड, इन्दौर (म.प्र.) 452 001

क्रमांक ....

दिनांक 29/09/2023

–: शुभ कॉमना संदेश :–

प्रसन्नता का विषय है कि, उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था, स्टेडियन ग्राउण्ड नन्दा नगर, इन्दौर द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी उत्तराखंड सांस्कृतिक स्मारिका 2024 का नए कलेंडर का प्रकाशन किया जा रहा है।

स्मारिका में प्रकाशित जानकारियां समाज को संगठित करने एवं आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभायेगी।

स्मारिका 2024 के सफल प्रकाशन हेतु मेरी ओर से बहुत–बहुत बधाई एवं शुभकामनाएँ...

(आकाश कैलाश विजयवर्गीय)
विधायक

प्रति,
श्री के.के. पुनेठा,
संपादक,
उत्तराखंड सांस्कृतिक स्मारिका 2024
319–एन, स्टेडियम ग्राउण्ड,
जनता कॉलोनी, नन्दा नगर,
इन्दौर।

शुभकामना संदेश

अनिल चन्द्र पुनेठा, आई.ए.एस. (सेनि.)
Anil Chandra Punetha, IAS (Rtd.)

सत्यमेव जयते
मुख्य सूचना आयुक्त
Chief Information Commissioner

उत्तराखण्ड सूचना आयोग
सूचना का अधिकार भवन
मसूरी बाईपास (रिंग रोड)
लाडपुर, देहरादून (उत्तराखण्ड)
Uttarakhand Information Commission
R.T.I. Bhawan, Mussoorie Bypass (Ring Road)
Ladpur, Dehradun (Uttarakhand)
Phone : (Off.) : 0135-2662021
Fax : 0135-2662180

दिनांक : 06 सितम्बर, 2023

संदेश

उत्तराखण्ड सांस्कृतिक संस्था, इंदौर, मध्य प्रदेश द्वारा प्रकाशित होने वाली "उत्तराखण्ड सांस्कृतिक स्मारिका 2024" के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ। यह संस्था मालवांचल में स्थित है और वह देवभूमि उत्तराखण्ड की शिक्षा, संस्कृति, सभ्यता, और संस्कारों को बढ़ावा देने के साथ-साथ राष्ट्रीय भावनाओं को भी प्रोत्साहित करने में सक्रिय है। उनके कई कार्यक्रमों से महत्वपूर्ण सुविचारों का प्रसार हो रहा है।

संस्था द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह, प्रांतीय स्तर के सामूहिक विवाह, परिचय सम्मेलन, श्रेष्ठ विद्यार्थियों और खिलाड़ियों का सम्मान भी किया जाता है, जिससे समाज में महत्वपूर्ण योगदान किया जा रहा है।

"उत्तराखण्ड सांस्कृतिक स्मारिका 2024" के द्वारा निश्चित रूप से उत्तराखण्ड की पहचान बनेगी और इससे हमारी सांस्कृतिक धरोहर को और भी समृद्धि मिलेगी।

इस महत्वपूर्ण प्रयास की सफलता के लिए शुभकामनाएँ।

(अनिल चन्द्र पुनेठा)

शुभकामना संदेश

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि 'उत्तराखण्ड सांस्कृतिक संस्था, इन्दौर (मध्य प्रदेश) के हमारे सभी प्रवासियों ने मिल कर इस संस्था की स्थापना की है और आप सभी श्रद्धेय एवं सम्मानीय महानुभावों द्वारा समय–समय पर मालवांचल में देवभूमि उत्तराखण्ड की शिक्षा, संस्कृति, सभ्यता एवं संस्कारों को बनाये रखते हुए, राष्ट्रीय भावनाओं के प्रचार-प्रसार में निरन्तर प्रयासरत हैं, साथ ही प्रांतीय स्तर के सामूहिक विवाह, परिचय सम्मेलन, राष्ट्रीय पूर्व, प्रतिभा सम्मान समारोह, समाज के बुजुर्गों का सम्मान, श्रेष्ठ विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों का सम्मान कर परस्पर सामाजिक मेल मिलाप का निरन्तर अभिनव कार्य कर रहे हैं। इन सभी प्रयासों के साथ–साथ उत्तराखण्ड सांस्कृतिक स्मारिका का सम्पादन भी कर रहे हैं।

अब इस स्मारिका को एक नये कलेवर एवं तथ्यपरक आलेखों के साथ 'उत्तराखण्ड सांस्कृतिक स्मारिका 2024' के प्रकाशन के इस शुभ अवसर पर आप सभी को हार्दिक बधाई देता हूँ एवं माँ भगवती से करबद्ध प्रार्थना करता हूँ, आप सभी पर आशीर्वाद बनाये रखे एवं आप सभी के इस समर्पित भावना को निरन्तर प्रयासरत रखें।

आप सभी को पुनः साधुवाद है।

भास्कर चन्द्र भट्ट
राष्ट्रीय कोच : भारतीय महिला हॉकी

शुभकामना संदेश

सर्वप्रथम, उत्तराखंड परिवार के मेरे सभी प्रिय पारिवारिक जनों को मेरा सादर अभिवादन. उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था, इंदौर से मेरा पुराना एवं अत्यंत आत्मीय संबंध रहा है. मुझको जैसे ही यह हर्षित करने वाली जानकारी प्राप्त हुई कि संस्था की सांस्कृतिक पत्रिका का शीघ्र ही प्रकाशन होने जा रहा है तो मेरे हर्ष मैं कई गुना और भी वृद्धि हो गई. हमारे पितृ पुरुषों द्वारा स्थापित यह संस्था हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेज कर रखने हेतु अपने प्रारंभिक दिनों से ही अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रही है.

पत्रिका के आगामी अंक हेतु मेरी शुभकामनाएं एवं इससे जुड़े हुए सभी लोगों को साधुवाद.

आपका स्नेही,
सुभाष भट्ट, इंदौर

शुभकामना संदेश

Sangeeta Dhoundiyal
(Folk Singer)
Uttarakhand

H. No. 280 Nawada
Dehradun (Uttarakhand)
7017743350, 9412050250

प्रतिष्ठा में,
अध्यक्ष / सचिव
उत्तराखण्ड सांस्कृतिक संस्था - इंदौर।

महोदय,

यह जानकर प्रसन्नता हुई कि उत्तराखण्ड सांस्कृतिक संस्था - इंदौर द्वारा इस वर्ष भी स्मारिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

मुझे यह उद्गार व्यक्त करते हुए हर्ष हो रहा है इंदौर की उत्तराखण्ड सांस्कृतिक संस्था विगत कई वर्षों से मध्यप्रदेश के सुदूर मालवांचल क्षेत्र में भी अपनी देवभूमि उत्तराखण्ड के संस्कारों, शिक्षा व संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन के लिये तत्परता से कार्यरत है। और समय समय पर संस्था प्रांतीय स्तर के बहुत विराट व भव्य सामूहिक विवाह, परिचय सम्मेलन और बुजुर्गों से लेकर विद्यार्थियों व खिलाड़ियों के प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम करती रहती है।

विगत वर्ष मुझे भी संस्था द्वारा आयोजित विराट 'पर्वतीय बसंतोत्सव' के अन्तर्गत सांस्कृतिक संध्या में सम्मिलित होने का सुअवसर मिला था और वहाँ उत्तराखण्डी समाज का मेल मिलाप और समृद्धता देखकर हृदय गदगद हो गया।

मुझे विश्वास है कि उक्त क्षेत्र में संस्था के अथक प्रयासों से हमारे उत्तराखण्डी समाज का शैक्षिक, सांस्कृतिक, सामाजिक व आर्थिक स्तर और भी सुदृढ़ होगा।

सम्पादक द्वय के साथ समस्त कार्यकारिणी को शुभकामनाएं।

भवदीय,

Sangeeta

संगीता डौंडियाल
(लोकगायिका)
देहरादून - उत्तराखण्ड

शुभकामना संदेश

सर्वप्रथम, मध्य प्रदेश के मालवा अंचल मैं निवास कर रहे उत्तराखंड परिवार के मेरे सभी प्रिय पारिवारिक जनों को मेरा सादर अभिवादन।

उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था, इंदौर से मेरा भी अत्यंत आत्मीय संबंध रहा है। मुझको यह हर्षित करने वाली जानकारी प्राप्त हुई कि संस्था की सांस्कृतिक पत्रिका का शीघ्र ही प्रकाशन होने जा रहा है, इसके लिए मेरी तरफ से अग्रिम शुभकामनाएं। चूँकि मैं स्वयं भी इस संस्था के विगत वर्ष के बसंत उत्सव कार्यक्रम में शामिल हुआ था, और मैंने देखा कि किस तरह से आप लोग हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजकर रखने हेतु शानदार भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। सांस्कृतिक पत्रिका से जुड़े हुए सभी लोगों को विशेष साधुवाद एवं शुभकामनाएं।

आपका स्नेही,

हेमंत पांडे

मुंबई

शुभकामना संदेश

दूरभाष..................

॥ जय बद्री विशाल ॥

गढ़वाल मित्र मंडल

कार्यालय : गढ़वाल मित्र मंडल भवन तुलसी नगर, राँझी, जबलपुर (म. प्र.)

क्रमांक .... दिनांक.........................

श्रीमती सविता खण्डूड़ी (जुगरान)
अध्यक्ष–गढ़वाल मित्र मंडल, जबलपुर
(महिला प्रकोष्ठ)

शास्त्री भवन
काली मंदिर स्ट्रीट
नरसिंह नगर, रांझी,
जबलपुर 482005 (म.प्र.)
मो.नं. : 91–7909441231

– संदेश –

मुझे इस बात की अत्यधिक प्रसन्नता है कि, उत्तराखण्ड सांस्कृतिक संस्था इन्दौर अपनी वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन करने जा रही है, जो कि अपनी मातृभूमि उत्तराखण्ड के विकास पर सृजनात्मक आलेखों के साथ प्रवासी संस्थाओं की भूमिका सुनिश्चित करता है।

मैं पत्रिका के प्रकाशन की सफलता के लिए अनेक शुभकामनाऐं प्रेषित करती हूँ।

सादर

श्रीमती सविता खण्डूड़ी (जुगरान)

WITH BEST COMPLIMENT FROM

Uttarakhand Cultural Association of Canada

Toronto, Canada
Website: www.ucacanada.com

September 25th 2023

On behalf of the Uttarakhand Cultural Association of Canada, we appreciate the work done by Uttarakhand Sanskritik Sanstha of Indore for the Uttarakhandi people living in and around Indore. It is truly remarkable to see the work of community and culture. One step at a time we are proud to see the accomplishments of Uttarakhandi's around the world.

We wish them all the best for the future.

Sincerely

Manoj Joshi - President

Uttarakhand Cultural Association of Canada

सम्पादकीय

अनेक तीर्थ संयुक्तं नानापुण्यवनैर्युतम् ।
अनेकशतसाहस्य शिवलिंग विराजितम् ।
नानानदीनदाकीर्ण नदीसंगमशोनितम् ।
नानाक्षेयैः पुण्यतंय नानापीठसुयान्यितमे् ।
काश्यादीनि च तीर्थानि गदितानि बहुनि वै ।
तानि सर्वाणि सेवत्तै मूर्तिमन्वस्तपः स्थिताः ।

केदारखण्ड 40/31-33

देवभूमि उत्तराखंड प्राचीन काल से ही आदिशक्ति माँ पार्वती की जन्मभूमि रही है, नगाधिराज का यह प्रदेश ऋषि मुनियों की तपोभूमि रहा है, शैलपुत्री का यह प्रदेश जहाँ विश्व के सर्वोच्च गिरिमालाओं के साथ-साथ, कल-कल करती नदियों का उद्गम स्थल है वहीं कमलवनों से सुपुष्पित एवं सुरभित बुग्यालों से भी सुसज्जित है।

यह हम सभी के लिए निःसन्देह ही अत्यन्त गर्व एवं सम्मान की अनुभूति करवाने वाली बात है कि जहाँ एक तरफ हमारी अथवा हमारे पूर्वजों की जन्मभूमि ऐसी देवलोक स्वरूपा धरा उत्तराखंड रही है, वहीं दूसरी तरफ हमारी कर्मभूमि माँ अहिल्या की वह पावन नगरी इन्दौर या उसके आस-पास का परिक्षेत्र रहा है जिसके एक तरफ पावन उज्ज्ञयिनी नगरी विराजमान है तो दूसरी तरफ अति पावन नर्मदा तट पर स्थित प्रसिद्ध ज्योतिरलिंग युक्त ओंकारेश्वर।

माँ अहिल्या की इस पावन नगरी में हमारे पुरुषार्थी पुरखे जब आये होंगे तो निश्चय ही यह उनके किन्हीं संचित पुण्य-प्रतापों का प्रतिफल ही रहा होगा। यहाँ पर आकर उन लोगों ने अपना एक मुकाम तो बनाया ही साथ ही साथ अपनी मातृभूमि के संस्कारों, रीति-रिवाजों तथा आपसी मेल-जोल को बढ़ाने एवं सवंर्धित रखने के पावन उद्देश्य से उत्तराखण्ड सांस्कृतिक संस्था की स्थापना कर डाली। उनके द्वारा रोपित एवं पुष्पित-पल्लवित किया गया। यह नन्हा पौधा आज एक उन्नत वृक्ष का स्वरूप धारण कर चुका है एवं निरंतर प्रगतिपथ पर अग्रसर है।

इस ही उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था की प्रतिनिधि पत्रिका ‘उत्तराखंड दर्पण’ के इस अंक को आपके हाथों तक पहुँचाते हुए, हमारी पूरी सम्पादक मंडल की टीम को एक आत्मिक गौरव एवं विशिष्ट खुशी का अहसास हो रहा है। आशा है विभिन्न आयामों को अपने कलेवर में समेटे हुए ‘उत्तराखंड दर्पण’ का यह अंक आप सभी को अवश्य ही पसंद आयेगा।

आपके अमूल्य सुझाव हमारे लिए अमूल्य-निधि का कार्य करेंगे।

आपका शुभाकांक्षी
के.के. पुनेठा

अध्यक्ष की कलम से...

बड़ी उम्मीदों एवं सफलता की नई परिभाषा गढ़ने वाला साल 2024

जॉन डेनवर ने एक मशहूर गाना गाया है, 'टेक मी होम/कंट्री रोड्स' यह गाना मेरे दिल के बहुत करीब है। उनकी पंक्तियाँ 'दूरस्थ सड़क/मुझे घर ले चलो/उस स्थान पर जहाँ का मैं हूँ' एक जादू सा पैदा करती है और मुझे वापस उत्तराखंड हिमालय की ओर ले जाती है।

देवताओं की भूमि और मनमोहक सौंदर्य वाला पहाड़ी राज्य। मासूम और मेहनती पहाड़ी लोगों की भूमि उत्तराखंड को सबसे विशिष्ट बनाते हैं।

नया साल 2024 शुरू हो चुका है। अब समय आ गया है कि हम 2023 पर नजर डालें और आत्ममंथन करें। जीवन एक लंबी यात्रा है और हम हर दिन कुछ न कुछ नई चीजें सीखते हैं। हम अपनी उपलब्धियों के बजाय अपनी गलतियों से अधिक सीखते हैं। कोविड–19 के बाद अब दुनिया सामान्य हो गई है और 2024 हमें अधिक अवसर प्रदान करता है। साथ ही यह उच्च आशाएँ भी प्रदान करता है।

भारत और दुनिया के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले उत्तराखंडी तेजी से प्रगति कर रहे हैं। उनकी सफलता की कहानियों ने हमें गर्व महसूस कराया है। यहां तक कि हाल ही में संपन्न मध्यप्रदेश राज्य विधानसभा चुनाव में भी साथी उत्तराखंडी, भाई रमेश मेंदोला जी ने रिकॉर्ड वोटों से जीत हासिल कर हम सभी पहाड़ी लोगों का दिल खुश कर दिया।

जीवन में उतार–चढ़ाव आते रहते हैं। यह काफी स्वाभाविक भी है। इसलिए हमें बस अपने अंदर एक शिक्षार्थी को जीवित रखने की जरूरत है।

मैं उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था के सभी सदस्यों, मित्रों और समर्थकों को नववर्ष 2024 की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। मैं कामना करता हूं कि यह वर्ष हमारी दुनिया में और अधिक खुशियां और समृद्धि लाए।

आपका

मीर रंजन नेगी

सचिव की कलम से...

सबूं है पेंली उत्तराखंड समाज का सबे लोगों कें यथायोग्य पेंलाग और आशीर्वाद।

उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था, इंदौर की सचिव के नाते मुझको जो दायित्व दिए गए थे, उसके लिए मैं समाज के एक –एक व्यक्ति का आभार प्रकट करते हुए आप सभी को आश्वासन देना चाहती हूँ कि मैं सदैव ही अपने दायित्वों के निर्वहन हेतु अपनी पूरी शक्ति से संलग्न रहूंगी।

हमारा समाज एक उच्च शिक्षित एवं प्रगति उन्मुख समाज है। हम अपनी मातृभूमि से हजारों मील दूर माँ अहिल्याबाई की इस पावन नगरी में अपनी–अपनी योग्यता तथा ईमानदारी के चलते अपने को स्थापित किए हैं। उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था हमारे महान दृष्टिवेत्ता पुरखों ,जिनमें से कुछ आज भी अपने आशीर्वाद देने हेतु हमारे बीच हैं का रोपित एक ऐसा पौधा है जो धीरे–धीरे पुष्पित एवं पल्लवित हो रहा है। अब यह हम सभी का दायित्व है कि हम सभी एकजुट होकर इसको और भी समृद्ध एवं शक्तिशाली बनायें, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी उत्तराखंड के उच्च सांस्कृतिक संस्कारों से वाकिफ होने के साथ–साथ ही अपने पूर्वजों द्वारा स्थापित इस संस्था पर गौरवांवित महसूस कर सके।

जय उत्तराखंड, जय भारत।

आपकी शुभाकांक्षी

सीमा डंगवाल

सामूहिक विवाह परिचय सम्मेलन

श्रीमती पायल कण्डारी
365, प्रीमियम पैराडाइज, इन्दौर (म.प्र.)

आज मुझे आप सबके सम्मुख अपनी अंतर्मन की भावनाओं को प्रस्तुत करते हुए अपार हर्ष का अनुभव हो रहा है। जिस तरह 16 से 17 वर्षों पूर्व हमने 'उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था' इंदौर में सामूहिक परिचय सम्मेलन की नींव रखी थी। आप सबके सहयोग और प्रयासों से हमारी संस्था निरंतर कामयाबी की ओर अग्रसर हो रही है। हालांकि आरंभ के दौर में कई उतार–चढ़ाव आए लेकिन आप सबके सहयोगात्मक व्यवहार और धैर्य के कारण यह सब आसानी से पार हो गया। वर्तमान में सोशल मीडिया के कारण समाज का दूर बैठा व्यक्ति भी हमारे 'उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था' के उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों की प्रसिद्धि के बारे में जानने लगा है, जिसका एक बड़ाफायदा ये हो रहा है कि गांवों से लेकर अन्य शहरों और विदेशों में बसे अभिभावकों को भी अपने बच्चों के लिए सुगमता से योग्यता अनुरूप रिश्ते मिल रहे हैं। जबकि पहले ये सब संभव नहीं था।

यह हमारे लिए अत्यंत प्रसन्नता और गौरव का विषय है कि आज संस्था के संग अधिक से अधिक लोगों का जुड़ाव बढ़ता जा रहा है।

वर्तमान में अभिभावकों के लिए बच्चों के विवाह करना किसी चुनौती से कम नहीं है। इसका एक बड़ा कारण ये है कि हम सबका दूर अलग–अलग शहरों में बसना और सामाजिक व्यवहारिकता की अनदेखी करना।

आपको मैं यह अवगत कराना चाहूंगी कि हम 'बसंत पंचमी' के एक हफ्ते पहले अपना 'उत्तराखंड सांस्कृतिक कार्यक्रम' रखते हैं। उसके बाद अगले सप्ताह के 15 दिन बाद या 8 दिन बाद हम 'सामूहिक विवाह परिचय सम्मेलन' रखते है।

प्रविष्टियों के लिए नाम मात्र का शुल्क रखा जाता है। सामूहिक विवाह के लिए युवकों की ओर से 35000/– तथा युवतियों की ओर से 25000/– न्यूनतम शुल्क रखा जाता है। जो जोड़े शादी के लिए तैयार होते हैं उनके साथ आए सगे–संबंधियों के लिए भोजन की व्यवस्था पंडित की व्यवस्था, पूजन सामग्री आदि निःशुल्क रखी गई जाती है। वर पक्ष की ओर से 50 लोग और वधू पक्ष की ओर से भी 50 लोगों के भोजन की व्यवस्था निशुल्क रखी जाती है। घोड़ी, बेंड, वर का सूट–बूट, वधू की साड़ी, मंगलसूत्र तथा पांच बर्तन आदि समाज की ओर से आशीर्वाद स्वरुप दिए जाते हैं। समाज के कई दानदाता स्वेच्छानुसार अपनी–अपनी तरफ से वर–वधू को आशीर्वाद के रूप में बढ़ा–चढ़ाकर सहयोग करते हैं। 'उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था' की ओर से विवाह के बाद वर–वधू को घर तक छोड़ने की व्यवस्था भी की जाती है। इस तरह से 'सामूहिक विवाह परिचय सम्मेलन' के माध्यम से कई जोड़े विवाह बंधन में बंध चुके हैं। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, महाराष्ट्र आदि सभी जगहों से लोग आते हैं और सामूहिक विवाह परिचय सम्मेलन में शामिल होते हैं। विवाह संबंधित इन समस्याओं को मद्देनजर रखते हुए कहीं ना कहीं इस बेहतरीन आशावादी सोच के कारण हमारे समाज के लोग अंतर्जातीय विवाह के झमेले से बच रहे हैं जो हमारे समाज के लिए एक सकारात्मक और उच्च पहल है। 'उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था' के माध्यम से जुड़े रिश्तो की बदौलत वर–वधु का जीवन पर्यन्त अपनी सांस्कृतिक विरासत से लगाव बना रहता हैं और आने वाली पीढ़ी भी अपने समाज के रीति–रिवाजों, भाषा, बोली, और संस्कृति से सदैव परिचित रहती हैं। भविष्य में मुझे उम्मीद है कि आप सबके विश्वास, आत्मीयता और सहयोग से मैं अपने उत्तरदायित्व को कर्तव्यनिष्ठा के संग निभा पाऊंगी।

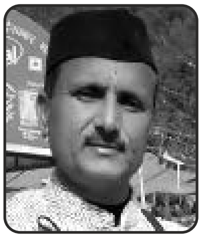

कलम और खुरपी के महामना

श्री विद्यादत्त उनियाल (शर्मा)

पहाड़ में सर्वत्र चीड़ की भीड़ ही भीड़ है। इसलिए ही शायद चीड़ आत्ममुग्ध है कि वह ही पहाड़ की रीढ़ है। लेकिन थोड़ी सी भी तेज हवा के झोंक भर में ही चीड़ की समूल उखड़ जाने की प्रवृत्ति भी हमनें करीब से देखी है। यद्यपि अंत, देर–सबेर सबका निश्चित है। वो इमारती हो अथवा करामाती, जलना सबको लकड़ी होकर ही है। किंतु चीड़ इतना बुद्धिहीन, बेखबर भी नहीं है – या – यूं कहें कि उसको यह भान नहीं है कि उसके रग–रग में प्रज्वलन क्षमता भले ही है, किंतु उसमें बांज के समान घनी छाया, मजबूत पकड़, प्रचण्ड ताप और शीतलता का वास जरा भी नहीं है। इसीलिए चीड़ की आत्मा कदम–कदम पर बांज से खौफ खाती है। और–बांज से जितनी दूर हो सके उतनी दूर पांव पसारती है।

पहाड़ की पगडंडियों, धार–खाल–वनपथों पर ही नहीं अपितु साहित्य, कला, संस्कृति के क्षेत्र में भी ऐसी ही अति उत्साही चीड़ की सी भीड़ है। लेकिन इन ही चीड़ और चीड़ के कुनबों की भीड़ से अलग कुछ ऐसे भी हैं जिनमें बांज सा रूतबा, बांज सा कद, बांज सी शीतलता कूट कूट कर भरी हुई है। ऐसी ही एक शख्सियत हैं कलम और खुरपी के धनी महामना – श्री विद्यादत्त उनियाल जी !

आयु नब्बे के करीब–करीब! काया दुबली पतली, पीठ सीधी तनी हुई। हाथ में छड़ी–जी नहीं! आंखों पर चश्मा– वह भी नहीं! लेकिन सतत गतिमान, उद्यमशील। संगी साथी दो गाय, दो बछड़े, एक जोड़ी बैल, मुर्गीयां, इर्द–गिर्द मंडराती मधुमक्खीयां और पास ही श्वान परिवार का एक नन्हा सा जीव भी। इनका कर्मक्षेत्र– विकासखण्ड पौड़ी के कल्जीखाल, मुण्डनेश्वर के समीप ग्राम सांगुड़ा, मोती बाग की उर्वरा भूमि रहा है! खेती और बागवानी का ऐसा शौक तथा जुनून की पेड़ पौधों की रखवाली मैं ही पूरा–पूरा दिन निकल जाये। ऐसा नहीं कि पौध लगाई और हो गई छुट्टी! दरअसल खर पतवारों की प्रवृत्ति पौधों को दबाने की होती है। इसलिए बरसात में भी पौधौं के बीच अपनी खुरपी तथा कुदाल के साथ एक गश्त लगानी ही लगानी होती है। गश्त न लगी और नजर हटी तो समझो खर पतवार ऊपर और पौध ढकी। इसलिए खुरपी, कुदाल तो मानो जैसे हर समय इनके हाथ में ही रहता हो।

खेती किसानी के यही मूल भाव, जीव जगत की सेवा और पेड़ पौधौं के निमित्त यह श्रमसिद्धी ही रही कि आपकी 'मोतीबाग' डॉक्यूमेंट्री को केरल में आयोजित 'अन्तराष्ट्रीय शौर्ट फिल्म समारोह' में प्रथम स्थान हासिल हुआ। यह अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। समय–समय पर समाचार पत्रों में भी हेडिंग्स पढ़ने को मिली– Where there is a will, there is a way- विद्यादत्त के पसीने से सोना उगल रही बंजर जमीन, अनूठा है विद्या विधि निर्मित सुखदेई जलाशय, मोतीबाग में दी जायेगी नई कृषि तकनीकी की जानकारी, उजड़ते गांवों की तकदीर बदलेगा 'शर्मा फार्मूला',पौड़ी गढ़वाल के बुजुर्ग किसान की मेहनत पर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'मोतीबाग' को आस्कर में मिली ऐन्ट्री, श्रमसाधक विद्यादत्त शर्मा मानद उपाधि से सम्मानित आदि–आदि।

पेड़ पौधों और जीव जगत के प्रति अगाध श्रद्धा के बीच ही आपके व्यक्तित्व का एक और भी आयाम है। वह है कवित्त पर आपकी सशक्त लेखनी! हिन्दी और गढ़वाली दोनों भाषाओं में आपकी मौलिक रचनाएं पीड़ा, अनुभूति, कविता, याद, धाद, दर्पण, बक्की–बात में पुस्तकाकार तो हैं ही लेकिन पत्र पत्रिकाओं के माध्यम से भी पाठकों तक पहुंचती रही हैं।

आपने रचनाओं को सजाने सवांरने की कोशिश भले ही न की हो लेकिन त्रुटियों के निराकरण के प्रति आप सदैव सजग जरूर रहे हैं। एक नहीं अपितु कई बार आप 'शिखर साहित्य प्रकाशन' के भीतरी कक्ष में छपी पुस्तकों की त्रुटियों को सुधारने में आप तल्लीन दिखे हैं। विद्यादत्त जी! बांज के झुरमुटों के बीच आप भूमि, जल, जीव संरक्षण के साथ–साथ साहित्य संवर्द्धन में भी यूं ही अनवरत साधना रत रहें, आप शतायु हों यह ही कामना है।

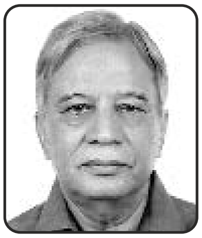

उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था के प्रति स्वस्फूर्त उपजा दायित्वबोध

यशवन्त बिष्ट
इन्दौर (म.प्र.)

यूँ तो दायित्वबोध शब्द अपने आप में ही एक ऐसा शब्द है ,जो भले ही किसी भी सन्दर्भ मैं दायित्व निर्वहन हेतु इस्तेमाल क्यूँ न हो, अक्सर स्वस्फूर्त ही हुआ करता है।

फिर भी यदि मैं अपनी बात करूँ, तो उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था, इंदौर के सन्दर्भ में यह दायित्वबोध मेरे मन मैं कैसे उपजा उसकी एक रोचक दास्ताँ है। यह दायित्वबोध कोई एक दिन में या फिर अचानक से उपजा हो ऐसा कतई नहीं है। जैसा कि अधिकांश लोगों को को पता ही होगा कि मैंने अपना अधिकांश समय कॉर्पोरेट जगत में अपने प्रोफेसनल काम से काम रखते हुए बिताया था। चूँकि, पिताजी अपनी आर्मी की सर्विस के सन्दर्भ में इंदौर के समीपवर्ती मिलिट्री एरिया महू मैं पदस्थ होकर आए तो उसके बाद वह मां अहिल्या की नगरी इंदौर के ही होकर रह गए। उनका उत्तराखंड तथा उत्तराखंड की संस्कृति से अत्यंत गहरा लगाव था। अपनी संस्कृति तथा अपने लोगों से कुछ ऐसा ही लगाव मेरी माताजी का भी था। घर में अक्सर ही उत्तराखंड समाज से नाता रखने वाले लोगों का आना– जाना लगा ही रहता था। इस बीच इन्हीं कुछ लोगों के द्वारा जिसमें मेरे पूज्य पिताजी भी थे उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था की नींव इंदौर शहर में डाल दी गई। परंतु इन सभी बातों से बेपरवाह मैं अपनी कॉर्पोरेट लाइफ इंजॉय कर रहा था तथा अच्छे जिम्मेदार पद पर कार्यरत भी था।

मुझको तब यह बात बिलकुल भी समझ में नहीं आती थी कि आखिर क्यूँ भला पिताजी अपनी आर्मी की रिटायर्ड लाइफ एंजॉय करने के बजाय हर समय ही उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था तथा उत्तराखंड से आकर यहां स्थापित हुए लोगों के बारे में ही सोचते रहा करते हैं। इस तरह से पिताजी के अपने सरोकार तथा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारीभरा जीवन चल रहा था, और मेरी अपनी कॉर्पोरेट लाइफ चल रही थी।

सब कुछ ठीक चल रहा था कि अनायास ही मेरे पूज्य पिताजी का साया हम लोगों के सिर के ऊपर से उठ गया तथा उनका देवलोकगमन हो गया।

पिताजी की मृत्यु के बाद मुझको भी लगने लगा कि पिताजी जिस समाज के लिए अपने पूरे समय सोचा करते थे और समाज के कार्यों के लिए कभी भी उन्होंने दिन और रात में भेद नहीं किया तो यदि उसमें मेरा कोई योगदान नहीं रहा तो यह उनके प्रति बड़ी नाइंसाफी होगी। मुझको भी पिताजी की ही तरह से अपने समाज, अपनी संस्कृति तथा अपने लोगों से लगाव को बढ़ाते हुए इस संदर्भ में अपना कुछ योगदान देना चाहिए। मुझको जब यह अंदर से महसूस होने लगा और अपनी इस सोच के क्रियान्वयन के लिए मुझको अपनी बेटरहाफ अर्थात पत्नी का भी भरपूर समर्थन मिला,तो मैंने भी एक स्व –स्फूर्त प्रेरणा से अपना कुछ न कुछ योगदान अपने समाज तथा अपनी उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था के लिए देना आरंभ कर दिया। मैं अपना योगदान कितना दे पाया हूँ इस बात का सही फैसला एवं आकलन तो समाज से जुड़े हुए हमारे बंधु–बांधव लोग ही कर सकते हैं। हां, मैं इतना अवश्य कहना चाहूँगा कि मैंने तथा मेरी भार्या ने हमेशा ही अपने समाज तथा अपनी संस्था के लिए बिना किसी निजी लालसा पाले, अपनी पूरी प्रतिबद्धता निभाने मैं अपना संपूर्ण देने की कोशिश की है।

इसका कारण शायद उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था के प्रति मेरे मन में उपजा स्वस्फूर्त दायित्वबोध ही कहीं न कहीं जिम्मेदार होगा।

चम्मी की पीठ

दीप नेगी
यू.ए.ई.

चमोली गढ़वाल, नारायणबगड में बेड्डुला गाँव के उस लम्बे चौड़े हरे घास के बुग्याल में चरता हुआ बकरियों का झुण्ड बहुत ही सुन्दर लग रहा था। काली, भूरी, कुछ आधी काली-सफेद बकरियों के इस झुण्ड में बर्फ जैसा सफेद चमकता लगभग एक साल का एक बकरा बुग्याल के एक कोने में अकेला खड़ा था। वह बुग्याल के उस कोने में खड़ा होकर सामने पहाड़ पर फैले खुले नीले आसमान की ओर देख रहा था। चमकते हुए, रुई जैसे बालों वाले इस बकरे का नाम ''चम्मी'' था, चम्मी नाम गढ़वाली में एक शब्द ''चम्म'' से बना था, जिसका मतलब होता है, चमकीला – एकदम सफेद।

चम्मी घास नहीं चर रहा था। चरवाहे के पत्थरों का भी उस पर असर नहीं हो रहा था, वो उदास झुण्ड से अलग बुग्याल के इस कोने में ना जाने क्या सोच रहा था ? शाम होते ही, अँधेरा होने से पहले चरवाहा बकरियों के इस झुण्ड को लेकर वापिस आ गया। चरवाहे ने झुण्ड को बकरवाडे (बकरियों को रहने का कमरा) में बंद कर दिया। रोज़ की तरह चम्मी आज भी बकरवाडे की खिड़की से बाहर चाँद को टकटकी लगाए देख रहा था, उसकी गीली आँखे उसका दर्द बयान कर रही थीं।

चम्मी रूआंसा होकर चाँद से बोला – हे चाँद, तुम इतने सुन्दर हो, सफेद हो, चमकीले हो, फिर भी भगवान ने तुम्हे दाग दिए हैं तो फिर भगवान ने मेरे शरीर पर एक भी दाग क्यों नहीं दिया, क्यों मुझे सिर से लेकर पूँछ तक पूरा सफेद बनाया ? काश, भगवान ने मेरे शरीर पर एक भी धब्बा या दाग दिया होता तो मेरी दो दिन बाद मंदिर में बलि नहीं दी जाती, और यह बोलते ही उसकी आँखों से आंसू बहने लगे।

असल में कुछ दिन पहले ही चम्मी को उसके मालिक चरवाहे ने बलि के लिए अच्छे दामों में बेच दिया था। किसी विशेष पूजा के लिए सिर्फ सफेद रंग के बकरे की ही बलि दी जानी थी और इसी कारण चम्मी को बलि के लिए चुना गया। चाँद की ओर देखता चम्मी बकरवाडे की खिड़की पर अपना सिर रख कर भगवान को याद कर रहा था। नियति तो देखिये, जिस भगवान से वो अपने बचने की प्रार्थना कर रहा था उसी भगवान को खुश करने के लिए उसकी बलि दी जानी थी।

सुबह होते ही बकरवाडे के दरवाजे खुल गए और रोज़ की तरह बकरियों का झुण्ड जंगल की ओर हरे घास के बुग्याल की ओर चल पड़ा, जहाँ आज चम्मी उदास एक कोने में खड़ा था। वो बेमन से घास को सूंघता, काटता और छोड़ देता।

वो चाहता था कि वो झुण्ड से दूर, चरवाहे की नजर बचाकर कही दूर जंगल में चला जाय, पर वो जंगल में बाघ का आसान शिकार भी नहीं बनना चाहता था।

शाम होते ही चरवाहा बकरियों को घर ले आया, चम्मी आज भी बकरवाडे की खिड़की से बाहर चाँद को देख रहा था। कल उसकी बलि थी और आज की रात उसकी आखिरी रात थी।

चम्मी पूरी रात जागता रहा और सुबह होते ही चरवाहे ने चम्मी को बाहर घर के आँगन में बाँध दिया।

चरराहा अपने बूढ़े पिताजी को कुछ समझाने के बाद बकरियों के बाकी झुण्ड को लेकर जंगल चला गया। चम्मी कमजोर हो गया था, वो जमीन पर लेट गया। घर की मुंडेर पर चरवाहे के पिता जी और उसका छः साल का बेटा बैठे थे, जो आपस में चम्मी के बारे में ही कुछ बात कर रहे थे। अपना नाम सुनकर चम्मी के भी कान खड़े हो गए वो दादा और पोते की बात को टक्क लगाकर सुनने लगा।

घर के सामने से मंदिर जाने का रास्ता था, पंडित जोशी जी भी मंदिर की तरफ जा रहे थे। दादाजी ने उन्हें रोका और चाय पीने को कहा।

पोते ने अपने दादाजी से पूछा – दादा जी, चम्मी कितना सफेद और सुन्दर है, कितने पैसो में बेचा पिताजी ने चम्मी को ?

दादा – बेटा, चम्मी तो बलि का बकरा है इसके लिए तुम्हारे पिताजी को उसके लिए दुगने दाम मिले।

पोता – अच्छा समझा, लेकिन दादा जी बलि क्यों देते हैं?

दादा– बेटा, जब किसी को अपनी मनोकामना पूरी करनी हो या वो किसी समस्या से गुजर रहे होते हैं तो लोग भगवान को बलि देकर प्रसन्न करते हैं।

पोता – लेकिन दादा जी, लोगों को कैसे पता चलता है कि भगवान को बलि चाहिए ?

पंडित जोशी जी की तरफ देखते हुए कुछ देर चुप रहने के बाद दादाजी ने जवाब दिया कि बेटा ये सब लोगो के विश्वास के ऊपर है, कोई मानता है और कोई नहीं लेकिन हाँ जब बकरे को मंदिर में बलि के लिए ले जाते हैं तब बकरे के ऊपर थोड़ा पानी और चावल डालते हैं। अगर बकरे ने अपनी पीठ जोर से हिलायी तो इसका मतलब भगवान को ये बलि मंजूर है। और अगर नहीं हिलायी तो मतलब बलि मंजूर नहीं है। वैसे लोग मंदिरो में भगवान को खुश करने के लिए श्री फल भी चढ़ाते हैं।

पोते ने चौंकते हुए कहा – अच्छा, ये बात है। पोते ने पास में रखे पानी से आधा भरे गिलास को अपने हाथों से उठाया। नन्हे हाथों में पानी उड़ेल कर उसने छोटे खरगोशों की तरफ फेंका। दोनों खरगोशों ने अपनी पीठ झटकते हुए हिलाई और पानी की बूंदो को झिडकर एक कोने में दुबक गए

पोता हँसते हुए बोला दादाजी इन्होंने भी पानी छिड़कने पर अपनी पीठ हिलाई, क्या इनकी भी बलि भगवान् को पसंद है?

पंडित जोशी को जैसे आत्मज्ञान हो गया हो, छोटे बच्चे की मासूमियत और तर्कसंगत बात मानो उन्होंने आत्मसात कर ली। मंद मंद मुस्काते हुए पंडित जी वहां से कुछ प्रण लिए मंदिर की ओर चल पड़े।

अब चम्मी को खरीदने वाला व्यक्ति भी उधर आ गया था, उसने जेब से कुछ पैसे निकालकर चरवाहे के पिताजी को दिए और चम्मी को खूंटे से खोलकर साथ लायी एक रस्सी से बाँध दिया और मंदिर की ओर चल पड़ा। उसके एक हाथ में एक थैले में कुछ श्रीफल थे और दूसरे हाथ में जली हुवी बीड़ी के साथ साथ चम्मी के गर्दन से बंधी रस्सी का एक छोर। बीड़ी के लम्बे – लम्बे कश मारता हुवा वो श्रीफल के थैले और चम्मी को लिए मंदिर की ओर बढ़ रहा था।

थोड़ी देर बाद मंदिर भी आ गया, उस व्यक्ति ने चम्मी को मंदिर के प्रांगण में ही रख दिया। मंदिर का पुजारी और वह व्यक्ति पूजा के लिए बाकी सामाग्रियों को इकट्ठा करने में जुट गए।

चम्मी को दादा (चरवाहे के पिता) की बातें याद आने लगी उसने थैले में रखे श्रीफलों की ओर ध्यान से देखा। ऐसा लग रहा था मानो थैले में रखे श्रीफल चम्मी से कुछ कहना चाहते हो। चम्मी उदास था, उसके पास अब कुछ ही समय बचा था। और आखिरकार चम्मी की बलि का समय भी आ गया, चम्मी बलि के लिए नहीं जाता चाहता था, उसने आगे के पांवो को जमीन पर टेक दिया लेकिन उसे घसीट कर बलि वाली जगह पर ले जाया गया। चारों और सन्नाटा छा गया। थोड़ी देर में पूजा भी संपन्न हो गयी थी, पुजारी ने बाहर आकर प्रथानुसार कुछ प्रसाद हवा में चढ़ा दिया और कुछ मंदिर में खड़े लोगो में बाँट दिया। मंदिर में एक ओर कुछ लोगों के बीच खूसर–पुशर चल रही थी, जिसमें मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित जोशी भी थे, शायद किसी बात पर चर्चा हो रही थी।

लेकिन यह क्या मंदिर के दूसरी छोर पर घास चरता सफेद चमकता चम्मी बार बार आसमान की ओर देख भगवान का धन्यवाद कर रहा था। असल में चम्मी बच गया था, चावल और पानी डालने पर पीठ ना हिलाने की वजह से उसकी बली नहीं दी गयी और सिर्फ श्रीफल फोड़ कर ही पूजा सम्पन्न हुई। शायद चम्मी को पीठ ना हिलने वाली बात समझ आ गयी हो या पंडित जोशी को हुआ आत्मज्ञान या फिर दोनों बातों का संयोग – चम्मी की जान बच गयी।

मुख्य पुजारी ने उपस्थित सभी लोगों को बताया की आज से इस मंदिर में बलि–प्रथा बंद कर दी गयी है, क्योंकि मंदिर के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ था जब भगवान ने बलि को स्वीकार नहीं किया था। इस बात को मुख्य पुजारी ने देवआदेश मानकर शायद यह फैसला लिया हो।

ये अंधविश्वास तो नहीं लेकिन शायद एक मजबूत विश्वास था जिसने बलि प्रथा को इस मंदिर में हमेशा के लिए खत्म कर दिया।

मंदिर के प्रांगण में फैले ढेर सारे फूटे हुए श्रीफल अपनी जीत पर मुस्कुरा रहे थे। वो मौन थे हमेशा की तरह और आज भी मौन हैं, बोलने वालों के लिए, उनके बोलते रहने के लिए। पंडित जोशी घास चरते चम्मी को देख बस मुस्कुरा रहे थे।

चम्मी ने एक नया दौर शुरु कर दिया था।

घुघूति बासूति – उत्तराखंड के परंपरागत बालगीतों की पुस्तक

दीक्षा पंत
भोपाल

उत्तराखंड के परंपरागत बालगीतों की पहली किताब 'घुघूति बासूति' लोहसाहित्य पर बिकने वाली किताबों में सबसे अग्रणी है। पहले कोरोना लॉकडाउन के समय ई बुक के रूप में रुद्रपुर निवासी हेम पंत ने यह अभिनव प्रयोग किया और जल्दी ही यह किताब पूरी दुनिया में रहने वाले उत्तराखंडियों तक पहुंच है।

इस किताब में पूरे उत्तराखंड में गाए जाने वाली लोरियाँ, त्यौहार गीत, क्रीड़ा गीत और पढ़ने लिखने में सहायक गीत भी हैं। नई पीढ़ी के बीच इन गीतों को पहुंचाने के लिए एक सुंदर किताब के रूप में इन्हें प्रकाशित किया गया। समय साक्ष्य प्रकाशन, देहरादून के श्री प्रवीन भट्ट के अनुसार इस संकलन की 10 हजार प्रतियां बिक चुकी हैं और इस संकलन को कई स्कूलों ने अपने पाठ्यक्रम का हिस्सा बना लिया है। गढ़वाली, कुमाऊनी, रंवाल्टी, जोहारी और अन्य क्षेत्रीय बोलियों के ऐसे गीत जो विलुप्त होने के कगार पर थे उन्हें इस किताब ने पुनः जनता के ।बीच स्थापित कर दिया है।

इन गीतों में प्रमुख लोरी 'हल्लोरी बाला हल्लोरी', 'से जा से जा निंदा की बाली, पर्वगीत जै जै घोघा माता फ्यूंली का फूल, चला फुल्यारुं फूल, घुंघरा माई दाल पिसै, हे भुलि बिमला कख पाक्यो छ तिमला', खेल दरी हिमाला दरी आदि शामिल हैं।

बोली–भाषा और संस्कृति को लोगों तक पहुंचाने का मकसद से परंपरागत बालगीतों को बच्चों द्वारा बनाए गए मौलिक चित्रों के साथ सुंदर तरीके से प्रस्तुत किया गया है। किताब को विनोद गड़िया ने डिजाइन किया है। इसके मुख्यपृष्ठ पर अजय कन्याल के चित्र हैं और बाल चित्र वसुधा, वत्सल, मीनाक्षी ने तैयार किए हैं।

अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका, सऊदी अरब, सिंगापुर सहित अन्य देशों में रहने वाले प्रवासी उत्तराखण्डियों के बीच यह पुस्तक बहुत प्रसिद्ध है। आप भी अपने बच्चों के लिए यह पुस्तक अमेजन से मंगवा सकते हैं।

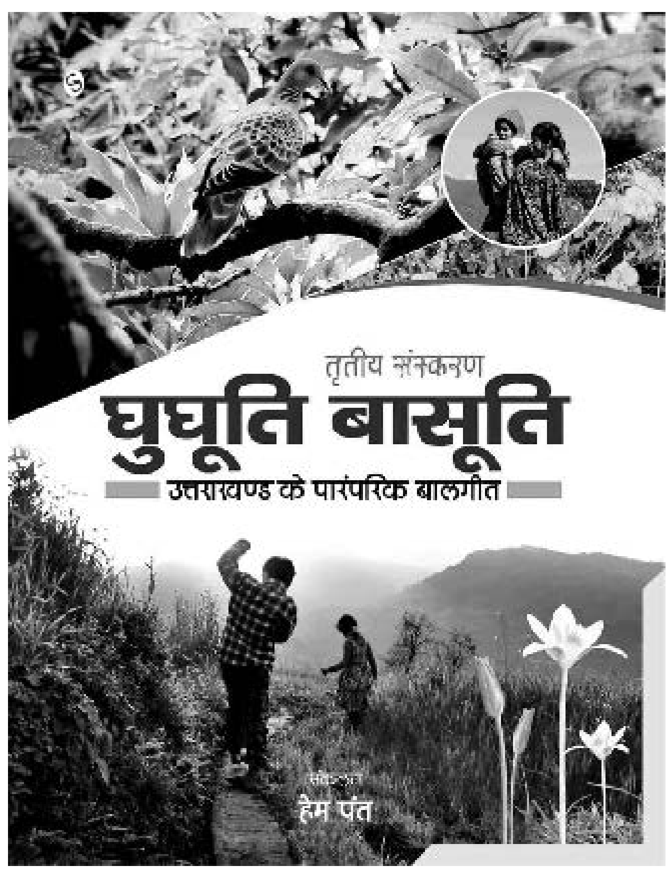

उत्तराखण्ड का लोकपर्व : सातूं - आठूं

श्रीमती पूनम पंत
इन्दौर

लोक पर्व सातों–आठों की शुरुआत भाद्रपद मास (अगस्त–सितम्बर) की पंचमी तिथि से होती है। इसे बिरुड पंचमी भी कहते हैं। इस दिन हर घर में तांबे के एक बर्तन में पांच अनाजों मक्का, गेहूं, गहत, ग्रूस, व कलू को भिगोकर मंदिर के समीप रखा जाता है। इन अनाजों को सामान्य भाषा में बिरुडे या बिरुडा भी बोला जाता है। ये अनाज औषधीय गुणों से भी भरपूर होते हैं। व स्वास्थ्य के लिए भी अति लाभप्रद होते हैं। इन्हीं अनाजों को प्रसाद के रूप में बांटा एवं खाया जाता है।

दो दिन बाद सप्तमी के दिन शादीशुदा महिलाएं पूरे दिन व्रत रखती हैं। दोपहर बाद अपना पूरा सोहल श्रृंगार कर धान के हरे भरे खेतों में निकल पड़ती हैं। धान के खेतों में एक विशेष प्रकार का पौधा (जिसे सौं का पौधा कहते हैं) भी उगता है। इस पौधे को महिलाएं उखाड़ लेती हैं। साथ में कुछ धान के पौधे भी।

इन्हीं पौधों से माता पर्वती की एक आकृति बनाई जाती है। फिर उस आकृति को एक डलिया में थोड़ी सी मिट्टी के बीच में स्थापित कर दिया जाता है। उसके बाद उनको नए वस्त्र व आभूषण पहनाए जाते हैं। पौधों से बनी इसी आकृति को गमरा या माता गौरी का नाम दिया जाता है। उसके बाद महिलाएं गमरा सहित डलिया को सिर पर रखकर लोकगीत गाते हुए गांव में वापस आती हैं। फिर मूर्ति स्थापना होती है।

पंचमी के दिन भिगोए गए पांचों अनाजों के बर्तन को नौले (गांव में पानी भरने की एक सामूहिक जगह) में ले जाकर उन अनाजों को पानी से धोया जाता है। फिर इन्हीं बिरुडों से माता गौरी की पूजा अर्चना की जाती है। इस अवसर पर शादीशुदा सुहागिन महिलाएं गले व हाथ में पीला धागा जिसे स्थानीय भाषा में डोर कहते हैं। बांधती हैं। यह अखंड सुख–सौभाग्य व संतान की लंबी आयु की मंगल कामना के लिए बांधा जाता है।

पार्वती को मनाने अष्टमी को ससुराल पहुँचते है महेश्वर – मान्यता है कि माता गौरी भगवान भोलेनाथ से रुठ कर अपने मायके चली आती हैं। अगले दिन अष्टमी को भगवान भोलेनाथ माता पार्वती को मनाने ससुराल आते हैं। इसीलिए अगले दिन महिलाएं फिर से सज धज कर धान के हरे भरे खेतों में पहुँचती हैं। वहां से सौं और धान के कुछ पौधे उखाड़ कर उनको एक पुरुष की आकृति में ढाल दिया जाता है। महेश्वर को भी एक डलिया में रखकर उनको भी नए वस्त्र आभूषण पहनाए जाते हैं और उस डलिया को भी सिर पर रखकर नाचते गाते हुए गांव की तरफ लाते हैं और फिर उनको माता पार्वती के समीप विधि विधान के साथ स्थापित कर दिया जाता है। गमरा व महेश्वर की पूजा होती है।

उसके बाद गौरी और महेश्वर को एक स्थानीय मंदिर में बड़े धूमधाम से लोकगीत गाते व ढोल नगाड़े बजाते हुए ले जाया जाता है। जहां पर उनकी पूजा अर्चना के बाद विसर्जित कर दिया जाता है। जिस को आम भाषा में सेला या सिला देना भी कहते हैं।

अनोखी रस्म फौल फटकना– इस अवसर पर एक अनोखी रस्म भी निभाई जाती है। जिसमें एक बड़े से कपड़े के बीचों–बीच कुछ बिरुडे व फल रखे जाते हैं। फिर दो लोग दोनों तरफ से उस कपड़े के कोनों को पकड़कर उस में रखी चीजों को ऊपर की तरफ उछालते हैं। कुंवारी लड़कियाँ व शादीशुदा महिलाएं अपना आंचल फैलाकर इनको इकट्ठा कर लेती हैं। यह बहुत ही शुभ व मंगलकारी माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि अगर कोई कुंवारी लड़की इनको इकट्ठा कर लेती हैं तो उस लड़की शादी अगले पर्व से पहले–पहले हो जाती है। पर्व के समापन के बाद कई जगहों पर हिलजात्रा का भी आयोजन किया जाता है।

कन्यादान का पुण्य

अरुण घिल्डियाल
भोपाल

आज उसके घर में शहनाई गूंज रही थी, मेहमानों का जमावड़ा था, सबके मन में एक अलग ही उत्साह था। कुछ देर में उसे बेटी की विदाई करनी थी, पंडित जी पूजा की तैयारी कर रहे थे दुल्हन की सहेलियां दुल्हन को तैयार कर रही थी। मेहमान एक दूसरे से बातों में मशगूल थे सब अपनी–अपनी तरह से खुश थे एक वह ही था जो एक तरफ बैठा विचारों में खोया हुआ था, आज उसके सामने उसकी जिंदगी का एक–एक पन्ना खुल रहा था।

उसे याद आए वे दिन जब वह अपनी पत्नी तथा पुत्र के साथ इस शहर में आया था, अच्छी नौकरी अच्छा रहन सहन, सुखी व संपन्न परिवार का मालिक। किंतु न जाने किसकी नजर लगी कि पत्नी से तलाक की नौबत आ गई। तलाक हुआ तो बच्चे की कस्टडी भी कोर्ट ने मां को ही दी, भरा पूरा परिवार बिखर गया। पूरी तरह से टूट गया था वह। दोस्तों और शराब में समय बीतने लगा, उसका अधिकतर समय बाहर ही बीतता था घर लौटने का कोई मकसद नहीं रह गया था।

न जाने कब व किसने सलाह दी और एक दिन वह एक कोठे पर जा पहुंचा। कोठे की मालकिन ने उसे ऊपर से नीचे तक देखा, तो वह सहम सा गया। वह समझ गई, ग्राहक नया है। बोली– बाबू, पहली बार आए हो। उसने धीरे से गर्दन हिला दी। वह बोली – बाबू आज तो बुकिंग फुल है पर हां एक नई लड़की है, कोठे के तौर तरीके नहीं जानती, चलेगी क्या। कोठे के तौर तरीके वाली बात उसे समझ नहीं आई, बोला – हां चलेगी। मालकिन ने उसे कमरे में बैठने का इशारा किया, वह चुपचाप जाकर कमरे में बैठ गया।

थोड़ी देर में एक 13–14 वर्ष की लड़की सहमी सी आकर चुपचाप आकर उसके सामने खड़ी हो गई। उसके चेहरे का भोलापन व आंखों की मासूमियत देखकर वह असमंजस में पड़ गया। उसकी अंतरात्मा ने उसे झकझोरा यह क्या करने जा रहा है। उसका तार्किक मन कहता, अरे तू जिसके लिए आया है वह कर और चलता बन, पर उसका अंतर्मन उसे कुछ करने नहीं दे रहा था। उसका मन ग्लानि से भर गया। अंततः वह उठा, धीरे से लड़की के सिर पर हाथ फेरा और बाहर निकल गया। लड़की बड़ी मासूमियत से बोली बाबू, कल फिर आओगे। उसके कदम ठहर गए। लड़की की तरफ देखने की हिम्मत भी नहीं हुई उसकी। अपनी नम आखों को छुपाते हुए उसके मंहु से निकला – हां।

अगले दिन वह सवेरे ही कोठे पर जा पहुंचा। मालकिन बड़े आश्चर्य से बोली – अरे बाबू सुबह–सुबह कैसे। वह बोला एक खास बात करनी है। वह बोली – बोलो। वह बोला–कल जो लड़की आई थी उस पर तुम्हारा कितना खर्चा हुआ। मालकिन ने कुटिल हंसी बिखेरी, बोली–पसंद है। वह बोला–तुम बस कीमत बताओ। मालकिन बोली 25000 देकर आई थी उसकी मां को। उसने जेब से नोट निकाले और बोला यह लो पूरे 50,000 हैं गिन लो। मालकिन बोली – बाबू, 10,000 तो उसको लाने में भाड़ा भी लगा। उसने 10,000 और निकाल कर उसके सामने रख दिए, और लड़की को घर लेकर आ गया।

अगले ही दिन बाजार से नए कपड़े लाकर उसने लड़की को तैयार किया और उसे लेकर सीधे रजिस्टार ऑफिस पहुंचा। वहां उसने लड़की को गोद लेने की प्रक्रिया पूरी की और उसे अपनी बेटी बना लिया। उसका नाम रखा लक्ष्मी। अब वह मन से प्रसन्न रहने लगा।

ऑफिस से आते वक्त कुछ ना कुछ उसके लिए जरूर लाता। घर लौटने का अब उसको एक मकसद मिल गया था। लक्ष्मी की छोटी से छोटी इच्छा पूरी करने में उसे बहुत आनंद आता, पर लक्ष्मी हमेशा सहमी—सहमी सी रहती। प्रथम वर्ष घर पर ही पढ़ा कर अगले वर्ष प्राइवेट आठवीं की परीक्षा दि लवाई। लड़की पढ़ने में अच्छी थी। शांत रहती तथा घर के कार्यों के साथ—साथ पढ़ाई पर पूरा ध्यान देती थी। किंतु एक बात उसे हमेशा परेशान करती थी लक्ष्मी ने कभी उसे पिताजी कहकर संबोधित नहीं किया। वह उसका बहुत आदर करती किंतु हमेशा जी कहकर ही बात करती थी।

समय बीतता गया लक्ष्मी ने फाइन आर्ट्स में डिग्री कर ली थी। उसकी उंगलियों में कमाल था, उसकी कला को जो भी देखता सराहना किए बिना नहीं रहता। अब वह पहले वाली सहमी—सहमी सी रहने वाली लड़की नहीं थी पढ़ी—लिखी समझदार और इंटर कॉलेज में प्रवक्ता के पद पर कार्यरत थी। किंतु उसकी आंखों में उसे अभी भी वही मासूमियत नजर आती थी। आज उसी की शादी का समारोह था।

आज वह बैठा—बैठा सोच रहा था कि एक पिता का फर्ज तो उसने पूरा कर दिया पर क्या वह वास्तव में पिता बन सका। समाज की नजरों में वह एक पिता था, किंतु उसकी बेटी ने उसे कभी भी पिताजी कहकर नहीं पुकारा। उसे अपने पिता होने के अधूरेपन पर अफसोस हो रहा था। सोच रहा था कि क्या रिश्ता एक तरफा भी हो सकता है। ऐसे कई अच्छे— बुरे विचार उसके मन को झकझोर रहे थे। तभी पीछे से आवाज आई— पिताजी, मुझे मत भेजो। मैं आपके साथ ही रहना चाहती हूं, मैं आपको अकेला छोड़कर नहीं जाऊंगी।

उसने आश्चर्य से से मुड़कर देखा, लक्ष्मी दौड़कर उसके गले लगकर रोने लगी। दोनों के अश्रुपूरित नयन बिना बोले ही सब कुछ बयांकर रहे थे। उसने लक्ष्मी को छाती से लगा लिया। आज उसके मुख से पिताजी शब्द सुनकर उसे वास्तव में एक पिता होने का एहसास हुआ।

लड़की की विदाई तो होनी ही थी, लक्ष्मी को विदा करने के बाद वह घर में फिर एक बार अकेला रह गया लेकिन अब उसे अकेलेपन का एहसास नहीं हो रहा था क्योंकि आज वह अकेला नहीं था कन्यादान का पुण्य भी उसके साथ था।

शक्तिपीठ माँ पूर्णागिरि मंदिर, टनकपुर उत्तराखंड

लिपस्टिक

प्रदीप कोठियाल
नई दिल्ली

72 साल के ठाकुर शमशेर सिंह का डील–डौल कुछ सेना के रिटायर्ड मेजर भुवन जैसा था। वही चौड़ी छाती और लिप्टन टाइगर जैसी मूंझे, जो इतनी तरतीब से रखी गयी थी, जैसे कि आबनूस की कोई तराशी गयी चमकदार चीज हो। ठाकुर के चेहरे पर हमेशा एक दर्प का भाव रहता और उनको अकूत सम्पति होने के साथ साथ गजब का आत्म संतोष था।

नवम्बर की ठण्ड भरी रात थी। लालटेन की झाड़ी की खुशबू से महकती एक छोटी-सी पगडण्डी थी जो प्रधान जी के घर तक जाती थी। हाल फिलहाल में ही इस रस्ते के किनारे कुछ बिजली के खम्बे गड़े हैं, जिन पर लगे बल्बों से निकलती पीली रौशनी इस रस्ते को और भी मृतप्रायः बना देती है। एक लंबी सी लाइन में लगे गाँव के लोग कानाफूसी करते हुए प्रधान जी के घर की ओर इसी बारीक पगडण्डी से जा रहे हैं। खबर है कि कुएं में पड़ी लाश अब शमशेर जी के यहाँ रखी पड़ी है। जितने मुँह, उतनी बातें और सब कोई अपनी कहानी को सही साबित करने की कोशिश करता हुआ और इन सब की फुसफुसाहट से गाँव के कुत्ते बीच-बीच में तेजी से भौंक रहे थे।

शमशेर सिंह जी के दुमंदिले घर का बरामदा इतना बड़ा था की लगभग आधे गाँव के लोग उसमें एक साथ बैठ किसी आयोजन का आनन्द ले सकते थे। आज तक इस विशाल बरामदे में बैठ कर गाँव के लोगों ने जश्न और हंसी-खुशी के मौकों का लुत्फ उठाया था, लेकिन आज समय बिलकुल अलग है।

अहाते के एक किनारे पर, हरे रंग का घाघरा पहने और चेहरे पर लाल रंग का दुपट्टा डाले एक 5 फुट का मृतप्रायः शरीर रखा है। पानी से भीगे होने के कारण शरीर को लपेटे हुए कपड़ों पर काफी जगह पर सिलवटें और हवा के बुलबुले जगह जगह दिख रहे थे। इतनी कड़ाके की सर्दी और सन्न सन्न बहती हवा में किसी जानप्राण वाले इंसान का ऐसी दशा में जिंदा होना एक चमत्कार ही होता। शाम के सात बज चुके थे, जब गाँव के तकरीबन 70 लोग ठाकुर शमशेर सिंह के यहाँ जमा हो गए थे और वक्त जैसे थमने के साथ जम गया था।

सबके शक का सूबा रुवाब सिंह पर जो कि शमशेर सिंह का बड़ा लड़का था, जो जोर सिंह से एक दम अलग स्वभाव का था। जोर सिंह रुवाब सिंह का छोटा भाई था। रुवाब सिंह की कद काठी अपने भाई की तरह थी, खूब लंबा छरहरा गदराया बदन, लेकिन उस पर मोटी-मोटी भौंवों और बेतरतीब बिखरे बालों का होना उसे कुछ अलग ही शख्शियत का जामा पहना देते थे। रुवाब सिंह को नाटक करने का बड़ा शौक था और वह छुपते छुपाते थौलू देवता तप्पड़ (पहाड़ों में काफी दूर तक फैला एक मैदान जहाँ अक्सर मवेशी घास चरने जाते हैं) अक्सर जाया करता था। ढोल दमाऊ और मस्कबीन बजाने वाले बेड़ा (खास हुनरवाले लोग जो पारंपरिक रुप से पहाड़ो में वादय यन्त्र बजाते हैं) भी गाँव से इसी तप्पड़ में अपना अभ्यास करने जाते थे।

इन समूह में तीन बेडीण (बेड़ों की पत्निया – पारंपरिक महिला नृत्यांगनाएँ) पिंगली, छुमा और लाली भी थी। छुमा और लाली की उम्र अब 60 साल से ऊपर हो गयी और अब अपनी उम्रदराजी के चलते अब ये दोनों सिर्फ गाती हैं। इनमें से सिर्फ पिंगली ही है जो गाँव के किसी भी खास समारोह के होने से पहले थौलू देवता तप्पड़ अभ्यास के लिए जाती है। उसकी उम्र अभी सिर्फ 22 की ही तो हुई है। इस साल उसने अपनी तैयारी अक्टूबर के महीने से शुरु कर दी क्यूंकि नवम्बर में जोर सिंह का विवाह है जहाँ उसे अपना पारंपरिक घाघरा पहन कर हुनर दिखाना है।

रुवाब सिंह कुछ अतरंगी किस्म का था। गाँव की कुछ महिलाओं ने उसे कई बार तप्पड़ में पिंगली के साथ डांस करते देखा था। पिंगली की आर्थिक दशा कुछ खास अच्छी नहीं थी और गाँव के एक आयोजन में डांस करने के बाद

मिला धन उसके और उसके परिवार का अगले 2–3 महीने तक पेट भरने के लिए पर्याप्त होता था, लेकिन उसके एक मात्र घाघरे को सीने के लिए नहीं , जो कि जगह जगह से छिज गया था। सौंदर्य सामग्री खरीदना तो दूर की बात थी। उसका चेहरा बिना सौंदर्य किये भी बहुत सुन्दर दिखता था लेकिन वह फिर भी मस्कारा, आय लाइनर, पाउडर और चटख लिपस्टिक लगा कर आयोजनों में खूब दमकती थी। गाँव में एक अफवाह थी कि ये सौंदर्य सामग्री रुवाब सिंह देता था, लेकिन ये सिर्फ अफवाह थी।

वह जोर सिंह था जिसने पिंगली के शरीर को उस कुएं में तैरते देखा था जो कि तप्पड़ जाने के रास्ते में पड़ता था और वो ही उसे उठाकर अपने घर के अहाते में लाया था। उस शरीर के पास एक छोटा थैला भी था।

शमशेर सिंह ने जोर सिंह को उस छोटे से थैले को खोलने का हुक्म दिया। उस थैले से बाहर निकली एक श्रृंगार दानी और बिखर गयी कुछ रंग बिरंगी लिपस्टिक, लाइनर्स, देखने वालों की आँखे फटी रह गयी। रुक्मणी देवी, रुवाब सिंह की पत्नी अपनी श्रृंगार दानी को देखकर जोर से चीखी और फिर रोने लगी।

अब तो संदेह निश्चितता में बदलने लगा और रुवाब सिंह सिंह की दानवी भौंवे उसके कृत्य को चरितार्थ करने लगी । सबकी आँखें शमशेर जी और अब उनके उत्तराधिकारी जोर सिंह पर टिक गयी जो की मन ही मन शायद खुश भी था – अकेला कुलदीपक ठाकूर जोर सिंह। रुवाब सिंह के हाथ तो एक खून से सने हुए थे।

सब की आँखें अब रुवाब सिंह को ढूंढ रही थी। रुक्मणी देवी इस काले सच को छुपाये हुए थी कि रुवाब सिंह बहुतेरे समय चुपके से पैसा, लिपस्टिक और श्रृंगार दानी कहीं तो ले जाता था। रुक्मणी रुवाब सिंह की इन सब चीजों को देते वक्त मदद जरुर करती थी, शायद उसके नृत्य करने के अनोखे शौक को छुपाना चाहती थी। सब कोई इंतजार कर रहा था की रुवाब सिंह अपना बचाव करने बाहर आएगा।

कुछ प्रत्यछदर्शी तो ये तक कह रहे थे कि उन्होंने पिंगली को तप्पड़ से उसके घर की तरफ भागते देखा और कोई उसका पीछा कर रहा था, शायद रुवाब सिंह ही था। लीला और सुरसुरी ने भी हामी भरी कि उन्होंने पिंगली की चीखें सुनी थी लेकिन वो कुछ न कर सकीं क्यूंकि वे पेड़ के ऊपर बैठ कर घास निकाल रही थी।

सिद्ध हो गया था कि रुवाब सिंह ने ही खून किया है।

रुवाब सिंह वहीं था लेकिन पेड़ के पास पत्तियों के पीछे छुपा हुआ अपने ऊपर मुकदमा चलता हुआ देख रहा था जहाँ गवाही दे रही थी लीला और सुरसुरी। अपनी मनगढ़ंत कहानियों से। रुवाब सिंह एक सूखे पत्ते की तरह कॉप रहा था।

तभी अचानक कोई शाल ओढ़े हुए भीड़ के बीच रास्ता बनाते हुए आया और पिंगली के मृतप्राय शरीर के पास पहुँचने की कोशिश करते हुए आगे बढ़ा। कहीं ये रुवाब सिंह तो नहीं? कोई भी भीड़ में उसका चेहरा सही से नहीं पहचान पाया। कदमों में तेजी लाते हुए वह पिंगली के नजदीक पहुंचा। वह नगेला गाँव का डॉक्टर जुयाल था। उसने नीचे झुककर पिंगली की नब्ज देखी, शायद उसमे अभी भी जीवनप्राण थे। उसने तुरंत ही उसे एक आयुर्वेदिक काढ़ा पिलाया और उसके नजदीक आग जला दी। कुछ ही समय में उसके शरीर में कुछ हरारत सी हुई वह खांसने लगी और उसने अपनी आंखें धीरे-धीरे खोल दी। गांव की महिलाओं ने उसके गीले कपड़े उतारकर उसे दूसरे कपड़े दिए, पिंगली ने फिर कुछ लंबी साँसें ली। लीला और सुरसुरी शर्म के मारे जमीन में गड़े जा रही थी। भरी भीड़ में उसने बताया कि कैसे वो जंगली सुअर के हमले से बचते बचाते कुएं में गिर पड़ी थी।

जब ये सब हो रहा था, पिंगली के होश में आने से पहले रुवाब पेड़ से दबे पाँव उतर गया। लोकलाज के चलते वो रात के अंधेरे में ही गाँव से दूर चला गया।

अगले दिन गाँव वालों ने कुएं में एक लाश देखी और वह रुवाब सिंह की थी। डॉ जुयाल को बुलाना बेमानी था।

पिंगली आज भी गाँव की अकेली बेडीण थी, लेकिन वह एक विधवा की तरंह रहती है। गाँव के सारे आयोजनों में उसके नृत्य पहाड़ी धुनों में रंगे होते हैं, लेकिन अब वह लिपस्टिक या मेकअप नहीं लगाती। वह काफी एकाकी हो गयी है और फिर कभी थौलू देवता के तप्पड़ दुबारा नहीं जाना चाहती। पिंगली हर घर में नाचती है सिवाय ठाकुर शमशेर सिंह के घर को छोड़ कर।

दैदिव्यमान व्यक्तित्व सम्पन्न योगी : डबराल बाबा

प्रस्तुति : गार्गी शर्मा
इन्दौर

यूँ तो सम्पूर्ण भारतवर्ष की पावन धरा ही अनेकों पूज्य संत–महात्माओं की जन्म एवं कर्मभूमि रही है। उसमें भी देवभूमि उत्तराखण्ड जिसके कण–कण में देवताओं का व्यास है, यहाँ की दिव्य धरा से समय–समय पर अनेक संत एवं महात्मा अवतरित हुए हैं। ऐसे ही एक संत पुरुष हुए हैं गोविन्द प्रसाद कुकरेती जो कालान्तर में डबराल बाबा के नाम से प्रसिद्ध हुए। डबराल बाबा का व्यक्तित्व अत्यन्त चमत्कारी था एवं वह अनेक सिद्धियों के साधक भी थे।

डबराल बाबा का जन्म 25 अगस्त 1932 को उत्तराखण्ड के पौढ़ी–गढ़वाल जिले के तिमली नामक गाँव में हुआ था। बचपन में ही आप अपने ननिहाल में नानी–नाना के पास चले गये तथा वहीं पर आपकी प्रारंभिक शिक्षा–दिक्षा भी सम्पन्न हुई। बाद में आप क्रमशः मध्यप्रदेश के धार एवं उज्जैन जिलों में आकर अपनी आजीविका अर्जन हेतु कार्य करने लगे। वर्ष 1960 में आपने उज्जैन के समीप विक्रांत भैरव मंदिर को खोजकर वहीं पर अपनी प्रारंभिक साधना प्रारंभ की थी। ऐसी मान्यता है कि इस मंदिर के दृष्टांत डबराल बाबा को स्वप्न में हुए थे तथा यहाँ पर ही उन्होंने विक्रांत भैरव जी की प्रतिमा के सर्वप्रथम दर्शन किये थे। डबराल बाबा ताउम्र विक्रांत भैरवजी के अनन्य उपासक रहे तथा उन्होंने अपने गृहस्थ जीवन के साथ–साथ अपनी साधना एवं आध्यात्मिक जीवन को आगे बढ़ाया। आप पूर्णरुपेण निस्वार्थ भाव से तथा प्रचार एवं प्रसार से दूर रहकर अपनी साधना में तल्लीन रहने वाले संत पुरुष थे। आपसे जुड़े हुए अनेक चमत्कार भरे प्रसंग आपके अनेक ऐसे भक्त जो आपका संसर्ग एवं दर्शन लाभ ले चुके हैं बतलाते हैं।

डबराल बाबा के देशभर में तथा विदेशों में भी बड़ी संस्था में भक्तजन हैं। यद्यपि डबराल बाबा ने स्वयं कभी कोई प्रचार–प्रसार की लालसा नहीं रखी तथा आप पूर्ण मनोयोग से विक्रांत भैरव की साधना में लीन रहे, तदापि आपकी ख्याति दूर–दूर तक फैलने लगी। आपके आध्यात्मिक गुरु महावतार बाबा जी थे तथा आप विक्रांत भैरव के उपासक थे। आपके दर्शन करने के लिए दूर–दूर से न केवल आपके भक्त एवं अनुयायी बल्कि अनेक संत–महात्मा भी महाकाल की नगरी उज्जैन आया करते थे। 31 अगस्त 2016 को डबराल बाबा ने अपनी देह त्यागी तथा आज भी डबराल बाबा के भक्त एव अनुयायी उनको उनकी सादगी एवं चमत्कारपूर्ण आध्यात्मिक शक्तियों के लिए याद करते हैं। महान् योगी एवं तपस्वी डबराल बाबा को मेरा एवं सम्पूर्ण उत्तराखंड दर्पण परिवार का शत्–शत् नमन।

उत्तराखंड

उत्तराखंड तिहुँ लोक में न्यारा,
हर एक शिखर में वास तुम्हारा।
विविध रूप धर बसती माता,
नत मस्तक सब देव विधाता।
भव भव भंजनि पालन हारी,
त्रिगुण स्वरूपिणी शरण तुम्हारी।
विधि वरदानी सबको वर दे,
रोग शोक संकट सब हर दे।

मुकेश लाल शाह
भाभा परमाणु अनुसन्धान केंद्र, मुंबई

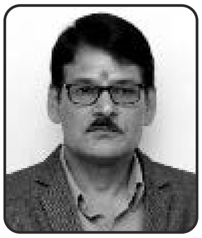

सोनी रानीखेत स्थित आलौकिक स्वर्गाश्रम बिनसर महादेव मंदिर

डी.एस. नेगी
अवकाश प्राप्त प्रवक्ता, रामनगर (नैनीताल)

संपूर्ण भारत में उत्तराखंड को देव भूमि के रूप में जाना जाता है। यहां पर स्थित पंचबद्री, पंचकेदार, पंचप्रयाग, हरिद्वार, ऋषिकेश, हेमकुंड साहिब, बिनसर महादेव आदि अनेकों पौराणिक धार्मिक महत्व के स्थान हैं। कुमाऊं के प्रसिद्ध मंदिरों में कैंची मंदिर भवाली, वैद्यनाथ मंदिर, जागेश्वर, गर्जियादेवी मन्दिर रामनगर, नैनादेवी मन्दिर नैनीताल, पाताल भुवनेश्वर, हाटकालिका गंगोलीहाट, बागनाथ मंदिर बागेश्वर आदि हैं। इन सभी मंदिरों में प्रायः वर्ष भर ही श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। ऐसा ही एक भव्य एवं आलौकिक मंदिर है, बिनसर महादेव मंदिर। यह मंदिर मोटे-मोटे देवदार और चीड़ के पेड़ों के बीच कुंज नदी के किनारे अत्यन्त ही रमणीक एवं सुरम्य देव स्थल है।

यह मंदिर रानीखेत से लगभग 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। पंतनगर हवाई पट्टी से 125 किलोमीटर काठगोदाम रेल्वे स्टेशन से 120 किलोमीटर और रामनगर रेलवे स्टेशन से 85 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। कुंज नदी के सुरम्य तट पर करीब 550 फीट की ऊंचाई पर बिनसर महादेव का भव्य मंदिर स्थित है। यह मंदिर अपनी प्राकृतिक दिव्यता और आध्यात्मिक शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। यह स्थान आज उत्तराखंड का एक प्रसिद्ध धार्मिक और पर्यटन केन्द्र बन चुका है।

यद्यपि बिनसर महादेव मंदिर के इतिहास के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। फिर भी शोधकर्ताओं के अनुसार यह मंदिर पांडवों के द्वारा बनाया गया था। हिन्दू भगवान शिव जी को समर्पित इस मंदिर का निर्माण 10वीं सदी में किया गया था। परन्तु देखभाल न होने के कारण यह मंदिर ऐसा ही रहा। एक जनश्रुति के अनुसार सोनी गांव में कुछ मनिहार (पहाड़ी मुसलमान) लोग रहते थे। कतिपय कारणों से कुछ समय पश्चात् मनिहार लोगों ने इस स्थान से अपना ठिकाना बदलकर ठिकुली, रामनगर को अपना नया ठिकाना बना लिया। आज भी मनिहार लोग ढिकुली में रहते हैं। फिर कई वर्षों बाद सोनी गांव में एक निसंतान वृद्ध के सपने में एक साधु ने दर्शन देकर कहा कि कुंज नदी के तट पर झाड़ी में एक शिवलिंग पड़ा है, तुम वहां पर जाकर एक शिव मंदिर का निर्माण करो। तुम्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति होगी। अपने को सपने में मिले आदेशानुसार उस वृद्ध ने वहां पर एक छोटे से मंदिर का निर्माण किया। तत्पश्चात् उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। कई वर्षों तक यह मंदिर ऐसा ही रहा।

काफी समय पश्चात् नागा बाबा मोहनगिरि जी श्री पंच दशनामा जूना अखाड़ा बरेली से यहां पर आए। जो मूल रूप से तामाढौन (देघाट) के निवासी थे। उन्होंने यहां पर कठोर तपस्या औघड़ साधना की। उस समय इस स्थान पर घनघोर जंगल हुआ करता था। मोहनगिरी बाबा जी के अथक प्रयासों और गांव वालों के विशेष सहयोग से यहां पर शिव मंदिर का निर्माण किया गया। मोहनगिरि बाबा अब ब्रह्मलीन हो चुके हैं। अब इस मंदिर की देखभाल श्री महंत रामगिरी महाराज कर रहे हैं।

इस मंदिर में सन् 1970 से अनवरत् अखंड ज्योति जल रही है तथा इसके साथ ही बाबा जी की कुटिया में भी लगातार धुनी जल रही है। भले ही कैसी ही सर्दी क्यूं ना हो सदैव ही मात्र एक लगोंट में रहने वाले पूज्य मोहनगिरी बाबा एक पहुँचे हुए सिद्ध पुरुष थे। यह मान्यता है कि उनकी कही हुई प्रत्येक बात अवश्य ही पूर्ण हुआ करती थी। एक मान्यता अनुसार एक बार जून महीने में जब यहाँ पर एक भंडारे का आयोजन हो रहा था तो काफी भीड़ के चलते भण्डारे हेतु तली जा रही पूरियों के लिए तेल कम पड़ गया। किसी भक्त ने यह बात जाकर बाबा को बतलाई तो उन्होंने कुंज नदी से 2 टिन पानी लाने को कहा। जब पानी आ गया तो बाबा ने

इसको चाशनी में डालने का आदेश दिया और वह पानी चाशनी में पड़ते ही तेल के रूप में परिवर्तित हो गया। इस तरह के अनेक और भी किस्से बाबा जी के चमत्कारों से सम्बन्धित हैं। बाबा जी के ब्रह्मलीन होने के बाद उनकी समाधि स्थल पर बाबाजी की एक काफी बड़ी मूर्ति स्थापित की गई है। आज भी भक्त लोग बड़ी ही श्रद्धा से बाबाजी को स्मरण करते हैं।

पूज्य मोहनगिरी बाबा जी द्वारा यहां पर शिव मंदिर के अलावा राधा कृष्ण मंदिर, मां दुर्गा मंदिर, भैरव मंदिर, दत्तात्रेय मंदिर, सरस्वती मंदिर, गणेश मंदिर, हनुमान मंदिर, भगवान कृष्ण द्वारा अर्जुन को गीता का उपदेश देते हुए रथ का निर्माण किया गया। इसके अतिरिक्त यात्रियों के रात्रि विश्राम के लिए अनेकों कक्षों का भी निर्माण कराया गया। यह निर्माण स्थानीय जनता और बाहर के लोगों तथा बाबाजी के अथक प्रयासों से संभव हो पाया। मुख्य गेट के बाहर सुंदर पार्क का निर्माण किया गया है और एक बड़ा गेट चमडखान मार्ग पर ऊपर भी बनाया गया है। यहां पर एक आवासीय संस्कृत विद्यालय भी है। जिसमें अनेकों छात्र पढ़ते हैं। यहां वर्ष भर श्रद्धालु आते रहते हैं। प्रतिवर्ष जून माह में भव्य भागवत कथा का आयोजन होता है। जिसमें दूरदराज गांवों तथा अनेकों शहरों से श्रद्धालु भागवत कथा सुनने आते हैं। उस समय यहां पर बाहर से तथा स्थानीय दुकानदार आकर दुकानें भी लगाते हैं। शिवरात्रि को भी यहां पर एक विशेष आयोजन होता है और मेला भी लगता है।

मंदिर से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर देवलीखेत बाजार स्थित है। यहां पर बहुत पुराना राजकीय इंटर कॉलेज है। देवलीखेत बाजार में ही पोस्ट ऑफिस और केनरा बैंक की शाखा है। सोनी में एक सरकारी अस्पताल भी है। इसके नीचे की ओर बहुत से गांव बसे हुए हैं। मंदिर से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर वन विभाग का एक रेस्ट हाउस है। इसी के समीप हर वर्ष एन.सी.सी. का कैंप लगता है तथा वन विभाग और आर्मी वालों की तरफ से समय-समय पर मंदिर में काफी श्रमदान किया गया है। यह स्थान पर्यटन की दृष्टि से बहुत सुंदर है। यदि इसे और अधिक सुधारना हो तो इसके निचले भाग में कुंज नदी पर एक छोटा बांध बनाया जा सकता है। इसके अलावा इस क्षेत्र में कोई पर्यटक केन्द्र तथा स्थानीय उत्पादों पर निर्भर छोटे उद्योग (जैसे बुंराश, माल्टा, नींबू जूस-अचार, काष्टकला आदि) योग एवं ध्यान केन्द्र खोले जा सकते हैं। इस जगह यदि उच्च शिक्षा केन्द्र खोला जा सके तो इस क्षेत्र का और भी अधिक विकास हो सकता है।

क्या आप जानते हैं ?

उत्तराखंड के चमोली गढ़वाल जिले में नंदादेवी चोटी भारत की दूसरी सबसे ऊँची चोटी है, जिसकी ऊँचाई समुद्रतल से 7816 मीटर है, दुनिया के सबसे ऊँचे शिव मंदिर का घर भी है उत्तराखंड। यहाँ का लुंगनाथ मंदिर दुनिया का सबसे ऊँचा शिव मंदिर है। माना जाता है कि यह मंदिर 1 हजार साल से भी अधिक पुराना है तथा महाभारत युग में पांडवों से इसका जुड़ाव रहा है।

अद्वैत आश्रम : लोहाघाट प्राकृतिक रमणियता एवं आध्यात्म का अद्भुद संगम

दीपा पुनेठा
पी.जी.टी., इन्दौर

यूँ तो देवभूमी उत्तराखंड को प्राकृतिक सुन्दरता एवं रमणियता प्रकृति ने मुक्त हस्त से प्रदान की है। उत्तराखंड राज्य का कोई भी जिला एवं तहसील एसी नहीं है, जहाँ पर कोई न कोई प्राकृतिक एवं आध्यात्मिक महत्व की जगह नहीं स्थित हो, परन्तु उसमें भी कुछ स्थान अपने आलौकिक सौन्दर्य एवं ऐतिहासिक महत्व के कारण अपना और भी अलग स्थान रखते हैं।

ऐसी ही एक जगह है उत्तराखंड के चम्पावत नामक जिले, जो कि पहले पिथौरागढ़ जिले का ही हिस्सा था के लोहाघाट में स्थित अद्वैत आश्रम।

स्वामी विवेकानंद जी द्वारा स्थापित एवं रामकृष्ण मठ द्वारा द्वारा संचालित यह आश्रम मायावती नामक स्थान पर स्थित है। यह आश्रम समुद्र तट से 6400 फीट की ऊँचाई पर टनकपुर रेलवे स्टेशन से 88 किमी तथा दूसरे नजदीकी रेलवे स्टेशन काठगोदाम से 167 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। नजदीकी बाजार लोहाधार इससे 9 कि.मी. की दूरी पर है, तथा जिला मुख्यालय चम्पावत से लगभग 20 कि.मी. की दूरी पर है। अत्यन्त ही मनोरम एवं अद्भुद भौगोलिक परिवेश जिसमें देवदार, चीड़ बांज एवं बुरांश के सघन जंगल का समावेश होने के साथ-साथ सुदूर हिम आच्छादित हिमालयीन पर्वतमाला का अलौकिक दर्शन ठीक सामने ही होना, इस स्थान की प्राकृतिक सुन्दरता में चार चाँद लगा देते हैं। इस स्थान की प्राकृतिक सुन्दरता एवं अत्यन्त शांत परिवेश ने यूँ ही भारत के महान संत स्वामी विवेकानन्द जी का मन नहीं मोहा होगा।

स्वामी विवेकानन्द जी की प्रेरणा से उनके भारतीय शिष्य स्वामी स्वरूपानंद और अंग्रेज शिष्य कैप्टन जे.एच. सेवियर और उनकी पत्नी श्रीमती सी ई सेवियर ने मिलकर वर्ष 1899 के मार्च महीने में इस आश्रम की स्थापना की थी। वर्ष 1901 में अपने परम शिष्य कैप्टन जे.एच. सेवियर की मृत्यु का समाचार प्राप्त होने पर स्वामी विवेकानंद जी मायावती आये थे तथा तब लगभग नवनिर्मित से ही इस आश्रम में वह 3 से 18 जनवरी तक अर्थात् पूरे 15 दिन यहाँ पर रहे थे।

गौरतलब है कि स्वामी विवेकानंद जी क़ी इच्छानुसार मायावती आश्रम में कोई भी मंदिर या मूर्ति स्थापित नहीं है, यह ही कारण है कि यहाँ पर सनातनी परम्परानुसार किसी प्रतीक की पूजा नहीं होती है परन्तु प्रत्येक एकादशी के दिन शाम के समय यहाँ पर रामनाम संकीर्तन आयोजित होता है। योग एवं मेडिटेशन करने वालों के लिए यह स्थान एक आदर्श वातावरण प्रस्तुत करता है। वर्ष 1903 में यहाँ पर एक चेरीटेबल हास्पीटल की स्थापना की गई जिसमें आसपास के इलाकों के साथ ही दूरदराज से आने वाले जरूरतमंद गरीब मरीजों की सेवार्थ भाव से निःशुल्क चिकित्सा की जाती है। यहाँ पर मेडिटेशन हाल, गौशाला तथा बाहर से आने वाले साधकों के लिए एक छोटा किन्तु सर्वसुविधायुक्त अतिथिगृह भी है। आश्रम की अपनी गौशाला में अच्छे किस्मे की स्वस्थ गायें पाली जाती हैं, जिसका ताजा एवं पौष्टिक दूध अतिथिगृह में रुके हुए अतिथियों एवं अन्य साधकों को पीने के लिए प्राप्त होता है।

अद्वैत आश्रम, मायावती के भ्रमण करने के ईच्छुक यात्रियों को अधिक एवं विस्तृत जानकारी इंटरनेट के माध्यम से भी प्राप्त हो सकती है। चूँकि यह स्थान घने जंगलों एवं प्राकृतिक पहाड़ी परिवेश में स्थित है, इसलिए यहाँ की यात्रा करने के ईच्छुक व्यक्तियों को यह सलाह दी जाती है कि वह जब भी इस स्थान की यात्रा की प्लानिंग करें अपने साथ ऊनी कपड़े की समुचित व्यवस्था करकर ही इस स्थान का भ्रमण करें। जहाँ तक यात्रा के लिए अनुकूल समय का प्रश्न है तो जुलाई-अगस्त के महीनों में बरसात के चलते सड़क मार्ग में व्यवधान की संभावनाओं के मद्देनजर इन दो तीन महीनों को छोड़कर कभी भी मायावती आश्रम की यात्रा सम्पादित की जा सकती है।

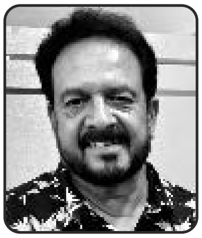

उत्तराखंड मूल का अपने समय का होनहार क्रिकेटर : अमित उनियाल

सतीश ढोंढियाल
इन्दौर (म.प्र.)

यूँ तो देवभूमी उत्तराखंड की पावन धरा अपने आप में ही इतनी अधिक उर्वरा रही है कि, यहाँ से ताल्लुक रखने वाले अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ी, वीर सैनिक, सिविल सर्वेन्ट, पर्वतारोही, वैज्ञानिक आदि समय-समय पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाते हुए देवभूमी उत्तराखंड का नाम रोशन करते रहे हैं। विभिन्न कार्यक्षेत्रों में ऐसे प्रतिभाशाली लोगों की सूची काफी लम्बी है, जो उत्तराखण्ड से सम्बन्ध रखते हैं। आज इस आलेख के माध्यम से एक ऐसे ही प्रतिभाशाली खेल-व्यक्तित्व जिनका सम्बन्ध हमारे देश के सबसे पापूलर खेल क्रिकेट से रहा है का परिचय 'उत्तराखंड दर्पण' के पाठकों से करवा रहे हैं।

इस प्रतिभाशाली क्रिकेटर का नाम है अमित उनियाल, जिनका मूल सम्बन्ध उत्तराखण्ड से रहा है और जिन्होंने चंड़ीगढ़ (पंजाब) को अपनी कर्मभूमी के रूप में चुना है, जो लोग भी क्रिकेट में रुचि रखते हैं और क्रिकेट के सबसे लोकप्रिय संस्करण इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) को फालो करते हैं, उनके जेहन में अमित का नाम अवश्य ही कौध जायेगा। अमित ने अपने पदार्पण मैच में ही विश्व के स बसे धाकड़ बल्लेबाजों में सुमार अपने समय के सर्वाधिक विस्फोटक बल्लेबाज सनथ जयसूर्या का विकेट लेकर खलबली मचा दी थी।

आईये जानते हैं इस पूर्व आई.पी.एल. एवं वर्तमान में कोचिंग का दायित्व निभा रहे अमित उनियाल के बारे में कुछ अन्य बातें थोड़ा विस्तार से।

अमित ने अपना क्रिकेटिंग कैरियर वर्ष 1998 में पंजाब की अंडर-19 टीम के लिए खेलते हुए प्रारम्भ किया। आपने पंजाब की अंडर-19 टीम के लिए वर्ष 1998-99 एवं 1999-2000 के सत्रों में हिस्सा लिया, जूनियर लेबल पर इनकी अच्छी परफार्मेंस का यह परिणाम रहा कि इनका चयन वर्ष 2001--2002 के सत्र के लिए पंजाब की रणजी ट्रॉफी टीम के लिए हो गया। अपने पदार्पण मैच में ही हिमाचल प्रदेश के विरुद्ध, अमित ने 3-3 विकेट दोनों ही पारियों में लेने के साथ ही 57 बहुमूल्य रन बनाते हुए 'मैन ऑफ द मैच' का खिताब अपने नाम किया। किसी भी उदीयमान खिलाड़ी के लिए यह एक स्वप्निल शुरुआत (Dream Begining) ही कही जा सकती है। अपने पहले सीजन में ही अमित उनियाल ने चार मैच खेलते हुए 20 विकेट झटक डाले। इनमें से 7 विकेट बड़ौदा जैसी शक्तिशाली टीम के खिलाफ सेमी फाईनल के मैच में लिये।

इसके अगले सत्र में इन्होंने 6 मैच खेलते हुए 36 विकेट अपने नाम किये। इसके फलस्वरूप इनका सिलेक्शन दिलीप ट्रॉफी तथा देवधर ट्रॉफी के लिए हो गया। दिलीप ट्रॉफी के अपने पदार्पण मैच में ही अमित ने कुल 6 विकेट झटककर अपनी नैसर्गिक प्रतिभा से सभी को वाकिफ करवा दिया, इस सत्र में अमित ने कुल 3 मैच खेलते हुए 13 विकेट अपने नाम किये, जिसमें से दो बार एक ही पारी में 5 विकेट लिया जाना भी शामिल है। अपनी इस परफार्मेंस के चलते अमित ने अपना स्थान उस समय भ्रमण कर रही न्यूजीलैंड की टीम के खिलाफ इंडिया ए के रूप में बोर्ड इलेवन की टीम के लिए पक्का कर लिया। इस टीम के कप्तान थे विरेन्दर सहवाग तथा वर्ष था 2003। इस दरमियान ही अमित को इंडिया कैम्प के लिए मुनाफ पटेल, आर.पी. सिंह तथा श्रीसंथ के साथ चुना गया, परन्तु दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति में कंधे की चोट लग जाने के कारण इस महत्वपूर्ण पढ़ाव पर अमित अपना सर्वश्रेष्ठ 100 प्रतिशत प्रदर्शन नहीं कर पाये। इस चोट के चलते अमित के अन्तर्राष्ट्रीय कैरियर को एक झटका सा लगा। इसके बाद वह रणजी ट्रॉफी टीम से अन्दर बाहर होते रहे। इस बीच ही वर्ष

2007 में जब कपिल देव के तत्वावधान में आईसीएल लाँच हुआ, तो अपने क्रिकेट के लगाव एवं निरंतर खेलते रहने की चाहत में अमित ने ICL से खेलने का फैसला किया। दो वर्ष के बाद एक बार फिर से अमित बी.सी.सी.आई. में लौट आये और पंजाब की रणजी टीम के साथ वापसी कर ली। तत्पश्चात् वर्ष 2010 में अमित का चयन आई.पी.एल. के अन्तर्गत राजस्थान रायल्स के लिए हो गया, परन्तु दुर्भाग्य का साया एक बार फिर से अमित पर पड़ा और ठीक आई.पी.एल. मैच से पूर्व वह बीमार पड़ गये और लगभग 1 महीने बैड रेस्ट पर रहना पड़ा। अपनी जीवटता और प्रबल ईच्छा शक्ति से अमित ने अपने को ठीक करते हुए, आई.पी.एल. के उस ही सत्र में मुम्बई इंडियन्स के खिलाफ अपना पहला मैच खेला इस मैच में भी उन्होंने अपनी जबरदस्त उपस्थिति दर्ज करवाते हुए उस बल्लेबाज का विकेट ले डाला, जो अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के चलते अच्छे-अच्छे बालरों की लाईन और लेंथ बिगाड़ने के लिए मशहूर था। यह बल्लेबाज कोई और नहीं बल्कि खूंखार श्रीलंकाई बल्लेबाज सनथ जयसूर्या थे, जो कि मुम्बई इंडियन्स के लिए खेल रहे थे। इस ही मैच में अमित ने अपने दूसरे विकेट के रूप में जिस बल्लेबाज का विकेट लिया वह भी कोई कम खतरनाक बल्लेबाज न था। वह थे अम्बाती राय्डू, परन्तु इस मैच के बाद ही शरीर ने अमित का साथ नहीं दिया, और दुर्भाग्य से उन्हें आई.पी.एल. सत्र बीच में ही छोड़कर अपने घर आना पड़ा।

यह राजस्थान रायल्स टीम का अमित की क्षमताओं के प्रति विश्वास ही था कि उनका मैनेजमेंट उन्हें पुनः आगामी दो सीजन के लिए एग्रीमेंट साइन करवाने वाला था, नियति की विडम्बना एवं दुर्भाग्य का साया फिर एक बार अमित के आगे बड़ते हुए कैरियर पर पड़ा और इस बीच उनका एक मेजर रोड एक्सीडेंट हो गया, इस रोड एक्सिडेंट ने मानो अमित के क्रिकेट कैरियर की रोड को एक खिलाड़ी के तौर पर हमेशा-हमेशा के लिए बंद कर दिया।

इसके बाद अमित ने वर्ष 2011 में एक खिलाड़ी के रूप में क्रिकेट को अलविदा कह दिया। इसके बाद भी अमित क्रिकेट से अपने को दूर ना रख सके। वर्ष 2011 में ही आपने अपनी क्रिकेट एकेडमी खोलने का निश्चय किया, तथा चंडीगढ़ एवं मोहाली में अपनी क्रिकेट एकेडमी खोलकर अपने को एक क्रिकेट कोच की तरह पुनःस्थापित करकर क्रिकेट को ही अपनी सेवायें देते रहने का साहसिक फैसला लिया।

वर्ष 2017 में अमित ने जूनियर सिलेक्शन कमेटी के चेयरमेन के रूप में पंजाब क्रिकेट एशोसिएशन को अपनी सेवायें प्रदान की।

तत्पश्चात् वर्ष 2019-20 में चंडीगढ़ क्रिकेट एशोसिएशन में अंडर-23 टीम के हेड कोच के दायित्व को संभाला। अपने पहले ही सत्र में आपकी टीम ने सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाने में कामयाबी हासिल की जो कि एक बड़ी उपलब्धि थी, वर्ष 2020-21 में अमित चंडीगढ़ क्रिकेट एशोसिएशन (UTCA) की सीनियर टीम के असिस्टेंट कोच नियुक्त किये गेय और वर्ष 2021-22 में UTCA की अंडर 25 टीम के हेड कोच नियुक्त किये गये।

इस तरह से यह क्रिकेटर अमित उनियाल का कभी हार न मानने वाला जीवट स्वभाव एवं अपने पहाड़ी मूल के अनुरूप ही पहाड़ सी मजबूती वाला व्यक्तित्व रहा है, जिसने अपने 12 वर्ष के कोचिंग कैरियर में 3 अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी वैश्विक क्रिकेट जगत को दिये हैं। यह तीन खिलाड़ी है बरीन्दर सरन, आर्यन दत्त तथा विक्रमजीत सिंह, गौरतलब है कि आर्यन दत्त तथा विक्रमजीत सिंह वर्तमान में चल रहे वर्ल्ड कप के लिए नीदरलैंड टीम का हिस्सा है।

नीदरलैंड की टीम ने अपने पदार्पण वर्ष में ही बड़े-बड़े उलटफेर करते हुए कुछ बड़ी टीमों को यदि पटखनी दी है तो उस टीम का हिस्सा यह दो खिलाड़ी भी रहे हैं।

उत्तराखंड दर्पण, अपने उत्तराखण्ड मूल के इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी एवं कोच के और भी शानदार क्रिकेटिंग सफर की कामना करती है।

देवभूमि उत्तराखंड में मनाये जाने वाले प्रमुख तीज - त्यौहार

मनोज कांडपाल
प्रधान अध्यापक : जूनियर हाईस्कूल हल्द्वानी (नैनीताल)

देवभूमि उत्तराखण्ड यूँ तो अपने आप में ही मंगलकारी एवं शुभ प्रसंगों से भरी हुई धरा है। यहाँ के कुमाऊँ, गढ़वाल एवं जौनसार ईलाकों में मनाये जाने वाले प्रमुख त्यौहार निम्नलिखित प्रकार हैं।

मकर संक्रांति (घुघुतिया त्यौहार) – यह त्यौहार मुख्य रूप से उत्तराखंड के कुमाऊँ वाले क्षेत्र में माघ माह के 1 गते (जनवरी) माह में मनाया जाता है। स्थानीय भाषा में इस त्यौहार को घुघुतिया त्यौहार अथवा काले-कौआ नाम से भी जाना जाता है। इस त्यौहार वाले दिन पहली रात्रि को ही आटे में गुढ़ का पानी मिलाकर इसके घुघते (छोटी-छोटी आकृतियाँ) बनायी जाती हैं, जिनको कि घुघुता कहा जाता है, फिर दूसरे दिन सुबह-सुबह इन घुघुतों को सबसे पहले कव्वों को खिलाया जाता है। तत्पश्चात् बच्चे एवं बड़े सभी बड़े ही चाव के साथ इन घुघुतों को खाते हैं।

घी–संक्रांति (ओगलिया) – यह त्यौहार भादो माह के 1 गते को मनाया जाता है, यह पर्व फसलों में बालियाँ लग जाने पर मनाया जाता है। इस दिन सभी लोग घी को खाते हैं और अपने सिर पर भी लगाते हैं। पुरानी मान्यताओं के अनुसार यदि इस दिन कोई व्यक्ति घी नहीं खाता या लगाता है तो अगले जन्म में उसको गनेल (घेंघा) का शरीर प्राप्त हुआ करता है।

फूल संक्रांति (फूलदेई) – फूलदेई त्यौहार चैत्र माह के 1 गते (हिन्दू संम्वतसर के पहले दिन) को मनाया जाता है, इस दिन बच्चे घर-घर जाकर घर की देहली (बाहय दरवाजे) के आगे अपने द्वारा चुने हुए फूलों को चढ़ाते हैं और बदले में उन्हें दक्षिणा स्वरूप कुछ पैसे अथवा गिफ्ट मिला करता है, इस समय ही बच्चे बड़े ही मनमोहक अंदाज में 'फूल देई छमा देई, जतुके दिछा उतके सही, तुमर भकार भरी जो हमेरी दुपेरी भरी जो' इसको गाते हुए आगे की तरफ बड़ते हैं।

बिखोली (विषुवत संक्रांति) – यह त्यौहार श्रावण माह की 1 गते को मनाया जाता है। यहाँ के लोग अपनी-अपनी सामर्थ अनुसार इस दिन अच्छे-अच्छे पकवान बनाते हैं तथा अपने-आराध्य को निमित्त करकर उसके बाद स्वयं इन पकवानों का आनंद लेते हैं।

हरेला त्यौहार – हरेले का त्यौहार श्रावण माह की 1 गते को मनाया जाता है। यहाँ की स्थानीय भाषा में इसको 'हरियाऊ' भी कहा जाता है, इस पर्व में हरेले (मक्के एवं कुछ अन्य अनाज) को बोया जाता है और जब यह उग जाते हैं तो इन्हें काटकर पहले भगवान में चढ़ाया जाता है, तत्पश्चात् अन्य पूजन कार्य हेतु इसका (हरेले) उपयोग किया जाता है।

चैतोल त्यौहार – चैतोल त्यौहार में चैत माह की अष्टमी वाले दिन देवल देवता (शिवजी के अंश) की पूजा की जाती है।

आँठूं – यह त्यौहार भाद्रपद मास की सप्तमी व अष्टमी को मनाया जाता है, इस त्यौहार में चाचरी नृत्य का आयोजन किया जाता है तथा गौरा-महेश्वर की पूजा की जाती है।

कलाई – यह त्यौहार कुमाऊँ में फसल काटने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

जागड़ा त्यौहार – यह महासू देवता का त्यौहार है। यह भाद्र मास को मनाया जाता है।

नुणाई त्यौहार – नुणाई त्यौहार श्रावण मास में मनाया जाता है।

दीपावली (बग्वाल) – इस त्यौहार में भैला-खेल खेला जाता है। दीपावली सम्पूर्ण उत्तराखंड में ही अत्यन्त धूमधाम से मनाया जाने वाला त्यौहार है।

रक्षा बंधन – रक्षा बंधन त्यौहार को गांवों में जन्मो-

जन्यो भी कहा जाता है, यूँ तो यह त्यौहार पूरे भारत वर्ष में ही मनाया जाता है, परन्तु उत्तराखंड में इसका विशेष महत्व रहता है।

बसंत पंचमी – बसंत पंचमी हिन्दुओं का प्रमुख त्यौहार है। बसंत पंचमी को श्री पंचमी तथा ज्ञान पंचमी भी कहा जाता है। यह त्यौहार माघ के महीने में शुक्ल पंचमी के दिन मनाया जाता है, सभी ऋतुओं में बसंत ऋतु को राजा माना जाता है। इस ऋतु में खेतों में फसले लहलहा उठती हैं तथा फूल खिलने लगते हैं, चारों तरफ खुशहाली का वातावरण दृष्टिगोचर होता है एवं जन-जन का मन प्रफुल्लित एवं उल्लासित रहता है।

इसके अलावा कई अन्य त्यौहार जो कि राष्ट्रीय फलक में भी बनाये जाते हैं जैसे कि होली, लोहिणी तथा छठ पूजा यह भी उत्तराखंड में पूरे हर्षोल्लास से मनाये जाते हैं।

उत्तराखण्ड का विश्वप्रसिद्ध
बदरीनाथ धाम

स्कंद पुराण में वर्णित कोटद्वार का श्री सिद्धबली मंदिर

ममता पांडे
पीजीटी, वाणिज्य संकाय : बल्लभगढ़, हरियाणा

यूँ तो देवभूमि उत्तराखंड के कण-कण में ही देवी-देवताओं का वास है। उत्तराखण्ड का शायद ही कोई ऐसा जिला अथवा तहसील हो, जिसमें कोई न कोई धार्मिक महत्ता का स्थान ना स्थित हो।

आइये इस लेख के माध्यम से आज आपको परिचित करवाते हैं, उत्तराखंड के पौढ़ी गढ़वाल जिले में स्थित कोटद्वार के पास के प्राचीनतम् सिद्धबली मंदिर से। कोटद्वार के समीप ही खोह नदी प्रवाहित होती है, इस नदी के बारे में यह मान्यता है कि यह वह ही 'कौमुदी' नदी है, जिसके तट पर स्नान तथा तप करकर चन्द्रमा ने भगवान शिव को प्रसन्न किया था। इस प्राचीन कौमुदी एवं वर्तमान खोह नदी के किनारे पर ही स्थित है यह सिद्धबली मंदिर जिसकी मान्यता न केवल उत्तराखण्ड के गढ़वाल एवं कुमाऊँ अंचलों तक सीमित है, अपितु यह पश्चिमी उत्तर प्रदेश के साथ-साथ दिल्ली एवं हरियाणा के लोगों तक भी अपनी मान्यता के लिए मशहूर है।

सिद्धबली मंदिर में मुख्यतः नाथ देवता सिद्ध गोरखनाथ एवं बजरंगबली हनुमान जी का पूजन होता है, इन दोनों के कारण ही एक साथ पूजन किये जाने के कारण ही इस मंदिर को सिद्धबली मंदिर कहा जाता है, ऐसी मान्यता है कि इस स्थान पर सिद्ध गोरखनाथ ने भगवान हनुमान को वचनबद्ध किया था कि वह प्रत्येक क्षण बगैर किसी पल भी अपनी उपस्थिति को गंवाये अर्थात् बगैर एक पल को भी अनुपस्थित रहकर श्री सिद्धबली धाम के प्रहरी के रूप में स्वयं हरदम विराजमान रहेंगे।

यह बात अत्यन्त महत्वपूर्ण एवं जानने योग्य है कि श्री सिद्धबली मंदिर का वर्णन स्कंद पुराण के अध्याय 119 के छठे श्लोक में भी किया गया है। यद्यपि सिद्धबली के सन्दर्भ में कुछ अन्य मान्यतायें भी स्थानीय लोगों के बीच प्रचलित हैं। एक ऐसी ही मान्यता के अनुसार सिद्धबली कल्यूर वंश के राजा के पुत्र थे। इनको अर्थात् सिद्धबली को स्वयं गुरु गोरखनाथ से सिद्धि प्राप्त हुई थी। बहरहाल मान्यताएँ चाहे कुछ भी हों तथा इनमें सबसे अधिक प्रामाणिक कौन सी मान्यता है, यह भी अपने आप में एक शोध का विषय है। परन्तु इस सबके बावजूद यह सर्वमान्य एवं स्थापित तथ्य है कि सिद्धबली मंदिर की मान्यता दूर-दूर तक फैली हुई है और प्रतिदिन ही यहाँ भक्तों का ताँता सा लगा ही रहता है। प्रतिदिन ही यहाँ पर भंडारे का आयोजन किया जाता है। काफी लम्बी-लम्बी तारीखें भंडारे हेतु पहले से ही बुक रहती हैं तथा कई बार तो एक-एक साल के पश्चात् भक्तों का भंडारे के लिए प्रायोजन हेतु नम्बर आ पाता है। यहाँ पर विशेषतया वह लोग भंडारा प्रायोजन हेतु अधिक आते हैं, जिनकी पूर्व में मांगी गयी कोई मन्नत अथवा कामना श्री सिद्धबली जी की कृपा से पूरी हो जाती है।

तो, इस तरह से उत्तराखंड के शांत एवं सुरम्य छोटे से नगर कोटद्वार, जो कि पहाड़ एवं मैदानी दोनों ही इलाकों का प्रतिनिधित्व करता है और पहाड़ों के लिए एक तरह से गेटवे की तरह है में स्थित इस पौराणिक महात्म वाले सिद्धबली मंदिर के बारे में यह संक्षिप्त जानकारीपरक आलेख पाठकों को पसंद आयेगा ऐसा विश्वास है।

क्या आप जानते हैं ?

उत्तराखंड दो युनेस्को विश्व धरोहर स्थलों क्रमशः फूलों की घाटी और नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान को अपने में समाहित है।

कोट भ्रामरी मन्दिर

मीरा मठपाल
अध्यापिका, इन्दौर (म.प्र.)

ऋषि मुनियों की तपोभूमि व अनेक देवी-देवताओं का निवास स्थान है 'मेरा प्यारा उत्तराखण्ड' । इस देवभूमि पर ही वेद, पुराण उपनिषद, अरण्यक, कर्मकाण्ड आदि ग्रन्थों की रचना हुई है । यहाँ पर अनेक पौराणिक मन्दिर भी स्थापित है।

उत्तराखण्ड के बागेश्वर जिले के डंगोली गाँव में, गरुड़ से लगभग 3 कि.मी. की दूरी पर 'कोट भ्रामरी मन्दिर' स्थित है जिसे हम 'कोटामाई' मन्दिर के नाम से भी जानते हैं।

विगत 4 वर्ष पूर्व हमें भी सपरिवार माँ कोटमाई के दर्शन करने का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ था। इस मंदिर की स्थापना 8वीं सदी में हुई थी, कहा जाता है कि चंद वंश के शासक जब माँ नन्दा देवी की मूर्ति गढ़वाल से अल्मोड़ा ला रहे थे, तब वे रात्रि-विश्राम हेतु 'झालीमाली' गाँव में रुके। अगले दिन जब वे माँ नन्दा देवी की मूर्ति को अल्मोडा ले जाने के लिए उठाने लगे तो वह मूर्ति अपने स्थान से हिल भी नहीं पायी, तब वहाँ के निवासियों तथा पण्डितों की सलाह के अनुसार माता की मूर्ति की स्थापना उसी स्थान पर कर दी गई।

कहा जाता है कि पूर्व समय में कत्यूर घाटी व इसके आस-पास के क्षेत्र में 'अरुणाक्ष्य दैत्य' का काफी प्रकोप था। दानव ने घाटी के आस-पास की सभी पहाड़ियों के बीच में अवरोध उत्पन्न करके सभी नदियों, नालों, गधेरों का पानी रोक दिया, जिससे सारी घाटी जलमग्न हो गई, सभी लोग माँ दुर्गा से प्रार्थना करने लगे कि हे जगतजननी माँ इस असुर का विनाश करके इस आपदा से हमारी रक्षा करो, लेकिन जो अरुण दैत्य था उसे ब्रह्मा जी ने ये वरदान दिया था कि वह दो और चार पैर वाले किसी भी जीव से मारा नहीं जा सकता। इसलिए माँ दुर्गा ने छः पैर वाले भँवरे का रूप लेकर अरुण दैत्य के प्रकोप से लोगों की रक्षा की व उसका वध कर दिया इसलिए माँ का नाम 'भ्रामरी भाई' हो गया। कोट (किला) पर स्थित यह मन्दिर 'कोट भ्रामरी माई' या 'कोट माई' के नाम से जाना जाने लगा।

नवरात्रि की अष्टमी तिथि पर 'कोट भ्रामरी मन्दिर' में माँ का विशेष पूजन-अर्चन किया जाता है।

माँ कोटमाई को गुड़-पापड़ी का भोग लगाया जाता है।

अन्त में आप सभी को इस लेख के माध्यम से यही कहना चाहती हूँ कि जब भी मौका मिले तो माँ भगवती के दर्शन करने अवश्य जायें , जो अपार सुःख व शान्ति का अनुभव माँ के दर्शन कर मैंने प्राप्त किया आप भी अवश्य प्राप्त करें।

क्या आप जानते हैं ?

भारत के दो सर्वश्रेष्ठ पर्वतारोहण संस्थान उत्तराखंड में स्थित हैं। इनमें से पहला है उत्तराकाशी में नेहरु पर्वतारोहण संस्थान, जिसकी स्थापना वर्ष 1965 में की गई थी। दूसरा है उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के मुनस्यारी में स्थित पंडित नैन सिंह सर्वेयर पर्वतारोहण प्रशिक्षण संस्थान।

उत्तराखंड का राज्य फल काफल है, यह एक स्वादिष्ट और पौष्टिक फल है, यह फल राज्य की संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है, उत्तराखंड का राज्य पुष्प ब्रह्मकमल तथा राज्य पक्षी मोनाल है।

अपना मुलक अपने रिवाज

चन्द्रमोहन ढ़ौण्डियाल
291/10, विरक कालोनी, पटियाला-147003

हमारे मुल्क की जो लोक परम्परायें हैं वे बड़ी अनूठी हैं याने कि जो यहां से सात समुन्दर पार भी गया होगा उसे भी वहां पर अपने मुल्क की याद (खुद) आती रहती है। मुल्क (गांवों) से बाहर जाकर खूब सुख सुविधाओं में रहने वालों को भी वहाँ अपने मुल्क की याद आती रहती है, कोई तो बात होगी ही उस मुल्क की जिस मुल्क में आज के हिसाब से सुख सुविधा नहीं है पर तब भी वहां की बहुत याद आती है, वहाँ के अभाव के लिये भी याद आता है अपना मुल्क। इस याद की खास वजह होती है वहां का प्रेम, एक तो अपनी जन्मभूमि का और दूसरी वहां के लोगों का प्रेम (माया), लोगों का ये प्रेम मनुष्य से मनुष्य तक ही नहीं होता इस प्रेम में घर-जंगल, धारा-पन्देरा, डाली बोटी, रौ सस्ता, डांडी-कांठी, गोर-बच्छरु, नचणो-गाणों, काम-धाणी सब शामिल होते हैं। इन सबसे मिलकर ही लोक समाज बनता है, और इससे ही अपने मुल्क की याद उन सुख-सुविधाओं के बीच में भी आती रहती है, जिन सुख सुविधाओं के लिये हम अपने मुल्क को छोड़कर चले जाते हैं।

हर मुल्क की अपनी रीति-नीति अपना समाज, अपने संस्कार होते हैं याने कि जो लोग जिस मुल्क के होंगे उनमें उस मुल्क के संस्कार होते हैं। मुल्क की यही बातें अपने समाज में अपनी मान प्रतिष्ठा के साथ में स्थापित होते हैं। आज मुल्क (गांव) उजड़ने की जो पीड़ा महसूस की जा रही है वह मकान टूटने की नहीं है। वह तो पीढ़ियों (साखियों) की परम्परा खतम होने की पीड़ा है, भावी पीढ़ी में जाने वाले वे संस्कार खत्म (नष्ट) होने की पीड़ा है जो संस्कार सिर्फ मुल्क (गांव) से ही मिल सकते हैं, तीज त्यौहारों की जो रंगत अपने मुल्क में है वो परदेश में कहाँ।

कहते हैं कि समय के साथ परम्परा भी खुब बदलती है, वैसे परम्परा एक प्रगतिशील सभ्यता होती है जो हमेशा समाज को सक्रिय रखने का कार्य करती है और साथ ही परम्परा हमेशा पारम्परिक मूल्यों के साथ बदलते समय के साथ ही नये नियमों को भी अपने आप में शामिल करती रहती है, याने कि पारम्परिक रूप से सभ्यता और संस्कृति का विकास होता रहता है लेकिन परम्परायें समाज को भटकने नहीं देती हैं।

हमारे समाज में मेले/कौथिग विशेषकर प्रकृति की पूजा, प्रकति के प्रति लोक आस्था और विश्वास को बनाये रखने के साथ-साथ फसल पात, खेती बाड़ी से जुड़े और आपस में मिलने जुलने के बारे में ही ज्यादातर मनाये जाते हैं, एक समय पर जब मनोरंजन के कोई साधन नहीं थे तब इन पहाड़ी इलाकों में इन मेले/कौथिगों की परम्परा शुरु हुई होगी, मैले/कौथिगो में जुटे द र्शकों (कौणगेरु) की वजह से ये खूब लोकप्रिय भी हुये और धीरे-धीरे लोक समाज की जरूरत भी बन गये, इन मेले/कौथिगो के आयोजनों से ही हमारे मुल्क के रीति-रिवाज भी लगभग एक समान है।

हमारे मुल्क के लोग मूलरूप से बड़े उत्सव प्रेमी होते हैं, मेले/कौथिगो के शौकीन एकान्त हिमालय में रहने वाले लोग सांस्कृतिक कार्यक्रमों (कौथिगों) के आयोजनों के लिये बहुत उत्सुक रहते हैं। प्रकृति के बीच में रहने से उकताये लोगों में कृत्रिम दुनिया के प्रति स्वाभाविक आकर्षण होता है, हाड़तोड़ मेहनत के बाद एक-दो दिन के लिये मेले/कौथिगों में शामिल होकर सब झंझटों से मुक्त ह ो जाते हैं, गीत-नृत्य, खेल-तमाशा, हंसी-खुशी, नया कपड़ा-जेवर, खाणी-पीणी, रिस्ता-नाता, ध्याण-बोराण, दगंड्या सब कुछ होता है यहां पहाड़ी मेलों में, मेले/कौथिंग नहीं होते तो कई लोकगीत-नृत्यों का आयोजन ही नहीं होता और ये लोक कला कब की खतम हो जाती। जैसे कि नन्दा देवी की यात्रा और उत्सव होता है दो

नन्दा देवी के जागर गाये जाते हैं, यदि नन्दा देवी का उत्सव ही नहीं होता तो नन्दा देवी के जागर भी क्यों लगते, चांचड़ी-चौफला जैसे गीत भी मेले/कौथिगों के कारण ही जीवित हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात तो ये है कि यह लोक विधा इन लोकोत्सवों के मौके पर ही नयी पीढ़ी को हस्तान्तरित होती है।

हमारे ये लोकोत्सव/मेले प्रकृति और पर्यावरण के प्रति प्रेम और सम्मान भी जागृत करते हैं, दीवाली (बग्वाल) में गाय-बैलो को विशेष खाना (पीण्डा) खिलाना, बगड्वाल पाण्डव नृत्य (पण्डौ) पर सल्लू-पंय्यां के पेड़ों की पूजा, उत्तरायणी पर कोवों को पकवान खिलाना, विवाह-शादियों में पनघट (पंदेरा) की पूजा आदि प्रकृति व पर्यावरण के विविध घटकों के प्रति भावनात्मक लगाव पैदा करते हैं। लोकोत्सव पारिवारिक व सामाजिक सम्बन्धों को भी मजबूत बनाते हैं, लोकोत्सवों के अवसरों पर दूर-दूर से रिस्तेदारों को भी आमान्त्रित करने का प्रचलन है। लोकोत्सवों में विवाहित बेटी (ध्याणी-दीशा) को विशेष सम्मान देने की भी प्रथा है, नन्दा देवी का उत्सव बेटियों का ही उत्सव माना जाता है।

मेले/कौथिग हमारे समाज के सांस्कृतिक गतिशीलता की पहिचान हैं, ये मेले सांस्कृतिक प्रतीक, बोली, भाषा और रीति-रिवाजों के आदान-प्रदान के माध्यम भी है। बसन्त पंचमी से वैशाखी तक पूरे उत्तराखण्ड में मेले/कौथिगों की बड़ी चहल-पहल रहती है।

सभी मेलों में यह बात गौर करने लायक है कि हर मेले की शुरुआत धार्मिक पूजा-पाठ से होती है। मेले जादातर मन्दिरों के आस-पास किसी बड़े मैदान (तप्पड़) में तथा कई मेले घन-घोर जंगलों के बीच में भी लगते हैं और सभी मेले/कौथिगों के आयोजन में जन कल्याण की भावना मुख्य होती है, मेले/कौथिगो को अलग-अलग इलाकों में अलग-अलग नामों से जाना जाता है, टिहरी गढ़वाल में 'थौल' शब्द का प्रयोग होता है। थौल शब्द का मतलब स्थल अथवा एक जगह विशेष पर एक बड़े जनसमूह के आगमन से है। थौल शब्द का दूसरा मतलब लगाया गया है, थौली यार (थोड़ा आराम कर लो)। पौड़ी गढ़वाल और चमोली में 'ग्याला' और 'कौथिग' शब्द का प्रयोग होता है, जिसका अर्थ है कि कौतुक एक जगह पर बहुत लोगों का आना और किसम-किसम की चूड़ी, फून्दी की और जलेबियों की दुकानों से जो कौतूहल पैदा होना, उत्तरकाशी के इलाके में इसके लिये 'औसर' शब्द का प्रयोग होता है जिसका आशय नया वर्ष और बसन्त के आने से है।

आज की तरह सम्पर्क के साधन न होने से पहले इन मेलों का बड़ा महत्व था, किसी के लिये ये मेले मनोरंजन के साधन थे, किसी के लिये कपड़े और श्रृंगार का सामान खरीदने का मौका तो किसी के लिये मेल मुलाकात और खुद बिसराने के तथा गढ़वाल की विशेष मिठाई जलेबी आदि खाने-पीने के अवसर होते थे।

मेलो का प्रयोजन खास करके धियाण्यूं का मिलन, आलू, प्याज, लहसुन, दापला, कुल्हाड़ा आदि की अदला-बदली, नाच-गान और शौर्य प्रदर्शन के लिये होता था। उस जमाने में चिट्ठी पतरी, फोन तार, रन्त रैबार कुछ भी साधन नहीं था। विवाहित बेटियों को अपने मैतियों से मुलाकात (मुखाभेंट) मेले/कौथिगो में ही होती थी। कई महीनों पहले से ही रैबार भेजा जाता था कि फला-फलां कौथिग में जरूर आना, वैसे भी अधिकतर मेले बैशाख के महीने में ही होते थे और बैशाख से पहले चैत के महीने में औजी (दास लोग) दिशा भेंट के लिये जाते थे। इसी आवत जावत में रैबार भेजे जाते थे धियाण्यूं को कि फलां मेले में आ जाना।

फिर मेले में जाने के खातिर स्वाली, पकोड़ी, गुलगुली, पिण्डालू, आलू, कल्यो, स्यूंचणा, दूध, दही, घी आदि की पोटली (फंची) बांधकर अपनी प्रिय बहिन या धियाण के लिये ले जायी जाती थी। दिन के 10-11 बजे से 3 बजे तक मिलने-भेंटने का कार्यक्रम होता था। खाते-पीते रोना-धोना और रोते-रोते खाणी-पीणी चलती थी फिर 3 बजे घर लौटने की फिकर हो जाती थी और मेले में चारों तरफ रोना-धोना ही सुनाई देता था। करुणा व दर्द की पूरी गंगा बहने लगती थी इस विदाई के मौके पर।

नाचना गाना तो मेलों की शान होती थी, ढोल,

दमाऊ, रणसिंग्या निसाब के साथ गांवों से जलो के जलो आते थे, गेलों में किसम किसम के गीत गाने गाये बताये जाते थे, ढोल कटवाकारी द्वारा भी गीत गाये जाते थे तथा अन्य कलाकार भी गीत और नृत्य करते थे। आज इन कलाकारों की जगह नयी पीढ़ी के प्रतिभाशाली कलाकारों जैसे कि कल्पना चौहान, संगीता ढौण्डियाल, गजेन्द्र राणा, हेमा करासी, किशन महिपाल किराना, बगोट, बसन्ती, निष्ट आदि ने ले ली है।

आज मेलो में उतनी भीड़ इकट्ठी नहीं होती है, जलेबी के साथ में चाउमिन, मोमो, स्प्रिंगरोल जैसे चाइनीज फास्टफूड का कम्पीटिशन हो गया है, माल्टा सन्तरा के साथ कोल्ड्रिंक और आईस्क्रीम बिक रही है। दुकानदार, इलेक्ट्रानिक खिलौने और आधुनिक सामान रखने लग गये हैं। ढोल दमौ की थाप को आधुनिक बैण्ड बाजों ने धूमिल कर दिया है। मेले सिर्फ मनोरंजन के साधन नहीं हैं, ये शताब्दियों पुरानी परम्परायें हैं जो कि पश्चिमी सभ्यता के प्रभाव में अपनी पहचान खोते जा रहे हैं।

इन मेले/कौथिगों को बचाने के लिये यदि लोग एवं समाज आगे नहीं आता है तो वो दिन दूर नहीं होगा जब ये आलोप ही जायेगें। हमें यह प्रयास करना पड़ेगा कि हमारी आने वाली पीढ़ी भी इस मेला परम्परा को भूल न जाये और हमारी लोक संस्कृति एवं सभ्यता के विकास के प्रतीक मेले/कौथिग अपना आस्तित्व ही न खो दें। इन मेले/कोथिगो के उत्थान की चिन्ता हम लोगों को अवश्य करनी पड़ेगी, तभी हम अपनी संस्कृति के संरक्षण की बात कर सकते हैं।

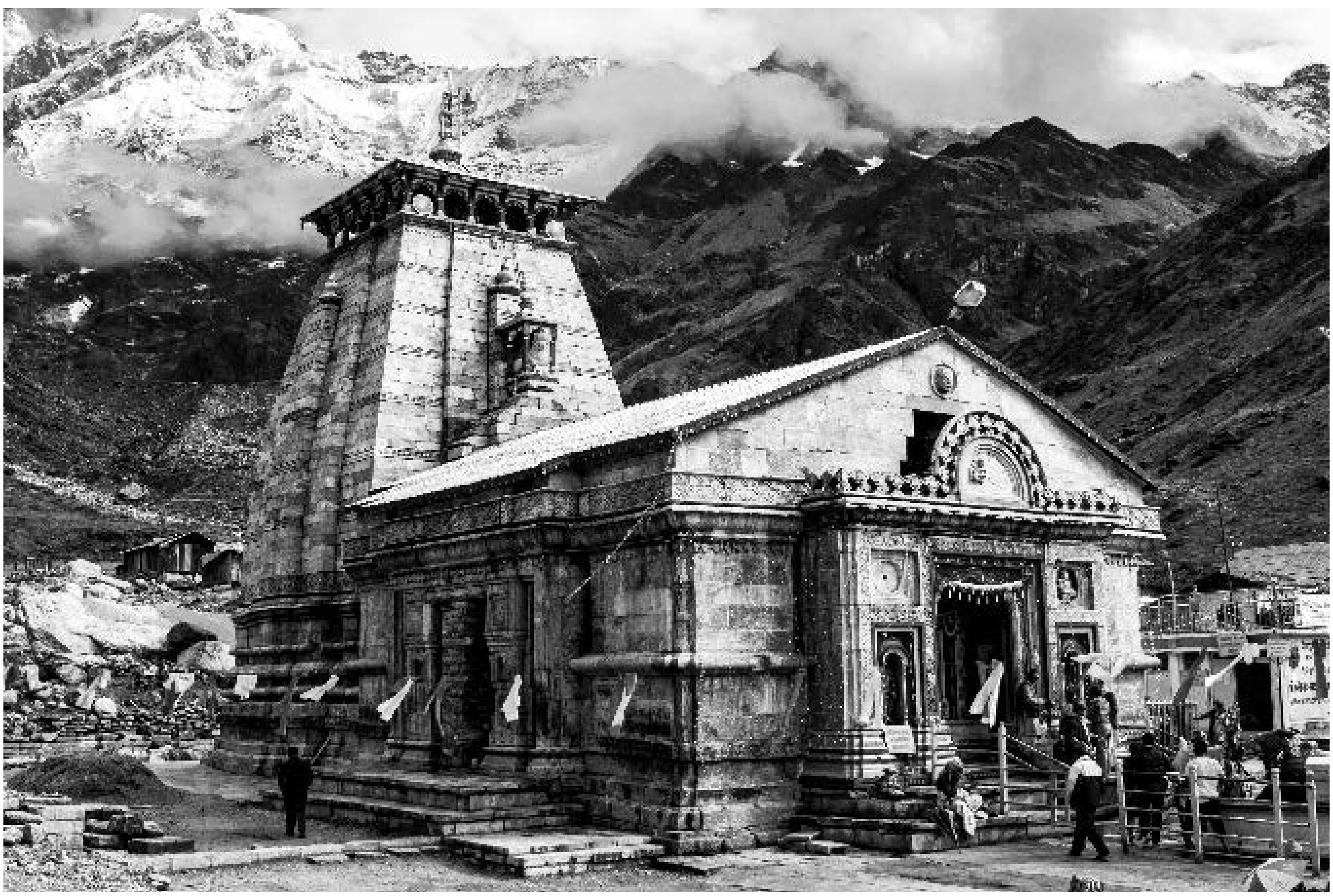

उत्तराखण्ड का विश्वप्रसिद्ध केदारनाथ मंदिर

वैद्य दामोदर प्रसाद कुकरेती 'शास्त्री' : एक महान कर्मयोगी का संक्षिप्त परिचय

हरीश मैंदोला
इन्दौर

देवभूमि उत्तराखंड जिसके रज-रज में देवताओं का वास है तथा इस पावन दिव्यभूमि पर देवी-देवताओं की अहेतुकी कृपा सदैव ही रही है। इस पावन देवभूमि की पावन धरा ने समय-समय पर अनेक विभूतियों को जन्म दिया है, यह विभूतियाँ प्रायः सभी क्षेत्रों में चाहे वह साहित्य का हो, विज्ञान का हो, सामाजिक सेवा का हो अथवा देश सेवा को आतुर रहने वाले वीर सैनिकों का हो सभी क्षेत्रों से समान रूप से निकलती रही है।

आज इस आलेख के माध्यम से हम ऐसी ही एक महान् विभूति का संक्षिप्त परिचय (संक्षिप्त इस नाते की उनके पूरे परिचय हेतु तो शायद एक विशेषांक भी कम पड़ेगा) देने का प्रयास कर रहे हैं। इस विभूति का नाम है वैद्य दामोदर प्रसाद कुकरेती जी, जिन्हें कालान्तर में लोग वैद्य दामोदर प्रसाद शर्मा 'शास्त्री' जी के नाम से पहचानने लगे । वैद्य जी ने देवभूमि उत्तराखण्ड में जन्म लेने एवं अपनी प्राथमिक शिक्षा-दीक्षा वहीं से ग्रहण करने के पश्चात् बाद में महान सांस्कृतिक नगरी वाराणसी से अपनी उच्च शिक्षा प्राप्त की एवं तत्पश्चात् माँ अहिल्या की पावन नगरी इन्दौर को अपनी कर्मभूमि बनाया।

वैद्य दामोदर प्रसाद 'शास्त्री' जी का जन्म संवत् 1961 (वर्ष 1904) में लंगूर पट्टी के तोली गाँव में हुआ, आप बचपन से ही विलक्षण प्रतिमा के धनी थे । आपका बचपन अपने नाना-नानी के घर में अर्थात् ननीहाल में बीता । वर्ष 1922 में आप अपनी शिक्षा ग्रहण करने के लिए वाराणसी आये, वहाँ के ही रणवीर संस्कृत पाठशाला से प्रवेशिका परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् आपने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से आयुर्वेद शास्त्री की उपाधि हासिल की। इस दौरान ही आपका सम्पर्क पंडित मदन मोहन मालवीय जैसी हस्ती से हुआ, आपने पंडित मालवीय जी से अनेकों प्रेरणायें हासिल करने के साथ ही उन्हें ताउम्र अपने आदर्श के रूप में माना। सन् 1929 में आप आयुर्वेद शास्त्री की परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् सीकर (राजस्थान) चले गये। वहाँ पर आपने पीड़ित मानवता की सेवा करने के साथ ही हरिजन सेवक संघ के अध्यक्ष पद को भी सुशोभित किया। अपने इस कार्य के प्रति आपकी निष्ठा एवं समर्पण के चलते आपको प्रयाप्त ख्याति भी अर्जित हुई।

आपकी सामाजिक सेवा के कार्य के साथ-साथ ही एक कुशल वैद्य के रूप में भी आपकी ख्याति दिन-प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही थी, इसके ही परिणामस्वरूप वर्ष 1934 में आपको इन्दौर के महाराजा की तरफ से इन्दौर आने का प्रस्ताव मिला। आपने इस प्रस्ताव को सहर्ष स्वीकार करते हुए इन्दौर को ही अपनी कर्मभूमि बनाने का फैसला किया एवं यहाँ पर आकर आपने प्रधान वैद्य के रूप में सहस्त्रों मरीजों, जिसमें हर तरह के मरीज अर्थात् छोटी-मोटी बिमारियों से लेकर जटिल रोगों के मरीज तक शामिल रहे का सफलतापूर्व ईलाज किया।

आपने अपने गूढ़ ज्ञान के चलते अनेक उच्च कोटि के ग्रंथों जिनमें 'आर्ष सम्पदा और विज्ञान' तथा 'महामुनि पंतजलि' प्रमुख हैं की रचना भी कर डाली। चिकित्सा तथा सामाजिक सेवा के क्षेत्र में आपके द्वारा किये गये कार्यों की सूची इतनी लम्बी है कि यदि सभी की चर्चा की जाये तो उस पर एक अलग से पुस्तक लिखी जा सकती है। यहाँ पर उनमें से कुछ ही कार्यों की एक बानगी प्रस्तुत की जा रही है।

आप इन्दौर के जेल रोड़ में खादी भंडार के ऊपर स्वर्गीय श्री रतन लालजी उपाध्याय के द्वारा संचालित अनाथाश्रम के बच्चों के शारीरिक परीक्षण एवं बिमारियों के उपचार हेतु अपने स्वयं के खर्चे से जाया करते थे, और उनका निःशुल्क इलाज करते थे। इसके अतिरिक्त उस ही

दौर में आप कोठारी मार्केट के पास तत्कालीन समय में स्थित महाराजा सिनेमाहाल के पास श्रीमती शांता बहन पटेल द्वारा संचालित अनाथाश्रम एवं नारी निकेतन में भी अपनी निःशुल्क सेवायें देते थे।

वैद्य दामोदर प्रसाद शर्मा शास्त्री जी के द्वारा अनेक गरीबों को निःशुल्क इलाज के साथ-साथ अनेक अन्य परमार्थ के कार्य भी समय-समय पर किये जाते रहे। आपने असंख्य गरीब बच्चों को उनकी योग्यतानुसार नौकरी दिलवाने में मदद की तथा कई जरूरतमंदों को कई-कई दिन तक अपने घर में रहने एवं खाने की निःशुल्क सेवा प्रदान की।

यह तो आपके सर्वसमाज के लिए किये गये कार्यों की एक बानगी थी। इसके अतिरिक्त आप अपनी मातृभूमि उत्तराखंड से दूर रहते हुए भी कभी भी अपनी मातृभूमि एवं वहाँ के लोगों के प्रति अपने दायित्व नहीं विस्मृत कर पाये। आपके घर पर अक्सर ही उत्तराखंड समाज से जुड़े हुए लोगों की मीटिंग एवं जनसरोकार के मुद्दों पर चर्चा हुआ करती थी। आप अत्यन्त ही उदार मन से प्रत्येक पहाड़ी अर्थात् उत्तराखंड मूल के लोगों की मदद किया करते थे।

यह आपके संस्कारों का ही प्रतिफल है कि जिस तरह आपने समाज एवं समाज से जुड़े लोगों की उदार मन से सहायता की, वह ही उदारता मानो विरासत स्वरूप आपकी बेटी गार्गी शर्मा जिन्हें स्नेहपूर्वक उत्तराखण्ड समाज के सभी लोग दीदी कहा करते हैं को भी मिली हुई है। आदरणीया दीदी जी ने उत्तराखण्ड सांस्कृतिक सभा के अपने निजी भवन हेतु अपना स्वयं का मकान दानस्वरूप देकर एक ऐसा आदर्श प्रस्तुत किया, जिसकी जितनी भी प्रशंसा की जाये वह कम ही होगी। आदरणीय वैद्य जी का व्यक्तित्व किसी विशाल वटवृक्ष की तरह था, जो स्वयं तो विशाल होता ही है, साथ ही वह वातावरण को शुद्ध हवा तथा पक्षियों को भरपूर छाँव प्रदान किया करता है।

वैद्य दामोदर प्रसाद शर्मा जी के विराट व्यक्तित्व हेतु भगवत्गीता में वर्णित निम्नलिखित श्लोक पूरी तरह से फिट बैठता है।

'कायेन मनसा बुद्धया केवलैरिन्द्रियैरवि।
योगिनः कर्म कुर्वन्ति सङ्गं त्यक्त्वालशुद्धमे॥'

अर्थात् योगीजन आसक्तिरहित होकर अपने शरीर, मन, बुद्धि एवं इंद्रियों के द्वारा केवल शुद्धि कर्म अर्थात् अच्छे कर्म में ही लिप्त रहते हैं।

यूँ तो देवभूमि उत्तराखंड रत्नों की खान है, उन रत्नों में ही एक रत्न वैद्य दामोदर प्रसाद जी, जिनकी अपने आप में सबसे अलग, सबसे विशिष्ट पहचान है। ऐसे युगपुरुष को आलेख प्रस्तुतकर्ता के साथ-साथ 'उत्तराखंड दर्पण' की पूरी सम्पादकीय टीम एवं सभी पाठकों का कोटि-कोटि नमन। जय देवभूमि उत्तराखंड, जय भारत।

मेरा उत्तराखंड

मेरा उत्तराखंड,
मुझको अपने प्राणों से प्यारा है,
यह केदारखंड, यह मानसखंड,
जो है कलकल करती,
पावन हिमनदीयों की जननी,
भूमिका महती जिसकी,
रखने मैं आर्यावर्त को अछुण्य –अखंड,
रखने मैं आर्यावर्त को अछुण्य –अखंड।
मेरे पुरखों की यह जन्मभूमि,
मेरे अपनों की यह कर्मभूमि,
एक तरफ जिसके हिमाच्छादित हिमालय,
एक तरफ फूलों की घाटी,
जिसके कण–कण मैं पावनता,
ऐसी अदभुद इस धरा की माटी,
मेरी इस देवभूमि को मेरा,
है नित लख–लख बंदन,
है नित लख–लख बंदन।
इस पावन धरा की रज का,
मैं करूँ नित हृदय से वंदन,
मैं करूँ नित हृदय से वंदन।।

पाखी मैंदोला
इन्दौर (म.प्र.)

माधुरी

सुनिता चमोली
जबलपुर

पिता जी अब तो दोपहर हो रही है। सुबह से आप तीन बार चाय पी चुके। अब इस चौथी वाली चाय को शाम के लिये रखिये। 'मैने आपका कमरा ठीक कर दिया है दिन के तीन बज रहे हैं अब आप चुपचाप दोपहर का आराम करिये, तभी रसोईघर से शकुंतला ने माधुरी को पुकारा। माधुरी – ओ माधुरी जरा इधर आना। अपने पिता जी का काम तो तू झटपट कर देती है जरा मेरा भी हाथ बंटा दिया कर। शकुंतला अपनी बेटी माधुरी को आवाज लगाने के साथ-साथ मन ही मन बड़बड़ा रही थी। ये लड़की भी अपने पिता की एक आवाज में उनके पास भागी चली जाती है और एक मैं हूँ जब तक उसे दस बार न बुलाऊं सुनती ही नहीं, इस माधुरी के भी कान ! हर दम अपने पिताजी की ही तरफ लगे रहते हैं। अपने पिताजी को सुबह-सुबह चाय बनाकर देना उनके कमरे की साफ सफाई करना, उनके पढ़ने-लिखने की चीजों को सम्भाल कर रखना, उनके जैसे ही सुबह-सुबह पेपर पढ़ने बैठ जाना आखिर बेटी है न, 'तो पिताजी की तरह तो होगी ही। शक्लसूरत माथा देखकर तो कोई भी समझ जायेगा कि थपलियाल जी की बेटी है, बातचीत करने के ढंग भी बिल्कुल अपने पिताजी की ही नकल। एक दिन तो इस माधुरी ने गजब ही कर दिया। पेपर डालने वाला लड़का जैसे ही आंगन में पेपर डाल कर गया, माधुरी ने अपने पिताजी का चश्मा छुपा दिया और जब खुद पूरा पेपर पढ़ चुकी तब उनके कमरे में जाकर चश्मे को तकिये के किनारे रख कर कमरे से बाहर आ गई। उसके बाद पिताजी से कहने लगी, तुम भी न पिताजी, अपने सामानों का ध्यान नहीं रखते हो। फिर चश्मे के बिना पेपर नहीं पढ़ पाने के कारण परेशान, कुर्सी पर बैठे अपने पिताजी की तरफ देखकर वह स्वयं बोली मैं ढूंढ कर लाती हूँ। और उनके कमरे में जाकर बताने लगी – ये देखो ! यहीं तो तकिये के पास ही चश्मा रखा हुआ है। आप न जाने कब से यहां-वहाँ ढूंढ रहे हैं।

शकुंतला अपनी बेटी की इन शैतानियों को अच्छी तरह से समझती थी और मन ही मन बोलती भी थी, बाप-बेटी आपस में निबटें उसे क्या ! 'उसे तो घर के कामों से कभी इतनी फुर्सत ही नहीं मिली कि थोड़ी देर के लिये वह भी कभी पेपर को उलट-पलट कर देख ले। अतीत में खोई शकुंतला को बसंत बिहार का दो कमरों का घर आज भी याद है। कमरे भले ही दो थे लेकिन एक छोटी सी रसोईघर ने जैसे सारी जरूरतों को पूरा कर दिया था। उस छोटे से घर में रहने का अपना एक अलग ही सुख था। वैसे भी इस कालोनी के सभी लोगों की घरगृहस्थी एक जैसी ही होने के कारण किसी को दूसरे के घर में कोई कमी नजर नहीं आती थी। मुहल्ले के सभी आदमी सुबह आठ बजे ही अपने-अपने काम में चले जाते थे। थपलियाल जी नगर पालिका में थे तो उनके ऑफिस का टाईम भी उनके अपने हिसाब से चलता था। थपलियाल जी को पंजाबी मोहल्ला छोड़े हुये पांच साल हो गये थे। बीते पांच सालों में छुट्टी का ऐसा कोई दिन नहीं रहा होगा जब बसंतबिहार से उन्हें कोई मिलने इस नेहरुग्राम में न आया हो। बसंतबिहार के नेगी जी तो जैसे उस मोहल्ले के खास खबरची थे। नेगी जी और उनकी श्रीमती जी ने तो जैसे मोहल्ले की खबरों का आपस में बंटवारा ही कर रखा था। नेगी जी, जहाँ घर के बाहर की खबरें रखते थे वहीं उनकी श्रीमती जी घरों के अंदर तक का आँखों देखा हाल सुनाने में माहिर थी।

बेटी माधुरी भी भूविज्ञान की पढ़ाई पूरी करने के बाद पीएचडी कर चुकी थी। अब वह विश्वविद्यालय में प्रवक्ता नियुक्त हो गई थी। अपनी लगन और मेहनत के दम पर उसने विश्वविद्यालय टीचिंग स्टाफ के साथ बहुत ही अच्छा ताल-मेल बैठा लिया था। विज्ञान की विद्यार्थी होने के कारण

उसके लिये विज्ञान के साथ दूसरे विषयों को पढ़ाने में भी कोई दिक्कत नहीं थी। इसलिये जब भी विश्वविद्यालय का कोई टीचिंग स्टॉफ छुट्टी पर जाता तो माधुरी को ही प्रोफेसर्स लैक्चर के लिये भेजते थे। लड़कियों के लिये टीचिंग सबसे अच्छे प्रोफेशन में समझा जाने के बावजूद भी विश्वविद्यालय स्तर के विद्यार्थियों को पढ़ा पाना इतना आसान तब भी नहीं था। विश्वविद्यालय की दो-तीन कक्षाओं में एक दो शरारती लड़कों पर अंकुश लगाये रखना टीचिंग स्टॉफ के लिये चुनौती से कम नहीं होता है। विश्वविद्यालय के लड़कों की मस्ती का जरिया भी महिला टीचिंग स्टॉफ ही हुआ करती थी। माधुरी भी इनसे बच नहीं सकी। विश्वविद्यालय कैम्पस में जब लड़कों के झुंड से माधुरी का आमना-सामना होता तो माधुरी को लड़के मौसी जी बोलने से भी नहीं चूकते थे लेकिन लड़कों की इन हरकतों से विचलित हुये बिना माधुरी ने पलट कर कभी कोई प्रतिक्रिया देना ठीक नहीं समझा। उसे इस विश्वविद्यालय में सबसे करीब से जानने वालों में मयंक ही ऐसा था जो उम्र में उससे दो साल बड़ा था, और वह सीनियर फिजिक्स लेक्चरर था। पढ़ाई के मामलें में भी दोनों एक जैसे ही निकले। जैसे एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ लगाई हो। दोनों के पढ़ाई के विषय में भी काफी समानता थी। आज नेगी जी बहुत दिन बाद घर आये थे लेकिन आज वे अकेले नहीं थे, जखमोला जी भी साथ थे। उस बसंतबिहार में एक दो लोगों के पास जब साईकल और पुराना लैंब्रेटा ही हुआ करता था तब थपलियाल जी के पास फियेट कार थी। यह कार मोहल्ले का स्टेट्स सैम्बल जैसी ही थी। लेकिन मजाल है जो मोहल्ले का कभी कोई लड़का उनकी इस कार से टिक कर भी खड़ा हो जाय। थपलियाल जी और नेगी जी की दोस्ती भी बहुत पुरानी थी। एक जैसे पहाड़ी नाक-नक्श के कारण लोग इन दोनों को एक ही घर का समझते थे। घर की ड्राईंगरूम में बैठते ही सबसे पहले उन्होंने बेटी माधुरी को पूछा और माधुरी के सामने आते ही साथ लाया मिठाई का डिब्बा उसे पकड़ाते हुये हालचाल पूछने लगे। एक तरह से थपलियाल जी का माधुरी से पूछना इसी तरह से था जैसे वे यह जानना चाहते थे कि माधुरी और उनके दोस्त जुगरान जी के बेटे मयंक में जान पहचान है या नहीं। माधुरी के ड्राईंगरुम से चले जाने के बाद माधुरी के पिता ने थपलियाल जी से माधुरी और मयंक के रिस्ते का प्रस्ताव पंत जी की तरफ से नेगी जी ने रखा। इस पर थपलियाल जी को कुछ असमंजस तो हुआ लेकिन थपलियाल जी की आर्थिक स्थितियों और स्वभाव को देख कर वे एक दूसरे की जन्मपत्रिका के मिलान पर सहमत हो गये। विश्वविद्यालय के साप्ताहिक वर्किंग का आज आखरी दिन होने के कारण विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के साथ टीचिंग स्टाफ भी कम आया था। चाहे कोई अध्यापन कार्य हो न हो लेकिन विश्वविद्यालय के डीन जब तक ऑफिस में है तब तक कोई घर भी नहीं जा सकेगा। यह ध्यान आते ही माधुरी को कुछ याद आ गया और वह उठकर विश्वविद्यालय की लाईब्रेरी की तरफ चली गई। आज टीचिंग स्टाफ और विद्यार्थियों की कम उपस्थिति होने के कारण लाईब्रेरी की कुर्सियाँ खाली पड़ी थी। माधुरी के लिये अपनी मनपसंद जगह बैठने का आज अच्छा अवसर था। माधुरी ने भी लाईब्रेरी में प्रवेश किया और बुकशैल्फ से एक मोटी सी किताब निकालकर पढ़ने बैठ गई। किताब के दो-चार पन्ने पलटने के बाद उसे ऐसा आभाष हुआ की वह लाईब्रेरी में अकेली नहीं है। तभी मयंक पर उसकी नजर पड़ी और उसके मुंह से अचानक निकला – 'सर आप भी यहां! मैं तो घबरा रही थी, कि– अकेले यहां कैसे बैठ सकूंगी इतने में लाईब्रेरी के दूसरे छोर में बैठे मयंक ने भी उत्तर दिया अरे नहीं मिस थपलियाल!, आप अकेली नहीं हो आज मुझे भी यहाँ अच्छा नहीं लग रहा था लेकिन अब आप भी यहाँ हो तो मुझे भी अच्छा लगेगा। इतना बोलते हुये मयंक भी माधुरी के ठीक सामने आकर बैठ गया। उसने हाथ में पकड़ी हुई किताब मेज पर रखी और पढ़ने लगा। वे दोनों जब से इस विश्वविद्यालय में पढ़ा रहे हैं तब से आज पहली बार इतनी पास बैठे थे। मयंक पूरे छह फुट हाईट का बहुत स्मार्ट लड़का था। उसकी छोटी-छोटी आँखें और साफ गोरा रंग उसके पहाड़ी प्रदेश के होने का प्रमाण था। मयंक शांत-गम्भीर होने के साथ मिलनसार भी बहुत था। विश्वविद्यालय का कोई भी

सांस्कृतिक कार्यक्रम मयंक के बिना सम्पन्न नहीं होता था।

परिस्थितियों के आंकलन और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के साथ समन्वय बैठाने में भी मयंक का शानदार तरीका था। उससे कोई नाराज हुआ हो ऐसा कभी नहीं सुना था। माधुरी और मयंक में बस दो बरस का ही अंतर था। उन दोनों के बीच लाईब्रेरी में एकांत होने के बाद भी मौन का ही पर्दा था । पढ़ने-लिखने में दोनों गम्भीर होने के कारण अल्पभाषी भी थे। वे दोनों लाईब्रेरी में बैठकर पढ़ने में इतने मगन थे की लाईब्रेरियन के कहने पर की सर लाईब्रेरी बंद करनी है तब जाकर उन्हें घर जाने का ध्यान आया । थपलियाल जी को आशा थी कि जुगरान जी जल्दी ही जन्मपत्रिका मिलान कर उन्हें रिश्ते की कोई सूचना देंगे, या नेगी जी से ही कुछ कहेंगे। पढ़ी-लिखी सुंदर और होनहार पुत्रवधू की इच्छा ने थपलियाल जी को अपनी ओर से की गई विवाह की पहल को उचित ठहराया। वैसे लड़की वालों के घर स्वयं अपने बेटे के लिये रिश्ते का प्रस्ताव लेकर जाना श्रीमती थपलियाल को ठीक नहीं लग रहा था, किन्तु नेगी जी बीच में थे इसलिये श्रीमती थपलियाल कुछ बोल नहीं पाई। अपने पति सुरेश से उसने कहा जन्मपत्रिका मिलाने से भी क्या होगा ? यदि थपलियाल जी अपनी बेटी के लिये कोई रिश्ता ढूंढ रहे हों तो उन्हें मना भी तो नहीं किया जा सकता। इससे अच्छा रहेगा की मयंक और माधुरी की ही एक दूसरे से दोस्ती हो जाये, हमारी ओर से जन्मपत्रिका मिलवाना तो एक औपचारिकता है। माधुरी और मयंक दोनों एक ही विश्वविद्यालय में हैं, हमें उन दोनों के मन की बात भी जानना जरूरी है। श्रीमती थपलियाल ने पति से ये बाते कहीं और वो रसोईघर में चली गई। मयंक और माधुरी के रिश्ते की कोई बात दोनों घरों में चल रही है इससे अब तक दोनों अनजान थे। इस बात के लिये नेगी जी ने पहले ही कह दिया था कि बात पक्की होने तक दोनों को खबर नहीं होना चाहिये। आज सोमवार का दिन था श्रीमती थपलियाल फोन करके नेगी जी से कुछ पूछना चाह ही रही थी कि उन्होंने स्वयं नेगी जी और जुगरान जी को घर के मुख्यद्वार से अंदर आते देखा और थपलियाल जी को बताते हुये वो भी घर के बरामदे में आकर खड़ी हो गई। आज विश्वविद्यालय के डीन ने मयंक और माधुरी को एक साथ बुलाकर एक चिट्ठी पकड़ाई और साथ ही उन्हें इस बात की मौखिक सूचना भी दी कि राज्यपाल के द्वारा उन दोनों को उत्कृष्ट अध्यापन कार्यों के लिये 'सर्वश्रेष्ठ प्रवक्ता अलंकरण' पुरस्कार देने की घोषणा की गई है और विश्वविद्यालय की ओर से दोनों को सम्मानित किये जाने का कार्यक्रम विश्वविद्यालय के सभागार में कल रखा गया है। इस विशेष आयोजन में उन दोनों को अपने अभिभावकों के साथ उपस्थित होना है। यह खुशखबरी उन दोनों के रिश्तों की बातचीत के लिये अनजाने में भी बहुत खास थी। पूरे प्रदेश से केवल उन्हीं के ही नामों की घोषणा से जहाँ विश्वविद्यालय का प्रदेश में नाम हुआ था वहीं उन दोनों की तस्वीरें प्रदेश के समाचार पत्रों के मुख्यपृष्ठ पर भी थी। दोपहर के ठीक दो बजे विश्वविद्यालय के सभागार में अलंकरण समारोह का आयोजन आरम्भ हो चुका था। एक विशाल बैनर में माधुरी और मयंक की फोटो के साथ दोनों की प्रशस्तियाँ भी लिखी हुई थी और मंच के दाहिनी ओर माधुरी और मयंक के युगल चित्र इस तरह से सजाकर लगाये गये थे जैसे दोनों के मंगल परिणय का सुंदर सा निमंत्रण पत्र हो। सभागार के मंच से उद्घोषणा हो रही थी कि श्रीमती शकुंतला, श्री सुरेश थपलियाल एवं श्रीमती रेणु श्री मुकुल जुगरान विशिष्ट अतिथियों के साथ मंच पर अपना स्थान गृहण करें। इस समय सभागार पूरी तरह से छात्रों, टीचिंग स्टॉफ और विशिष्ट अतिथियों से भरा हुआ था। कार्यक्रमों की औपचारिक घोषणा के बाद माधुरी और मयंक को मंच पर बुलाया गया। मंच की दाहिनी ओर से जब वे दोनों एक साथ मंच पर पहुंचे तो तालियों की गड़गडाहट से पूरा सभागार गूंज उठा। माधुरी और मयंक की प्रसन्नता के साथ-साथ थपलियाल और जुगरान दम्पतियों की भी खुशियाँ सातवें आसमान में थी। दोनों को यह शुभसंयोग आश्चर्य में भी डाल रहा था कि जिनकी जन्मपत्रिका जुड़ाने की वे निरर्थक कोशिश कर रहे थे उसकी परिणति परिणय में स्वयं परिवर्तित होती दिखाई दे रही है।

लघु कथा : गाँव की याद

कामेश्वर खण्डूरी
जबलपुर (म.प्र.)

एक दो और पहाड़ों को पार करना अभी बाकी था। तब शायद उन्हें अपने गाँव की तरफ जाने वाली पहाड़ी पगडंड़ी दिखाई देती।आज जयदत्त जी पचास वर्षों के बाद अपने पुस्तैनी गाँव जा रहे थे। गाँव के मकान और लोगों के हालात उन्हें जो अब तक चिठि्ठयों में पढ़ने को मिलते थे, आज गाँव पहुँचकर सामने से दिखाई दे रहें है। मन में तरह–तरह की बातें भी थी की गाँव में अब कौन–कौन होगा। कोई उन्हें पहचानेगा भी या नहीं। सबसे अधिक चिंता तो उन्हें गाँव के बुजुर्गों की थी। मनुष्यों की तरह पक्षी भी अपना घर बनाते हैं, घर को बचाने की कोशिश करते हैं। बचपन में उन्होंने अपने घर की छप्पर में जो गौरैय्या के घोंसले को देखा था, वो पता नहीं अब भी वैसा ही होगा या गौरैय्या ने जगह बदल दी होगी। पहाड़ों में कोई अपने गाँव के किसी बुजुर्ग व्यक्ति को जीते जी देख ले तो उसे बहुत संतोष होता है। जयदत्त चाचा जी के कदम अपने गाँव की तरफ जाने वाले रास्ते में धीरे धीरे आगे बढ़ रहे थे। तभी दूर से उन्हें किसी के पुकारने की आवाज सुनाई दी। आवाज देने वालों के साथ दो और युवक थे। उनमें से ही किसी युवक ने मुँह में हाथ रखकर तेज आवाज लगाई थी। चाचा जी वहीं रुको हम आ रहें हैं। सुनसान पहाड़ों में जब आवाज गूंजती है तब बहुत दूर–दूर तक सुनाई देती है। उस आवाज को सुनते ही जयदत्त चाचा जी के पाँव जहाँ थे वहीं थम गये और अब वो एक ऊंचे टीले पर बैठकर आवाज देने वाले युवकों का इंतजार करने लगे। वे जिस टीले पर बैठे थे वह काफी ऊंचाई पर था जिसकी ढ़लान पर उतरकर वे गाँव के रास्ते लग सकते थे। लेकिन अब उन्हें टीले पर बैठे रहकर उन युवकों का इंतजार करना ठीक लगा, जिन्होंनें उन्हें रुकने के लिए आवाज दी थी। लगभग आधे घंटे बाद वे युवक जयदत्त चाचा जी के बिल्कुल करीब पहुंच गये। किसी ने उन्हें ताऊ जी कहा किसी ने चाचा जी। और उनके कंधे से कपड़ों से भरा बैग उतार कर अपने हाथ में ले लिया। उन युवकों के साथ चलने पर जयदत्त चाचा जी को कुछ संकोच भी हो रहा था की पता नहीं वे ठीक रास्ते जा भी रहे हैं या नहीं। ऐसी अवस्था में अब भी गाँव वालों को अपने देवी–देवताओं की याद आ जाती है। वे भी कुल देवी का नाम लेकर मन ही मन प्रार्थना करने लगे की जल्दी सकुशल उन्हें गाँव पहुंचा दे। गाँव की तरफ जाने वाली ढ़लानदार पहाड़ी पगडंडी उन्हें याद हो आई जिस पर वे अब से पचास वर्ष पहले कभी चले थे। यही रास्ता उनके स्कूल जाने का हुआ करता था। अब उन्हें गाँव का स्कूल दिखाई देने लगा। उन्हें भरोसा होने लगा की उनके साथ चल रहे युवक गाँव के ही हैं। और वे सुरक्षित है। पिछले पचास वर्षों में वे नौकरी के चक्करों में एक शहर से दूसरे शहर भागते रहे और इतने वर्ष बीत जाने के बाद उन्हें आज फिर से अपनी जन्मभूमि के दर्शन करने का अवसर मिल रहा था। इन बातों को सोचते हुए जयदत्त चाचा जी की आँखों में खुशी के आँसू आ गये। माँ कब से बोलती रही–'ऐ बुबा एक बार चल तो जरा गाँव' लेकिन माँ की बातों पर कभी ध्यान ही नही दिया। उन्हें लग रहा था जैसे इतने वर्षों तक गाँव की सुध न लेकर शहर में रहने से उनसे सचमुच में कोई बड़ा अपराध हुआ हो। कौन उन्हें बतायेगा की अमुक उनके ताऊ–ताई हैं। कौन उनके चचेरे भाई भुली हैं। कैसे वे किसी से पूछेंगे की उनका गाँव के सगे सम्बंधियों के

साथ क्या–क्या रिश्ते हैं। गाँव में अब भी पाँच–सात घर बहुत अच्छी हालत में थे। इनमें से वे अपना पुस्तैनी घर पहचानने का प्रयास करने लगे। अगर वो किसी से पूछते भी हैं की उन घरों में से उनका घर कौन सा है तो लोग हंसी उड़ाऐंगे। गाँव पहुँचते ही सबसे पहले गाँव की महिलाओं ने सेवा लगाते हुए कहा चाचा जी आप आ गये। अपनी खुशी के आँसुओं को जयदत्त चाचा जी, जो अब तक अपनी आँखों में रोक रखे थे, वे एक दम से छलछलाकर बाहर निकल आये। आस–पास जितने भी लोग थे सब भावुक हो गये। तभी गाँव की सबसे बुजुर्ग महिला ने जयदत्त चाचा जी के सर पर हाथ फेरते हुए उन्हें गले से लगा लिया और बहुत प्यार से कहा ऐ बुबा! जब इन्होंनें इतने वर्षों तक नौकरी पर बाहर ही रहना था तब कैसे गाँव आ पाते। ये तो देवी–देवताओं की इन पर कृपा हुई की ये भुला आज राजीखुशी अपने गाँव पहुंच गये।

कविता – रूक तो जरा

ना दौड़ ये जिंदगी
कुछ पल और जीने दे
तमन्नाओं को पूरा करने दे
थोड़ा खिलखिला कर हंसने दे
रूक तो जरा......

बिगड़ा जरा संवार लूं
गलतियां सुधार लूं
जीवन को सजा लूं
थोड़ा दायित्व निभा लूं
रुक तो जरा.......

बिखरा जरा समेट लूं
सपनों को पूर्ण कर लूं
उधार तो उतार लूं
छूट न जाए कुछ पीछे
रूक तो जरा......

श्रीमती पुष्पा शर्मा
इंदौर मध्य प्रदेश

क्या आप जानते हैं ?

9 नवम्बर 2000 को गठित उत्तराखंड राज्य में कुल 13 जिलें हैं, जिनके नाम है उत्तराकाशी, देहरादून, पौड़ी, टिहरी, हरिद्वार, रुद्रप्रयाग, चमोली, चम्पावत, पिथौरागढ़, अल्मोड़ा, बाजेश्वर, नैनीताल तथा उधमसिंह नगर।

काफुली उत्तराखंड का पारम्परिक व्यंजन है। इसको पालक तथा मेथी के साथ तैयार किया जाता है, काफुली डिश पालक और मेथी के पत्तों को मिलाकर बनाई जाती है और बर्तन में नमक व मसालों के साथ इसको पकाया जाता है । काफुली उत्तराखंड का प्रमुख व्यंजन है।

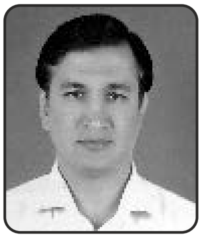

दक्षिण के बद्रीनाथ मंदिर की निर्माण यात्रा

रिकेश्वर प्रसाद पेटवाल, विक्रम सिंह उनाल, आचार्य ब्रह्मानंद लसियाल
हैदराबाद

हैदराबाद में निवासरत उत्तराखंडियों में से कुछ समान सोच वाले 8–10 युवकों ने मिलकर सन 2007 में 'उत्तराखंड कल्याणकारी संस्था' का गठन किया। हर रविवार को हम अपने परिचितों के क्षेत्र में छोटी सी सभा किया करते थे और अपनी संस्था के लिए सदस्य जोड़ते थे, और हर सदस्य से 100 रु. प्रतिमाह एकत्रित करते थे। फिर 2008 में हमारे आचार्य श्री ब्रह्मानंद लशियाल जी के मार्गदर्शन में हमने प्रति वर्ष गायत्री माता यज्ञ अनुष्ठान करना प्रारंभ किया, जिससे कि हम अपने उत्तराखंडी भाई–बहनों को एक मंच पर ला सकें। हमारा लक्ष्य एक ही था कि संस्था के लिए कुछ भूमि क्रय करें और इस भूमि पर हमारे उत्तराखंड का एक प्रतीक बनाएँ, जिससे कि हैदराबाद, तेलंगाना में हम उत्तराखंडियों की एक पहचान हो। तब हमारे अध्यक्ष श्री विक्रम सिंह उनाल जी ने आचार्य ब्रह्मानंद लशियाल जी से परामर्श कर संस्था के समक्ष एक लक्ष्य रखा की जहां भी संस्था के नाम पर भूमि का अधिग्रहण करेंगे वहां पर श्री बद्रीनाथ जी के मंदिर का निर्माण करेंगे। तत्पश्चात 2010 से हमने भूमि अधिग्रहण के लिए खोजना प्रारंभ किया, इसी बीच में हमारे एक भाई श्री राजेंद्र प्रसाद डोभाल जी ने अपना 200 वर्ग गज का प्लॉट मंदिर बनाने के लिए दान किया, पर हमें 200 वर्ग गज भूमि कम लग रही थी, इसीलिए हमने अपनी खोज जारी रखी और फिर 2011 में मेडचल के निकट बांडामैलाराम ग्राम में हमने एक भूमि को चिन्हित कर उसके लिए एडवांस दे दिया इसके बाद हमने अपने उत्तराखंडी भाइयों के घर–घर जाकर भूमि खरीदने की राशी जुटाई और रजिस्ट्री करवा ली। तत्पश्चात हम निर्माण हेतु राशि जुटाने के कार्य में लग गए । इसी अंतराल में हमारा परिचय श्री अनिल चंद्र पुनेठा जी, श्री राजीव बेंजवाल जी से हुआ, जिन्होंने इस कार्य के लिए हमें प्रोत्साहित किया और फिर 28 फरवरी 2018 को भूमि पूजन हुआ और मंदिर निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ। फिर से हमने अपने उत्तराखंडी भाइयों के घर–घर जाकर मंदिर निर्माण के लिए राशि एकत्रित की, फिर इस बीच बेंजवाल जी और पुनेठा जी ने भी अपने अपने सोर्स से धनराशि एकत्रित करवाई जिससे कि निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ने लगा। इस कार्य में हमारे कुछ मित्रों का भी सहयोग है। बीच में 2 साल कोरोना का समय भी आया और मंदिर निर्माण कार्य धीरे पड़ गया था पर अंततः अप्रैल 2023 में यह निश्चित हुआ की इसी वर्ष मंदिर का उद्‌घाटन किया जाएगा, और फिर मई 28 तारीख को 12 सदस्यों का दल जिसमें अपने उत्तराखंडी और कुछ हैदराबाद वासी हमारे मित्र, गांव के सरपंच, उपसरपंच भी अखंडज्योति लेने हैदराबाद से उत्तराखंड बद्रीनाथजी के लिए रोड के रास्ते प्रस्थान किये और मात्र एक सप्ताह में ही जून 3 तारीख को बद्रीनाथजी से ज्योति ले आए ।

कार्यक्रम अनुसार 29 जून को 'देवशयनी एकादशी' के दिन मंदिर का उद्‌घाटन निर्धारित किया गया था इस प्रकरण में 25 तारीख से 29 तारीख तक यज्ञ और सभी प्रकार की पूजा जो विग्रह प्राण प्रतिष्ठा पूजन में की जाती है वह सभी कार्य हमारे उत्तराखंडी आचार्यों व पंडितों (कुल 11 ब्राह्मणों) ने विधिपूर्वक संपन्न किया और फिर 29 तारीख को मंदिर को जनसाधारण के लिए लोकार्पित कर दिया गया। इस प्रकार सम्पन्न हुई दक्षिण के बद्रीनाथ मंदिर के निर्माण की यात्रा।

यादों में बसा गाँव

गीता रावत (नामदेव)
इन्दौर (मध्यप्रदेश)

पिछली गर्मियों में 25 वर्षों के उपरांत मुझे अपनी माँ और बहनों के संग अपने पैतृक गाँव जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। गाँव में कदम रखने के पूर्व पीपल के नीचे बने चबूतरे से पूरे गाँव का दर्शन हो जाया करता है। बीते वर्षों में पुराने पीपल के स्थान पर अब नया घना पीपल शीतलता प्रदान कर रहा था। गाँव की ओर दृष्टि डालने पर गाँव का सूनापन साफ झलक रहा था। जेहन में पुरानी यादें ताजा हो गई कि कैसे पूरा चबूतरा बड़े–बूढ़ों और बच्चों की धमाचौकड़ियों से खिलखिलाया करता था। उस दिन हमें चबूतरे पर कोई नहीं दिखा परंतु कानों में नन्हें बालक–बालिकाओं, बड़े–बूढ़ों और उछलती–कूदती सखियों की वहीं आवाजें गूंजने लगी थी। स्मृति पटल पर घूमती स्मृतियों से दिल भर आया था। लग रहा था जैसे वो सब कल ही की बात थी।

तभी दूर खड़ी बालिका दिखी, आवाज देकर मैंने संकेत से उसे बुलाया। हमारा परिचय सुनकर वह झट से भागी और तुरंत अपनी दादी के साथ पानी का जग भरकर ले आई। उसकी दादी हमें पहचान गई दोनों तरफ से खुशी के आँसू छलक आए थे। अपने पहाड़ों का शुद्ध शीतल जल पीकर हृदय तृप्त हो गया था। गाँव में कदम रखते ही बंद किवाड़ों पर जंग लगे ताले, जर्जर होती गौशालाएं और गाँव का सूनापन अंदर से काट रहा था। हृदय में बसी गाँव की सभी यादें ताजा हो गई कि कैसे पूरा गाँव अपने परिवारों के संग संयुक्त रूप में रहता था। उन दिनों भाइयों का अलग होना कल्पना से परे था। सभी घरों की रौनक भरे–पूरे परिवारों से देखते ही बनती थी। खेती–बाड़ी के कामों में सब एक दूसरे का सहयोग करते थे। शादी–ब्याह में मेहमानों की मेहमान–नवाजी की जिम्मेदारी पूरे गाँव की होती थी। गाँव की हर बेटी सब की बेटी होती थी। सिर्फ दिखावे के अलग–अलग घर हुआ करते थे, लेकिन सब एक दूसरे के दिलों से जुड़े रहते थे। गाँव की निर्जीव हालत देख मन विचलित सा हो रहा था। मन का गुबार आज मैं शब्दों के माध्यम से व्यक्त कर रही हूं, शायद अंतःकरण की आत्मग्लानि कुछ हल्की हो सके। मुझे याद है बचपन में मैं ही नहीं हर कोई यही सपना देखता था कि काश पहाड़ी गाँव के झंझटों से दूर शहर में जा पाते। पहाड़ी क्षेत्रों की कठिनाईयों के कारण शायद हमारी सोच पर पत्थर पड़ गये थे। आज सोचती हूं कितना सुंदर और शांति भरा जीवन था वो। वर्तमान में अधिकत्तर पहाड़ी गाँव पलायन की मार झेल रहे हैं। हालात ये हैं कि किसी बुजुर्ग की मौत पर कन्धा देने को गाँव में 4 आदमी नहीं थे। जहाँ लहलहाती फसलों और फलों से लदे पेड़ होते थे अब सब बंजर हो चुके थे। चिड़ियों की चहचहाहट, कल–कल बहती नदियां, पानी के प्राकृतिक स्रोत, झरनें सब सूखे बेजान पड़े थे, मानो चीख–चीख कर कह रहे हों, जब गाँव में रौनक नहीं तो हमारा क्या वजूद है? अब सड़क गाँव तक पहुंच गई थी लेकिन आने वाला कोई नहीं था। बस एक वही पीपल का पेड़ है जो अपनी नई विरासत के साथ नई पीढ़ी के इंतजार में खड़ा था कि शायद हम अपने पुरखों की खून पसीने से सींची हुई अनमोल धरोहर को फिर से आबाद कर सकें ताकि फिर से मेरे गाँव की रौनक और खुशहाली लौट आए।

कभी–कभी मैं सोचती हूं कि आज का युवा रोजी–रोटी के लिए शहरों की भागम–भाग भरी जिंदगी में दर–दर की ठोकरें खा रहा है। यदि यही खून–पसीना वह अपने पूर्वजों की बंजर पड़ी धरोहर को आबाद करने में बहाए तो वह आत्मनिर्भर तो बनेगा ही साथ ही में अपना अस्तित्व और सांस्कृतिक विरासत को भी जीवित कर सकता है।

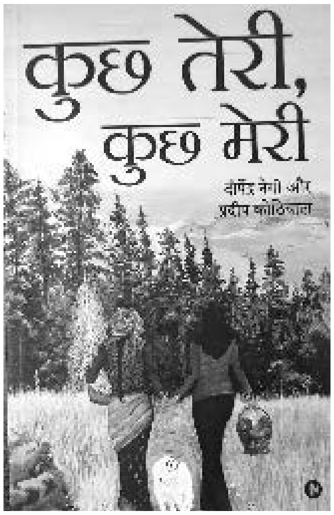

पुस्तक समीक्षा : कुछ तेरी, कुछ मेरी

ज्युन्दुमरि गाँव की बबाली देवी उर्फ दाथड़ी देवी उर्फ नकपतेड़ी के चटखारे भरे गाँव के किस्से हों या फिर चम्बा और टिहरी गढ़वाल के ऊँचे पहाड़ों के फूल फ्योंली के इर्द गिर्द घूमती व्योम बहुगुणा की एकतरफा प्रेम की कहानी। या फिर हो ठाकुर शमशेर सिंह के बेटे रुवाब सिंह की रहस्यमय मौत के राज को परत दर परत उकेरती और छुपाती कहानी लिपस्टिक का कथानक, या गाँव सुमाड़ी, पौड़ी के रिटायर्ड फौजी मकान सिंह चायवाला की दुकान, उनके कुत्ते भोटू और उनकी चाय की कितली और दुकान में आने वाले आगंतुकों के सुने अनसुने किस्से। अपने उत्तराखंड की समृद्ध संस्कृति और लोक कथाओं को कल्पनाओं के मन मोहक जाल में बुनती कुछ इसी तरह की सत्रह मूल कहानियों का संग्रह है – कुछ तेरी कुछ मेरी। वर्ष 2018 में नोशन प्रेस, चेन्नई द्वारा प्रकाशित उत्तराखंड की प्रथम लघु कथाओं के इस संग्रह को लिपिबद्ध किया है दीप और प्रदीप की जोड़ी ने। मूल रूप से टिहरी गढ़वाल के रहने वाले प्रदीप कोठियाल और चम्बा के दीप नेगी की यह प्रथम संयुक्त कृति है। लेखक प्रदीप कोठियाल पेशे से सूचना और तकनीकी क्षेत्र में असिस्टेंट जनरल मैनेजर के पद पर दिल्ली में कार्यरत हैं, जबकि लेखक दीप नेगी हेल्थकेयर इंडस्ट्री में बतौर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट ऑफिसर के पद पर दुबई में कार्यरत हैं। अमेरिका और यूरोप में दीर्घ प्रवास होने के बाद भी प्रदीप का अपनी मातृ भूमि और खासकर पहाड़ों से गहरा प्रेम सराहनीय है और यह इनकी रचनाओं में साफ परिलक्षित भी होता है। दूसरी ओर दीप नेगी भी रचनात्मक प्रकृति और बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं और उत्तराखंड से सम्बंधित सांस्कृतिक गतिविधियों में सतत मुखर रहते हैं। इस पुस्तक का लोकार्पण गढ़ रत्न श्री नरेंद्र सिंह नेगी जी के कर कमलों द्वारा देहरादून में 20 अक्टूबर 2018 को किया गया था। इस लोकार्पण समारोह में पुस्तक का मुख्य एवं पृष्ठ आवरण को अपनी कलात्मक अभिरुचि से संजोने वाली बेहतरीन चित्रकार श्रीमती सरोजनी डबराल भी शामिल हुई थी। विदित रहे कि मुंबई में रहने वाली सरोजिनी डबराल 'सरू जी' भी किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। उत्तराखंड की विरासत को अपने हाथों से कैनवास पर उतारने के इनके हुनर को देश विदेश में सराहा जाता रहा है। इनके द्वारा बनाया गया पुस्तक का आवरण इस पुस्तक की सभी कहानियों को सारगर्भित करता है। इस पुस्तक को दो भाषाओँ, हिंदी और अंग्रेजी में एक साथ प्रकाशित होने का भी गर्व हासिल है। अपने पहाड़ों की समृद्ध विरासत को अपने रचनात्मक प्रयासों से आगे बढ़ाने वाली इस पीढ़ी का यह प्रयास सचमुच प्रशंसा का हकदार है। अमेजन और फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध यह कृति न सिर्फ उत्तराखंड में रहने वालों के बीच लोकप्रिय है, अपितु राज्य के बाहर और सुदूर खूब प्रशंशित हुई है। अपने उत्तराखंड की स्थानीय प्रतिभाओं की इस कृति को आप भी बिना सराहे नहीं रहेंगे। विशेषकर, मिस्टर नक्कू या फिर कहें मंगल नेगी के गोवा से लेकर नई टिहरी जेल तक के सफर का अनुभव और रौतेलाधार के डी पी पांडेय जी के हंसमुख व्यक्तित्व और उनके सेकंड हैंड स्कूटर की दास्तान पढ़कर आप बिना अभिभूत हुए नहीं रह पाएंगे। आशा है कि उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था, इंदौर की प्रतिनिधि पत्रिका 'उत्तराखंड दर्पण' से जुड़े सभी सम्माननीय सदस्य अपने पहाड़ी उभरते लेखकों की इस छोटी लेकिन महत्वपूर्ण कृति ष्कुछ तेरी कुछ मेरी/व्हिस्पर्स आर योर्स, सायज आर माइन को पढ़कर अवश्य प्रोत्साहित करेंगे ।

पुस्तक समीक्षा : तौं दिनु जब – गढ़वाली बोली में लेखन का अनूठा प्रयोग

प्रदीप कोठियाल

कोरोना की महामारी के समय जब जिंदगी और असामयिक मौत से जूझती पूरी दुनिया के लोग अपने अपने घरों में सिमट कर रह गए, तब सोशियल मीडिया से हर घर तक पहुँचने का अनूठा रचनात्मक प्रयोग करने में गिरीश बडोनी और अनिल सिंह नेगी ने अपार सफलता पायी। फेसबुक के पेज 'ग्यारह गांव हिंदाव' के माध्यम से इन लेखक द्वय ने अपने उत्तराखंड की तमाम नामचीन हस्तियों से फेसबुक लाइव के द्वारा वार्तालाप की ऐसी श्रृंखला बनायी, जिससे कि देश प्रदेश के वासी और विदेश में बसे अनेकों लोग जुड़े। सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से जुड़े लोकप्रिय व्यक्तित्वों के साथ वार्तालाप को गिरीश बडोनी और अनिल सिंह नेगी ने अपने गहन विषय खोज और अद्भुत संजीदगी से इंटरनेट मीडिया पर इतनी शिद्दत से प्रस्तुत किया कि इस पेज में लगभग 34 हजार से ज्यादा उत्तराखंड प्रेमी आज भी सक्रिय रूप से जुड़े हैं। इन वार्तावलियों को गढ़वाली बोली में दस्तावेज के रूप में लिपिबद्ध करने के प्रयास का नाम है – तौं दिनों जब। इस गढ़वाली बोली में लिखी पुस्तिका के दो बड़े रोचक पहलू हैं। पहला यह कि यह सम्पूर्ण दस्तावेज अपनी लोकभाषा गढ़वाली में बहुत ही सुगम्य और सुग्राह्य तरीके से लिखा गया है। दूसरा यह कि हर विषय पर संकलन टीम ने बहुत गहराई से दशकों पहले जाकर बहुत ही दुर्लभ तथ्यपरक इतिहास को आज की पीढ़ी के सामने लाने का भगीरथ प्रयत्न किया है। मनभावन 21 चर्चाओं से सजी इस पुस्तक की प्रत्येक चर्चा आपको अपने गढ़वाल–कुमाऊँ के समृद्ध अतीत से रुबरू करवाने में सक्षम है। इन्हीं में से एक वार्तालाप में गढ़ रत्न श्री नरेंद्र सिंह नेगी ने 1750 और 1850 में गढ़वाली गीतकार और उनके द्वारा रचित कालजयी रचनाओं का जितना सुंदर वर्णन यहाँ किया है, वह अन्यत्र कहीं उपलब्ध नहीं है। गढ़वाली भाषा के मानकीकरण और प्रकाशन में चुनौतियों के पहलुओं को गंभीरता से लिखने का प्रयास सचमुच सराहनीय है। राजनीतिक और सामाजिक हस्तियों में स्वर्गीय श्री इंद्रमणि बडोनी पर एस एस पांगती (भूतपूर्व आई ए एस) की चर्चा और महान पर्यावरणविद श्री सुन्दर लाल बहुगुणा पर नरेंद्र सिंह नेगी जी एवं प्रो. शेखर पाठक के विचारों ने वार्ता संकलन को एक नयी ऊंचाई दी है।

प्रसिद्ध ढोल वादक शिवजनी, जिन्होंने भूतपूर्व प्रधानमंत्री नेहरू जी के समक्ष राजपथ पर केदार नृत्य का शानदार प्रदर्शन किया था का हरीश बडोनी जी के साथ वार्तालाप अपने आप में अविस्मरणीय है।

ढोलसागर शीर्षक में लेखकद्वय एक जगह लिखते हैं कि–

''जी रहे हो जिस कला का नाम लेकर
जानते भी हो कि वो कैसे बची है ?
सभ्यता की जिस अटारी पर तुम खड़े हो
वो हम जैसे गुमनाम लोगों ने ही रची है।''

इस पृष्ठभूमि के साथ राष्ट्रपति सम्मान से सम्मानित ढोल सम्राट पंडित उत्तम दास के साथ की गई चर्चा उनके सतत विचारों से अवगत कराएगी, जो कि आज भी निपुणता से नयी पीढ़ी को संचित पोषित कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त आपको सिर्फ मातृ शक्ति द्वारा संचालित महिला रामलीला से जुड़े अनेकों अनदेखे और अनसुने पहलुओं को पढ़ने का अवसर मिलेगा। अमर शहीद श्रीदेव सुमन को समर्पित नामचीन एवं प्रतिष्ठित

प्रबुद्ध जनों से मिली जानकारी को बहुत ही सलीके से लिपिबद्ध करने का यह अनूठा प्रयोग है। पहाड़ी क्षेत्रों की प्राकृतिक आपदाओं के इतर, नरभक्षी बाघ से जुडी घटनाओं के सन्दर्भ में जाने माने शिकारी और शिक्षक लखपत सिंह रावत का विशेष अनुभव बहुत ही रोचक और पठनीय है। तों दिनों जब के सारे वृत्तांत जो कि इस गढ़वाली दस्तावेज में संकलित हैं, पाठकगण आज भी फेसबुक लाइव आर्काइव में देख सकते हैं। गढ़वाली में एक बार पठन शुरू करने के बाद आप धीरे–धीरे इतनी सहजता से पढ़ने लगेंगे कि कई बारगी आपको अहसास होगा कि जैसे मानो अआप अपने ही गाँव में बैठे इन सांस्कृतिक प्रतिनिधियों से अपनी बोली में वार्तालाप कर रहे हों। रावत डिजिटल पब्लिकेशन हाउस, द्वारा प्रकाशित गढ़वाली साहित्य में लेखन और पठन के विधा की अलाव जलाती यह पुस्तक एक सुन्दर एवं जीवंत प्रयोग है और अमेजन और फिलपकार्ट पर भी विक्रय हेतु उपलब्ध है ।

उत्तराखंड की विश्वप्रसिद्ध 'फूलों की घाटी'

भयावह केदारनाथ त्रासदी और उसके सबक

मीर रंजन नेगी
इन्दौर

मैं जब अपने इस संस्मरणात्मक आलेख को कलमबद्ध करने की सोच रहा था, तो अनायास ही मेरे मानस पटल पर हम उत्तराखंड के मूल वासियों के लिये कही गई एक उक्ति अंकित हो आई। यह उक्ति कुछ इस प्रकार है कि **'हम पहाड़ के लोग भले ही पहाड़ से कितनी ही दूर क्यूँ न चले जाएं, परंतु पहाड़ हमारे दिलों से कभी भी दूर नहीं हो पाता है'।** यह बात वाकई में अक्षरशः सही ही तो है। हमसे कहाँ दूर हो पाता है भला हमारा पहाड़ और उससे जुड़ी हुई हमारी यादें ?

कुछ ऐसी ही यादें मेरी भी जुड़ी हुई हैं अपने पहाड़ से और कहीं न कहीं एक जज्बा, एक हौसला भी दिया है इन पहाड़ों ने मुझको।

मैंने अपने शौक या फिर कहें कि अपने पैशन के चलते अपनी मातृभाषा गढ़वाली में बनने वाली फिल्म 'सुबेरो घाम' में काम करने हेतु अपनी स्वीकृति दे दी। इस फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में वर्ष 2014 के आस–पास में जब मैंने पहली बार मंदाकनी घाटी का दौरा किया, तो मैं पहली नजर में ही उस सुंदर से परिवेश वाली घाटी की सुंदरता को देख विस्मित सा रह गया। वहीं दूसरी तरफ वहाँ कुछ समय पहले ही हुई प्रकृति की भयावह त्रासदी के अवशेष देखकर मेरा मन काफी व्यथित भी हो उठा। प्रसिद्ध गढ़वाली अभिनेत्री उर्मी नेगी द्वारा निर्मित इस फिल्म का वह प्रोजेक्ट, मुझे उस ही कालावधि में उत्तराखंड के एक दूसरे स्थान गुप्तकाशी भी लेकर गया। 16 जून, 2013 के दिन हुई, अति भीषण केदारनाथ आपदा की तबाही–टूटी हुई सड़कें, यत्र–तत्र बिखरा हुआ मलबा और ध्वस्त बुनियादी ढांचे को देखने के बाद तो मानो मैं गहरे सदमे और असहनीय पीड़ा की सी स्थिति में आ गया। अचानक आई उस भीषण त्रासदी या फिर कहें कि दैवीय आपदा के निशान उस समय तक भी बिल्कुल ताजा ही थे।

यह वर्ष 2014 की बात है। कुछ समय पहले ही आयी उस भयावह आपदा के बाद किसी ने सोचा भी नहीं था कि केदारनाथ में हालात इतनी जल्दी सामान्य हो जाएंगे। आपदा के तुरंत बाद से ही राज्य सरकार ने अस्त–व्यस्त हो चुकी सड़कों तथा अन्य आधारभूत संरचना वाली सम्पत्तियों का जीर्णोद्धार कार्य करके और कई नई सुविधाएं भी वहाँ पर बनाकर वाकई में अद्‌भुद कार्य किया। सरकारी तंत्र ने त्वरित गति से डेमेज कंट्रोल करते हुए यह सुनिश्चित किया कि उत्तराखंड पर्यटकों के लिए अभी भी उतना ही सुरक्षित स्थान है, जितना कि इस भीषण त्रासदी के आने के पहले था।

यदि वर्तमान सन्दर्भ में देखा जाये तो भगवान शिव को समर्पित केदारनाथ मंदिर, अब उत्तराखंड ही नहीं अपितु देशभर में तीर्थ यात्रियों के भ्रमण वाला प्रमुख तीर्थस्थल बन गया है। बद्रीनाथ धाम भी अधिक पीछे नहीं है। विभिन्न स्त्रोतों से ज्ञात जानकारियों के अनुसार उस त्रासदी के बाद के वर्ष भी इस क्षेत्र में काफी बड़ी संख्या में यात्री भ्रमण हेतु आए जो एक सुखद संकेत था। इस वर्ष केदारनाथ में 18 लाख और बद्रीनाथ में 16 लाख से अधिक तीर्थयात्री आये ऐसा सूत्र बतलाते हैं। यह अपने आप में सुखद आश्चर्य वाली बात है। केदारनाथ की यात्रा आज भी अपेक्षाकृत कठिन है, यद्यपि बद्रीनाथ सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है।

स्थानीय लोगों से बातचीत में पता चलता है की

युवाओं में केदारनाथ आने का क्रेज बड़ा है। हैरानी की बात यह है कि कोविड–19 लॉकडाउन के बाद से यह चलन और भी बढ़ सा गया है। यद्यपि केदारनाथ की यात्रा बिल्कुल भी आसान नहीं है और इसके लिए यात्रियों को 16 किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। 2014 में भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद नरेंद्र मोदी जी अब तक छह बार केदारनाथ का दौरा कर चुके हैं। उनकी यात्रा हमेशा ही बड़ा आकर्षण पैदा करती है और इससे मिलने वाले प्रचार–प्रसार से केदारनाथ को अतिरिक्त तीर्थयात्रियों के आने में भी मदद मिलती है ।

केंद्र सरकार तथा राज्य सरकार के अच्छे समन्वित प्रयास से पहाड़ों में तीर्थयात्रियों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेलवे लाइन जैसी महत्वाकांक्षी परियोजना मूर्तरूप ले पा रही है। रेलवे लाइन का निर्माण कार्य जोरों पर है तथा प्रधानमंत्री श्री मोदी जी स्वयं इसके त्वरित विकास हेतु कृतसंकल्प दिखते हैं। परियोजना का लगभग 60 प्रतिशत काम पूरा भी हो चुका है और अगले दो वर्षों के भीतर इसके चालू होने की पूरी संभावना है। गढ़वाल के पहाड़ी क्षेत्रों को रेल कनेक्टिविटी मिलने से पहाड़ के कई दूर–दराज के पर्यटक स्थलों को एक नई पहचान मिलेगी यह निश्चित है।

एक बार पुनः उस भयावह त्रासदी की तरफ लौटते हुए, यदि इस घटना के एक पहलू को मैं अपने निजी जीवन से जोड़ता हूं तो पाता हूं कि क्या कुछ ऐसा ही झंझावात, कुछ ऐसी ही आपदा मेरे जीवन में भी नहीं आयी थी ? हां, बिल्कुल ऐसी ही विषम परिस्थितियां, मन को तोड़कर रख देने वाली स्थिति और कभी याद भी न रखने लायक परिस्थितियों से तो मुझको भी अपने जीवन में दो–चार होना पड़ा था। हाँ कुछ ऐसी ही विषम परिस्थितियां मेरे भी जीवन में कभी आयी थी ! परंतु अपनी एक सच्चे खिलाड़ी वाली जिजीविषा तथा 'नेवर से डाई' वाली मनःस्थिति के चलते मैं फिर उठा और फिर से मैंने अपने को समर्पित कर दिया कुछ सार्थक, कुछ सकारात्मक और कुछ बड़ा करने और अपने समाज को देने के लिए। केदारनाथ त्रासदी के बाद की सफलता भी आखिर यह ही तो साबित करती है। मित्रो, हमेशा याद रखें कि जीवन के लंबे सफर में कभी किसी पल आने वाली कितनी भी बड़ी विफलता, कितनी भी बड़ी त्रासदी के बाद भी वापस लौटने की एक खिड़की हमेशा आपके पास मौजूद रहती है। आपको बस इसे ढूंढने की जरूरत है। ऐसा ही कुछ मेरी जिंदगी में भी तो हुआ और न जाने कितनों की जिंदगी में होता होगा। ऐसे समय में अपने हौसले को बिल्कुल भी नहीं खोते हुए, अपने उस परम पिता परमेश्वर पर पूरा भरोसा रखते हुए जिसकी सर्वश्रेष्ठ कृति आप हैं, आपको उस खिड़की का किवाड़ खोजना और खोलना है।

मैं अपनी बात को अंग्रेजी की एक प्रसिद्ध कहावत से खत्म करना चाहूंगा कि "Tough time never last but tough people do" ।

आपके अंदर छुपे हुए अदृश्य परमात्मा को नमन करते हुए, आपके सुखद भविष्य की कामना करता हूं।

क्या आप जानते हैं ?

उत्तराखंड भारत का 27वाँ राज्य है, जिसकी स्थापना **9 नवम्बर 2000** के दिन हुई थी।

उत्तराखंड भारत का एकमात्र राज्य है, जिसकी अधिकारिक भाषा **संस्कृत** है।

ओ मेर पहाड़ ! जी रेया, जाग रेया

गरिमा जोशी पंत
स्वतंत्र लेखिका, इन्दौर

आंकड़े कभी-कभी ही लुभाते हैं।
बहुधा तो आंकड़े डराते ही हैं, उबाते ही हैं।
इसलिए चलो आंकड़ों को परे हटा
पहाड़ों की सुरम्य यात्रा पर चलते हैं।
पहाड़ ! ऊँचे बांके पहाड़ ! हिमालय के पहाड़ !

जिनके विराट वक्षों पर नदियां दौड़ती भागती हैं। नायाब फूलों की घाटियां जिन्हें चिन्हित करती हैं। वन उपवन कभी उनके आगोश में समाते हैं, कभी अपने आगोश में उन्हें समा लेते हैं।

वन्य जीवों के घर हैं पहाड़ों के अरण्य। फलों फूलों के अभयारण्यों से सुसज्जित इन पहाड़ों से जब हवाएं टकराती हैं तो जड़ी बूटियों की सुगंधों से लबरेज हो जीवनदायिनी बन जाती हैं। नौलों की कल–कल, सनसनाती पवन, सीढ़ीदार खेतों और इन टेढ़े–मेढ़े सर्पिल रास्तों के बाशिंदे एकदम सरल। धरती से जुड़े सीधे लोग। प्रकृति से ले, प्रकृति को ही लौटाते। पहाड़ों के गिने–चुने तथाकथित उच्च जाति के संभ्रांत परिवार ही कभी कभी पकवान खाते, दूध, घी उन्हीं को ही मयस्सर था। बाकी लोगों के हिस्से आता स्थानीय उपज के चावल का भात, काली सोयाबीन, मडुआ और कांटे वाले शिशुने के पत्तों के साग का अद्वितीय पोषण, तिमिल के पत्तों पर मूली, गुड़ सने बड़े पहाड़ी गलगल नींबू की चटखार और नौले का ठंडा पानी। फलों के मामले में तो पहाड़ों पर प्रकृति हमेशा उदारमना रही है। सेब, नाशपाती, आलूबुखारा, आड़ू, खूबानी, बेडू, काफल, खट्टे, मीठे रसीले फल माँ प्रकृति ने वहां दोनों हाथों से उलीचे हैं।

पहाड़ का जीवन कठिन जीवन। बारिश, बर्फ, जाड़ा, ठिठुरन, ऊँचाई, आवागमन, हिमस्खलन, भूस्खलन, गरीबी, शिक्षा, रोजगार, व्यापार की कमी जैसे कठिन काल और उस कठिन जीरन का सामना करते वहां के सरल स्वभाव वाले ग्रामीण लोग।

देखो ना ! हम सुरम्य पहाड़ों के भ्रमण पर निकले थे, आंकड़े साथ आ गए। हम उन्हें दूर धकेल फिर से घूमने लगें।

इस कठिन जीवन में इन सरल लोगों की रक्षा करते देव, देवी, शिव, दुर्गा, हनुमान, कुल देवता, ग्राम देवता।

केदारनाथ, बद्रीनाथ, पाताल, भुवनेश्वर, कैंची धाम, चितई के अद्‌भुत अलौकिक मार्ग। पौराणिक मान्यताएं, कथाएं, अनुभव।

एड़ी, गोलू, सैम, भोलनाथ आदि स्थानीय देवताओं की कहानियां, उन्हें प्रसन्न करने की जागर जैसी प्राचीन पूजा विधियां। उन्हें जाग्रत करने के लिए हुड़ुक और कांसे की थाली पर बजता रहस्योन्मादी लय का गीत संगीत। क्यों न हो। हम देवभूमि को जानने की चेष्टा भर कर रहे हैं। कुछ तो होता है इन ऊंची चोटियों पर जो वैराग्य जगाता है, आध्यात्म पैदा करता है। तभी तो चुनते होंगे संत–महात्मा पहाड़ों को अपने तपस्या के केन्द्र के रूप में। दुर्गम, निर्जन, अगम्य इन रास्तों को चुनकर इन तीर्थों पर वही जाता होगा जिसने मोह के सभी धागे काट डाले होंगे। जिसके जीवन का एक मात्र लक्ष्य प्रभु को पाना रह गया होगा, और होगा मोक्ष की प्राप्ति करना। तब ये ऊंची चोटियों पर बसे तीर्थ सांसारिक लोगों के लिए कहां थे। तभी इन तेजोमय तपस्वियों का सम्मान था। गुरु शिष्य परम्परा थी।

हमने चलते-चलते काल की चाल देखी। रोजगार, शिक्षा व्यापार की तलाश में पहाड़ों से पलायन शुरु हुआ। कुछ लोग ही पलायन करते, पीछे छूटे घर परिवार से वार त्योहार मिलने आते, घर चलाने को पैसा भेजते। सरलता कायम रही। देवभूमि, देवभूमि बनी रही।

आंकड़े सिर उठाते रहे पर भयावह नहीं थे।

समय बदलता रहा। आधुनिकीकरण होता रहा।

पहाड़ों पर निर्माण सरल नहीं थे। इसलिए दूर-दूर दिखते घरों में रात को टिमटिमाते दीप दिखते और दिन में घरों की लाल हरे रंग की ढालू छतें। उनके बीच पसरी असीम शांति, हरियाली, खेतों की सीढ़ियां चढ़ती, उतरती धूप, देवदार और चीड़ के वृक्षों की पंक्तियां और उन से गिरे पिरुल और कोण। कभी-कभी मैदानी इलाकों से आए नवविवाहित युगल इन वादियों में दिख जाते थे। फिसलते पिरूल पर अपनी लजाती नववधू का हाथ थामे चलता नवयुवक और दोनों चीड़ के शंकु बीनते दिखते।

लो फिर आंकड़े डराने लगे। आंकड़े कहते हैं कि पहाड़ों पर पर्यटन आवश्यकता से अधिक बढ़ गया। यह सही है कि पर्यटन से अर्थव्यवस्था को लाभ होता है लेकिन हिमालय पर्वत श्रेणी युवा वलित पर्वत श्रेणी है। निर्धारित सीमा से अधिक पर्यटक दबाव बनाते हैं। अधिक पर्यटक यानी अधिक कार्बन फुटप्रिंट, अधिक कार्बन उत्सर्जन, तापमान में वृद्धि। इस तापमान में वृद्धि के कारण ग्लेसियर्स तेजी से पिघल रहे हैं और यह शोचनीय है। होटल, आवास बनाने के लिए जंगल काटे जा रहे हैं, खेत बिक गए। पहले पहाड़ों पर निर्माण कठिन था। पर अब एक बीम डाल कर निर्माण आसान हो गया। घर ही घर, होटल ही होटल। नदी किनारे होटल। नदी वेगवती हुई नहीं कि होटल साफ। जान माल का नुकसान। हाल ही में ऐसे कितने ही हादसे हो चुके। पहाड़ की सड़क की चौड़ाई की सीमा 5.5 मीटर निर्धारित है, लेकिन अनुमति मिल गई है 10 मीटर की। अब सड़क चौड़ा करने में पहाड़ काटेंगे तो पहाड़ दरक ही तो जाएंगे। पर्यटक तो पर्यटक, पलायन करने वाले लोगों ने भी 'अपना पहाड़' की भेड़चाल में पहाड़ों में सिर्फ गर्मी बिताने के लिए माचिस जैसे घर ले लिए जबकि आना साल में सिर्फ एक बार ही है। तीर्थाटन अब अध्यात्म के लिए नहीं किया जाता। वह तो अब एक रोमांचकारी खेल में तब्दील हो गया है। हवाई जहाज, टैक्सी, सब पहुंचते हैं। सड़क चौड़ी जो हो गई। पाप धोना कितना आसान हो गया। लेकिन यह आसान नहीं वीभत्स हो गया है।

जाने माने पर्यावरणविद अतुल सती और आई.आई.टी. खड़गपुर के भू शास्त्र और भू विज्ञान के प्रोफेसर व शोधकर्ता श्री अभिजीत मुखर्जी सड़क और निर्माण तथा पर्यटन प्राधिकरण को, आम जनता को, सरकार को चेताने में प्रयासरत हैं। उनके इस प्रयास में सबका सहयोग वांछित है।

शीतल रहने वाले पहाड़ों पर अब पंखे, कूलर, ए.सी. चलने लगे हैं तो फिर ग्लोबल वार्मिंग कैसे न हो ? पहाड़ों पर इतने निर्माण के चलते वन कटे। वन से भटके तेंदुए अब इंसान को डराते हैं। बंदर और जंगली जानवरों से लोग सहमें रहते हैं।

पहले जिस मडूए और शिशुणे को खाना संभ्रांत परिवारों की शान के खिलाफ होता था, उनका अब हेल्थ फूड के नाम पर अंधाधुंध दोहन हो रहा है। उनकी खेती हो रही है। जंगल से बटोर कर चमाचम पैकिंग में उन्हें रागी मिलेट्स, नेटल लीफ के नाम से बेचा जा रहा है देश-विदेश में ऊंचे दामों पर। यह तो अच्छी बात होनी चाहिए। लेकिन जितनी सुनाई दे रही है, उतनी अच्छी है नहीं। क्योंकि ऐसा करके उन गरीबों के मुंह का निवाला छीन लिया है हमने। उन्हें न ही तर माल खाने को मिला, और जो रूखा-सूखा पोषक था, जिसे कभी हेय समझा जाता था, वह भी छीन लिया गया। इसका कोई लाभ उन्हें नहीं मिलता। पहाड़ में होने वाले प्रचुर फल अब पहाड़ों में भी मोल मिलते हैं और ऊंचे दामों पर ही जो उन गरीबों की जेब से बाहर हैं। दरकते पहाड़, तपते पहाड़, दबते पहाड़ आपदा के पर्याय बनते जा रहे हैं।

हम मनुष्यों को लगाम लगानी पड़ेगी अपनी अतिक्रमणीय गतिविधियों पर, लोभ पर। हम विज्ञान की दुहाई दे कर अंधाधुंध विकास में लगे लोगों को समझना होगा कि पर्यावरण, पारिस्थितिकी भी तो विज्ञान की ही एक शाखा है।

पहाड़ पूरी तरह से दरक कर एक विभीषिका में तब्दील हों, उससे पहले सचेत हो हम थम जाएं और विभोर हो एक बार यह कह दें **'ओ मेर पहाड़, जी रेया जाग रेया।'**

पुरानी टिहरी : दास्तान एक ऐतिहासिक शहर की

अंजना पेटवाल
पी.जी.टी., इन्दौर

वो नहीं आती पर निशानी भेज देती है।
ख्वाबों में दास्ताँ पुरानी भेज देती है।।
कितने मीठे हैं उसकी यादों के मंजर।
कभी कभी आँखों में पानी भेज देती है।।

यह पंक्तियाँ किसी शायर ने भले ही किसी की याद में लिखी हों, लेकिन एक जलमग्न ऐतिहासिक शहर के लिए भी एकदम सटीक लगती हैं। एक शहर जिसे हम सब टिहरी के नाम से जानते थे, यह शहर अब इतिहास के पन्नों में पुरानी टिहरी के नाम से उल्लिखित होता है। भागीरथी और भिलंगना नदी के समागम पर स्थित यह शहर पहले गणेशप्रयाग के नाम से जाना जाता था। एक दूसरे विश्वास के अनुसार टिहरी शब्द की उत्पत्ति त्रिहरि से हुई है, जिसका अर्थ है ऐसा स्थान, जहाँ मनसा (मन), वाचा (वचन) और कर्मणा (कर्म) से किये गए पाप धुल जाते हैं। आइये, जानते हैं कुछ जाने अनजाने पहलू इस ऐतिहासिक शहर पुरानी टिहरी के बारे में, जिसकी जल समाधि के साथ लगभग 24 नामित गाँव पूर्णतः जलमग्न और लगभग 88 अन्य गाँव प्रभावित हुए।

पुरानी टिहरी

टिहरी रियासत के तत्कालीन महाराजा सुदर्शन शाह ने 30 दिसंबर 1815 को टिहरी नगर की नींव रखी थी। 42 वर्ग किलोमीटर के दायरे में फैली झील के विशाल नीले फलक से झांकते कुछ अवशेष आज भी पुरानी दास्ताँ बरबस बयान करते दिखते हैं। वर्ष 2005 में टनल बंद करने के बाद ऐतिहासिक पुरानी टिहरी शहर को पानी में जलमग्न कर दिया गया। टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कारपोरेशन के 2400 मेगावाट की बहुउद्देशीय जल विद्युत परियोजना के लोकापर्ण के साथ ही गढ़वाल क्षेत्र के शाह शासकों की रियासत सदा सदा के लिए भागीरथी और भिलंगना की जल तरंगों के नीचे समा गयी।

पुरानी टिहरी से जुड़ी मेरी यादें

ब्रिटेन की महारानी क्वीन विक्टोरिया के सम्मान में 1887 में बने 110 फीट ऊंचे घंटाघर और पुराने दरबार के कुछ डूबते दिखते अवशेषों का प्रमाण देती टिहरी झील अब एक खुले आसमान का प्रतिबिम्ब है। इस सुन्दर प्रतिबिम्ब की सतह के ऊपर पर्यटकों के लिए बोटिंग है, वाटर सर्फिंग है, पैराग्लाइडिंग है, अडवेंचरस स्पोर्ट्स हैं और इसकी तलहटी में समायी हुई है दो सदियों तक रहवासियों से गुलजार रहने वाले शहर पुरानी टिहरी की अनमोल यादें। राजमाता/नरेन्द्र महिला आवासीय विद्यालय, जिसमें कि दृष्टिहीन बच्चों के लिए भी एक स्कूल था एवं प्रताप इंटर कॉलेज दो ऐसे संस्थान रहे हैं, जिन्होंने न जाने कितनी पीढ़ियों के विद्यार्थी जीवन को एक नया आयाम दिया। प्रदर्शनी मैदान में लगने वाले सांस्कृतिक मेले, मालू के पत्तों में लिपटी स्थानीय सिंगोरी की मिठाई और प्रसिद्द टिहरी की नथ, जिसे कि कुछ गिने चुने 15–17 स्वर्णकार अपने हुनर से नयी नवेली दुल्हनों के लिए बनाते थे, आम और लीची के बागान, ये सब एक अतीत का हिस्सा बन गए। शायद ऐसी ही यादों को टटोलते हुए गढ़ रतन श्री नरेंद्र सिंह नेगी जी ने लिखा होगा – अबारी दाँ तू लम्बी छुटी ली क ऐजा, डाम का खतिर ...। पुरानी टिहरी आये दूर दराज के गाँव के खरीददारों में दिन भर की खरीद दारी को साढ़े तीन बजे तक निबटाने की जद्दोजहद रहती थी। इसका एक ही कारण होता, अपने गंतव्य तक वापस

जाने के लिए टिहरी बस अड्डे से निकलने वाली दिन की आखरी बस के छूट जाने का डर। उस समय ट्रैकर या कमांडर का प्रचलन न के बराबर था। अपने समय में आस पास के अनेकों गावों की प्रमुख व्यावसायिक गतिविधियों का केंद्र रहा यह प्राचीन शहर अब सिर्फ पुरानी यादों में सिमट कर रह गया है।

कैसे अस्तित्व में आया नई टिहरी

पुरानी टिहरी शहर के निवासियों को विस्थापित बनकर देहरादून, ऋषिकेश और हरिद्वार जाना पड़ा और इन सबके साथ नयी टिहरी भी अपने अस्तित्व में आया। चंडीगढ़ के बाद नई टिहरी भारत का ऐसा दूसरा शहर है जिसको एक मास्टर प्लानिंग के आधार पर विकसित किया गया है।आज यह टिहरी गढ़वाल का प्रशासनिक मुख्यालय होने के साथ ही देश विदेश से आये सैलानियों का प्रमुख आकर्षण केंद्र है। यहाँ का कोई भी घर ऐसा न होगा जहाँ से कि हिमालय की हिम आच्छादित चोटियों को देख मन आहलादित न हो। राज्य सरकार की निवेश उन्मुख फिल्म निर्माण पालिसी का ही परिणाम है कि नयी टिहरी और उसके आस पास का क्षेत्र फिल्म शूटिंग के लिए निर्देशकों के पसंदीदा स्थानों में से एक है। जैसे नैनीताल घूमते समय कोई भी गाइड यह बताना नहीं भूलता कि 'कोई मिल गया' फिल्म की शूटिंग कहाँ पर हुई, ठीक उसी तरह टिहरी झील भी 'बत्ती गुल मीटर चालू' फिल्म से अपना अमिट नाता जोड़ चुकी है।

नयी टिहरी मैं पर्यटन हेतु असीम सम्भावनाएँ

नयी टिहरी से निकटस्थ धार्मिक स्थलों में देवी कुंजापुरी मंदिर, चन्द्रबदनी देवी मंदिर, श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर प्रमुख हैं। इसके अतिरिक्त मनोहर एवं रमणीक स्थलों में महासर ताल, सहस्र ताल और खतलिंग ग्लेशियर पर्यटन की दृष्टि से बहुत लोकप्रिय हैं। नयी टिहरी से निकट स्थित नरेंद्र नगर से दून वैली और माँ गंगा के दर्शन एक साथ कर सकते हैं। भारत का सबसे लम्बा 440 मीटर एकल मार्ग सस्पेंशन पुल, जो कि डोबरा और चांटी को आपस में जोड़ता है, पुरानी और आजकल की युवा पीढ़ी में बहुत ज्यादा लोकप्रिय है। इस पुल पर रात्रि को होने वाली विद्युत सजावट पर्यटकों को बरबस अपनी ओर आकर्षित करती हैं। नयी टिहरी शहर ऐसे अनेकों दर्शनीय स्थानों के लिए आने वाले समय में पर्यटन की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण व्यावसायिक केंद्र बनने की भरपूर क्षमता रखता है।

– अंजना पेटवाल

मेरी देवभूमि, मेरा उत्तराखंड

मेरा फक्र है अभिमान है
भारत की जो यह शान है
मेरा उत्तराखंड महान है
मेरा ही जन्म स्थान है।

ऊंचे–ऊंचे शिखर से घिरा
पर्वतों से निकले निर्मल धारा
स्वर्ग से भी लगता है न्यारा
यही है मेरा उत्तराखंड प्यारा

गांव गांव में धारे नॉले
त्योहारो पर लगते मेले
झोड़े चाचरी और धौसेले
गिल्ली डंडा हर बच्चा खेले।

यही ग्वेल जी है, यही मां नंदा।
यही धारी मां ,यही है मां सुरकंडा।
गंगा यमुना का उद्गम, यही बद्री केदार है।
यही है मां चामुंडा, यही हरि का द्वार हैं ।

ठंडी हवा है ठंडा पानी
सरल लोग हैं मीठी वाणी
खंडहर बचे हैं अब निशानी
यही है पहाड़ों की कहानी।

– मनोज कुमार भारद्वाज।

एक फौजी अफसर जो कालान्तर में बने महान अंतरिक्ष विज्ञानी

श्री वेद प्रकाश पांडे
इन्दौर

आज हमारा देश भारतवर्ष अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक महाशक्ति बन चुका है, तथा हम सभी हालिया चन्द्रयान मिशन की सफलता से अत्यन्त गदगद तथा रोमांचित हैं। ऐसे समय में अनायास ही उथ्तराखंड की एक ऐसी महान विभूति का स्मरण ही आता है, जिनका भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान मिशन में अभूतपूर्व योगदान रहा है तथा जो महान् वैज्ञानिक एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अबुल कलाम जी के साथ कंधे से कन्धा मिलाकर इस क्षेत्र में कार्य कर चुके हैं।

इस महान विभूति का नाम है नीलम्बर पंत श्री पंत का जन्म उत्तराखंड के अल्मोड़ा शहर में 25 जुलाई 1931 के दिन हुआ था तथा आपके पूर्वज पिथौरागढ़ जिले के ग्राम चिटगल से आकर अल्मोड़ा के चम्पानौला मोहल्ले में बस गये थे। आपके पिताजी श्री पद्मादत्त पंत जी शिक्षा विभाग में उच्चाधिकारी के पद पर आसीन थे। घर में पहले से ही अच्छा शैक्षणिक माहौल था, जिसका प्रभाव नीलम्बर पंत जी के बाल मन में भी अवश्य ही पड़ा होगा, अपनी स्कूली शिक्षा अल्मोड़ा से पूरी करने के पश्चात् आप आगे की पढ़ाई हेतु लखनऊ चले गये तथा लखनऊ विश्वविद्यालय से भौतिकी विज्ञान में आपने अपना स्नातक पूरा किया। अपनी विशिष्ट योग्यता तथा असाधारण प्रतिभा के चलते आपको भारतीय सेना में कमीशन मिल गया।

सेना में आपको तकनिकी क्षेत्र में अपना कैरियर बनाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ तथा वहाँ पर आपका कार्य क्षेत्र माइक्रोवेव रेडियो ऑफिसर के रूप में रहा, इस बीच ही भारतीय सेना के द्वारा आपको उच्च कोर्स हेतु अमेरिका के उच्च संस्थान में भेजा गया, वहाँ पर आपने सर्वोच्च अंक हासिल करकर एक नया कीर्तिमान स्थापित कर डाला जो कि अभी तक भी बरकरार है।

यह उस समय की बात है जब भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अपने प्रारम्भिक चरण में ही था तथा अन्तरिक्ष विज्ञान जैसे जटिल एवं देश के अत्यन्त महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को आगे ले जाने हेतु अत्यन्त प्रतिभावान एवं उर्जावान लोगों की आवश्यकता थी। ऐसे व्यक्ति की जब आवश्यकता हो तो तब भला श्री नीलाम्बर पंत जी से अधिक उपयुक्त एवं प्रतिभाशाली व्यक्ति कौन हो सकता था। श्री पंत के डेप्युटेशन में विक्रम साराभाई अंतरिक्ष अनुसंधान केन्द्र अहहमदाबाद में भेजा गया, यहाँ पर उनकी टीम ने देश के पहले उपग्रह संचार स्टेशन के पहले उपग्रह संचार स्टेशन की स्थापना की, अपनी तथा अपनी टीम की इस उपलब्धि के पश्चात् नीलाम्बर पंत का रुझान अंतरिक्ष विज्ञान की तरफ ही अधिक होने लगा आपने सेना से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर इसरो को ही अपनी पूर्णकालिक सेवायें देने का साहसिक फैसला ले डाला। तत्पश्चात सेना के कर्नल पंत को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान केन्द्र के श्री हरिकोटा प्रक्षेपण केन्द्र का निदेशक नियुक्त किया गया।

महान वैज्ञानिक डॉ. अब्दुल कलाम के निर्देशन में इस केन्द्र के द्वारा भास्कर, रोहिणी जैसे अनेक उपग्रहों का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया गया, इनका संचालन श्री नीलाम्बर पंत जी के द्वारा ही किया गया। विज्ञान विशेषकर अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में उनके अभूतपूर्व योगदान हेतु कर्नल पंत को विक्रम साराभाई पुरस्कार सहित अनेकों पुरस्कारों से नवाजा गया। उनके देश के अभूतपूर्व योगदान के बदले में भारत सरकार द्वारा वर्ष 1984 में उन्हें प्रतिष्ठित तीसरे सबसे बड़े पद्म पुरस्कार पद्म श्री से सम्मानित किया गया।

आप भारतीय अंतरिक्ष आयोग के आजीवन सदस्य रहे तथा जीवन प्रयन्त आप भारत के अंतरिक्ष विकास के कार्यक्रमों एवं भारत देश की इस क्षेत्र में प्रत्येक उपलब्धि के किसी न किसी रूप में सहभागी एवं मार्गदर्शक रहे।

अब कर्नल पंत हमारे बीच नहीं है, परन्तु आपके जैसे विराट व्यक्तित्व का उत्तराखण्ड से सम्बद्ध रखना सभी उत्तराखंड वासियों तथा 'उत्तराखंड दर्पण' के पाठकों के लिए गर्व की बात है।

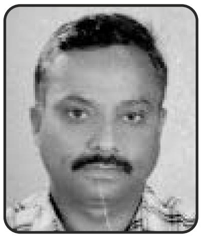

ऋषिगंगा आपदा – 2021

विनोद कुमार पुनेठा
बी.एस.एफ., इन्दौर

जहाँ एक तरफ यह बात मन को संतोष पहुँचाती है कि आजादी के वर्षों बाद भी सड़क-बिजली-पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित रहे। उत्तराखंड को विगत कुछ वर्षों में बुनियादी सुविधाओं के प्रगति के पंख तो लगे हैं, परन्तु यह अभी अपनी शैशवास्था में ही है।

दूसरी तरफ, जो बात मन को आशकिंत एवं विचलित करने वाली है वह है इस प्रदेश में हो रही प्राकृतिक आपदाओं की त्रासदी 2013 की केदा रनाथ त्रासदी के जख्म अभी भरे भी नहीं कि वर्ष 2021 में ऋषिगंगा आपदा ने एक बार फिर झकझोंर कर रख दिया।

7 फरवरी 2021 की अल-सुबह चमोली जिले के नन्दादेवी अमयारण्य के अन्तर्गत समुद्र की सतह से लगभग 19,700 फिट तथा 24600 फिट की ऊँचाई वाले हिमशिखर एवं पैराग्लेशियल क्षेत्र में भू गुरुत्वाकर्षण में असन्तुलन के चलते जबरदस्त प्राकृतिक हलचल प्रारम्भ हुई और देखते ही देखते एक विशाल बर्फमुक्त चट्टान दरककर अपने साथ लाखों टन मलवे के साथ तेजी से फिसलती हुई रौंती गाड़ (छोटी पहाड़ी नदी) में पहुँची।

इसने ऋषिगंगा को अवरोधित करना आरम्भ किया और इससे एक अस्थायी तालाब निर्मित होने लगी, कुछ देर में इसने टूटकर विकराल फ्लैश-फ्लड का रूप धारण कर लिया जो पहले से ही वेगवान ऋषिगंगा की धार से मिलकर आगे भारी तबाही का सबब बनी।

देखते ही देखते उफनती ऋषिगंगा की बाढ़ में सर्वप्रथम 13.22 मेगावाट की जल विद्युत परियोजना का परिसर आया। यहाँ भारी तबाही मचाने के बाद यह सैलाब रैणी वल्ला, पल्ला गाँवों में प्रलय मचाता हुआ, आगे चल रही 520 मेगावाट वाली तपोवन-विष्णुगाड़ परियोजना को जमींदोज करता हुआ बहुत अधिक भौगोलिक क्षेत्रफल की बुरी तरह से प्रभावित कर गया। इस त्राषदी से जान–माल का माटी नुकसान तो हुआ ही साथ ही नीति निर्माताओं को यह सोचने के लिए भी प्रश्न छोड़ गयी कि ‘क्या उत्तराखंड जैसे भौगोलिक रूप से अति-संवेदनशील प्रदेश के लिए इस तरह की अति महत्र महत्वाकांक्षी मेगा परियोजनाऐं युक्ति संगत हैं ?

क्या आप जानते हैं ?

कि उत्तराखंड जिसको की देवभूमि भी कहा जाता है की धरा में अनेक तरह के औषधीय पादपों (Medicinal Plants) बहुतायत से नेसर्गिक रूप से पाए जाते हैं। इनमें से कुछ पौधे इस प्रकार है–

- अतीस (एकोनाइटम हेटरोफायलम)
- कुटकी (पिक्रोराइजा कुरोवा)
- चोरा (एन्जेलिका ग्लोका)
- जटामांसी (वैलीरियाना जटामांसी)
- धूप (जूरीनिया डोलोमिया)
- रतनजोत (ओनोस्मा ब्रेक्टियेटम)
- रेवन्द चीनी (रहीयम औस्ट्रेल)
- सलाप (डेक्टाइलोराइजा हैटागिरिया)
- सोम (इफेड्रा जिरारडियाना)
- कीड़ा जड़ी (कार्डिसेप्स साइनेनसिस)
- वन्याकरकटी (पोड़ोफायलम हैक्जाड्रम)

देवभूमि उत्तराखण्ड : प्रकृति से आशीर्वादित हमारा राज्य, हमारी मातृभूमि और हमारा गौरव

प्रस्तुति : डॉ. राजीव भट्ट
इन्दौर

उत्तराखंड, उत्तर भारत का यह अतुलनीय और अति सुन्दर पर्वतीय राज्य हिमालय की खूबसूरत वादियों में बसा है। उत्तराखंड अपनी विश्व विख्यात पर्वत श्रृंखलाएं नैना देवी और कंचनजंगा, दिव्य स्वरूप जीवनदायनी निर्मल गंगा और यमुना नदियों, विश्व प्रसिद्ध चार धाम और देवी शक्तिपीठों, धार्मिक और आध्यात्मिक आस्था के केन्द्रों, दर्शनीय पर्यटन स्थलों, प्राकृतिक सौंदर्य, शुद्ध पर्यावरण, विशिष्ट वनस्पति, बूटियों, हरियाली, वन संपदा और संसाधनों से सुसज्जित अखंड भारत का एक समृद्धशाली राज्य है। जो अपनी सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक मान्यताओं और पर्यटन के कारण जन–जन के मन में बसता है।

पौराणिक कथा के अनुसार, राजा भगीरथ ने अपने पूर्वजों के उद्धार के लिए दिव्य नदी गंगा को पृथ्वी पर लाने का प्रण किया जिससे कि उनकी अस्थियों को गंगाजल में प्रवाह कर दिव्य आत्माओं को मोक्ष प्रदान किया जा सके। इस देव कार्य के लिए उन्होंने कठोर तप किया, देवाधिदेव महादेव प्रसन्न हुए और गंगा जी का पृथ्वी पर आने का मार्ग प्रसस्थ हुआ और यहां उत्तराखंड के गंगोत्री धाम में अवतरण हुआ तत्पश्चात् भूमि एक दिव्य क्षेत्र के रूप में विख्यात हुई। इन्हीं मान्यताओं के आधार पर हिंदू धर्म के अनुयाई आज भी उसी भाव से अपने पितरों के तर्पण एवं मोक्ष के लिए गंगा या अन्य नदियों के तट पर अंतिम संस्कार करते या अस्थियां विसर्जन करते हैं। पौराणिक कथाओं के आधार पर यह भी माना जाता है कि यह क्षेत्र देवों और ऋषियों की तपोभूमि और कई विश्व प्रसिद्ध मंदिरों, आश्रमों, तीर्थ स्थलों, गुरुकुलों और धरोहरों की ग्रहस्थली रही है। ऐसी भी मान्यताएं हैं कि यहां के धार्मिक स्थलों में साक्षात देवी देवताओं का निवास होता है जो भी महानुभाव इस देव स्थलों के दर्शन करता है और इन क्षेत्रों के प्रभाव में आता है उन सभी विशिष्टजनों पर ईष्ट देवों की कृपा होती है और उन पर अध्यात्म, योग, दर्शन, संस्कृति का सकारात्मक प्रभाव और समावेश होता है। यह भी माना जाता है कि देवभूमि उत्तराखंड के कण–कण में देवाधिदेव महादेव का निवास है और इसीलिये उत्तराखंड को इसके समृद्ध आध्यात्मिक, धार्मिक और पौराणिक मान्यताओं के आधार पर अक्सर देवभूमि के नाम से भी जाना जाता है।

पर्यटन के परिपेक्ष में देखें तो विशेषकर धार्मिक पर्यटन के लिए यह क्षेत्र स्वर्ग समान है। हिन्दू अनुयाइयों के कई प्रमुख तीर्थस्थल इस पवित्र क्षेत्र में विराजमान हैं जिनमें प्रमुख रूप से केदारनाथ धाम, बद्रीनाथ धाम, यमुनोत्री, गंगोत्री, मां मनसा देवी, मां नंदा देवी, मां पूर्णागिरि, मां कसार देवी और दिव्य क्षेत्र हरिद्वार, ऋषिकेश और कैंची धाम शामिल हैं जो साल भर अपने वैभव, भव्यता और आकर्षण से श्रद्धालुओं को साल भर इस पवित्र धरती पर दैविक दर्शन आध्यात्मिक चेतना और आत्मिक शांति के लिए आकर्षित करते हैं।

देवभूमि उत्तराखंड माँ देवी के शक्तिपीठों के लिए भी विख्यात हैं। माना जाता है कि यहां के पर्वत शिखर और नदी तटों पर स्थित इन शक्तिपीठों पर मां दुर्गा अपने विभिन्न रुपों में विराजती हैं और यहां मां के दर्शनों से श्रद्धालुओं की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

देवभूमि के प्रमुख शक्तिपीठ में मां मनसा देवी शक्तिपीठ हरिद्वार, मां पूर्णागिरि शक्तिपीठ टनकपुर, मां नंदा देवी शक्तिपीठ नैनीताल, मां कसर देवी शक्तिपीठ अल्मोड़ा, मां शीतल देवी शक्ति रानीबाग, मां गिरिजा देवी शक्तिपीठ रामनगर और मां बालसुंदरी शक्तिपीठ काशीपुर मुख्य रूप से प्रसिद्ध हैं जहां साल भर भक्तों का तांता लगा रहता है।

इसके अतिरिक्त भी देवभूमि आज अपनी खूबसूरत झीलों, हरे भरे जंगलों, चीड़, देवदार, साल, शीशम, सागौन से भरे पहाड़ों, बर्फ से ढके पर्वतों, ग्लेशियर पर घूमने, छुट्टियां बिताने, पर्वतारोहण और जल क्रीडाओं के लिए भी पूरे भारत में पर्यटकों के बीच मशहूर है। विश्व प्रसिद्ध फूलों की घाटी और नंदा देवी राष्ट्रीय स्मारक पार्क, जो यूनेस्को विरासत स्थलों के रूप में भी सूचीबद्ध हैं पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण के स्थान हैं। ऋषिकेश विश्व मंच में योग के विकास और प्रसार के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। आज दुनिया भर से लोग योग सीखने के लिए विशेष रूप से उत्तराखंड के ऋषिकेश या अन्य आश्रमों में आते हैं।

उत्तराखंड अपनी सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं, खान–पान, वेशभूषा, बोली, रीति रिवाज और त्यौहारों को संजोकर रखे हुए हैं। आज भी प्रतिवर्ष उत्तरायणी पर्व हर साल 14 जनवरी को उत्तराखंड में बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है।

निष्कर्ष के तौर पर उत्तराखंड के भौगोलिक क्षेत्रों का अवलोकन करें तो देखेंगे की अधिकांश हिस्सा वन संपदा, पर्वतों, ग्लेशियरों तथा झीलों से सुशोभित है। इन सभी विशेषताओं और खुबियों को देखकर यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा कि देवभूमि उत्तराखंड भारत देश को हिमालय और प्रकृति का एक अमूल्य वरदान है।

वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह : 2019

दिनांक : 01 फरवरी 2019

स्थान : भारतीय एकेडमी, एम.आई.जी. थाने के पीछे, इन्दौर

उत्तराखंड समाज की प्रतिभाओं को स्मृति चिन्ह, मैडल तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नाम	:	**स्व. श्री रूपसिंह रावत**
पिताजी	:	स्व. श्री थपरसिंह रावत
मूल निवास	:	ग्राम डूंगरा, पट्टी भरदार, उत्तराखण्ड
वर्तमान पता	:	48, पिपल्याराव वर्मा कम्पाउण्ड, भोलाराम उस्ताद मार्ग
उम्र	:	85 वर्ष

नाम	:	**स्व. श्रीमती कांता रावत**
पति का नाम	:	स्व. श्री विजेन्द्र पाल सिंह रावत
मूल निवास	:	ग्राम-भलगांव, डाडामण्डी, उत्तराखंड
वर्तमान पता	:	4–बी, साईंनाथ कालोनी, तिलक नगर, इन्दौर
उम्र	:	82 वर्ष

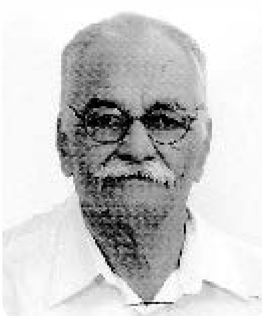

नाम	:	**श्री केशव दत्त पाठक**
पिताजी	:	स्व. श्री पी.एन. पाठक
मूल निवास	:	काठगोदाम, उत्तराखण्ड
वर्तमान पता	:	रॉयल रेसीडेन्सी, पीपल्याना चौराहा, इन्दौर
उम्र	:	83 वर्ष

वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह : 2023

दिनांक : 5 फरवरी, 2023

स्थान : वैभवश्री मैरिज गार्डन राधाकृष्ण वाटिका, चन्द्रगुप्त मौर्य चौराहा, एम.आर. 10, इन्दौर

उत्तराखंड समाज की प्रतिभाओं को स्मृति चिन्ह, मैडल तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नाम	:	**श्रीमती सुशीला जुगडान**
पति	:	स्व. श्री कृष्णा जुगडान
मूल निवास	:	उत्तराखंड
वर्तमान पता	:	1170, सुदामा नगर, इन्दौर
उम्र	:	75 वर्ष से अधिक

नाम	:	**श्रीमती कमला पाण्डे**
पति	:	श्री वाचस्पति पाण्डे
मूल निवास	:	उत्तराखंड
वर्तमान पता	:	इन्द्रपुरी कालोनी, इन्दौर
उम्र	:	75 वर्ष से अधिक

नाम	:	**डॉ. आनन्द सिंह सजवान**
पिताजी	:	स्व. श्री त्रिलोकसिंह सजवान
मूल निवास	:	उत्तराखण्ड
वर्तमान पता	:	49-ए, वन्दना नगर एक्सटेंशन, इन्दौर
उम्र	:	77 वर्ष

नाम	:	**श्रीमती उर्मिला पाण्डे**
पति	:	श्री प्रेमनारायण पाण्डे
मूल निवास	:	उत्तराखंड
वर्तमान पता	:	जानकी नगर, इन्दौर
उम्र	:	75 वर्ष से अधिक

वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह : 2023

दिनांक : 5 फरवरी, 2023

स्थान : वैभवश्री मैरिज गार्डन राधाकृष्ण वाटिका, चन्द्रगुप्त मौर्य चौराहा, एम.आर. 10, इन्दौर

उत्तराखंड समाज की प्रतिभाओं को स्मृति चिन्ह, मैडल तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नाम	:	**श्रीमती विमला सजवान**
पति	:	स्व. श्री गोविन्दसिंह सजवान
मूल निवास	:	उत्तराखंड
वर्तमान पता	:	101, गोयल नगर, इन्दौर
उम्र	:	78 वर्ष

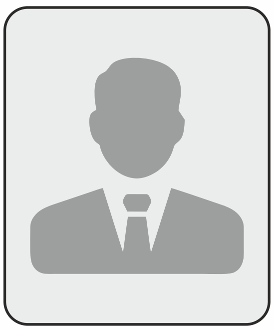

नाम	:	**श्री गब्बर सिंह नेगी**
पिताजी	:	श्री फतेहसिंह नेगी
मूल निवास	:	जिला रुपप्रयाग, उत्तराखण्ड
वर्तमान पता	:	पल्हार नगर, एरोड्रम रोड, इन्दौर
उम्र	:	81 वर्ष

नाम	:	**श्रीमती नन्दा देवी**
पति	:	श्री मोहन दत्त
मूल निवास	:	उत्तराखंड
वर्तमान पता	:	इन्दौर
उम्र	:	82 वर्ष

नाम	:	**श्री रमेशचन्द्र तिवारी**
पिताजी	:	श्री हरिदत्त तिवारी
मूल निवास	:	उत्तराखंड
वर्तमान पता	:	इन्दौर
उम्र	:	84 वर्ष

वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह : 2023

दिनांक : 5 फरवरी, 2023

स्थान : वैभवश्री मैरिज गार्डन राधाकृष्ण वाटिका, चन्द्रगुप्त मौर्य चौराहा, एम.आर. 10, इन्दौर

उत्तराखंड समाज की प्रतिभाओं को स्मृति चिन्ह, मैडल तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नाम	:	**श्रीमती पिताम्बरी देवी रावत**
पति	:	स्व. श्री विक्रमसिंह रावत
मूल निवास	:	पट्टी मनीयार सूं, उत्तराखण्ड
वर्तमान पता	:	इन्दौर
उम्र	:	79 वर्ष

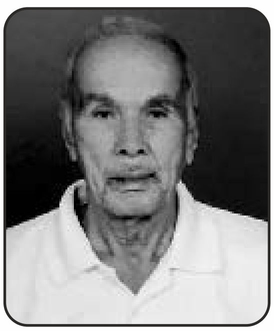

नाम	:	**श्री अमरसिंह बिष्ट**
पिताजी	:	स्व. श्री खेमसिंह बिष्ट
मूल निवास	:	देवीखाल, पोडीगढवाल, उत्तराखण्ड
वर्तमान पता	:	इन्दौर
उम्र	:	80 वर्ष

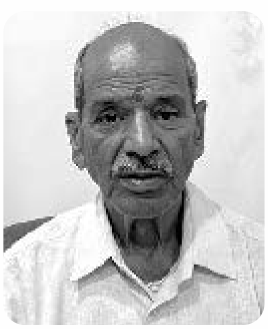

नाम	:	**स्व. डॉ. खिमानन्द रुवाली**
पिताजी	:	स्व. श्री टीकाराम रुवाली
मूल निवास	:	उत्तराखंड
वर्तमान पता	:	6, कृषि विहार कालोनी, इन्दौर
उम्र	:	82 वर्ष

नाम	:	**श्री देवीदत्त पाण्डे**
पिताजी	:	स्व. श्री गंगाधर पाण्डे
मूल निवास	:	ग्राम चोड़ी, लोहाघाट, जिला चम्पावत
वर्तमान पता	:	इन्दौर
उम्र	:	-

वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह : 2023

दिनांक : 5 फरवरी, 2023

स्थान : वैभवश्री मैरिज गार्डन राधाकृष्ण वाटिका, चन्द्रगुप्त मौर्य चौराहा, एम.आर. 10, इन्दौर

उत्तराखंड समाज की प्रतिभाओं को स्मृति चिन्ह, मैडल तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नाम	:	**श्रीमती माधवी देवी**
पति	:	स्व. श्री भेरवदत्त
मूल निवास	:	चियाली, छाना, अल्मोड़ा
वर्तमान पता	:	इन्दौर
उम्र	:	78 वर्ष

नाम	:	**श्रीमती प्रभा राजपूत**
पति	:	कर्नल वाय.एस. राजपूत
मूल निवास	:	उत्तराखंड
वर्तमान पता	:	जी-6, एच.आई.जी. कालोनी, इन्दौर
उम्र	:	80 वर्ष

नाम	:	**श्री वी. पाण्डे**
पिताजी	:	स्व. श्री कामरुप पाण्डे
मूल निवास	:	उत्तराखण्ड
वर्तमान पता	:	इन्द्रपुरी कालोनी, इन्दौर
उम्र	:	83 वर्ष

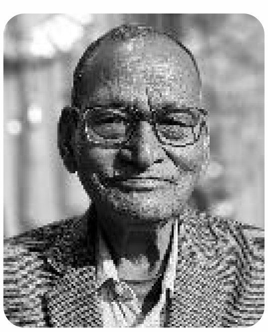

नाम	:	**श्री रणजीतसिंह रावत**
पिताजी	:	स्व. श्री केसरसिंह रावत
मूल निवास	:	पट्टी पोने, पोड़ीलढ़वाल, उत्तराखण्ड
वर्तमान पता	:	इन्दौर
उम्र	:	80 वर्ष

वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह : 2023

दिनांक : 5 फरवरी, 2023

स्थान : वैभवश्री मैरिज गार्डन राधाकृष्ण वाटिका, चन्द्रगुप्त मौर्य चौराहा, एम.आर. 10, इन्दौर

उत्तराखंड समाज की प्रतिभाओं को स्मृति चिन्ह, मैडल तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नाम : **श्रीमती देवकी बिष्ट**
पति : स्व. श्री प्रतापसिंह बिष्ट
मूल निवास : उत्तराखण्ड
वर्तमान पता : महावीर नगर, इन्दौर
उम्र : 78 वर्ष

नाम : **श्री चन्द्रदत्त बिनवाल**
पिताजी : श्री दिनामणि बिनवाल
मूल निवास : उत्तराखंड
वर्तमान पता : 345, जी.के. 1, स्कीम नं. 74–सी, इन्दौर
उम्र : 82 वर्ष

नाम : **श्रीमती कुसुम डंडरियाल**
पति : स्व. श्री हरिबल्लभ डंडरियाल
मूल निवास : मंजरी ब्लॉक, पोडीगढवाल, उत्तराखंड
वर्तमान पता : संगम नगर, इन्दौर
उम्र : 81 वर्ष

नाम : **श्रीमती देवी रावत**
पति : श्री जगतसिंह रावत
मूल निवास : ग्राम ग्वारा पट्टी, पैनू, पोडीगढवाल, उत्तराखंड
वर्तमान पता : इन्दौर
उम्र : 80 वर्ष

प्रतिभा सम्मान समारोह : 2022-23

दिनांक : 5 फरवरी 2023

स्थान : वैभव श्री मैरिज गार्डन (राधा कृष्ण वाटिका)

उत्तराखंड समाज की प्रतिभाओं को स्मृति चिन्ह, मैडल तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नाम	:	**कु. खुशी बिनवाल**
माताजी	:	श्रीमती दीपिका बिनवाल
पिताजी	:	श्री जितेन्द्र बिनवाल
पता	:	विजय नगर, इन्दौर
उपलब्धि	:	कक्षा 12वीं (CBSE) की परीक्षा में 97.6%

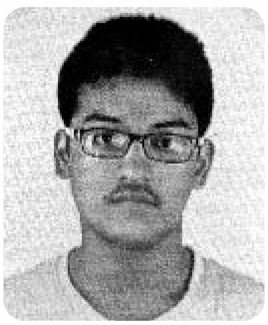

नाम	:	**श्री उत्कर्ष खाती**
माताजी	:	श्रीमती ममता खाती
पिताजी	:	श्री महेन्द्र सिंह खाती
पता	:	91, सिल्वर ओक्स कालोनी, अन्नपूर्णा रोड़, इन्दौर
उपलब्धि	:	IIT M.Tech गोहाटी (2022) उत्कृष्टता के साथ।

नाम	:	**कु. अंकिता मेहता**
माताजी	:	श्रीमती नीमा मेहता
पिताजी	:	श्री गणेश सिंह मेहता
पता	:	सिद्धि अपार्ट., रामकमल रेसीडेन्सी, गोम्मटगिरि, इंदौर
उपलब्धि	:	कक्षा 10वीं (CBSE) की परीक्षा में 82.4% (2019)

नाम	:	**कु. कोमल बिस्ट**
माताजी	:	श्रीमती देवकी बिस्ट
पिताजी	:	श्री दिनेश बिस्ट
पता	:	कस्तूरबा ग्राम, इन्दौर
उपलब्धि	:	कक्षा 12वीं (CBSE) की परीक्षा में 85.6%

प्रतिभा सम्मान समारोह : 2022–23

दिनांक : 5 फरवरी 2023

स्थान : वैभव श्री मैरिज गार्डन (राधा कृष्ण वाटिका)

उत्तराखंड समाज की प्रतिभाओं को स्मृति चिन्ह, मैडल तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नाम	:	**कु. अविरिशु पेटवाल**
माताजी	:	श्रीमती अंजना पेटवाल
पिताजी	:	श्री विकासचन्द्र पेटवाल
पता	:	30, स्कीम नं. 103, केशरबाग रोड़, इन्दौर
उपलब्धि	:	कक्षा 10वीं (NTSE) की परीक्षा में प्रदेश में प्रथम।

नाम	:	**कु. अनन्या पाठक**
माताजी	:	श्रीमती नीलीमा पाठक
पिताजी	:	श्री योगेश पाठक
पता	:	आर–4, रॉयल रेसीडेन्सी, पीपल्याहाना, इन्दौर
उपलब्धि	:	कक्षा 12वीं (CBSE) की परीक्षा में 96.4% (2021)

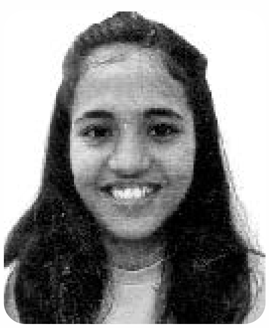

नाम	:	**कु. अदिती पाठक**
माताजी	:	श्रीमती नीलीमा पाठक
पिताजी	:	श्री योगेश पाठक
पता	:	आर–4, रॉयल रेसीडेन्सी, पीपल्याहाना, इन्दौर
उपलब्धि	:	कक्षा 12वीं (CBSE) की परीक्षा में 95.8%

नाम	:	**कु. सिमरन गोसांई**
माताजी	:	श्रीमती यागिनी गोसांई
पिताजी	:	श्री मनवरसिंह गोसांई
पता	:	82/2, इदरिश नगर, मुसाखेड़ी, इन्दौर
उपलब्धि	:	DAVV Indore (BBA) 85%

प्रतिभा सम्मान समारोह : 2022-23

दिनांक : 5 फरवरी 2023

स्थान : वैभव श्री मैरिज गार्डन (राधा कृष्ण वाटिका)

उत्तराखंड समाज की प्रतिभाओं को स्मृति चिन्ह, मैडल तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नाम	:	**कु. विधि पपने**
माताजी	:	श्रीमती रेणु पपने
पिताजी	:	श्री महेश पपने
पता	:	पुष्प वाटिका, वन्दना नगर, इन्दौर
उपलब्धि	:	DAVV से MCA (94%)

नाम	:	**कु. तनिष्का शर्मा**
माताजी	:	श्रीमती वैशाली शर्मा
पिताजी	:	श्री दीपक शर्मा
पता	:	इन्दौर
उपलब्धि	:	कक्षा 12वीं (CBSE) की परीक्षा में 86.4%।

नाम	:	**कु. ईशिका रावत**
माताजी	:	-
पिताजी	:	महेन्द्र सिंह रावत
पता	:	इन्दौर
उपलब्धि	:	कबड्डी खिलाड़ी के रूप में विशेष उपलब्धि

नाम	:	**कु. आस्था गोसाईं**
माताजी	:	
पिताजी	:	श्री सुरेन्द्र सिंह गोसाईं
पता	:	इन्दौर
उपलब्धि	:	स्वीमिंग प्रतियोगिता में विशेष उपलब्धि।

प्रतिभा सम्मान समारोह : 2019

दिनांक : 01 फरवरी 2019

स्थान : भारतीय एकेडमी, एम.आई.जी. थाने के पीछे, इन्दौर

उत्तराखंड समाज की प्रतिभाओं को स्मृति चिन्ह, मैडल तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नाम	:	**कु. ज्योतिका रावत**
माताजी	:	श्रीमती अनिता रावत
पिताजी	:	श्री वीरेन्द्र सिंह रावत
पता	:	379, पलहर नगर, इन्दौर
उपलब्धि	:	कक्षा 10वीं (एम.पी. बोर्ड) की परीक्षा में 84.6%

नाम	:	**कु. किरण रावत**
माताजी	:	श्रीमती गीता रावत
पिताजी	:	श्री यतीन्द्र सिंह रावत
पता	:	21/4, केवलरी लाइन, इन्दौर
उपलब्धि	:	कक्षा 12वीं (एम.पी. बोर्ड) की परीक्षा में 87.2%

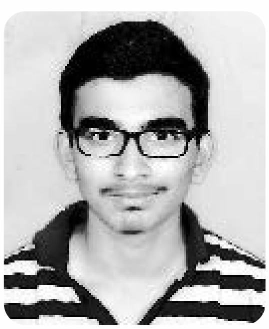

नाम	:	**श्री हर्ष शर्मा**
माताजी	:	श्रीमती दीपा शर्मा
पिताजी	:	श्री वेद प्रकाश शर्मा
पता	:	आलोक नगर, कनाड़िया रोड़, इन्दौर
उपलब्धि	:	कक्षा 10वीं (CBSE) की परीक्षा में 85.4%।

नाम	:	**श्री हिमांशु बलोनी**
माताजी	:	श्रीमती मीरा बलोनी
पिताजी	:	श्री चन्द्रप्रकाश बलोनी
पता	:	आलोक नगर, कनाड़िया रोड़, इन्दौर
उपलब्धि	:	कक्षा 10वीं (CBSE) की परीक्षा में 82%।

प्रतिभा सम्मान समारोह : 2019

दिनांक : 01 फरवरी 2019

स्थान : भारतीय एकेडमी, एम.आई.जी. थाने के पीछे, इन्दौर

उत्तराखंड समाज की प्रतिभाओं को स्मृति चिन्ह, मैडल तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नाम : **कु. शुभा धामी**
माताजी : श्रीमती प्राची धामी
पिताजी : श्री थाम सिंह धामी
पता : केट कालोनी, इन्दौर
उपलब्धि : कक्षा 12वीं (CBSE) की परीक्षा में 96.4%।

नाम : **श्री अनीश सिंह रावत**
माताजी : श्रीमती शकुन्तला रावत
पिताजी : श्री भूपेन्द्र सिंह रावत
पता : डी–46/2, केट कालोनी, इन्दौर
उपलब्धि : एन.डी.ए. से आर्मी में चयनित।

नाम : **सुश्री दिव्या नेगी**
माताजी : श्रीमती विजया नेगी
पिताजी : श्री मदन सिंह नेगी
पता : 8-बी, साईंनाथ कालोनी, इन्दौर
उपलब्धि : बी.टेक. में विशेष प्रमाण पत्र प्राप्त।

नाम : **कु. आंचल गौसाईं**
माताजी : -
पिताजी : श्री प्रदीप गोसाईं
पता : इन्दौर
उपलब्धि : 94 प्रतिशत के साथ 10वीं परीक्षा उत्तीर्ण।

प्रतिभा सम्मान समारोह : 2019

दिनांक : 01 फरवरी 2019

स्थान : भारतीय एकेडमी, एम.आई.जी. थाने के पीछे, इन्दौर

उत्तराखंड समाज की प्रतिभाओं को स्मृति चिन्ह, मैडल तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नाम	:	**कु. नेहा कोटनाला**
माताजी	:	श्रीमती अनिता कोटनाला
पिताजी	:	श्री रमेशचन्द्र कोटनाला
पता	:	इन्दौर
उपलब्धि	:	कक्षा 12वीं (एम.पी. बोर्ड) की परीक्षा में 86.8%

नाम	:	**कु. श्याला जखमोला**
माताजी	:	श्रीमती नमीता जखमोला
पिताजी	:	श्री मनोज जखमोला
पता	:	इन्दौर (म.प्र.)
उपलब्धि	:	कक्षा 10वीं (CBSE) की परीक्षा में 95.5%।

नाम	:	**श्री ख्यात पुनेठा**
माताजी	:	श्रीमती दया पुनेठा
पिताजी	:	श्री कमलकिशोर पुनेठा
पता	:	डी–36/6, केट कालोनी, इन्दौर
उपलब्धि	:	कक्षा 10वीं (CBSE) की परीक्षा में 94.4%।

नाम	:	**कु. तनीषा नेगी**
माताजी	:	श्रीमती संगीता नेगी
पिताजी	:	श्री लखनपाल सिंह नेगी
पता	:	इन्दौर (म.प्र.)
उपलब्धि	:	कक्षा 10वीं (CBSE) की परीक्षा में 91.2%।

श्रेष्ठ खिलाड़ी सम्मान समारोह : 2019-2020

वार्षिक बसंतोत्सव कार्यक्रम 2019-20 में
उत्तराखंड समाज के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह, मैडल तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नाम : **गौरव जोशी**
पिताजी : श्री प्रकाश जोशी
पता : इन्दौर
उपलब्धि : यू-14 बेसबॉल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त।

नाम : **यशवंत रावत**
पिताजी : श्री सुनील रावत
पता : इन्दौर
उपलब्धि : इंटरनेशनल कराटे चेम्पियनशिप (गोवा) में सिल्वर मेडल प्राप्त।

नाम : **कु. सोनाली बिष्ट**
पिताजी : श्री विनोद बिष्ट
पता : इन्दौर
उपलब्धि : स्पोर्ट्स में विशिष्ट उपलब्धि।

नाम : **अजय रावत**
पिताजी : श्री
पता : इन्दौर
उपलब्धि : वेटलिफ्टिंग (60-65 कि.ग्रा.) में प्रथम स्थान।

श्रेष्ठ खिलाड़ी सम्मान समारोह : 2019–2020

वार्षिक बसंतोत्सव कार्यक्रम 2019-20 में
उत्तराखंड समाज के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह, मैडल तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नाम	:	**रोहित रावत**
पिताजी	:	श्री राजेन्द्र सिंह रावत
पता	:	इन्दौर
उपलब्धि	:	खो–खो चेम्पियनशिप में मेडल प्राप्त किया।

नाम	:	**कु. धारिनी पंवार**
पिताजी	:	श्री राजपाल पंवार
पता	:	इन्दौर
उपलब्धि	:	ताईकाण्डो (42 कि.ग्रा. वर्ग) में सिल्वर मेडल प्राप्त।

नाम	:	**कु. दीया चौहान**
पिताजी	:	श्री जगदीश चौहान
पता	:	इन्दौर
उपलब्धि	:	टेबल टेनिस प्रतियोगिता में विजेता।

श्रेष्ठ खिलाड़ी सम्मान समारोह : 2023

स्थान : वैभवश्री मैरिज गार्डन राधाकृष्ण वाटिका, चन्द्रगुप्त मौर्य चौराहा, एम.आर. 10, इन्दौर

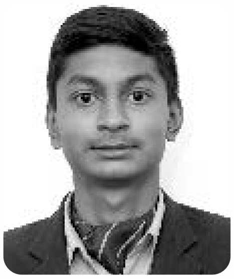

नाम	:	**अभिजीत सिंह बिष्ट**
पिताजी	:	श्री मोहन सिंह बिष्ट
पता	:	गीता नगर, इन्दौर
उपलब्धि	:	फुटबाल अण्डर-19 में गोल्ड मेडल प्राप्त। (2022)

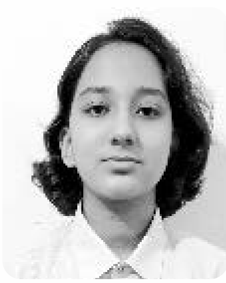

नाम	:	**कु. धारिणी पंवार**
पिताजी	:	श्री राजपाल सिंह पंवार
पता	:	सी-34/6, आर.आर. केट, इन्दौर
उपलब्धि	:	पिकल बॉल म.प्र. स्टेट में द्वितीय स्थान प्राप्त। (2022)

नाम	:	**सरवी बिष्ट**
पिताजी	:	श्री महेन्द्रसिंह बिष्ट
पता	:	संवाद नगर, इन्दौर
उपलब्धि	:	टेबल टेनिस म.प्र. में प्रथम स्थान प्राप्त। (2021)

नाम	:	**अजयसिंह रावत**
पिताजी	:	स्व. श्री श्यामसिंह रावत
पता	:	परम हंस नगर, एरोड्रम रोड़, इन्दौर
उपलब्धि	:	बॉडी बिल्डिंग राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त। (2022)

नाम	:	**श्री यश रावत**
पिताजी	:	श्री सुनील सिंह रावत
पता	:	इन्दौर
उपलब्धि	:	बॉडी बिल्डिंग राष्ट्रीय स्तर पर कांस्य पदक प्राप्त। (2022)

उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था इन्दौर

PAN : AAAAU2743B

Balance Sheet as on 31st March 2023

Liabilities	Amount (Rs.)	Amount (Rs.)	Assets	Amount (Rs.)	Amount (Rs.)
Partners Fund		1698846	**Fixed Assets**		92368
Partners/Member Capital	1698846		Gross Block	92368	
Reserves and Surplus		3443879	Net Block	92368	
Any Other Reserve	3443879				
			Investments		3598536
Unsecured Loans & Deposits		100000	Long Term Investment		
Rupee Loan			(i) Investment in property	3598536	
(C) From Others	100000				
			Current Assets, Loans & Advances		1561321
Current Liabilities		9500	(a) Current Assets		
(i) Current Liabilities			(ii) Sundry Debtors		
(A) Sundry Creditors			(B) Others	125847	
(2) Others	9500		(iii) Cash and Bank Balance		
			(B) Cash in Hand	200098	
			(C) Others	1200000	
			(b) Loans & Advances		
			(ii) Deposits, Loans and advances to corporate and others	28489	
			(iii) Balances with Revenue Authorities	6887	
Total		**5252225**	**Total**		**5252225**

As per Books of Account

For MVK & CO
Chartered Accountant

Vijay Kumar Maheshwari
Proprietor

Indore

Date : 12.07.2023

For Uttrakhand Sanskrti Sansthan

President | **Secretary**

पर्वतीय बसन्तोत्सव

झलकियाँ – 2019

सामुहिक विवाह कार्यक्रम की झलकियाँ

समाज के गणमान्य जन

बाल कलाकार द्वारा संगारंग प्रस्तुति

बाल कलाकार द्वारा संगारंग प्रस्तुति

युगल प्रस्तुति

गायन प्रस्तुति

पूर्व कोषाध्यक्ष आ. बिनवाल जी का अभिनन्दन

बाल कलाकार द्वारा रंगारंग प्रस्तुति

पर्वतीय बसन्तोत्सव

झलकियाँ – 2019

दर्शक - दीर्घा

गणमान्य जनों की गरिमामय उपस्थिति

रंगारंग सामुहिक प्रस्तुति

युगल प्रस्तुति

समाज के दो प्रतिभाशाली कलाकार

शानदार आकर्षक प्रस्तुति

सामुहिक गायन प्रस्तुति

सुरुचिपूर्ण भोजन का आनन्द लेते हुए समाजजन

नई कार्यकारिणी के कार्यग्रहण समारोह की झलकियाँ

नवनियुक्त संस्था सचिव श्रीमती सीमा डंगवाल का अभिनन्दन

माननीय श्री मीर रंजन नेगी जी (नवनियुक्त संस्था अध्यक्ष) का स्वागत

कार्यक्रम स्थल पर भारी संख्या में समाजजन

सामुहिक फोटो सेशन

पर्यावरण दिवस पर संस्था सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण

उत्तराखंड संस्था की मातृशक्ति

सामुहिक फोटो सेशन

समाजजन वृक्षारोपण हेतु उत्साहित मुद्रा में

आ. नेगी जी एवं हरीश मैन्दोला जी वृक्षारोपण करते हुए

उत्तराखण्ड सांस्कृतिक संस्था के निजी कार्यालय के उद्घाटन समारोह की झलकियाँ

नूतन कार्यालय में प्रथम पूजन

नूतन कार्यालय में हवन

मातृशक्ति द्वारा सामुहिक कीर्तन

संस्था के आदरणीयजन

उत्साहित जन-समूह

माननीय रमेश जी एवं नेगी जी फीता काटते हुए...

ऑफिस के बैठक कक्ष में आ. रमेशजी, संस्था अध्यक्ष एवं अन्य लोग

आ. रमेशजी का अभिनंदन करते हुए दीदी गार्गी शर्मा...

उत्तराखण्ड सांस्कृतिक संस्था के निजी कार्यालय के उद्घाटन समारोह की झलकियाँ

आ. रमेशजी समाजनों के साथ

रमेशजी मंच से समाज के अनुकरणीय लोगों को शॉल एवं श्रीफल से सम्मानित करते हुए

कोषाध्यक्ष श्री कंडारी जी का सम्मान

आ. रमेशजी मंच से समाजजनों को सम्बोधित करते हुए

दर्शक - दीर्घा

आ. तुलसी सिलावटजी की गरिमामय उपस्थिति

आ. तुलसी सिलावटजी का शॉल एवं श्रीफल से स्वागत

आ. सिलावटजी उत्तराखंड समाज के वटवृक्ष आ. चिंतामणि मैंदोला जी से मिलते हुए

उत्तराखण्ड सांस्कृतिक संस्था के निजी कार्यालय के उद्घाटन समारोह की झलकियाँ

युवा विधायक आ. आकाश विजयवर्गीय जी का आगमन

आकाश जी समाजजनों के बीच

आकाश जी द्वारा बिताये आत्मीय पल

समाज के वरिष्ठजनों के साथ आकाशजी

आकाश जी द्वारा समाजजनों के साथ ग्रुप फोटो

आ. आकाशजी का शॉल श्रीफल से स्वागत

उत्तराखंड समाज की मातृशक्ति

गणमान्य लोगों का आगमन

उत्तराखण्ड सांस्कृतिक संस्था परिवार द्वारा योग दिवस पर योगाभ्यास
21 जून 2023 की झलकियाँ

योग दिवस पर उत्साहित समाजजन

सामुहिक योगाभ्यास

योगा अभ्यास करते हुए प्रतिभागी

श्री देवीदत्त भट्ट जी योगाा करवाते हुए

योगा टिप्स देते हुए श्री भट्ट

सामुहिक योग एवं अभ्यास

सामुहिक योग एवं अभ्यास

योग की विभिन्न मुद्राओं का प्रदर्शन एवं अभ्यास

पर्वतीय बसन्तोत्सव

झलकियाँ – 2023

अध्यक्ष श्री निरंजन नेगी जी अतिथियों को सम्बोधित करते हुए

संस्था अध्यक्ष द्वारा सपत्निक पूजा अर्चना

रंगारंग प्रस्तुति

संस्था के गणमान्य जन

सूत्रधार के रूप में श्रीमति कोशी मठपाल

रंगारंग सामुहिक नृत्य

स्टेज पर सामुहिक भव्य प्रस्तुति

मनमोहक युगल डांस

पर्वतीय बसन्तोत्सव

झलकियाँ – 2023

मातृशक्ति आकर्षक उत्तराखंड के गणवेश में

संगीता ढोंढियाल की मनमोहक प्रस्तुति

भव्य एवं आकर्षक कुमाऊँ रेजीमेन्ट का बैण्ड

भव्य एवं मनमोहक सामुहिक नृत्य

प्रसिद्ध सिने एवं थियेटर आर्टिस्ट श्री हेमन्त पाण्डे जी का अभिनन्दन

संस्था अध्यक्ष एवं अन्य वरिष्ठ जन

पारंपरिक वेशभूषा में महिलाएँ एवं पुरुष द्वारा पहाड़ी नृत्य

उत्साहित समाजजनों का एक विहगंम दृश्य

संस्था की विभिन्न गतिविधियों को मिला शानदार मीडिया कवरेज

उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था ने किया परिचय सम्मेलन का आयोजन

इंदौर। उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था इंदौर रा रविवार को परिचय सम्मेलन का आयोजन :डियम ग्राउंड, जनता कॉलोनी नंदा नगर में ायोजित किया गया। उत्तराखंड सांस्कृतिक स्था समाज के प्रति सदैव योगदान के लिए पर रहती है। संस्था विगत 33 वर्षों से इस र्यक्रम का निरंतर आयोजन करती आ रही । आजयोन में शादी योग्य युवक एवं युवतियों । एक मंच उपलब्ध कराया गया। जिसमें उत्तराखंड के 550 से ज्यादा युवक एवं युवतियों की प्रविष्टियां प्राप्त हुई। परिचय सम्मेलन में युवक-युवतियां एवं समाज के परिवारजन सम्मिलित हुए। सम्मेलन में संस्था की ओर से पंडित और कंप्यूटर से जन्म पत्रिका मिलान की सुविधा भी की गई थी। उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था सदैव समाज के लोगों को जोड़ने तथा उनके उत्थान के लिए हमेशा प्रयासरत रहती है।

उत्तराखंड सांस्कृति संस्था की नई ऑफिस का शुभारंभ

[illegible]

उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था का 33वां पर्वतीय वसंतोत्सव 5 को

इंदौर » दबंग रिपोर्टर

[illegible]

[illegible]

उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था का पर्वतीय वसंतोत्सव का आगाज

इंदौर » दबंग रिपोर्टर

मां अहिल्याबाई की कर्मभूमि में सोमवार उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था का पर्वतीय वसंतोत्सव का भव्य आगाज हुआ। इसमें बॉलीवुड के प्रसिद्ध कलाकार हेमंत पांडेय एवं प्रसिद्ध गायिका संगीता ढौंडियाल ने शिरकत की। भारतीय सेना का गौरव कुमाऊं रेजिमेंट ने भी अपनी प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

उत्तराखंड की माता नंदा देवी का डोला प्रस्तुति ने सभी उत्तराखंड के लोगों को मां नंदा देवी का साक्षात आशीष प्राप्त हुआ। आज के इस कार्यक्रम में लगभग 4000 उत्तराखंड के इंदौर, देवास, पीथमपुर निवासियों ने कार्यक्रम का आनंद उठाया। भोपाल के कलाकारों ने भी इस कार्यक्रम में प्रस्तुति देकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। आज के पर्वतीय वसंतोत्सव ने साबित कर दिया कि अगर आपकी अपनी सभ्यता एवं संस्कृति के प्रति पवित्र इच्छा शक्ति और आप अपने जड़ों से जुड़े हो तो उसको सहेजा एवं संजोया रखा जा सकता है।

4 | इंदौर, सोमवार 6 फरवरी 2023 | प्रभातकिरण

[illegible]

उत्तराखंड के रंग में रंगी मालवा की माटी

उल्लास : सांस्कृतिक कार्यक्रम में दी प्रस्तुति, प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

[illegible]

उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था
कार्यकारिणी

(बांऐ से दांयें) – श्री देवीदत्त भट्ट (सहसचिव), श्रीमती सीमा डंगवाल (सचिव), श्री मीर रंजन नेगी (अध्यक्ष), श्री के.के. पुनेठा (उपाध्यक्ष), श्री सोहन सिंह रावत (कोषाध्यक्ष)

उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था
महिला सदस्य एवं कार्यकारिणी

खड़े हुए (बांए से दांए – यथायोग्य कुमारी/श्रीमती)– हिमांशी जोशी, सुनीता रावत, जानकी भरद्वाज, शशी पटेल, कमला भट्ट, मोहिनी रावत, राजेश्वरी मैंदोला, विनिता रावत, पूनम पंत, श्वेता नेथानी, अंजली बिष्ट, अंजना पेटवाल, अनिता रावत, राजेश्वरी शर्मा, सोनिया पाण्डे, रश्मि भण्डारी

बैठे हुए (बांए से दांए – यथायोग्य कुमारी/श्रीमती)– पायल कंडारी, माया बिष्ट, देवीदत्त भट्ट (सहसचिव), सीमा डंगवाल (सचिव), मीर रंजन नेगी (अध्यक्ष), के.के. पुनेठा (उपाध्यक्ष), सोहन सिंह रावत (कोषाध्यक्ष), शशी बडोला, हर्षिता ढोंढियाल

उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था
पुरुष सदस्य एवं कार्यकारिणी

खड़े हुए (दांऐ से बांऐ) – श्री विपिन रावत, श्री रघुवीर सिंह रावत, श्री यतेन्द्रसिंह रावत, श्री सतीश पाण्डे, श्री संजय ठाकुर, श्री हरीश मैंदोला, श्री विजेश रावत, श्री दिनेश पंत, डॉ. राजीव भट्ट, श्री अनिल पाण्डे, श्री राकेश नेगी, श्री संजय चौहान, श्री सेन सिंह रावत।

बैठे हुए (दांऐ से बांऐ)– श्री दिनेश मैंदोला, श्री सतीशचन्द्र ढोंढ़ियाल, श्री देवीदत्त भट्ट (सहसचिव), श्रीमती सीमा डंगवाल (सचिव), श्री मीर रंजन नेगी (अध्यक्ष), श्री के.के. पुनेठा (उपाध्यक्ष), श्री सोहन सिंह रावत (कोषाध्यक्ष), श्री यशवंत सिंह बिष्ट।

अपनों के संग, दशहरा-दिवाली मिलन के रंग

झलकियाँ - 2023

समाजजन आनंदित रूप से समूह में

रंगारंग सामुहिक प्रस्तुति

कार्यक्रम का आनंद लेते हुए समाज की महिलाएँ

कैलाश विजयवर्गीय जी की गरिमामय उपस्थिति

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री माननीय धामीजी समाजजनों को सम्बोधित करते हुए

समाजजन आनंदित मुद्रा में

आदरणीय मुख्यमंत्री जी के साथ समाज के गणमान्य जन

माननीय धामीजी समाजजनों का अभिवादन करते हुए

उत्तराखंड दर्पण 2023-2024

विशेष सम्माननीय सदस्य

श्री चिंतामणी मैन्दोला (संस्थापक एवं मार्गदर्शक) | स्व. श्री कृष्ण जुगरान (पूर्व अध्यक्ष) | श्री अजय उनयाल (पूर्व अध्यक्ष) | श्री वाय.एस. बिष्ट (पूर्व अध्यक्ष) | श्री देवेन्द्र रावत (पूर्व अध्यक्ष) | श्री महिपालसिंह जीना (पूर्व सचिव) | श्री उमेश त्रिपाठी (पूर्व उपाध्यक्ष) | कर्नल वाय.एस. राजपूत (मार्गदर्शक)

श्री दिनेश मैन्दोला | श्री सुभाष भट्ट | श्री आशुतोष पाण्डे | श्री राजेश पाण्डे | श्री प्रकाश मैन्दोला | श्री सतीश ढौंढियाल | श्री रघुवीर सिंह रावत (पूर्व सह सचिव) | श्री अनिल डंडरियाल (जॉली)

श्री संदीपसिंह रावत | श्री सोहनसिंह रावत (रामा) | श्री चन्द्रदत्त बिनवाल (पूर्व कोषाध्यक्ष) | श्री अजय सनवाल | श्री ध्यानसिंह रावत | श्री संजय ठाकुर | श्री हेमराज नेगी | श्री जगदीश पपने

श्री बी.एस. भंडारी | श्री हरीश मैन्दोला | श्री पंकज ठाकुर | श्री अनिल पाण्डे | श्री राकेश नेगी | श्री दयाकिशोर तिवारी | श्री दिनेश मठपाल | श्री सेनसिंह रावत

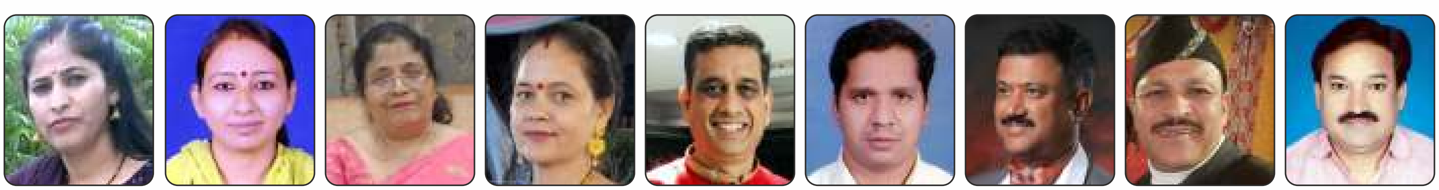

श्रीमती जानकी भरद्वाज | श्रीमती अनिता बिष्ट | श्रीमती अनिता शर्मा | श्रीमती मीरा मठपाल (कोशी) पूर्व सचिव | श्री महीपालसिंह रावत | श्री भगतसिंह राणा | श्री जसवंतसिंह बिष्ट (मह्) | श्री सुनील कोठारी (मह्) | श्री जयपालसिंह पटवाल

श्री मनीराम शर्मा | श्री कुँवरसिंह राजपूत | श्री यतेन्द्रसिंह रावत | श्री वीरेन्द्रसिंह रावत | श्री राजेन्द्रसिंह रावत | श्री जितेन्द्र नेगी | श्री जगतसिंह रावत | श्री दीपक रावत (मह्) | श्री सुरेन्द्र सिंह गोसाइ

M.R. NEGI SPORTS ACADEMY

our aim is pursuit to perfection

Morning & Evening Batches

Let's take a step forward to healthy life...

Badminton

Table Tennis

Zumba & Aerobics

M.R. NEGI SPORTS ACADEMY

35, Sarv Suvidha Nagar Ext. Bicholi Road, Near Bengali Square, Ring Road, Indore

Contact : Vijesh Rawat 94250 52102

AMIT ARORA
Cell : 9977333731, 9425478647

NEW ARORA HARDWARE & PAINTS

Plot No. 10, Scheme No. 78, Part II, Nakshatra/LCH Road
Vijay Nagar, Indore Ph.: 0731-4972528
Email : newarorapaints54@rediffmail.com
newarora78@gmail.com

भावपूर्ण श्रद्धांजली

आत्मीय वन्दन

स्वर्गीय सौ. सींदादेवी रावत

श्रद्धावनत्

लक्ष्मी, सुरेन्द्र, उर्मिला, भूपेन्द्र एवं रावत परिवार

भावपूर्ण श्रद्धांजली

आत्मीय वन्दन

स्वर्गीय श्री विजेन्द्र पाल सिंह रावत

(Asstt. Comdt. C.R.P.F.)

जन्म दिनांक : 21.12.1938 श्री हरि मिलन : 13.10.2019

श्रद्धावनत्

श्रीमती विनिता – श्री मीररंजन नेगी
श्री विजेश रावत – श्रीमती शिवा रावत
श्रीमती विजया – श्री मदन सिंह नेगी
श्रीमती वैशाली – श्री नन्दकिशोर सिंह नेगी

भावपूर्ण श्रद्धांजली

आत्मीय वन्दन

स्वर्गीय श्रीमती कान्ता रावत

जन्म दिनांक : 25.12.1937 श्री हरि मिलन : 31.10.2023

श्रद्धावनत्

श्रीमती विनिता – श्री मीररंजन नेगी
श्री विजेश रावत – श्रीमती शिवा रावत
श्रीमती विजया – श्री मदन सिंह नेगी
श्रीमती वैशाली – श्री नन्दकिशोर सिंह नेगी

OYSTER

Purasure®

The Promise of Good Health

सेहत का Daily Dose

Pure भी
Sure भी

For Trade Enquiry : ☎ +91-731-4989000, 9993566932, 9755097225, 9993310398

Nutri Uncle™ | Abhiarnav | Abhiraj

A PREMIUM QUALITY PRODUCT OF

SOYA CHUNKS | SEASONINGS | SNACKS

FUEL YOUR DAY WITH NUTRI UNCLE SOYA POWER

99% Fat Free

NON GMO

ABHIARNAV FOOD PRODUCTS LLP.

Regd. Office 101, Rituraj Business Centre Bypass Road, Bicholi Mardana, Indore 452016 (M.P)

Factory Address 62, Gajanand Industrial Park, Gram Asrawad Bujurg, Nemawar Road, Indore-452016 (M.P.).

Cell: 9977093027, E-mail: abhiarnav75@gmail.com

एस.एस.एल. रियल इस्टेट

सी-3, लाहिया कालोनी, कबीटखेड़ी, इन्दौर

प्रोपराइटर
सुंदर सिंह लाहिया
मो.: 94250 81478

रिया सिविटेक कांट्रेक्टर प्राइवेट लिमिटेड

ई.एच.-74, स्कीम नं. 54, विजय नगर, इन्दौर

प्रोपराइटर
सुंदर सिंह लाहिया
मो.: 94250 81478

लाहिया ब्रदर्स टूर एंड ट्रेवल्स

दुकान नं. 07, नवलखा बस स्टेण्ड, इन्दौर

प्रोपराइटर
सुंदर सिंह लाहिया
मो.: 94250 81478

ग्वेल देवता मंदिर चमडखान (रानीखेत) अल्मोड़ा

लेखक– जितेन्द्र सिंह नेगी
रानीखेत, अल्मोड़ा

उत्तराखंड में जहां लोग पौराणिक देवताओं शिवजी , श्रीराम चन्द्र जी ,मा दुर्गा , श्री कृष्ण ,हनुमान जी आदि की पूजा करते हैं। उससे अधिक वे अपने स्थानीय देवी –देवताओं को अधिक मानते हैं ।

जिसमें ग्वेलदेवता, हरूहीत, सैम, कल बिष्ट, हरजू, भूमिया, सत्यनाथ, भोलेनाथ, गंगनाथ, ऐडी, भैरव, चामू, नंदा देवी, गर देवी, ज्वालपा देवी, जिया रानी झाली माली, झूला देवी आदि हैं। कुमाऊं में हरु, सैम ग्वेल देवता अधिक प्रचलित है इनकी समय–समय पर जागर व पूजा होती रहती है ।इनका समय चंपावत के राजा ज्ञानचंद जिनका राज्य काल सन 1374 से 1419 ई. बताया जाता है। चंपावत के समीप गोरिल चौड तथा जागेश्वर के समीप झाकर सैम के समीप इनका राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र थे ।गोरिया (ग्वेल देवता) को न्याय का देवता कहा जाता है। जन्म लेते ही इन्हें गोरी नदी में बहाये जाने के कारण इनका नाम गोरिया भी कहा गया है। गुलेल का निशानेबाज होने के कारण इन्हें ग्वेल कहते हैं। यह कुमाऊं में ही नहीं गोरिया नाम से उत्तर प्रदेश के पूर्वी जिलों में भी प्रसिद्ध है। कहते हैं टिहरी के राजा सुदर्शन शाह ने गोरिल की पूजा पर प्रतिबंध लगा दिया था परंतु अब तो गढ़वाल क्षेत्र में भी ग्वेल देवता की पूजा होती है।

यह भी विश्वास किया जाता है कि यह बलपूर्वक अपनी पूजा लेता है। ग्वेल देवता के संबंध में यह कहा जाता है कि कुमाऊं के गालिस्यूकोट (चंपावत) में किसी समय राजा आशुराई का राज्य था। उसने पौत्र राजा झालूराई के सात विवाह होने पर भी कोई संतान नहीं थी। ज्योतिषी के कहने पर आठवीं विवाह से संतानों उत्पत्ति होगी। इसलिए उन्होंने हिमालय की तलहटी में स्थित किसी राज्य की राजा कालानर की सुंदर कन्या कालिका से आठवीं शादी की। कालिका गर्भवती हुई। जब प्रसव काल निकट आया तो झालूराई को जरूरी काम से कहीं बाहर जाना पड़ा जाते समय वह आदेश दे गया कि यदि रानी का पुत्र हो तो सामने टंगी हुई घंटी बजा देना। अन्य सातो रानियों ने सौतिया डाह से षड्यंत्र रचा। प्रसव के समय रानी कालिका के आंखों में पट्टी बांधकर नवजात शिशु के स्थान पर सिल का बट्टा रख दिया। और ऐसा ही प्रचारित कर दिया। नवजात शिशु को मारने के लिए उन्होंने अनेक प्रयास किए। किंतु वहां विलक्षण बालक मरा नहीं। तब उन्होंने शिशु को लोहे के संदूक में बंद कर गोरी नदी में बहा दिया। संयोगवश वह बक्सा मानाथीवर नामक एक मछुआरे के हाथ लग गया। उसी ने इस बालक का लालन पोषण किया। बालक अत्यंत मेधावी था। और हर समय गुलेल हाथ पर रखता था। इतना ही नहीं उसे अपने जन्म से संबंधित सभी घटनाएं याद थी। बड़ा होकर जब यह बालक पिता की राजधानी पहुंचा तो उसने सारी आपबीती राजा को बताई। राजा ने क्रोध से सातों रानियों की आंखें निकाल दी। और बालक को राजा बना दिया। कालांतर में यह अत्यंत न्याय प्रिय राजा सिद्ध हुआ। जिसको कहीं न्याय नहीं मिलता वह गोरिल के पास आता था। मृत्यु के बाद भी ग्वेल राजा देवता के रूप में पूजे जाने लगे। आज भी जिन स्थानों पर ग्वेल देवता के मंदिर हैं वहां पर न्याय तथा अपनी मनोकामना हेतु स्टांप पेपर व पत्रों में लिखकर मन्दिर मे टांगे जाते हैं। और मनोकामना पूर्ण होने तथा न्याय मिलने पर घंटा और बकरियां चढाते हैं। कुमाऊं में ग्वेल देवता के मंदिर चंपावत, गरुड़, उदयपुर, मनारी, मानिल, कुमौड, गागर, रानीबाग, छानागोलू आदि में हैं। जिनमें चंपावत, चितई, घोड़ाखाल और चमड़खान के मंदिर बहुत प्रसिद्ध है।

चमडखान ग्वेल देवता का मंदिर– यह मंदिर रानीखेत से 25 किलोमीटर तथा रामनगर से 90 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यहां से प्रसिद्ध बिनसर महादेव का मंदिर मात्र 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इस मंदिर के चारों ओर गांव बसे हैं। यह मंदिर चीड़ के विशालकाय पेड़ों के बीच में स्थित है। कहा जाता है कि जब से यहां पर मंदिर की स्थापना हुई तब से यह पेड़ है। इस मंदिर के पूर्व की ओर दूनागिरि, त्रिशूल तथा अनेक लघु हिमालय की बर्फ से ढकी चोटियां साफ दिखाई देती हैं। पश्चिम की ओर मानिला देवी मंदिर की चोटी तथा पौड़ी गढ़वाल की चोटियां दिखाई देती हैं। यह स्थान सुंदर रमणीक और स्वास्थ्यवर्धक है। कहा जाता है कि ग्वेल (राजा) देवता जब अपने भ्रमण के दौरान कुमाऊं के चितई, घोड़ाखाल आदि स्थानो में गए थे। तो वे इस स्थान पर भी आए तब से इस मंदिर की स्थापना हुई है। इस स्थान का नाम चमडखान कैसे पड़ा इस संबंध में लोगों में अनेक विचार हैं कहते हैं मंदिर के आसपास अनेक मकानो की छत बनाने के लिए जो पतला सा पत्थर अर्थात स्लेट के समान होता था उसकी खाने थी। जिनको चमड़सिंह नामक व्यक्ति ने खोदा था। इसीलिए इस क्षेत्र का नाम चमड़खान रखा गया। यहां पर वर्ष भर श्रद्धालु पूजा करने आते रहते हैं। विशेष कर चैत और कार्तिक की नवरात्रियों और गर्मियों में अधिक आते हैं।

यहां पर श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूर्ण होने पर घंटियां तथा बकरी चढ़ाने आते हैं। बलि प्रथा पर रोक लगने के बावजूद भी अभी भी छुटपुट बकरियों की बलि दी जाती है। परंतु यह मंदिर प्रांगण से बाहर दी जाती है। यहां पर हर वर्ष बैसाखी को बहुत बड़ा मेला लगता है। विभिन्न गांवों से लोग नगाड़ा–निशाण लेकर यहां पर आते हैं। और झोडे गाए जाते हैं। यहां पर एक छोटी सी बाजार भी है। शाम के समय यहां पर गांवों से लोग घूमने अधिक आते हैं। यहां एक आयुर्वेदिक अस्पताल और एलोपैथिक अस्पताल, पोस्ट ऑफिस, पटवारी चौकी है। यहां से 2 किलोमीटर की दूरी पर राजकीय इंटर कॉलेज बंगोड़ा है। यहां पर पहले पेयजल की बड़ी समस्या थी। परंतु अब रामगंगा लिफ्ट पेयजल योजना आने से पानी की कमी नहीं है। मंदिर प्रांगण में ग्वेल देवता मंदिर के अलावा मां दुर्गा, हनुमान जी भैरव का मंदिर भी है। यहां पर कई धर्मशाला और एक छोटे बच्चों का स्कूल भी बना हुआ है। मंदिर में बहुत बड़ा प्रांगण है। और स्थान –स्थान पर बैठने के लिए जिला पंचायत द्वारा बैंच लगाए गए हैं। यह स्थान पर्यटन की दृष्टि से बहुत सुंदर है। परंतु अभी तक यहां पर जनप्रतिनिधियों तथा सरकार द्वारा कोई ऐसी पहल नहीं की गई है कि यहां पर कोई पर्यटन केंद्र या रेस्ट हाउस खोला गया हो। यहां पर यदि कोई पर्यटन केंद्र या कुमाऊँ मंडल विकास निगम द्वारा रेस्ट हाउस खोल दिया जाए तो यहां पर बाहर से पर्यटक भी निरंतर आते रहेंगे।

उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था इन्दौर (म.प्र.)

सदस्यता हेतु आवेदन-पत्र

अध्यक्ष सदस्यता क्रमांक ....

उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था, इन्दौर दिनांक ....

प्रिय महोदय,

मैं उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था की सदस्यता प्राप्त करना चाहता हूँ/चाहती हूँ। इस हेतु सदस्यता शुल्क रु. .... का भुगतान करता / करती हूँ।

मैं यह घोषणा करता / करती हूँ कि मैं संस्था के नियमों तथा समय-समय पर संस्था की कार्यकारिणी द्वारा लिये गये निर्णयों का पालन करुंगा/करुंगी। मेरा पूर्ण विवरण निम्नानुसार है–

1. सदस्य का पूरा नाम ....
2. पिता/पति का नाम ....
3. इन्दौर में स्थित पता ....
4. फोन .... मोबाईल .... ई-मेल ....
5. पर्वतीय अंचल में स्थित निवास से संबंधित स्थान का विवरण : ग्राम ....

   पो.ऑ. .... तहसील .... जिला ....
6. आयु .... वर्ष ....
7. व्यवसाय ....
8. यदि इन्दौर शहर में स्वयं के स्वामित्व का आवास हो .... हाँ/नहीं
9. वैवाहिक विवरण .... विवाहित/अविवाहित।
10. परिवार के अन्य सदस्यों का विवरण ....

नाम	जन्मतिथि	सदस्य से संबंध	व्यवसाय	विवाहित/ अविवाहित	अन्य विवरण

उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था इन्दौर (म.प्र.)

सामुहिक वैवाहिक परिचय सम्मेलन

प्रत्याशियों का व्यक्तिगत परिचय

1. नाम युवक/युवती : ....

2. उम्र : ....

3. शैक्षणिक योग्यता : ....

4. रंग : ....

5. कद : ....

6. सर्विस में है या नहीं (उल्लेख करें) : ....

7. पत्रिका में मांगलिक प्रसंग है (उल्लेख करें) : ....

8. प्रत्याशी के पिता का नाम : ....

9. सम्पर्क पता : ....

....

10. पिता का व्यवसाय : (पूर्ण उल्लेख करें)

    1. सर्विस में : ....

    2. व्यवसाय में : ....

11. माता का नाम : ....

12. पिता का गोत्र : ....

13. माता का गोत्र : ....

विशेष : 1. उक्त प्रविष्ठियाँ भरकर संस्था कार्यालय को पहुंचायें।

2. जनहित में इस फार्म की फोटो कॉपी अपने सभी इच्छुक परिचितों में बँटवाने का कष्ट करें एवं हमारी संस्था की वेबसाईट पर निःशुल्क प्रकाशित करवायें।

प्रत्याशी के हस्ताक्षर

विवाह योग्य युवतियों की सूची

नाम : पूजा लोहनी | पिता : स्व. श्री गणेश दत्त लोहनी
जन्मतिथि : 28.10.1994 | शिक्षा : एम.एस.सी./बी.एड. | कद : 5.2
पता/मूल निवास : गरूड़ तल्ला भेंटा, बागेश्वर | मो.: 9720113539

नाम : डॉ. मोनिका जोशी | पिता : श्री
जन्मतिथि : 07.07.1989 | शिक्षा : एम.व्ही.एस.सी. (पंतनगर) | कद : -
पता/मूल निवास : अल्मोड़ा | मो.: 7579225128

नाम : प्रशन्सा (मिनी) जोशी | पिता : श्री जगदीश जोशी
जन्मतिथि : 26.12.1991 | शिक्षा : एम.कॉम. | कद : 5.5
पता/मूल निवास : पिथोरागढ़ | मो.: 9910290910, 9650060873

नाम : तनूश्री पंत | पिता : श्री राजेन्द्र कुमार पंत
जन्मतिथि : 03.06.1993 | शिक्षा : एम.सी.ए. | कद : 5.3
पता/मूल निवास : - | मो.: 9410118179

नाम : शिवानी पंत | पिता : श्री टी.सी. पंत
जन्मतिथि : 28.10.1994 | शिक्षा : एम.एस.सी./पी.एच.डी. | कद : 5.0
पता/मूल निवास : हल्दवानी | मो.: 8077314604, 9412478736

नाम : दीक्षा जोशी | पिता : केप्टन नरेन्द्र जोशी
जन्मतिथि : 07.03.1992 | शिक्षा : एल.एल.बी. | कद : 5.3
पता/मूल निवास : - | मो.: 9004048830, 9899580043

नाम : खुशी पाठक | पिता : श्री एन.बी. पाठक
जन्मतिथि : 07.12.1994 | शिक्षा : बी.टेक. | कद : 5.1
पता/मूल निवास : हरखोला, बागेश्वर | मो.: 8449642291

नाम : रुचिरा जोशी | पिता : श्री रवीन्द्र जोशी
जन्मतिथि : 11.06.1992 | शिक्षा : बी.आर्क. | कद : 5.2
पता/मूल निवास : लखनऊ | मो.: 8189081556, 7849907412

नाम : मीनाक्षी पंत | पिता : स्व. श्री जी.डी. पंत
जन्मतिथि : 08.03.1980 | शिक्षा : बी.एस.सी., बी.एड., सी.टेट | कद : 5.2
पता/मूल निवास : - | मो.: 9413947719

नाम : **सौम्या जोशी** **पिता** : **श्री मनोज जोशी**
जन्मतिथि : 05.04.1997 **शिक्षा** : बी.ई. **कद** : 5.2
पता/मूल निवास : हरिहर, कर्नाटक **मो.**: 9425986915, 9575282343

नाम : **डॉ. निधि जोशी** **पिता** : **श्री हरीशचन्द्र जोशी**
जन्मतिथि : 08.09.1994 **शिक्षा** : एम.एस.सी./पी.एच.डी. **कद** : 5.2
पता/मूल निवास : गरुड़ बैजनाथ, बागेश्वर **मो.**: 7830106018, 7817031102

नाम : **लक्ष्मी जोशी** **पिता** : **श्री**
जन्मतिथि : 22.01.1991 **शिक्षा** : एम.कॉम./बी.एड./पी.एच.डी. **कद** : 5.4
पता/मूल निवास : - **मो.**: 8882423605

नाम : **स्वाती मिश्रा** **पिता** : **डॉ. कैलाश सी मिश्रा**
जन्मतिथि : 11.06.1995 **शिक्षा** : एम.ए./बी.एड. **कद** : 5.6
पता/मूल निवास : अल्मोढ़ा, जिला बागेश्वर **मो.**: 8769110077, 9654649350

नाम : **ममता जोशी** **पिता** : **श्री**
जन्मतिथि : 22.01.1999 **शिक्षा** : बी.कॉम./बी.एड. **कद** : 5.0
पता/मूल निवास : गोमती नगर, लखनऊ (उ.प्र.) **मो.**: 7068554926, 8081394267

नाम : **राधा खुलबे** **पिता** : **श्री**
जन्मतिथि : 01.09.1992 **शिक्षा** : एम.बी.ए. **कद** : 5.2
पता/मूल निवास : सीम गांव, तहसील भिकयासेन **मो.**: 9411596926, 8279634050

नाम : **नमीता तिवारी** **पिता** : **श्री एस.के. तिवारी**
जन्मतिथि : 03.06.1993 **शिक्षा** : एम.बी.ए. **कद** : 5.5
पता/मूल निवास : बागेश्वर **मो.**: 9758148766, 8859067330

नाम : **नंदीता तिवारी** **पिता** : **डॉ. निर्मल कुमार तिवारी**
जन्मतिथि : 23.02.1995 **शिक्षा** : बी.टेक./एम.ए. **कद** : 5.3
पता/मूल निवास : थापलिया, अल्मोड़ा, उत्तराखंड **मो.**: 8355815483, 9410391877

नाम : **निकिता उपाध्याय** **पिता** : **श्री गिरिजा नन्दन**
जन्मतिथि : 27.09.1998 **शिक्षा** : बी.टेक. **कद** : 166 सेमी.
पता/मूल निवास : नन्दी गांव **मो.**: 9901971875, 8722414999

नाम : **यामिनी पाण्डे** **पिता** : **श्री जे.के. पाण्डे**
जन्मतिथि : 16.05.1995 **शिक्षा** : एम.एस.सी./पी.एच.डी. **कद** : 5.3
पता/मूल निवास : जभार पो.ऑ. बसाई, तहसील स्यालदे, अल्मोड़ा **मो.**: 9213139174

नाम : रुपाली तिवारी पिता : श्री डी.के. तिवारी
जन्मतिथि : 07.01.1994 शिक्षा : एम.टेक. कद : 5.5
पता/मूल निवास : लखनऊ मो.: 9451090832, 9580167426

नाम : भावना जोशी पिता : श्री सुरेशचन्द्र जोशी
जन्मतिथि : 27.11.1992 शिक्षा : बी.एस.सी./बी.एड. कद : 5.0
पता/मूल निवास : डूंगराकोट, चम्पावत मो.: 7248335596, 9536726881

नाम : दिव्यांशु तिवारी पिता : श्री वाय.के. तिवारी
जन्मतिथि : 19.11.1991 शिक्षा : बी.टेक. कद : 5.10
पता/मूल निवास : घागलोरी, द्वारहाट मो.: 9878866155, 9915720388

नाम : दीक्षा त्रिपाठी पिता : श्री बिपिनचन्द्र त्रिपाठी
जन्मतिथि : 03.06.1994 शिक्षा : एम.टेक. कद : 5.1
पता/मूल निवास : अल्मोड़ा मो.: 7525044050, 6392418609

नाम : शिल्पा गोडियाल पिता : श्री चन्द्रमोहन गोडियाल
जन्मतिथि : 09.09.1991 शिक्षा : पी.एच.डी. कद : 5.1
पता/मूल निवास : रुद्रप्रयाग, उत्तराखण्ड मो.: 9819714246, 9820549356

नाम : पल्लवी नेगी पिता : श्री
जन्मतिथि : 10.02.1993 शिक्षा : बेचलर ऑफ डिजाइन कद : 5.4
पता/मूल निवास : लखनऊ मो.: 9451051815

नाम : सरोजनी कुँवर पिता : श्री आर.एस. कुँवर
जन्मतिथि : 08.06.1984 शिक्षा : बी.ए. कद : 5.4
पता/मूल निवास : कुरन गांव, टिहरी गढ़वाल मो.: 8268745995

नाम : प्रिया भण्डारी पिता : श्री अब्बलसिंह भण्डारी
जन्मतिथि : 18.02.1995 शिक्षा : टी.वाय. बी.एम.एस. कद : 5.2
पता/मूल निवास : पौढ़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड मो.: 8691951693, 8928368736

नाम : रितु आर्य पिता : श्री मदन सिंह आर्य
जन्मतिथि : 25.08.1990 शिक्षा : सी.ए. कद : 5.3
पता/मूल निवास : मटेला, काफरा, तहसील रानीखेत, अल्मोड़ा मो.: 9971085743

विवाह योग्य युवकों की सूची

नाम : **अंकित जोशी** **पिता** : **श्री विजय जोशी**
जन्मतिथि : 08.01.1991 **शिक्षा** : एम.बी.ए./बी.टेक **कद** : 5.8
पता/मूल निवास : एच.आई.जी. फ्लेट सेक्टर 105, दिल्ली **मो.**: 9716603847, 9716742346

नाम : **शैलेष तिवारी** **पिता** : **श्री**
जन्मतिथि : 20.12.1986 **शिक्षा** : बी.टेक. मेकेनिकल **कद** : 5.7
पता/मूल निवास : पालुरा (रानीखेत) **मो.**: 9810752252

नाम : **शुभम तिवारी** **पिता** : **श्री के.एन. तिवारी**
जन्मतिथि : अक्टूबर 1995 **शिक्षा** : बी.टेक./एम.बी.ए. **कद** : 5.9
पता/मूल निवास : रानीखेत, अल्मोड़ा **मो.**: 9419037181

नाम : **एम. जोशी** **पिता** : **श्री**
जन्मतिथि : 07.01.1999 **शिक्षा** : एम.बी.ए. **कद** : 5.6
पता/मूल निवास : काशीपुर, नैनीताल **मो.**: 7850013482

नाम : **गौरव पंत** **पिता** : **श्री हरिश चन्द्र पंत**
जन्मतिथि : 12.05.1993 **शिक्षा** : बी.टेक.(आई.टी.) **कद** : 5.8
पता/मूल निवास : पिथोरागढ़ **मो.**: 9997213828

नाम : **अक्षय पोखरियाल** **पिता** : **श्री**
जन्मतिथि : 22.01.1983 **शिक्षा** : बी.बी.ए. **कद** : 5.10
पता/मूल निवास : लखनऊ **मो.**: 7307231464, 7607276242

नाम : **आशुतोष जोशी** **पिता** : **श्री सी.डी. जोशी**
जन्मतिथि : 04.12.1993 **शिक्षा** : एम.सी.ए. **कद** : -
पता/मूल निवास : बागेश्वर **मो.**: 9027335804, 8954359435

नाम : **ललित मोहन भट्ट** **पिता** : **श्री**
जन्मतिथि : 18.07.1987 **शिक्षा** : आई.टी. डिग्री **कद** : 6.0
पता/मूल निवास : टिहरी गढ़वाल **मो.**: 7811468372

नाम : **अजय उपध्याय** **पिता** : **श्री एन.सी. उपध्याय**
जन्मतिथि : 01.08.1998 **शिक्षा** : बी.टेक. **कद** : 5.11
पता/मूल निवास : बागेश्वर (खोलीगांव) **मो.**: 9346086457

नाम : **अनिल कुमार कुकरेती**	**पिता** : **स्व. श्री. ओमप्रकाश कुकरेती**	
जन्मतिथि : 24.12.1973	**शिक्षा** : आई.टी.आई. सिविल	**कद** : 5.5
पता/मूल निवास : सेक्टर-15, रोहिनी, दिल्ली-110089		**मो.** : 9873103359, 9968423430

नाम : **संजय पाण्डेय**	**पिता** : **श्री श्यामसुन्दर पाण्डेय**	
जन्मतिथि : 04.12.1989	**शिक्षा** : एम.बी.ए./बीटेक	**कद** : 172 से.मी.
पता/मूल निवास : बिठोरिया नं. 1, हल्द्वानी		**मो.** : 9410176545

नाम : **अंकित पंत**	**पिता** : **श्री**	
जन्मतिथि : 17.09.1991	**शिक्षा** : बी.टेक.	**कद** : 5.11
पता/मूल निवास : पिथोरागढ़		**मो.** : 8319324118, 9857329052

नाम : **चित्ररंक पाण्डे**	**पिता** : **श्री किरित के. पाण्डे**	
जन्मतिथि : 23.03.1993	**शिक्षा** : बी.टेक.	**कद** : 5.11
पता/मूल निवास : -		**मो.** : 9412928483

नाम : **डॉ. एन.जोशी**	**पिता** : **श्री**	
जन्मतिथि : 26.11.1996	**शिक्षा** : एम.एस.सी./पी.एच.डी.	**कद** : 5.4
पता/मूल निवास : हल्दवानी		**मो.** : 8445510221, 9457512948

नाम : **रितेश पाण्डे**	**पिता** : **श्री**	
जन्मतिथि : 22.11.1992	**शिक्षा** : बी.टेक./एम.एस. (आई.टी.)	**कद** : -
पता/मूल निवास : दिल्ली		**मो.** : -

नाम : **प्रतीक जोशी**	**पिता** : **श्री सुरेश जोशी**	
जन्मतिथि : 21.02.1992	**शिक्षा** : बी.ई. (कम्प्यूटर साईंस)	**कद** : 6.0
पता/मूल निवास : रतलाम (म.प्र.)		**मो.** : 7869338387

नाम : **अनुराग पाण्डे**	**पिता** : **श्री टी.के. पाण्डे**	
जन्मतिथि : 07.10.1990	**शिक्षा** : बी.टेक./एम.बी.ए.	**कद** : 5.8
पता/मूल निवास : -		**मो.** : 9871897245

नाम : **पंकज राशि**	**पिता** : **श्री हरीश उप्रेती**	
जन्मतिथि : 04.05.1995	**शिक्षा** : बी.टेक.	**कद** : 5.10
पता/मूल निवास : -		**मो.** : 9411543894

नाम : **अमित भट्ट**	**पिता** : **श्री हरीशचन्द्र भट्ट**	
जन्मतिथि : 23.07.1993	**शिक्षा** : एम.टेक.	**कद** : -
पता/मूल निवास : पिथोरागढ़		**मो.** : 9557731803

नाम : **कीर्तार्थ जोशी** **पिता** : **केप्टन नेरन्द्र जोशी**
जन्मतिथि : - **शिक्षा** : बी.टेक./एम.एस. **कद** : 5.8
पता/मूल निवास : - **मो.**: 9004048830, 9899580043

नाम : **मयंक लोहानी** **पिता** : **श्री पी.सी. लोहानी**
जन्मतिथि : 31.03.1996 **शिक्षा** : बी.टेक. **कद** : 5.8
पता/मूल निवास : कथगोदाम **मो.**: 9411323639, 7300579430

नाम : **ललित सती** **पिता** : **श्री दिनेश चन्द्र सती**
जन्मतिथि : 15.10.1989 **शिक्षा** : एम.बी.ए. **कद** : 5.8
पता/मूल निवास : दिलशाद गार्डन, न्यू दिल्ली **मो.**: 8860798680, 9990019915

नाम : **गौरव जोशी** **पिता** : **श्री पूरनचन्द्र जोशी**
जन्मतिथि : 07.08.1995 **शिक्षा** : बी.टेक. **कद** : 5.8
पता/मूल निवास : बाराकोना, धोलादेवी, अल्मोढ़ा **मो.**: 9837491581, 7669450490

नाम : **अदित्या उपरेती** **पिता** : **श्री ललित मोहन उपरेती**
जन्मतिथि : 13.07.1991 **शिक्षा** : बी.टेक. **कद** : 5.7
पता/मूल निवास : कपीना मोहल्ला, झकन देवी, अल्मोड़ा (उत्तराखण्ड) **मो.**: 9997192777

नाम : **राहुल जोशी** **पिता** : **श्री के.डी. जोशी**
जन्मतिथि : 05.09.1989 **शिक्षा** : बी.टेक. **कद** : 5.8
पता/मूल निवास : पिथोरागढ़ **मो.**: 8090265286, 7376820283

नाम : **मयंक लोहानी** **पिता** : **श्री पी.सी. लोहानी**
जन्मतिथि : 31.03.1996 **शिक्षा** : बी.टेक. **कद** : 5.8
पता/मूल निवास : कथगोदाम **मो.**: 9411323639, 7300579430

नाम : **विशाल पाण्डे** **पिता** : **श्री सी.एस. पाण्डे**
जन्मतिथि : 17.04.1994 **शिक्षा** : बी.टेक. **कद** : 6.2
पता/मूल निवास : पिथोरागढ़ **मो.**: 9958380787

नाम : **आशीष पंत** **पिता** : **श्री सतीशचन्द्र पंत**
जन्मतिथि : 19.09.1994 **शिक्षा** : बी.टेक. **कद** : 6.3
पता/मूल निवास : पिथोरागढ़ **मो.**: 8958445698, 8979314214

नाम : **गौरव पंत** **पिता** : **श्री बी.पी. पंत**
जन्मतिथि : 29.08.1993 **शिक्षा** : बी.टेक. **कद** : 5.11
पता/मूल निवास : पिथोरागढ़ **मो.**: 9927367425, 9837719744

नाम : अक्षय सूयल पिता : श्री नवीनचन्द्र सूयल
जन्मतिथि : 01.08.1994 शिक्षा : एम.ए. फिजियोलॉजी कद : 5.11
पता/मूल निवास : कथघरिया, हल्दवानी मो.: 9719078402, 8954229440

नाम : मंजूल मयंक पंत पिता : श्री के.एन. पंत
जन्मतिथि : 12.10.1993 शिक्षा : बी.टेक. कद : 6.0
पता/मूल निवास : गंगोलीहाट मो.: 9412169117

नाम : विपुल चौबे पिता : श्री राजू चौबे
जन्मतिथि : 27.09.1994 शिक्षा : बी.टेक./एम.बी.ए. कद : 5.8
पता/मूल निवास : लोहाघाट (सुंई चुबे गांव) मो.: -

नाम : जितेन्द्र जोशी पिता : श्री
जन्मतिथि : 18.11.1995 शिक्षा : बी.टेक. कद : 5.8
पता/मूल निवास : गोमटी नगर, लखनऊ (उ.प्र.) मो.: 7068554927, 8081394267

नाम : एस. पंत पिता : श्री हेमचन्द पंत
जन्मतिथि : 05.03.1994 शिक्षा : एम.टेक. कद : -
पता/मूल निवास : - मो.: 9639762938, 9557559805

नाम : प्रतीक जोशी पिता : श्री सुरेश जोशी
जन्मतिथि : 21.02.1992 शिक्षा : बी.ई. कद : 6.0
पता/मूल निवास : अल्मोड़ा मो.: 7869338387, 9340500322

नाम : सिद्धार्थ रावत पिता : श्री महेन्द्रसिंह रावत
जन्मतिथि : 16.12.1993 शिक्षा : बी.ई. कद : 5.8
पता/मूल निवास : ग्राम गादोली, पत्ती किमगाड़ीगढ़ मो.: 9821028164

नाम : दीपक बिष्ट पिता : श्री मंगल सिंह बिष्ट
जन्मतिथि : 13.10.1983 शिक्षा : एम.बी.ए. कद : 5.0
पता/मूल निवास : चन्दपुर, पौढ़ी गढ़वाल मो.: 9930279780

नाम : सागर रावत पिता : श्री विजय सिंह रावत
जन्मतिथि : 29.08.1996 शिक्षा : बी.टेक. कद : 6.0
पता/मूल निवास : नार्गाजुन, अल्मोड़ा मो.: 9373500985

नाम : अंकित काथेड़ पिता : श्री
जन्मतिथि : 24.09.1993 शिक्षा : बी.टेक. कद : 5.4
पता/मूल निवास : सरकंडा, पत्ती अर्गर, जिला तेहरी गड़वाल मो.: 9869703042, 8356956180

नाम : सागर रावत पिता : श्री विजय सिंह रावत
जन्मतिथि : 29.08.1996 शिक्षा : बी.टेक. कद : 6.0
पता/मूल निवास : नार्गाजुन, अल्मोड़ा मो.: 9373500985

नाम : विक्रम सिंह पिता : श्री
जन्मतिथि : 16.09.1992 शिक्षा : बी.एस.सी. कद : 5.8
पता/मूल निवास : श्रीनगर किलकेलेश्वर, उत्तराखण्ड मो.: 9892832363, 9930547452

नाम : सूरज शर्मा (काला) पिता : श्री दिनेश बी. शर्मा (काला)
जन्मतिथि : 05.05.1988 शिक्षा : सी.आई.ए. कद : 5.8
पता/मूल निवास : - मो.: 9619402056

नाम : बिपिन सकलानी पिता : श्री
जन्मतिथि : 15.10.1978 शिक्षा : बी.कॉम. कद : 5.7
पता/मूल निवास : - मो.: 9819018125

नाम : प्रियंक रावत पिता : श्री दिनेश सिंह रावत
जन्मतिथि : 17.07.1991 शिक्षा : बी.टेक. कद : 5.11
पता/मूल निवास : कोटावाड़ा, पौरी गरवाल, उत्तराखण्ड मो.: 9898969372

नाम : कमलेश रमेश रावत पिता : श्री रमेश रावत
जन्मतिथि : 01.01.1991 शिक्षा : ग्रेजुएट कद : 5.9
पता/मूल निवास : गजेरा, रिंगवाद, जिला पोरी गरवाल मो.: 9326196761, 9821262889

नाम : शुभम पंत पिता : श्री कैलाश चन्द्र पंत
जन्मतिथि : 06.10.1995 शिक्षा : बी.कॉम., एफ.आर.एम. कद : 5.11
पता/मूल निवास : बागेश्वर मो.: 9324704647

उत्तराखंड समाज के श्री डी.एस. चौहान ने अपनी विशिष्ट उपलब्धि से किया गौरवान्वित

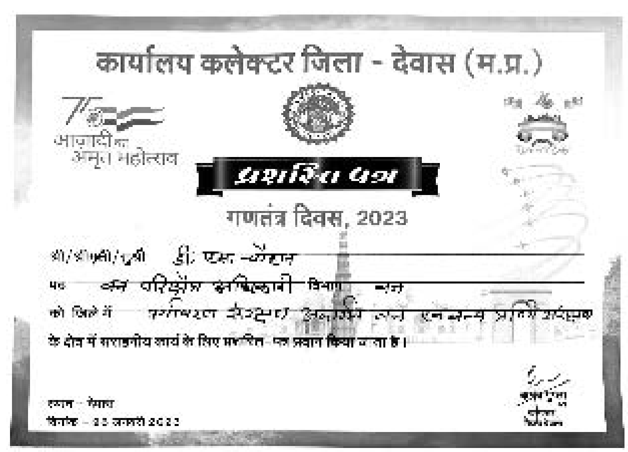

उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था, इन्दौर

सदस्यों की सूची

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
1	अधिकारी जीवनसिंह	एल. आई.जी. कॉलोनी	9977074502
2	अधिकारी आई. एस.	फ्लेट नं. 8, गीतांजलि अपार्टमेन्ट, 15—एन, धनवंतरी नगर, इन्दौर	9977850357
3	अधिकारी गोविंद	3, डी—9, न्यू बापू नगर,	
4	आर्या बी.आर.	नन्दी धाम, आर्मी बार कालेज, महू	9977330908
5	आर्य के.सी.	सी—36/1, आर.आर. केट कॉलोनी, राजेन्द्र नगर,	9425312257
6	आर्य शिवचरण	म. नं. 1/3, मंदाकिनी ब्लॉक, एस.ए. एफ. केवलरी लाईन,	9993437210
7	आर्य गिरिश	बी—6003, शुभम अपार्टमेन्ट, इन्दौर	7000786481
8	आर्य हरिश	बी ब्लॉक, फ्लोर नं. 3, ग्राउण्ड फ्लोर, इन्दौर	9407542499
9	आर्य राजेन्द्र	एम—II, 45, अयोध्या नगरी पुलिस लाईन	9827061260
10	आर्य राजेन्द्र	2/149, अयोध्या नगर, इन्दौर	9927061260
11	आर्य भारत कुमार	सी—36/2, आर.आर. केट कॉलोनी, राजेन्द्र नगर,	9893175227
12	आर्य जगदिश	600, बजरंग नगर,	9926273131
13	आशीवाल हिमांशु	सी—35/3, आर.आर. केट कालोनी, राजेन्द्र नगर,	
14	अनालिया गोविंद सिंह	56, पेनजान कॉलोनी, सांवेर रोड़,	9826041236
15	अटनानगर स्नेहलता	448—एन. ब्लाक सेक्टर—ए, सिलिकान सिटी	9039784023
16	अग्रवाल राजेश	संजय नगर, देवास	9893665548
17	भण्डारी योगेश	155, स्कीम नं. 51, इन्दौर	9716444062
18	भण्डारी शमशेर सिंह	बी.एस.एफ. इन्दौर	8770196781
19	भण्डारी प्रताप सिंह	सिलीकॉन सिटी, इन्दौर	8989064917
20	भण्डारी हरपाल सिंह	सी—26, लोटस पार्क, इन्दौर	9737253637
21	भण्डारी भगवान सिंह	104, ब्लॉक बी, फस्ट फ्लोर, क्लीफटोन पार्क, कबीट खेड़ी, इन्दौर	9165155567
22	भण्डारी गणेश सिंह	119, पल्हार नगर, इन्दौर	9926659210
23	भण्डारी गोपालसिंह	बी—18, ब्रिजनयनी कालोनी, लिम्बोदी, इन्दौर	9009955409
24	भंडारी रुपसिंह	173—बी, श्री लक्ष्मी नगर, एयरपोर्ट रोड,	
25	भंडारी बलवंत सिंह	248, पवन नगर, पालदा,	9754020043
26	भंडारी मनिष सिंह	डी—203, डी.आर.पी. लाईन, 48, क्वार्टर ब्लााक नं. 3	9009804090
27	भंडारी विक्रम	न्याय नगर, सुखलिया,	
28	भंडारी हरिश	916, राजीव आवास विहार, स्कीम नं. 114,	9303705664
29	भंडारी पवन	हाउस नं. 201, सेक्टर—आर, महालक्ष्मी नगर,	8103827273
30	भंडारी पवन	डी—103, सांगरीला कालोनी	8962511007
31	भंडारी प्रतापसिंह	207, सेक्टर—1, सिलीकॉन सीटी,	8989064912

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
32	भंडारी सुनिता	197, अम्बेडकर नगर,	7772024555
33	भंडारी कृपाल सिंह	ए–32, शीतल नगर,	9713474678
34	भंडारी भगवान सिंह		
35	भंडारी जयबीर सिंह	सी.एस.डब्ल्यु.टी, बी.एस.एफ.	
36	भंडारी जीवन सिंह		9977439933
37	भंडारी जगदेश	पालदा,	9617694883
38	भंडारी नरेन्द्र सिंह	102, टी–ब्लाक, शालीमार पॉम	9425082010
39	भंडारी नदंन सिंह	326 / 5, अम्बर कन्फेक्शनरी, नेमावर रोड,	9926222671
40	भंडारी नैन सिंह	83, पवनपुरी, पालदा नाका,	
41	भंडारी गणेश सिंह	हाउस नं. 48, महेश गार्ड लाईन,	9926059210
42	भंडारी गोपाल नाथ	278, सुखलिया	9827384754
43	भट्ट धीरेन्द्र	326, राजीव आवास विहार, स्कीम नं. 78,	9993021214
44	भट्ट शान्ति देवी	इण्डस्ट्रीयल एरिया, मुसाखेड़ी, इन्दौर	9302132277
45	भट्ट प्रमोद	कथगोदाम, हल्दवानी	9837603138
46	भट्ट कविता	आर.आर. केट, इन्दौर	9407301877
47	भट्ट कैलाश	सी.एम.–77, सुखलिया,	8966935984
48	भट्ट मोहिनी गोपाल	10, शंकर नगर, इन्दौर	9993613805
49	भट्ट मोहन चन्द	सी.एच.–41, सुखलिया,	9009309095
50	भट्ट मोहनी	हिमशिखा अपार्टमेन्ट, 10, शंकर नगर,	
51	भट्ट मोहनलाल	सेक्टर–सी, 1017, सुखलिया, इन्दौर	9893050733
52	भट्ट माधव प्रसाद	32, मैन स्ट्रीट, महू	8965875609
53	भट्ट मनोहर	डेली कालेज, इन्दौर	9617101507
54	भट्ट त्रिलोकचन्द	167, ए.एस.–3, स्कीम नं. 78, इन्दौर	9179190670
55	भट्ट विश्वेश्वरी देवी	ए–302, नवलखा, इन्दौर	
56	भट्ट हेमन्त	2 / 5, 48, वाटर लाईन, केवलरी लाईन	
57	भट्ट पंकज	मनुश्री नगर, विक्टोरिया, बी / 404 कालोनी, इन्दौर	7005389221
58	भट्ट पूर्ना चन्द्र		8770368026
59	भट्ट राजकुमार	135, डी.के.एन. स्कीम नं. 74–सी, विजय नगर, इन्दौर	9303286435
60	भट्ट राजीव	सी–54, आर.आर. केट कालोनी, इन्दौर	9302131002
61	भट्ट सक्षम	86, सनसिटी, इन्दौर	8094717458
62	भट्ट सुभाष	302, बी.सी.एम. सिटी, नवलखा,	9302132277
63	भट्ट देवीदत्त	19, श्री कृष्णा विहार कॉलोनी, गांधीनगर, इन्दौर	9630443224
64	भट्ट चन्द्रशेखर	कस्तुरबा ग्राम	8827035616
65	भट्ट चन्द्रशेखर	एफ–79 चतुर्थ, लव कुश विहार, इन्दौर	8827035614
66	भट्ट जगदम्बा प्रसाद	बी–244, शिव नगर, महू	9302173794

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
67	भट्ट नवीन	89, शास्त्री नगर, महू	9575883074
68	भट्ट अंजू	86–एफ, रजत जयंती, विजय नगर, इन्दौर	7898792989
69	भट्ट अनिल	2573–ई, सुदामा नगर,	9826407014
70	भट्ट गंगादेवी	सी.एच.–41, सुखलिया, इन्दौर	
71	भरद्वाज मनोज	सी.एच.–41, सुखलिया दिनदयाल नगर, इन्दौर	9713312244
72	भरद्वाज आनन्द	कृष्णा पेराडाइज, राऊ	9568008988
73	भरतवाल विजयलक्ष्मी	2239, लुनियापूरी, महू	9425316517
74	भारद्वाज दिनेश	सी–22/1, आर.आर. केट कॉलोनी, राजेन्द्र नगर,	7415383896
75	भारद्वाज सतिश चन्द	45/31, दुर्गानगर,	
76	भारद्वाज उषा	8–ए, वीणा नगर, सुखलिया,	8959282022
77	भासीमा बी.एस.	एम.सी.टी.ई., महू	9754042262
78	बौंठियाल मनोज	एफ–4, रेडियो कॉलोनी,	9009581914
79	बौंठियाल के.पी.	191/64, पंचवटी नगर, एरोडम रोड	8519068835
80	बिष्ट यशोधा	माता मंदिर, भोपाल	881890148
81	बिष्ट यशवंत सिंह	डी–7, एचआईजी कालोनी, इन्दौर	9425055854
82	बिष्ट यान्द्र सिंह	गौरी नगर	
83	बिष्ट शांति बसंत	हाउस नं. 3, कस्तुरबा ग्राम, इन्दौर	9009033196
84	बिष्ट प्रकाश सिंह	65–बी, पंचवटी कालोनी, कोदरिया, महू	9981222764
85	बिष्ट प्रीतम सिंह	मार्ले वुड	7000847608
86	बिष्ट प्रताप सिंह	11/4, संविद नगर, कनाडिया रोड,	9713507990
87	बिष्ट प्रताप सिंह	नर्मदा ब्लॉक जी फस्ट बटालियन	9826379967
88	बिष्ट प्रेम सिंह	राम नगर एनेक्स, (विकास नगर), देवास	8109114276
89	बिष्ट प्रेमा	डी–7, एच.आई.जी. कालोनी, इन्दौर	9303210946
90	बिष्ट इन्दर सिंह	2/11, 48, क्वार्टर, आर.पी.टी.सी.	9584827037
91	बिष्ट बहादुर सिंह	एफ–62, ।।, लवकुश आवास विहार, सुखलिया,	7697478742
92	बिष्ट बहादुर सिंह	एच–13, एन.सी.ए. कॉलोनी, स्कीम नं. 78,	9424889868
93	बिष्ट बी.एस.	144, श्याम नगर, सुखलिया,	7869910462
94	बिष्ट बालम सिंह	होटल रेडीसन	9926808088
95	बिष्ट बलमसिंह	15–बी, महेश गार्ड लाइन, इन्दौर	9752746053
96	बिष्ट बलवंत सिंह	102–इ, बख्तावर राम नगर,	9425062008
97	बिष्ट कुबेर सिंह	15–बी, महेश गार्ड लाइन, इन्दौर	
98	बिष्ट कुलदीप सिंह	पंजाब नेशनल बैंक, मनोरमागंज	9752091633
99	बिष्ट कैलाश	रेडीसन ब्लू होटेल	7389614478
100	बिष्ट मोहन सिंह	इन्फेन्ट्री स्कूल, महू	8817754926
101	बिष्ट मोहन सिंह	30/4, विनायक अपार्टमेन्ट, गीता नगर, इन्दौर	9752564100

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
102	बिष्ट मोहन सिंह	141/5, सुखसागर अपार्टमेन्ट, धनवंतरी नगर, रजेन्द्र नगर, इंदौर	9826996909
103	बिष्ट महेन्द्र सिंह	122–सी, शांति नगर, महू	8871930393
104	बिष्ट माया	डी–7, एच.आई.जी. कॉलोनी,	9039024726
105	बिष्ट मान सिंह	सी–12, पुलिस लाईन, खजराना थाना	8100561232
106	बिष्ट मनेन्द्र सिंह	डी–302, रस टाउनशिप, सेटेलाइट जंक्शन देवास नाका, इन्दौर	9536286872
107	बिष्ट मदनसिंह	फ्लेट नं. 7, गीतांजलि अपार्टमेन्ट, एन–7, धनवंतरि नगर,	8889217470
108	बिष्ट मदनसिंह	ए–7, वीणा नगर,	9926517584
107	बिष्ट मनोहर सिंह	जी–2, संजीवनी अपार्टमेन्ट, 19धिए व्हाय, एन, रोड, बिश्राम कॉलोनी,	7748022222
110	बिष्ट मनोज	22/4, विजय नगर, इन्दौर	8889886677
111	बिष्ट मनोज	बी–6, 209, स्कीम नं. 74,	9977220689
112	बिष्ट दिनेश सिंह	100/बी, वैभव नगर एक्सटेंशन, इन्दौर	7974477280
113	बिष्ट दिनेश सिंह	मालवीय नगर,	7566793808
114	बिष्ट दिनेश सिंह	कस्तुरबा ग्राम	
115	बिष्ट विवेक सिंह	श्री एस.एस. बिष्ट, अपो. अजय भरतीया स्कूल काशीपुर	9536014703
116	बिष्ट विजयराज सिंह	डी–7, एच. आई.जी., ए. बी. रोड	9644376780
117	बिष्ट विनोद सिंह	170, शुभम पैलेस, इन्दौर	9425352451
118	बिष्ट विनोद सिंह	170, शुभम पैलेस, इन्दौर	9685056456
119	बिष्ट जितेन्द्र सिंह	एम–30, संदीपनी कालोनी, नीयर रेल्वे स्टेशन	8462907067
120	बिष्ट जितेन्द्र सिंह	81–ए, एस–2, स्कीम नं. 78, विजय नगर,	9826777053
121	बिष्ट हंसराज सिंह	हाउस नं. डी–9/14, महेश गार्ड लाईन,	8889271764
122	बिष्ट हरि सिंह	120, विक्रम नगर, किशनगंज, ए.बी. रोड, महू	7509030552
123	बिष्ट हरीश सिंह	11/4, संविद नगर, कनाड़िया रोड़, इन्दौर	
124	बिष्ट हुकम सिंह	647, शिवकांत नगर, सांवेर रोड,	9806373836
125	बिष्ट पी.एस.	6–17, रेसीडेंसी एरिया,	
126	बिष्ट पान सिंह	12–ए, खजराना पुलिस लाइन, इन्दौर	7648808880
127	बिष्ट पूरनसिंह	कस्तूरबा ग्राम, इन्दौर	6260699263
128	बिष्ट रणजीत सिंह	36/1, जगन्नाथ नगर, बाणगंगा	9302826500
129	बिष्ट रविन्द्र सिंह	बी.एस.एफ, एरोड्रम रोड	8103127120
130	बिष्ट रीता	डी–7, एच.आई.जी. कालोनी, इन्दौर	9981165777
131	बिष्ट राजपाल सिंह	हाउस नं.102, सांईलीला अपार्टमेन्ट	9644174445
132	बिष्ट राजेन्द्र सिंह	356, मानवता नगर, कनाडिया रोड,	7354291353
133	बिष्ट राजेन्द्र सिंह	26/3, दूर संचार नगर, नवरतन बाग	9425313759
134	बिष्ट राजेन्द्र सिंह	1280, गौरी नगर,	9826197754
135	बिष्ट शंकरसिंह	201/सी–3, हाइ राइज बिल्डिंग, एसएएफ, इन्दौर	9826351604
136	बिष्ट ज्ञान सिंह	हाउस नं. 373/74, लेक पैलेस, किला मैदान, छोटा बांगडदा	7587353639

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
137	बिष्ट सोभनसिंह	201, दाउ अपार्टमेन्ट, नन्दगांव	9406617038
138	बिष्ट संदीप सिंह		9977939997
139	बिष्ट सुबेदार चन्द्र	हाउस नं. 30/31, साईं धाम कालोनी, कोदरिया, महू	9893176372
140	बिष्ट सुर सिंह	33–ए, ग्रेटर ब्रिजेश्वरी, इन्दौर	9826038395
141	बिष्ट सुनील	48, वर्मा कम्पाउण्ड, पिपलिया पाला	7509041055
142	बिष्ट सुन्दर सिंह	48 क्वाटर, 2/11, पुलिस लाइन, इन्दौर	9619654537
143	बिष्ट सत्पाल सिंह	36, जगन्नाथ नगर, सांवेर रोड़, इन्दौर	9302826500
144	बिष्ट कृष्णा सिंह	सी 4–1501, महेश गार्ड, इन्दौर	7999159420
145	बिष्ट कृष्णा सिंह	हाउस नं. डी–3/14, महेश गार्ड लाईन	9827742603
146	बिष्ट दयाल सिंह	81, शुभम पैलेस, स्कीम नं. 51	9098021559
147	बिष्ट दीवान सिंह	फ्लेट नं.22, केनेरा बैंक अपार्टमेन्ट, मनोरमागंज	7566728525
148	बिष्ट दीवान सिंह	206, रोहाणी अपार्टमेन्ट, नन्दगांव,	9993435443
149	बिष्ट देवेन्द्र सिंह		9685617482
150	बिष्ट दलबीर सिंह	स्पेनटेक्स इण्डस्ट्रीज लिमिटेड, जि. धार	9977701447
151	बिष्ट वीर सिंह	396, आदर्श नगर, देवास	9630100433
152	बिष्ट वीरेन्द्र सिंह	122, सी, शान्ति नगर, महू	
153	बिष्ट राजेन्द्र सिंह	356, मानवता नगर, इन्दौर	73545291353
154	बिष्ट भारती	कस्तूरबा ग्राम,	9926632701
155	बिष्ट भुपाल	100–बी, वैभव नगर,	
156	बिष्ट भुवान सिंह	102, कान्हा अपार्टमेन्ट नन्दगांव,	7389948803
157	बिष्ट भूवा सिंह	144, श्याम नगर, इन्दौर	8319723070
158	बिष्ट चैन सिंह	हाउस नं. डी–10/12, महेश गार्ड लाईन,	9926502400
159	बिष्ट चन्दर मोहन	महेश गार्ड लाईन,	9407406198
160	बिष्ट तारा	फ्लेट नं. 203, रोहिनी अपार्टमेन्ट, इन्दौर	979484581
161	बिष्ट तारा	203, रोहाणी अपार्टमेन्ट, नन्दगांव,	9179484581
162	बिष्ट तारा सिंह	94, रामकृष्णा नगर, बालगृह रोड़, देवास	9897628920
163	बिष्ट जयकिर्ती सिंह	हाउस नं. 402, विध्यांचल, 15वी बटालियन, महेश गार्ड लाईन,	9229696632
164	बिष्ट जयपाल सिंह	जी–139, मयूर पैलेस, शक्ति नगर,	975351087
165	बिष्ट जशबी सिंह	503, शालीमार पाल्म, इन्दौर	
166	बिष्ट जीवन सिंह	101–102, सम्राट पार्क, इन्दौर	9718491818
167	बिष्ट जीवन सिंह	ए–33, ग्रेटर ब्रजेश्वरी	9754052850
168	बिष्ट जीवन सिंह	33–ए, ग्रेटर ब्रिजेश्वरी, इन्दौर	9826038395
169	बिष्ट जीवन सिंह	115/3, एल.आई.जी.	
170	बिष्ट जसवंत सिंह	ए/32, समर पार्क उमरिया, महू	9009442808
171	बिष्ट नीरज	उज्जैन	8450877875

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
172	बिष्ट नीता	38, पालीवाल नगर,	9589250215
173	बिष्ट नरेन्द्र सिंह	252—ए सांई बाबा नगर, द्वारकापुरी	9406622795
174	बिष्ट नरेन्द्र सिंह	82453, लक्ष्मी नगर, इन्दौर	9827995656
175	बिष्ट नारायण सिंह	119, पल्हार नगर, इन्दौर	9926456279
176	बिष्ट अरुण	48, भोलाराम उस्ताद मार्ग,	7566114748
177	बिष्ट अशोक सिंह	151—ए, अलोक नगर, 202, कुशलश्री अपार्टमेन्ट	8109193410
178	बिष्ट अमर सिंह	63, गणेश बाग कालोनी, इन्दौर	7748056351
179	बिष्ट अमर सिंह	पंजाबी लाइन डिस्ट्रिक्ट जेल परिसर, इन्दौर	7697622549
180	बिष्ट आर.एस.	सी.एस.डब्ल्यु.टी, बी.एस.एफ.	7509179990
181	बिष्ट आनंद सिंह	38, पालीवाल नगर,	9589250215
182	बिष्ट आनंद सिंह	109, सेक्टर—सी, सांईनाथ कॉलोनी,	9926062858
183	बिष्ट अवतार सिंह	13, अंबिका नगर, बंगाली चौराहा, कनाडिया रोड,	9302047980
184	बिष्ट अवतार सिंह	134, अम्बिका नगर, इन्दौर	9826524343
185	बिष्ट अजय सिंह	एल.आई.जी 168, विश्वकर्मा नगर, भोपाल	9826298830
186	बिष्ट अनूप सिंह	सी 4—प्लान 1508, इन्दौर	7999354346
187	बिष्ट गोविन्द सिंह	22 / 4, विजय नगर, शासकीय स्कूल के पास	9098761084
188	बिष्ट गोपाल सिंह	6 / ए, रघुवंशी कालोनी	7869258403
189	बिष्ट गोपाल सिंह	बी—115, कालिंदी गोल्ड सिटी नियर अरविन्दो, इन्दौर	8962898077
190	बिष्ट गोपाल सिंह	31 / 2, भागीरथ कालोनी, समर्थ पार्क, उमरिया, महू	9302221858
191	बिष्ट गोपालसिंह	हाउस नं. 8 / 4, नर्मदा ब्लाक, महेश गार्ड लाईन,	9753131692
192	बिष्ट लक्ष्मण सिंह	206, दाउ अपार्टमेन्ट, नन्दगांव, इन्दौर	7247388446
193	बिष्ट विवेक	सिलीकॉन सिटी, इन्दौर	953601703
194	बिंजवाल कमलेश	लखानी रबर प्रोडक्टस, जि. धार	9229345482
195	बिस्ट अक्षत सिंह	पैलेस	9131271404
196	बिजोला आशुतोष	47—सी, इन्द्रपुरी, ए.बी. रोड	9993522253
197	बिनवाल मनोज	345, डी.के. 1, स्कीम नं. 74—सी, विजय नगर,	9669000099
198	बिन्वाल जितेन्द्र	345, डी.के. 1, स्कीम नं. 74—सी, इन्दौर	9425312899
199	बिन्वाल चन्द्रदत्त	345, डी.के. 1, स्कीम नं. 74—सी, इन्दौर	9425312899
200	बखानी रंजन सिंह	कृष्ण बाग कॉलोनी,	
201	बोरा हरिश	560, ए—2, स्कीम नं. 136	7354463955
202	बोरा पंचम सिंह	आर्मी, महू	8236825962
203	बोरा गीता	311, कॉसमॉस सिटी, बिचोली मर्दाना, इन्दौर	8109510111
204	बौंठी भुवनानंद	2, गुंजाल नगर, मयूर हॉस्पीटल के सामने	9424792408
205	बंदवाल प्रीतमसिंह	केशरबाग रोड़, इन्दौर	6263783074
206	बहुगुणा पूर्णानंद	252, राम मंदिर, बड़ी भमोरी,	9827277748

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
207	बहुगुणा राजीव	502, डी ब्लॉक, श्रीजी हाईट्स, इन्दौर	9806622326
208	बहुगुणा इंद्रदीप	डी–502, श्रीजी हाइट्स बिचौली मर्दाना, इन्दौर	9479641158
209	बाहुखंडी आनंद मणि	460–बी, सूर्यदेव नगर,	9713519180
210	बारगली खेमराज	982, कृष्णबाग कालोनी	9752674078
211	बारगली रतन	बर्फानी धाम नगर	9754243535
212	बारगली रतन सिंह	693, कृष्णबाग कालोनी, इन्दौर	7470712509
213	बारगली दीवान सिंह	न्यू–38–सी, मित्र बन्धु नगर, कनाड़िया रोड़	7389248888
214	बागोरा लीना	51–52, शहिद हेमु कालोनी, किला मैदान	9479722403
215	बालुनी गोविन्दराम	एच–1, 28, शाहिन नगर, मुसा खेडी	9926955685
216	बडवाल गोपाल दत्त	एरोड्रम रोड	9713786058
217	बडतवाल कुंवर सिंह	345, रॉयल बंगलो, ए.बी. रोड, राजेन्द्र नगर	9425320072
218	बडतवाल गोपाल दत्त	664, अशोक नगर, छोटा बांगड़दा	9713778066
219	बदोला शिव प्रसाद	91–बी, ओम विहार कालोनी, इन्दौर	9669099995
220	बदोला शशी	दीनदयाल उपाध्याय नगर, सुखलिया, इन्दौर	9755385020
221	बदवाल गोपाल दत्त	664, अशोक नगर, बागीवाली गली, इन्दौर	7477066249
222	बदुनी भारत राम	95, जवाहर नगर, राजेन्द्र नगर	9981535920
223	बुटेला आनंद सिंह	22/4, विजय नगर,	9893007219
224	बुलानी गोविन्द राम	मुसाखेड़ी, इन्दौर	9926955684
225	बर्तवाल सुज्जन सिंह	संजय नगर, देवास	9754265631
226	बजेठा पानसिंह	एच–41, नर्मदा कॉलोनी, स्कीम नं. 78	9893802082
227	बनवल पवन सिंह	खंडवा रोड	9630472447
228	बगडवाल रुचि	233, नालन्दा परिसर	9981150052
229	बलोनी चन्द्रप्रकाश	फ्लेट नं. 201, प्लाट नं. 110, सूर्यांश एक्जोटीका, आलोक नगर	9826743874
230	चोमीनाल मोहन सिंह	सी–1/0, छत्रछाया कालोनी	9926015879
231	चौधरी बी.एस.	बत्रा कालोनी,, महू	9997818166
232	चौधरी मंजु	सी–35/4, आर आर केट कालोनी,	9827442980
233	चौधरी सुरेन्द्र सिंह	39–ए, नगीन नगर, एरोड्रम रोड	9425349881
234	चौधरी वीरेन्द्र सिंह	41–ए, नागीन नगर, इन्दौर	
235	चौधरी वासुदेव सिंह	39–ए, नगीन नगर, एरोड्रम रोड	9977400075
236	चौधरी अजयेन्द्र सिंह	साकेत नगर, देवास	7691963979
237	व्यास राजेश	प्रज्ञान नगर, अन्नपूर्णा नगर	9575823857
238	व्यास राजेश	एम.–260, विज्ञान नगर	9575829115
239	चौहान खुशी राम	बी–127, वीणा नगर, सुखलिया	8120675082
240	चौहान प्रवीण	536/7, नन्दा नगर,	
241	चौहान प्रेम सिंह	हाउस नं. 131, दुर्गा नगर, छोटा बांगड़दा रोड़, इन्दौर	9826880278

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
242	चौहान बाल सिंह	20, ओल्ड पलासिया	9754795339
243	चौहान कमला	536/7, नन्दा नगर,	
244	चौहान महेशी	एम.–98, वीणा नगर, सुखलिया	
245	चौहान जितेन्द्र सिह	536/7, नन्दा नगर,	9754440009
246	चौहान रमेश सिंह	एम.–98, वीणा नगर, सुखलिया	9893568900
247	चौहान संजय सिंह	150, साकेत नगर, इन्दौर	9752050228
248	चौहान सुरेन्द्र सिंह	ए–5, अलकनन्दा ब्लाक, 1ली बटालियन, केवलरी लाईन,	9893867756
249	चौहान देवेन्द्र सिंह	7, प्रभा नगर, महू	7697254239
250	चौहान देवेन्द्र सिंह	देवास	
251	चौहान भाग्यवन्ती	150, शक्ति नगर, इन्दौर	9752050228
252	चौहान जगदीश सिंह	सी.एल.–155, हाऊसिंग बोर्ड, पीथमपुर	9111300767
253	चौहान जगदीश सिंह	एम.–98, वीणा नगर, सुखलिया	9826366088
254	चौहान गोविन्द सिंह	98, छेदीलाल लाइन, फस्ट बटालियन, इन्दौर	8269116964
255	चमोली हिमांशु	2127–डी, सुदामा नगर, सेक्टर –डी,	9685199994
256	चमोली विनोद प्रसाद	13, रघुवंशी कॉलोनी	9685416300
257	चमोली रमेश चन्दर	864, स्कीम नं. 51,	9827789140
258	चमोली रामकृष्ण	फ्लेट नं. 101, रिद्धी सिद्धी अपार्टमेन्ट, 263, धनवंतरी नगर.	9826429945
259	चमोली चंचल	प्रताप स्नेक्स	8103914084
260	चुफल किशन सिंह	सी–169, ट्रेजरर फेनटेसी	8109000347
261	चोपल किशन सिंह	सी–169, ट्रेजरर फेन्टेसी, इन्दौर	8109000347
262	चतुर्वेदी जितेन्द्र	442–बी, एन–ब्लाक सिलीकान सिटी	9826738462
263	चतुर्वेदी संजय	276, जवाहर नगर, राजेन्द्र नगर	9826483877
264	चतुर्वेदी जीवानंद	442–बी.एन. ब्लाक सिलीकान सिटी	7697078204
265	चतल किसान	ट्रेजरर फेन्टेसी, इन्दौर	
266	चन्द्र दिनेश	फ्लेट नं. 105, बी.नं. बी–6, स्कीम नं. 98, संवाद नगर	8319511194
267	चन्द्र हरीश	हाउस नं. 269, बजरंग नगर, इन्दौर	8602686776
268	चन्द्र रमेश		9830343817
269	चन्द्र सुबेदार सतिश	इन्फेन्ट्री स्कूल, महू	8817097278
270	चन्द्रा जगदीश	सिलीकान सिटी	9634142675
271	चन्द हरिचन्द	101, सांईकुंज अपार्टमेन्ट, 42043, वैशाली नगर	9752598264
272	चन्दोला नन्दा वल्लभ		6262065500
273	चन्दौला नन्दा बल्लभ	सी.एम.–1/5, सुखलिया,	9685721734
274	डांडरियाल अनिल	134, स्कीम नं. 51, संगम नगर,	9425068685
275	डालाकोटी जगदीश	302, स्काय विला, सिलीकान सिटी,	9630042675
276	दसोनी मुकेश सिंह	सिलीकोन सिटी, इन्दौर	8462930907

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
277	डुंडयाल सतीश	आदर्श नगर, देवास	8962002842
278	दोन्दयाल सतीश	नन्दागांव, इन्दौर	
279	दीपक दीपक	23, राजाराम एवेन्यू, तुलसी नगर, इन्दौर	9893087615
280	दुर्गापाल दुर्गापाल	फ्लेट नं. 102, 21, सिल्वर ऑक्स, कालोनी, वैशाली नगर	7389901981
281	देवी सरोजनी	1469, बैंक नोट प्रेस, देवास	8519013217
282	देवरारी श्रीकांत	जी–31, एम्पायर रेसीडेन्सी, बायपास	9425437936
283	देवरारी नन्दा बल्लभ	183–बी, मालकम लाईन, महू	8989461375
284	डंगवाल मोहन सिंह	एफ–19, स्ट्रीट नं. 6, श्रीजी वैली, इन्दौर	9926429280
285	डंगवाल राकेश	ई.बी.–257, स्कीम नं. 97, बॉम्बे हॉस्पीटल के पास	9993094502
286	डंगवाल राजेन्द्र सिंह	76, श्री मंगल नगर, इन्दौर	9425959370
287	डंगवाल डी.सी.	डी–36/1, आर.आर. केट कॉलोनी, राजेन्द्र नगर,	8109631182
288	डंगवाल गोपालसिंह	14/2, 1ली बटालियन, केवलरी लाईन,	9926612819
289	डोबरियाल योगेश	40–ए, मधुवन कालोनी, देवास	7748923957
290	डोबरियाल त्रिपति राम	172, शुभम नगर, स्कीम नं. 51, सगम नगर	9893522993
291	डोबरियाल राम	172, शुभम नगर, स्कीम नं. 51, सगम नगर	
292	डोबरियाल सुभाष	172, शुभम नगर, नीयर स्कीम नं. 71, इन्दौर	9893522993
293	डोबरियाल गोकुल देव	1060, भागीरथ पुरा	9926039065
294	डोरबी कमला	सी.एल.–40, सुखलिया,	9584514111
295	डोरवी विनोद	सी.एल.–40, सुखलिया	
296	डोर्डी विनोद		8878022078
297	डोभाल दिनेश	105, बी–6, स्कीम नं. 98, संवाद नगर, नवलखा	9229345453
298	डीमरी माधवी	आई–92, एल.आई.जी. कालोनी	
299	डीमरी विमल	आई–92, एल.आई.जी. कालोनी	9424724962
300	डीमरी अरुण कुमार	17/ए, राजेन्द्र नगर,	9200645208
301	डीमरी अशोक	आई–164, एल.आई.जी. कालोनी	9893003157
302	डीमरी अरुण	राजेन्द्र नगर, इन्दौर	9039445208
303	ध्यानी विद्याधर	526, गुलमोहर कॉम्पलेक्स, विजय नगर, इन्दौर	8827956665
304	ध्यानी गोपाल	763/9, नेहरु नगर	9827308288
305	धोनी सावित्री	पलसीकर कालोनी, इन्दौर	9617676300
306	धोनी दीपक सिंह	7, शिव धाम, लिम्बोदी, इन्दौर	7576883561
307	धोनी आनंद सिंह	30, यादव भवन, आजाद नगर, मुसाखेडी	8959280528
308	धोनी आनन्द सिंह	67, श्री सावरिया कुंज कालोनी, रऊ रंगवासा, इन्दौर	7974503836
309	धामी टी.एस.	1–ए, परमाणु नगर, राजेन्द्र नगर,	9425320118
310	धसमाना कैलाश चंद	इन्दौर	8109566814
311	धनखोला प्रेम वल्लभ	एच–42, एनसीए कालोनी, स्कीम नं. 78,	8109188427

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
312	घंसल उमेदसिंह	63, देवास	8305604030
313	घड़ियाल भूवनन्द	2, सूरज नगर, मयूर हॉस्पिटल के पीछे, इन्दौर	7415411187
314	घीडीयाल मुवानन्द	2, गजराज नगर, मयूर हॉस्पीटल के पास	7415411187
315	घनश्याला विनोद	ए–11, आकृति गार्डन नेहरु नगर, भोपाल	9826583462
316	घनशाला हरिप्रसाद	44, रुक्मणी नगर, छोटा बांगडदा	9098344875
317	ढोंढियाल मदन	1169, सुदामा नगर,	9301138812
318	ढोंढियाल रीना	1169, सुदामा नगर,	
319	ढोंढियाल सतीश	1, नन्द विहार, नन्दगांव	9424565899
320	ढोंढियाल अंजलि	105, सी.एम.आर. नारायण बाग चौराहा, स्वदेश प्रेस के सामने	9425913431
321	ढुकलान जीतराम	102, खुशबु विला, 25, संचार नगर, कनाडिया रोड	9826255342
322	भागोरा संतोष	51–52, शहिद हेमु कालोनी, किला मैदान	8871030329
323	भटनागर सौरभ	448, एन, ब्लाक, सेक्टर–ए, सिलीकान सिटी	7354999761
324	भूतयाल के.एस.	आर.आर. केट, इन्दौर	9098568395
325	वल्लभ आनन्द	चमुण्डा पुरी, देवास	9907708208
326	गोडियाल दीपक	176, बजरंग नगर,	7415226403
327	गोदियाल दीपक	92, रामजी वाटिका, फेस–2, तेजाजी नगर, इन्दौर	7415226403
328	गोविन्दराम गोविन्दराम	आजाद नगर, मुसाखेडी	
329	गोसाई यशपल सिंह	258, सेक्टर ए, सुखलिया, इन्दौर	
330	गोसाई बलदेव सिंह	75–ए, मेकेनिक नगर, नियर मदरहूड हॉस्पिटल, इन्दौर	9685615668
331	गोसाई महेश सिंह	डी–10, नर्मदा ब्लॉक, फस्ट बटालियन, इन्दौर	9977628094
332	गोसाई मनोहर सिंह दौलत सिंह	115, सुभम नगर, इन्दौर	9806121702
333	गोसाई दीपक	2 / 8, बक्षीबाग कालोनी, इन्दौर	8109081701
334	गोसाई भूपेन्द्र सिंह	117 / 1, करस देव नगर, इन्दौर	8982676940
335	गोसाई लोकेन्द्र सिंह	सी.डब्ल्यू.–288, सुखलिया, इन्दौर	9926041356
336	गोस्वामी योगेश	201, सांस्कृतिक पेराडाइज, राऊ	
337	गोस्वामी महेन्द्र	ई–45, तृतीय, लव कुश आवास विहार, इन्दौर	9690944919
338	गोस्वामी रमेश	इ–106, लवकुश आवास विहार, सुखलिया	9179832903
339	गोस्वामी रमेश नाथ	ई–39, तृतीय, लव कुश आवास विहार, इन्दौर	
340	गंगवाल भूवन चन्द्रा	47, श्याम नगर एक्सटेंशन, इन्दौर	9826145965
341	गुसांई धर्मेन्द्र सिंह	117, कारसदेव नगर, आई.टी,आई. के पास	9977997011
342	गुसांई बालम सिंह	ए–258, दिनदयाल उपाध्याय नगर, सुखलिया	
343	गुसांई बलबीर	48, पिपल्या राव,	9977044077
344	गुसांई मोहन सिंह	डी–10, नर्मदा ब्लाक, 1ली बटालियन, एस.ए.एफ. केवलरी लाईन,	9926086954
345	गुसांई मंजीत सिंह	42–ए, लक्ष्मी नगर	7509763313
346	गुसांई मावर सिंह	35, ब्रजेश्वरी एन.एक्स.	

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
347	गुसांई मनोहर सिंह	115, शुभम नगर, स्कीम नं. 51, संगम नगर	9806121742
348	गुसांई मनोहर सिंह	डी–15 / 16, केवलरी लाईन	
349	गुसांई दिलबर सिंह	ए–258, दिनदयाल उपाध्याय नगर, सुखलिया	
350	गुसांई विरेन्द्र सिंह	सीआईबी–19, समय विहार, महू	
351	गुसांई संदीप	35–बी, ब्रजेश्वरी मैन	9302765227
352	गुसांई सत्येन्द्र	सी.डब्ल्यू.–288, सुखलिया, इन्दौर	9926041356
353	गुसांई दौलत सिंह	हाउस नं. 143, बजरंग नगर,	8269351406
354	गुसांई भुपेन्द्र	117, कारसदेव नगर, आई.टी,आई. के पास	9685615668
355	गुसांई जय सिंह	पटेल निवास, पालदा, तेजाजी पुलिस चौकी,	9993014147
356	गुसांई जगदीश सिंह	25 / 8, सृष्टी पैलेस	9300623403
357	गुसांई नरेन्द्र सिंह	72, क्वार्टर, पी.टी.सी., मुसाखेडी	9009305019
358	गुसाई मनोहर सिंह	115, शुभम नगर, स्कीम नं. 51, इन्दौर	8876907073
359	गुसाई मनवर	86 / 2, इदरिस नगर, मुसाखेड़ी, इन्दौर	9827300495
360	गुसाई मनजीत सिंह	भोसले कालोनी, देवास	9893630460
361	गुसाई दिलबार सिंह	258, ए सेक्टर, सुखलिया, इन्दौर	9893920925
362	गुसाई दीपक	केवल्री लाइन, इन्दौर	8269681170
363	जखमोला एस.एस.	203, लक्की प्लाजा, इन्द्रपुरी	9993519799
364	जखमोला मायाराम	9 / 2, 96, क्वार्टर, आर.ए.पी.टी.सी.	9406833816
365	जखमोला मनोज	171, शुभम नगर, स्कीम नं. 51, संगम नगर	9827192894
366	जोशी जय	54, जवाहर नगर, राजेन्द्र नगर, इन्दौर	7024125770
367	जोहरा लक्ष्मण	302, बजरंग नगर,	7694043211
368	जोशी एम.सी.	जी–105, न्यू बापू नगर	
369	जोशी एस.एस.	21, पलश कालोनी, इन्दौर	9425903844
370	जोशी प्रकाश	46, सागर विहार, इन्दौर	7827519505
371	जोशी प्रकाश चन्दर	46, सागर विहार, श्याम नगर, सुखलिया	9827519505
372	जोशी प्रमोद कुमार	91 / 5–2, द्रोणपुरी कालोनी	8989124499
373	जोशी प्रदीप	72, क्लर्क कालोनी	9575019670
374	जोशी बी.बी.	सूर्य सूरम, शांति नगर के पास	9425050021
375	जोशी बी.सी.	16, श्री मंगल अपार्टमेन्ट, कनाडिया रोड	7389675051
376	जोशी के.सी.	प्रिन्सेस रेसीडेन्सी, बाम्बे हॉस्पीटल के पास	9630944388
377	जोशी कैलाश	डी.के.एन.–49, स्कीम नं. 74.सी, विजय नगर,	9754829060
378	जोशी कैलाश	69, स्कीम नं. 114, विजय नगर,	
379	जोशी मोहन चन्द	फ्लेट नं. 203, पूजा अपार्टमेन्ट, 10–ए, राजेन्द्र नगर	8871518769
380	जोशी माधुरी	57, बालाजी एन्क्लेव तलावली चन्दा, अपो. कासा विलास, इन्दौर	8818800185
381	जोशी माधुरी	119, तिलक नगर	8818800125

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
382	जोशी मनोज	ई–208, लिड्स इन्क्लेव, एयरपोर्ट रोड़, इन्दौर	9425986915
383	जोशी शिखा	3री मंजिल, ओमेगा टावर, इन्दौर	9670267555
384	जोशी किरण	302, अंकुर अपार्टमेन्ट, स्कीम नं. 54, विजय नगर,	9755287990
385	जोशी दिनकर	664, द्वारकापुरी	
386	जोशी दिनेश चन्द्र	345, सी सेक्टर, ट्रेजरर फेन्टेसी, इन्दौर	9584421232
387	जोशी दिनेश	1–बी, परमाणु नगर, केट रोड	9584421232
388	जोशी विनायक	48, मनभावन नगर.	9425075699
389	जोशी नितिन कुमार	117, सेक्टर ई, स्लाईस.1, स्कीम नं. 78, विजय नगर	
390	जोशी गिरीश चन्दर	11, शहिद हेमु कालोनी, कमला नगर, मरीमाता	8989461365
391	जोशी हरिदत्त	न्यू प्रिन्स नगर, कुमार खेडी	9826336088
392	जोशी पी.के.	सी.एस.डब्ल्यु, टी. बी.एस.एफ.	7509179990
393	जोशी रमेशचन्दर	फ्लेट नं.–601–602, मेजेस्टीक ब्लाक साकार रेसीडेन्सी	9770000309
394	जोशी रीना	निपानिया, इन्दौर	7500870551
395	जोशी राकेश	204, रिद्धि सिद्धि अपार्टमेन्ट, राजेन्द्र नगर	9826403385
396	जोशी रामचन्दर	231–बी, श्री लक्ष्मी नगर, एयरपोर्ट रोड	
397	जोशी राजीव	119, तिलक नगर मेन, इन्दौर	9755228525
398	जोशी राजीव	ई–3325, सुदामा नगर	7869387106
399	जोशी राजेश	सी.एम.–67, सुखलिया	
400	जोशी राजेन्द्र सिंह		9926562548
401	जोशी सीता राम	288, संगम नगर	
402	जोशी साखेर चन्दर	95, विद्या नगर	9424881216
403	जोशी सुनील	सी.एम.–67, सुखलिया	9424513051
404	जोशी उरबा दत्त	30, नर्मदा नगर, अन्नपुर्णा रोड	9826835381
405	जोशी दीप	वीआईपी परस्पर नगर, इन्दौर	9897924070
406	जोशी भुपेश	15, संचार नगर, कनाडिया रोड	
407	जोशी भुवनेश	186, बिजली नगर, इन्दौर	9826447626
408	जोशी भुवनेश्वर	459, विमान श्री, 103, मानवता नगर	9826447626
409	जोशी चन्द्रप्रकाश		9582681174
410	जोशी तारादत्त	1399–एफ., स्कीम नं. 114, विजय नगर	9826163877
411	जोशी जय	राजेन्द्र नगर, इन्दौर	7024125870
412	जोशी जी.बी.	बी–6, सुर्य सुखम कालोनी, शांति नगर के पास	9425958621
413	जोशी जगदीश	नर्मदा नगर, चाणक्यपुरी, इन्दौर	9826835381
414	जोशी जगदीश चन्दर	ए–8/4, आर आर केट कालोनी, राजेन्द्र नगर	8889881669
415	जोशी विनायक	48, मनभावन नगर, कनाड़िया रोड़, इन्दौर	9424890999
416	जोशी नरेश	2905–ई, (सुन्दर गैस एजेन्सी) सुदामा नगर	9826422004

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
417	जोशी टी.डी.	सी.एम./67, सुखलिया, इन्दौर	7828831906
418	जोशी टी.डी.	सी.एम.–67, सुखलिया	8989506362
419	जोशी आनंद कुमार	ए–180, श्याम नगर एक्स. सुखलिया	9826467229
420	जोशी गणेश	डी–286, स्कीम नं. 51, संगम नगर, इन्दौर	9826181205
421	जोशी गोविन्द	मुम्बई	9654336700
422	जोशी लोकेश	फ्लेट नं. 404, पी–3, शालीमार टाउनशिप, ए.बी. रोड	9993646934
423	जोशी सुधीर	आर.आर. केट, इन्दौर	
424	जीना महीपाल सिंह	डी.एच.–102, स्कीम नं. 74–सी, सुखलिया, इन्दौर	9424009495
425	जीना हीरा सिंह	रेडियो कॉलोनी, इन्दौर	9424800130
426	जीना गणेश सिंह	190, अनुराधा नगर, इन्दौर	9753029726
427	जुयाल विनोद कुमार	868, कृष्ण बाग	9424800114
428	जुगरान कविता	1170, सुदामा नगर, इन्दौर	9977389900
429	जैन चेतन कुमार	175, तिलक नगर	
430	जिनवन रघुनाथ सिंह	39, आदर्श नगर, सेक्टर–सी, देवास	9302320730
431	खोयल खुशाल सिंह	22, नार्थ गाडरा खेड़ी, मरीमाता	9993134817
432	खत्री स्वयंवर सिंह	बी.एस.एफ.	9826439582
433	खौडे कोमल	विजय नगर	
434	खंडुरी संजय	46, प्रिन्स सिटी, सुखलिया	9977090596
435	खाती महेन्द्र सिंह	सिल्वर ओक, इन्दौर	9977136378
436	खाती हरि सिंह	517/6, एम–श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर, सांवेर रोड	9893875431
437	खाती रामसिंह	निपानिया, इन्दौर	9754200020
438	खती कुलदीप सिंह	173, श्रीवम कृष्णा कालोनी, इन्दौर	9424584472
439	कोठारी सुनील	महू	8962200879
440	कोशियारी राजेन्द्र सिंह	जे–121, एम.आई.जी. कालोनी, इन्दौर	9340722610
441	कोथवाल गंगासिंह	570/6, एम. श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर, सांवेर रोड	9827339180
442	कोटियाल उत्तरा	एफ–86, रजत जयंती, विजय नगर, इन्दौर	9406874122
443	कोहली प्रकाश	खाती मोहल्ला, मुसाखेडी	9584267622
444	कोहली जयराम	29, न्याय नगर, सुखलिया,	8103999996
445	कोरंगा त्रिलोक सिंह	बी.एस.एफ., इन्दौर	7999428130
446	कोरंगा लक्ष्मणसिंह	94, बीयू/10/9, महू	9713356695
447	कोस्थवाल बी.एन.	आर.एच.–73, न्याय स्लाईस नं. 1, स्कीम नं. 78 विजय नगर,	9893069001
448	केस्टवाल राजेन्द्र प्रसाद	252, बजरंग नगर, देवास	9303277523
449	कोटीयाल उत्तरा	इ–86, रजत जयंति काम्पलेक्स, स्कीम नं. 54, विजय नगर,	9993617004
450	कोटनाला रमेशचन्द्र	रेडियो कॉलोनी, इन्दौर	9691628848
451	कोटनाला रमेशचन्दर	जी–3, रेडियो कॉलोनी	8871186569

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
452	कंधारी दिलीप सिंह	ए–2 / 149, दिलीप नगर, 136, इन्दौर	9685038172
453	कंखोरा एच.आर.	115, श्याम नगर एन.एक्स. सुखलिया	9826030287
454	कंखोरा जय	115, श्याम नगर	9753977748
455	कंडारी करण सिंह	8–बी, सी.आर.पी.एफ, लाईन	9893510635
456	कंडारी दिलीप सिंह	ए2 / 249, स्कीम नं. 136, नीयर निरंजनपुर, इन्दौर	9685038172
457	कंडारी विक्रम सिंह	72, न्याय नगर, सुखलिया	9981811376
458	कंडारी पायल	सी–30, पंचदीप कालोनी, नन्दा नगर	
459	कंडारी राम सिंह	152, विराट नगर, मुसाखेड़ी, इन्दौर	9893509326
460	कंडारी सत्येन्द्र सिंह	हाउस नं. 301, संस्कार–1, कंचन विहार, देवास नाका,	7869911009
461	कंडारी दीवान सिंह	सी–30, पंचदीप कालोनी, नन्दा नगर	8827958426
462	कंडारी अर्जुन	256 / 1, आदर्श मेघदूत नगर,	9752008738
463	कंदारी दिलीप सिंह	208, स्वास्थ नगर	9685038172
464	कंदारी सविता सिंह	152, विराट नगर, मुसाखेड़ी, इन्दौर	9893509326
465	कंदारी दीवान सिंह	36, श्याम नगर, इन्दौर	8827958176
466	कंवल महेन्दर सिंह	उद्योग नगर, शक्ति धर्मकांटा के सामने, नेमावर रोड, पाल्दा	8889510007
467	कंवल किशन सिंह	9, मिल खंडवा रोड	9424073119
468	कंवल पवन सिंह	चौखी ढाणी	8889155567
469	कठैया देवेन्दर सिंह	62, ब्रजेश्वरी एन.एक्स	9977794054
470	कप्टोला हरिश सिंह	254–बी, संगम नगर	8871940530
471	कपूर्रवान मोहन चन्द	201, सांई निकेतन अपार्टमेन्ट, 158, धनवंतरी नगर,	9039463904
472	कांदवाल देवेन्दर सिंह	आर.एच–73, न्याय स्लाईस नं. 1, स्कीम नं. 78 विजय नगर,	9893069001
473	कांदवाल गणेश	226, सूर्यदेव नगर	9826049507
474	कान्याल गिरिश राम	एम–1, 347, लोहा मंडी	9827276656
475	कान्याल पुष्कर सिंह	115, लोहा मंडी	9827276654
476	कानखोरे बलवीर	सी.एम.–524, सुखलिया, इन्दौर	9977877242
477	कानखोरे जयराम	29, न्याय नगर, सुखलिया, इन्दौर	8349661710
478	काला संजय	एम–223, नालंदा परिसर, कैशर बाग रोड	8871719174
479	कुण्डलिया मोहन लाल	आदर्श नगर, देवास	9993140367
480	कुण्डलिया सुधीर	एन–103, शालीमार टाउनशिप, ए.बी. रोड,	9575800230
481	कुण्डलिया वेद प्रकाश	61, सिल्वर स्प्रींग ओमेक्स सिटी	9179973335
482	कुशवाह राजेन्द्र प्रसाद	बजरंग बली नगर, देवास	8989478257
483	कुकरेती प्रेमलाल	बजरंग बली नगर, देवास	9345951005
484	कुकरेती करुण धर्मशाला	।15, एम.आय.जी. कालोनी	
485	कुमौनी दीपक	तेजाजी मंदिर के पास, छोटा बांगडदा	8889182733
486	कुमार मनोज	सी.एच–41, सुखलिया	9713412244

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
487	कुमार सचिन	विजय नगर	7725883539
488	कुमार सचिन	बी.एस.एफ.	9669863860
489	कुमार सुधीर	112, अहिल्या नगर	8962372203
490	कुलियाल विरेन्द्र सिंह	286 / 5, श्री कृष्णा अपार्टमेन्ट, राऊ	9407423171
491	कुटयाल नीतिन	सी–41 / 3, आर.आर. केट कालोनी, इन्दौर	9713115584
492	केथोरा विजयसिंह	डीकेएन–31, स्कीम नं. 74–सी, विजय नगर	9826481158
493	कैताथ देवेन्द्र सिंह	62, ब्रजेश्वरी एन्न, बंगाली चौराहा, इन्दौर	7999846426
494	कैलाश जी	जी–128, कालिंदी गोल्ड सिटी, इन्दौर	
495	कन्धारी विक्रम सिंह	हाउस नं. एएम–II–98, सुखलिया, इन्दौर	9111152076
496	कन्धारी दीवान सिंह	36, न्याय नगर, इन्दौर	6261686108
497	कन्याल विमला	एम–आई, 347, अयोध्या नगरी, नन्दा नगर, इन्दौर	9993650036
498	कन्याल गौरव	53, आर.आर. केट कालोनी, इन्दौर	9458115812
499	कन्खेरा जयवीर	115, श्याम नगर एनेक्स, इन्दौर	
500	कन्तोला गणेश सिंह	254, संगम नगर, इन्दौर	8878940530
501	किरोला करण	एम.सी.टी.ई., महू	8871926372
502	लिंक ग्लोबल ट्रेड	3री मंजिल, कमिका, न्यू पलासिया	9752593588
503	लिंगवाल शोभा	101, गोयल नगर, इन्दौर	9826042009
504	लिंगवाल कृष्णा सिंह	249, पल्हार नगर, 60 फीट रोड़, इन्दौर	9630467484
505	हरीश सिंह हरीश सिंह	149, साकेत नगर, इन्दौर	7509093818
506	हेथानी प्रेमचन्द	106, डी.एच., स्कीम नं. 74, इन्दौर	9752049482
507	वानी कमलसिंह	260, धनवंतरी नगर	9826323342
508	वानी नारायण सिंह	जी–1, संकल्प अपार्टमेन्ट, 24, तिरुपति कालोनी	
509	लेख्सा प्रेम करण दत्त	89–सी, राजेन्द्र नगर,	9893033060
510	लोहिया देवेन्द्र कुमार	रेडीसन ब्लू होटेल	7049608180
511	लोहानी महेश	सी.एच.–156, स्कीम नं. 74, विजय नगर,	9826046294
512	लोहानी विद्या	लोहारनी नगर	9412977124
513	लोहानी नारायण दत्त	हाउस नं. 1321, स्कीम नं. 114, पार्ट–1, विजय नगर,	9926477054
514	लाल बिहारी	भानु स्टील, पीथमपुर	8962116766
515	लाल किशोरी	301, जीवन छाया अपार्टमेन्ट, 17, अनूप नगर, इन्दौर	9977549274
516	मंडल दलबीर सिंह	कोदरिया, महू	9826478216
517	मंडलोई अंकित कुमार		
518	ममगई विजेन्दर	एफ.इ.–8, स्लाईस नं. 3, मिल्टन स्कूल के पास, स्कीम नं. 78	9827611377
519	ममगई अजय	53, शुभ संपदा, निपानिया	9826821011
520	मथपाल यश	144, प्राइम सिटी, इन्दौर	
521	मथपाल कोशी	144–ए, च्वाइस रेसीडेन्सी, प्राइम सिटी, सुखलिया	9893022876

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
522	मथपाल मीरा (कौशी)	144–ए, च्वाइस रेसीडेन्सी, प्राइम सिटी, सुखलिया	9893022876
523	मथपाल दिनेश	एफ 1–144–ए, च्वाइस रेसीडेंसी प्राईम सिटी सुखलिया	8770364690
524	मसोदी करण सिंह	203, मनी टावर, अन्नपूर्णा रोड	9713231719
525	मुंडपे कैलाश प्रसाद	डीडीएच–16, डुप्लेक्स, राजेन्द्र नगर,	
526	मुम्गई अजय	53, शुभ सम्पदा कालोनी, निपानिया, इन्दौर	9131728472
527	मैंदोला प्रकाश	44–24, एम.आय.जी. कालोनी, तीन पुलिया, नन्दा नगर	
528	मैंदोला प्रेमलता	195, स्कीम नं. 113, विजय नगर	9425316351
529	मैंदोला कांता	34, न्याय नगर, सुखलिया	9424012525
530	मैंदोला कैलाश	34, न्याय नगर, सुखलिया	9424012525
531	मैंदोला कैलाश	34, न्याय नगर, सुखलिया,	9424012525
532	मैंदोला दिनेश	195, स्कीम नं. 113, विजय नगर	9425313651
533	मैंदोला चिंतामणी	तीन पुलिया, इन्दौर	
534	मैंदोला चिंतामणी	369 / 7, नन्दा नगर, इन्दौर	9425312121
535	मैंदोला चिन्तामणी	44–24, स्लाईस एम.आय.जी. कालोनी, तीन पुलिया, नन्दा नगर	
536	मैंदोला हरिश	शहनाई रेसीडेन्सी, फ्लेट नं. 701 सी, ब्लॉक अपो. अमलताश होटल	8827057999
537	मैंदोला रमेश	369 / 7, नन्दा नगर	9425000012
538	मैंदोला राजेश्वरी	44–24, एम.आय.जी. कालोनी, तीन पुलिया, नन्दा नगर	9425312151
539	मैंदोला उमा	आर–863, महालक्ष्मी नगर	9826807903
540	मैंदोला अनिता	44–24, एम.आय.जी. कालोनी, तीन पुलिया, नन्दा नगर	8602867036
541	मैथाणी प्रेम बल्लभ	डीएच–107, स्कीम नं. 74–सी, विजय नगर,	9752049482
542	मैथाणी शिव प्रसाद	बीजी–77, स्कीम नं. 74–सी, विजय नगर,	9826228791
543	मैथाणी दिनेश	565 / 8, नन्दा नगर,	9826079039
544	मैथाणी राजेन्द्र प्रसाद	भारतीय संस्कृत संस्थान, सांवेर रोड,	9425322925
545	मैथानी सुधीर कुमार	डी.के. 1 / 241, फ्लट फ्लोर, स्कीम 74–सी, विजय नगर, इंदौर	8827876333
546	मेहरा ए.एस.	डी–9, एम्पायर रेसीडेन्सी.	
547	मेहरा शेर सिंह	हाउस नं. 296, स्कीम नं. 51, शुभम पैलेस के पीछे, इन्दौर	9165359876
548	मेहरा शिव सिंह	72, गिरनार सिटी कालोनी, राजगृह, जावरा	9399335413
549	मेहरा दिनेश	286–ए, 401, हैप्पी रिजेन्सी, सिलीकान सिटी	9755753831
550	मेहरा राजेन्द्र सिंह	हाउस नं. 8, सुभाष पैलेस, स्कीम नं. 51 के पास	9926039138
551	मेहरा उमेश	फ्लेट नं. 601, पी–5, शालीमार टाउनशिप, ए.बी. रोड	9893044358
552	मेहरा दान सिंह	80, सर्वसुविधा नगर	9893404901
553	मेहता विनोद	202, खुशाल रेसीडेन्सी, आलोक नगर	7509292429
554	मेहता विनोद	सन सिटी 2, देवास	9893102429
555	मेहता दीपक सिंह		997734208
556	मेहता नरेन्द सिंह	149, न्यू गौरी नगर,	9826602768

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
557	मेहता गणेश सिंह	गाँधी नगर, इन्दौर	9826467826
558	मेन्डोला बिहारी लाल	141, गंगादेवी नगर, विजय नगर, इन्दौर	9399846125
559	मनोला गणेश सिंह	डी/16, सुपर सिटी, महू	8005408151
560	मैनन सीता	84, लालाराम नगर	9907509889
561	मनोदी प्रकाश	49–ए, लक्ष्मीपुरी कालोनी	
562	मनोदी बुधीप्रसाद	49, लक्ष्मीपुरी कालोनी	9617310460
563	मनोदी बुद्दी प्रकाश	49–ए, लक्ष्मीपुरी कालोनी, इन्दौर	8319298929
564	मनोज मनोज	प्रथम क्वाटर, केवल्रली लाइन, इन्दौर	9826613363
565	मनराल देवेन्द्र सिंह	290–इ, शान्ति नगर, महू	9826594513
566	मत्ता पूनम	लिम्बोदी नकवीशल, इन्दौर	9833045151
567	मनवाल किशन सिंह	ग्राम गोगनिया, शिव नगर, सिमरोल रोड़, इन्दौर	9424073119
568	मल्होत्रा करूना सिंह	कोदरिया, महू	9617122770
569	मल्होत्रा कर्नल आई.एच.	18/1, आईपीएफ, शालीमार टाउनशिप, ए.बी. रोड	9630409123
570	मलय रामपाल सिंह	डीएम–232, सुखलिया	9575090783
571	मिश्रा अनूप		
572	मिश्रा विश्वम्भर	3–22, नेहरु नगर,	8120479221
573	नौटियाल धीरज	15, क्लर्क कालोनी, इन्दौर	9713775938
574	नौटियाल शम्भु प्रसाद	22, पालिका प्लाजा	8103183596
575	नौटियाल बलराम	आजाद नगर	
576	नौटियाल मंजु	148, शिवशक्ति नगर	8889027346
577	नौटियाल मुकेश	25/8, परदेसी पुरा	
578	नौटियाल रमेश चन्द्र	15, क्लर्क कालोनी एक्स.	9713775938
579	नौटियाल जे. प्रसाद	3, गजराज नगर	9826838658
580	नायल जीवन सिंह	महू	7389240248
581	नागदरिया रामचन्द्र	रेडीसन ब्लू होटेल	7024808886
582	नवनी चिन्तामणी	49, शिवशक्ति नगर	9826037029
583	नवनी देवेन्दर	11/1, आलोक नगर, कनाडिया रोड	9303299755
584	नवनी अंचित	101/1, महेश बाग	8878800092
585	नेगी धीरेन्द्र सिंह	बी.एस.एफ. केम्प, एरोड्रम रोड	9981951766
586	नेगी भरत सिंह	सी–3, 1101, हाई राइज बिल्डिंग महेश गार्ड लाइन, इन्दौर	9926080435
587	नेगी भरत सिंह	27, गुरु नगर, बरफानी धाम, इन्दौर	9981727998
588	नेगी धरमसिंह	305, शुभम पैलेस, इन्दौर	9826789878
589	नेगी योगेश सिंह	101/4, गणेश नगर, परदेशीपुरा, इन्दौर	9301548154
590	नेगी योगेन्द्र सिंह	किला मैदान	9691285359
591	नेगी यशपाल सिंह	113, द्वारकाधीश कालोनी	9424005463

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
592	नेगी खेम सिंह	135, अजयबाग कालोनी,	9753337897
593	नेगी शम्भु सिंह	305, शुभम पैलेस, स्कीम नं. 51, संगम नगर के पास	9926080435
594	नेगी शशि	सी.एच.–54, सुखलिया	9827064964
595	नेगी शैलेन्द्र सिंह		
596	नेगी झंवर सिंह	93, अनिल नगर, देवास	9424887632
597	नेगी इन्दर सिंह	ए–06, फ्लेट नं. 205, गुलमर्ग परिसर	9826255146
598	नेगी इन्दर सिंह	203, इन्द्रप्रस्थ अपार्टमेन्ट, 89, धनवंतरी नगर,	9993590249
599	नेगी बबीता	103/1, कंचन विहार, जाल ऑडिटोरियम के सामने, साउथ तुकोगंज	9993136152
600	नेगी बी.एस.	153, मालकम लाईन, महू	
601	नेगी कलावती	22, द्वारकाधीश कालोनी, इन्दौर	
602	नेगी मोहन सिंह	स्कीम नं. 78, इन्दौर	8770543122
603	नेगी मंगल सिंह	84, शिवशक्ति नगर, महूगाँव, महू	9039222920
604	नेगी महावीर सिंह	103, मंशा विहार, कोदरिया, महू	9893488405
605	नेगी महेश	30, आजाद नगर, मुसाखेडी	7898213157
606	नेगी महेन्दर सिंह	फ्लेट नं. 102, प्लाट नं. 160, प्रिकांको कालोनी,	9425400375
607	नेगी मीर रंजन	102, आनन्द नगर, चितावद रोड, इन्दौर	9920555118
608	नेगी मदन सिंह	8–बी, साईंनाथ कालोनी, इन्दौर	9926271306
609	नेगी मनोहर सिंह	प्लाट नं. 657, सेक्टर 3	8370005299
610	नेगी मनोज सिंह	कृष्णापुरी कालोनी, हाउस नं. 116, नेमावर रोड़	
611	नेगी त्रिभुवन सिंह	201/31, कालिंदी मिड टाऊन, इन्दौर	
612	नेगी त्रिलोक सिंह	522द्व2ए ड श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर, सांवेर रोड	9893889010
613	नेगी बिशन सिंह	267/2, मालवीय नगर,	9753586385
614	नेगी रिषी सिंह	148, जयराम भवन , एम.आय.जी कालोनी	9893401640
615	नेगी दिनेश सिंह	कस्तुरबा नगर,	8435500522
616	नेगी दिनेश सिंह	288, लक्ष्मी पुरी कालोनी	9425009526
617	नेगी दिगम्बर सिंह	बी–220, दिव्य रॉक आइस्लैण्ड, नीयर श्री राम सेन्ट्रल स्कूल, इन्दौर	9300094025
618	नेगी विरेन्द्र सिंह	43–ए, लक्ष्मी पुरी कालोनी, किला मैदान	
619	नेगी विजया	8–बी, सांईनाथ कालोनी	9826529290
620	नेगी विनय	417/8, नन्दा नगर	9993660809
621	नेगी विनोद सिंह	22, द्वारकाधीश कालोनी	9425483192
622	नेगी जितेन्द्र सिंह	बी–279, वीणा नगर, सुखलिया, इन्दौर	9329429991
623	नेगी नितीन सिंह		9568022424
624	नेगी हीरा	आर्मी स्कूल,महू	
625	नेगी हरीन्द्र सिंह	182–ए, सिलीकान सिटी	8085953128
626	नेगी हुकुम सिंह	48, पिपल्या राव	9039901641

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
627	नेगी हुकुम सिंह	श्रीकृष्णा पैराडाइज महू	9609051360
628	नेगी हेमराज सिंह		8909055068
629	नेगी हेमराज सिंह	87, गंगा बाग कालोनी, (कुशवाह नगर मेन रोड)	9827617039
630	नेगी पी.एस.	102, आनन्द नगर, चितावद रोड	
631	नेगी पवन सिंह	211, श्री कान्हा विहार, इन्दौर	9009488804
632	नेगी पुष्कर सिंह	271—ए, पल्हर नगर, एरोड्रम रोड़	
633	नेगी प्रदीप सिंह	एफ.एच. 7, स्कीम 54, विजय नगर, इन्दौर	9755557580
634	नेगी रणवीर सिंह	डी—3, एम.पी.इ.बी. कालोनी	8120427939
635	नेगी रणवीर सिंह		8120428339
636	नेगी रविन्द्र	102, आनन्द नगर, चितावद रोड	9009057166
637	नेगी राकेश सिंह	बी—239, कालिन्दी गोल्ड सिटी, इन्दौर	9406810974
638	नेगी रामचन्द्र सिंह		8826465808
639	नेगी राजपाल सिंह	बी—40/2, आर आर केट कालोनी, राजेन्द्र नगर	
640	नेगी रजनी	113, द्वारिकाधीश कालोनी, एयरपोर्ट रोड़, इन्दौर	8839520243
641	नेगी रजनी	113, द्वारकाधीश कालोनी, वीआयपी रोड	9827503386
642	नेगी संदीप सिंह	पीथमपुर	9039925872
643	नेगी संजय	301, राधिका सोसायटी, श्याम नगर, गौरी नगर,	9826552411
644	नेगी संजय सिंह	आर.आर. केट	7983882754
645	नेगी सरस्वती		
646	नेगी सरस्वती देवी	102, आनन्द नगर, नवलखा, इन्दौर	9920555118
647	नेगी सर्वेन्दर सिंह	डी—46/3, आर.आर. केट कालोनी, इन्दौर	9424890121
648	नेगी सुरेन्दर सिंह	307, मालवीय नगर,	9302136362
649	नेगी सुरज सिंह	35, पंचवटी नगर, बिजासन रोड	9977795171
650	नेगी सुन्दर सिंह	116, कृष्णा पुरी कालोनी, मुसाखेडी	9425969494
651	नेगी सत्यपाल सिंह	रेडीसन ब्लू होटेल	8107452002
652	नेगी उम्मेद सिंह	151—जी, न्यू गौरी नगर	9824677484
653	नेगी उम्मेद सिंह	151—जी, न्यू गौरी नगर, इन्दौर	9826477484
654	नेगी दयाल सिंह	एम. श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर, सांवेर रोड	9926550175
655	नेगी दीपक	फ्लेट नं. 908, ओरासिया—2, अपोलो डी.बी. सिटी, इन्दौर	8888446111
656	नेगी दीवान सिंह	हाउस नं. जी—38/3, न्यू शबरी नगर, लवकुश आवास विहार, सुखलिया	9039596985
657	नेगी वीरेन्द्र सिंह	43—ए, लक्ष्मीपुरी कालोनी, इन्दौर	9926001960
658	नेगी भारत सिंह	हाउस नं. डी—3/1, महेश गार्ड लाईन	
659	नेगी चंदन सिंह	30, आजाद नगर, मुसा खेडी	9009245092
660	नेगी चमन सिंह	आई.आई.एम. केम्पस, राऊ	
661	नेगी जीत सिंह	369—ए, श्याम नगर,	9826467229

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
662	नेगी जीतपाल सिंह	बी—110, कालिंदी गोल्ड सिटी, इन्दौर	9826861369
663	नेगी जीतपाल सिंह	46, लक्ष्मी पुरी कालोनी, किला मैदान	9826861369
664	नेगी जसपाल सिंह	24, शिवशक्ति नगर, एमआयजी पुलिस स्टेशन के पास	9009903122
665	नेगी नाथन सिंह	आई—59, नर्मदा कालोनी, स्कीम नं. 78, विजय नगर	
666	नेगी अनिल	1, सी.आर.पी. लाईन, एम.व्हाय हास्पीटल परिसर	9300441727
667	नेगी अनिल		
668	नेगी आर.एस.	132, के.वी. स्टेशन नार्थ, सांवेर रोड	9826560469
669	नेगी आशीष	सी.एच.—54, सुखलिया	9827064964
670	नेगी आशीष	536, महालक्ष्मी नगर,	9926814739
671	नेगी आनंद सिंह	मालवीय नगर,	9424081736
672	नेगी अनन्त पाल सिंह	64, पंचवटी नगर, इन्दौर	9827317198
673	नेगी गणेश सिंह	बी—279, वीणा नगर, इन्दौर	8349960808
674	नेगी गोपाल सिंह	65 / 2, विजयवर्गीय नगर, सांवेर रोड	9039860229
675	नेगी गब्बर सिंह	271—ए, पल्हर नगर, एरोड्रम रोड	9977987897
676	नेगी गीता सिंह	203 / सी, 39, धनवंतरी नगर, इन्दौर	9098890245
677	नेगी लखन सिंह	84, पंचवटी नगर	9200119637
678	नेगी लक्ष्मी	सी.एम.—2 / 243, सुखलिया	9713124117
679	नेगी लक्ष्मी	सी—1022, सुखलिया, इन्दौर	9826914413
680	नेगी ललित		9424500172
681	नेगी ललित सिंह	सी.एच.—54, सुखलिया	8878600172
682	नैलवाल कैलाश चन्दर	255, बजरंग नगर	9826057471
683	नैलवाल माधव	22—बी, टैलीफोन नगर, किशन गंज, महू	9589403042
684	नैलवन कैलाश	255, बजरंग नगर, देवास	7798506946
685	पंथ प्रभाकर	वंदना नगर, आशीर्वाद नगर	
686	पंथ ब्रजेश चन्द्र	5 / 6, आर आर केट कालोनी, राजेन्द्र नगर	9589259840
687	पंथ कमल किशोर	सी—2 / 3, आर आर केट कालोनी, राजेन्द्र नगर	8109105128
688	पंथ के.सी.	170, रामकृष्ण नगर,	8871408779
689	पंथ हेमचन्द्र	9, मानस रजत विहार, महू	9977767856
690	पंथ रमेश चन्द्र	166—ए, सिलीकान सिटी	9575300215
691	पंथ रेणु	सी—1 / 1, रेसीडेन्सी एरिया	9425082088
692	पंथ संजय	329—ए, श्याम नगर, सुखलिया	9752393354
693	पंथ सी.एस.	36—बी, चन्द्र नगर, ए.बी. रोड,	9826627208
694	पंथ सुरेन्द्र मोहन	116—डी, स्कीम नं. 51, संगम नगर	9993165580
695	पंथ चन्द्र शेखर	104—ए, अयोध्या पुरी कालोनी, महू	9826627208
696	पंथ चन्द्र शेखर	176, जवाहर नगर,	

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
697	पंथ नरेश	139, श्रीनगर एक्स.	9993382650
698	पंथ नन्दु	502, रायल ब्लाक, साकार रेसीडेन्सी	9893485296
699	पंथ आनंद	89, पटेल नगर, रेडीसन होटेल के पास	9893369770
700	पंथ गुंजन	36–बी, चन्द्र नगर, ए.बी. रोड	9229848205
701	पंथ ललित मोहन	सी–1/1, रेसीडेन्सी एरिया	9425073594
702	पंथ ललित मोहन	एफ.जी 33–34, प्रभु वंदना अपार्टमेन्ट, स्कीम नं. 54, विजय नगर	9926082068
703	पंवार धरमसिंह	398, गौरी नगर	9893225772
704	पंवार मनोज	203, गणेश विला, 305 सिलिकान सिटी	9039955449
705	पंवार राजेन्द्र सिंह	हाउस नं. 323, सेक्टर–बी, केदार नगर	9754796012
706	पंवार सावर सिंह	398, गौरी नगर	
707	पंवार सत्येन्द्र सिंह	361, श्याम नगर, सुखलिया	9406635206
708	पंत बी.सी.	बी–212, वीणा नगर, सुखलिया, इन्दौर	9009557745
709	पंत कैप्टन देवानंद पंत (वेतरन)	एफ–20बी, एफ–21, साईं सिटी कालोनी, महूगांव, महूँ	9516865441
710	पंत के.के.	आर.आर. केट, इन्दौर	
711	पंत के.के.	बी–601, ऑरेंज काउंटी, इन्दौर	9826416847
712	पंत दिनेश	154, ग्रेटर वैशाली, इन्दौर	9754853054
713	पंत हर्ष	ट्रेजरर फेन्टेसी, इन्दौर	7999585461
714	पंत पूनम	154, ग्रेटर वैशाली, इन्दौर	9752853054
715	पंत संजय	329, श्याम नगर, सुखलिया, इन्दौर	9752208501
716	पंत उषा	69, नीर नगर, मयंक ब्लू वाटर पार्क के पास	9425316367
717	पंत कृष्ण चन्द	कृष्णा बाग कालोनी	
718	पंत कृष्णा सिंह		8871408109
719	पंत गंगा प्रसाद	15, बी.बी. महेश गार्ड लाइन, इन्दौर	9755881062
720	पंत ललित	84, सम्पत फार्म, इन्दौर	9425073594
721	परियानी योगेश	255–बी, अमरित पैलेस, निपानिया, इन्दौर	9713077822
722	पडियार अरविन्द	आर.आर. केट, इन्दौर	8827493782
723	पडियार अरविन्द सिंह	302, रिजेन्सी, ए.बी. रोड	
724	पपनोई बी.डी.	मुखर्जी नगर, देवास	9516497550
725	पपने जगदीश	सी.एच.–41, सुखलिया, इन्दौर	9754455001
726	परसाई भगवान सिंह	103–104, विष्णुपुरी ऐक्स.	9302076007
727	परवाल महेन्दर सिंह	डी.एम.–232, सुखलिया	8817439926
728	पाण्डे एस.के.	222, साकेत नगर,	9424581155
729	पाण्डे ए.डी.	190/3, इन्दौर	9754239134
730	पाण्डे एच.के.	1/4, इन्कम टेक्स कालोनी	9124082886
731	पाण्डे शेखर	आर.आर. केट	7579133307

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
732	पाण्डे प्रमोद	304, सांई सम्पदा एम आर 9	8818895074
733	पाण्डे प्रेम नारायण	132, जानकी नगर एक्स.	9406834040
734	पाण्डे ईश्वर दत्त	ई–146, द्वितीय, लव कुश आवास विहार, इन्दौर	
735	पाण्डे ईश्वरी दत्त	ई–42, दूसरी मंजिल, लवकुश आवास विहार, सुखलिया	8120468645
736	पाण्डे मंजुल	ओके बिल्डिंग, श्रीराम इन्क्लेव, इन्दौर	9634246932
737	पाण्डे दिमांशु	101, डायमंड रेसीडेन्सी	9993008067
738	पाण्डे दिव्यांश	आर.आर. केट, इन्दौर	
739	पाण्डे विनोद	हाउस नं. एस.एफ.–6, ए–ब्लाक, पंचवटी	7869187024
740	पाण्डे हरि मोहन	पवन विहार, बरेली	9389000114
741	पाण्डे हेम चन्दर	304, सुन्दर नगर मेन	7879475547
742	पाण्डे राजेश	37, सिद्धार्थ नगर, भंवरकुआ चौराहा	9669694588
743	पाण्डे सोनू	320, वंदना नगर	
744	पाण्डे एस.के.	272, साकेत नगर, इन्दौर	9424881155
745	पाण्डे संतोष	226, वीआयपी परस्पर नगर, पार्ट–4, स्कीम नं. 94, राजेन्द्र नगर	9827005937
746	पाण्डे संजय	ए–66, अभिनन्दन नगर, इन्दौर	9425954225
747	पाण्डे सी.एस.	एफ.एच.–304, स्कीम नं. 54	9009677703
748	पाण्डे सी.सी.	101, सिल्वर शाईन अपार्टमेन्ट, 8, श्रीनगर	
749	पाण्डे सुधीर	47 / बी / सी, स्कीम–78, अर्नया, विजय नगर, इन्दौर	9993000327
750	पाण्डे सुरेश	402, स्काय विला, 283, सिलीकान सिटी	9893040807
751	पाण्डे सुनील कुमार	ए–66, अभिनन्दन नगर, इन्दौर	8989515000
752	पाण्डे सतीश	ई.एफ.–15, स्कीम नं. 54, विजय नगर	9713022930
753	पाण्डे सतीश	30–ए, वंदना नगर एक्स.	9993016011
754	पाण्डे सुनिलकुमार स्व. श्री लक्ष्मीदत्त	ए–66, अभिनंदन नगर, सुखलिया	8989515000
755	पाण्डे भोपाल दत्त	डी–74, अलका पुरी, देवास	9425937856
756	पाण्डे वाचस्पति	15–सी, इन्द्रपुरी	8989944188
757	पाण्डे वचस	15–सी, इन्द्रपुरी कालोनी, इन्दौर	9425320021
758	पाण्डे भुवनेश	ईए4, फ्लेट नं. 301, स्कीम नं. 54, इन्दौर	9131925644
759	पाण्डे वेद प्रकाश	बी–271, वीणा नगर, सुखलिया, इन्दौर	9407119324
760	पाण्डे चन्द्रशेखर	गुलमोहर, चन्द्रगुप्त चौराहा, इन्दौर	9685728250
761	पाण्डे ज्योति कुमार	आर–87, एम.आर.–4, महालक्ष्मी नगर	9755954263
762	पाण्डे जीवन	पिथमपुर	7999634626
763	पाण्डे अमित	शंग्रिला इन्क्लेव, तालावली चन्दा, इन्दौर	9873573936
764	पाण्डे अनिल	एम.सी.टी.ई., महू	8518914073
765	पाण्डे अशोक कुमार	ई–507, आनन्द 1–2, इन्दौर	9871224708
766	पाण्डे अशोक कुमार	फ्लेट नं. 103, एन–25, मंगलम एवेन्यू	9752496275

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
767	पाण्डे आशुतोष	46, जानकी नगर मेन	9826063792
768	पाण्डे आनंद मानी	बी–301, स्काय हाईट, चितावद, ए.बी. रोड	9425077729
769	पाण्डे लक्ष्मी दत्त	ए–66, अभिनंदन नगर, सुखलिया	
770	पाठक योगेश	आर–4, रॉयल रेसीडेन्सी, इन्दौर	9893385633
771	पाठक केशव दत्त	आर–4, रायल रेसीडेन्सी, चौहान नगर,	9755805611
772	पाठक ललित चन्द्र	165, सुन्दर नगर मैन	9753445247
773	पापने महेश	बी–22, पुष्प वाटिका, वन्दना नगर, इन्दौर	9826600034
774	पाडलिया रमेश चन्द्र	हाउस नं. 301, संस्कार–1, कंचन विहार, देवास नाका	7869919193
775	पाटनी बसंत	31–बी, वैभव नगर एक्स. कनाडिया रोड	9685093733
776	पाटनी जगजीवन सिंह	एम.सी.टी.ई., महू	
777	पवार राजपाल	सी–34 / 6, आर.आर. केट कालोनी, इन्दौर	9827241986
778	पुनेठा कमलकिशोर	डी–36 / 6, आर.आर. केट कालोनी, इन्दौर	9893491573
779	पुनेठा कृष्ण चन्द्र	डी–170, रामकृष्ण बाग	
780	पुनेठा नरेश	फ्लेट नं. 302, धनरक्षा अपार्टमेन्ट, 153, धनवंतरी नगर,	9425964549
781	पुनेठा विनोद पुनेठा (बी.एस.एफ.)	210 / 1, कल्याण सम्पत विहार, गांधी नगर, इन्दौर	9399551196
782	पतवाल विकास	केसरबाग कालोनी, इन्दौर	7999534574
783	पेटवाल विकाश	30, स्कीम न. 103, केशर बाग रोड,	9424012620
784	पेटवाल विकास	आर.आर. केट, इन्दौर	
785	पेटवाल सुरेन्द्र सिंह		8085519500
786	पेटवाल जयपाल सिंह	9, दीलिप सिंह कालोनी,	7566448013
787	पटवाल सतीश	मधुवन इन्क्लेव, देवास	8189791020
788	पटवाल जयपाल	4, दिलीप सिंह कालोनी, मरीमाता	
789	पटवाल जे	सी–67 / 2, विधा पैलेस, बांगड़दा रोड़, इन्दौर	7470309379
790	पटवाल नीता	बी.एस.एफ.	8871025123
791	प्रशांत प्रशांत	स्कीम नं. 136, इन्दौर	9810595590
792	प्रसाद खीलेश्वर	सी–55 / 3, आर.आर. केट कालोनी, इन्दौर	9758928202
793	प्रसाद शिव धरम	रेडियो कालोनी	8120049874
794	प्रसाद सुदामा	1–बी, रेडियो कालोनी	
795	प्रसाद नर्मदा	10 / 5, महेश गार्ड लाईन	
796	प्रसाद नारद	78, आर्दश नगर	
797	प्रसाद गोविन्द	एम.सी.टी.ई., महू	9424782352
798	प्रताप प्रताप	37 / 8 / 1 / 4, नेमावर रोड	
799	रोतेला कुबेर सिंह		9575511487
800	रोतेला हरीश सिंह		96913630
801	रोतेला पंकज सिंह	1183, नन्दा नगर, इन्दौर	9926201421

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
802	रौथान उमरावसिंह	एफ–14, सुदामा नगर	9755596566
803	रौतेरी सचीन		
804	रौतेला एन.एस.	278, एबीएन, स्कीम नं. 51	7869917578
805	रौतेला जैवंत	एफ–201, रस टाउनशिप सेटेलाइट जंक्शन	9716416262
806	रौतेला बहादुर सिह	430, गौरव अपार्टमेन्ट, पारसी गली, महू	9425901134
807	रौतेला कुबेर सिंह	14, पंचशील कालोनी, रघुवंशी सदन, एलजी मार्केट के सामने	9575511481
808	रौतेला कुन्दन सिंह	52, अलकापुरी, मुसाखेडी	8871086354
809	रौतेला मोहन सिंह	203, अष्ट विनायक अपार्टमेन्ट, 7, धनवंतरी नगर,	9926046444
810	रौतेला मनोज	हाउस नं. 3/4–48, एपीटीसी, एरोड्रम रोड	9425352698
811	रौतेला विशन सिंह	41, बजरंग नगर	
812	रौतेला विनोद सिंह	पीथमपुर	9039555450
813	रौतेला देवेन्द्र सिंह		
814	रौतेला नरेन्द्र	ई–109, ।।–फ्लोर, लवकुश आवास विहार, सुखलिया	
815	रौतेला नारायण सिंह	278, स्कीम नं. 51, इन्दौर	9425352698
816	राणा कैलाश चन्दर	राजेन्द्र नगर	
817	राणा महावीर सिंह	48, वर्मा कम्पाउण्ड, पिपलिया पाला,	9575152339
818	राणा मेजर धर्मेन्द्र सिंह	इन्फेन्ट्री स्कूल, महू	6917633858
819	राणा मनोहर सिंह	204, माहिर सेशन, वैशाली नगर	7770882266
820	राणा हरीश सिंह	आई, 2/10, आजाद नगर, पीडब्ल्यूडी क्वाटर, इन्दौर	7869337204
821	राणा हरेन्द्र सिह	27, शांति धाम कालोनी, पीथमपुर	7247632372
822	राणा राजेश	रेडीसन ब्लू होटेल	8982942885
823	राणा सोबन सिंह	201, शान्ति नगर	8982035547
824	राणा संजय	हाउस नं. 114, इन्दौर	9968820007
825	राणा भगत सिंह	मकान नं. 935, अरिहंत नगर, नीयर पित पर्वत	9893600258
826	राणा फतेह सिंह	रेसीडेन्सी कालोनी, पानी की टंकी के पास	9926575180
827	राणा अमित	329–बी, सुन्दर नगर मैन, सुखलिया	7566265281
828	राणा अजय सिंह	26–बी, यशवन्त निवास रोड	8982914541
829	राणा अजमीर सिंह	सी.पी.डब्ल्य.डी. कालोनी, अग्रसेन चौराहा	9424951780
830	राणा गणेश सिंह	147, पल्हर नगर	
831	राणा गोविन्द सिंह	सी/17, विजय नगर, इन्दौर	9977435379
832	राणा लखन सिंह	46–बी, व्यंकटेश कालोनी	99077434332
833	राठौर हरि सिंह	302, अपोलो सिटी, इन्दौर	9926993380
834	राठौर हरि सिंह	जयश्री नगर, देवास	9977661346
835	राम केवल	95, गंगाबाग कालोनी, इन्दौर	8359095000
836	राम गोविन्द	256/1, आदर्श मेघदूत नगर,	9691123933

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
837	रावत रुप सिंह	48, वर्मा कम्पाउण्ड, पिपलिया पाला	
838	रावत एच.एस.	12, परमाणु नगर, आर.आर. केट रोड	9425315117
839	रावत एच.एस.	128, अशोक नगर	8109447889
840	रावत एच.एस.	शांति नगर	
841	रावत बुपेन्द्रसिंह श्री विजयसिंह		9301867953
842	रावत ध्यान सिंह	305, दाउ अपार्टमेन्ट, नन्दगांव	9302666608
843	रावत धानसिंह	32, न्यू गौरी नगर, इन्दौर	9926078085
844	रावत धन सिंह	जी–145, न्यू गौरी नगर	9826755132
845	रावत युधवीर सिंह	एफ–20, द्वितीय मंजिल, लव कुश विहार, इन्दौर	9977566924
846	रावत यतेन्द्र सिंह	4/21, फस्ट बटालियन, एसएएफ, केलेवर्ली लाइन, इन्दौर	9893724010
847	रावत खीम सिंह	फ्लेट नं. 303, ओल्ड अभिषेक अपार्टमेन्ट, 22–24, उषा नगर	9826579836
848	रावत श्यामा सिंह	कबीर खेड़ी	9926041356
849	रावत शुभम	डी–9, सीआरपी लाईन	9926737808
850	रावत श्याम सिंह	269, कबीट खेड़ी, मेन रोड़, सुखलिया, इन्दौर	8770274170
851	रावत प्रकाश सिंह	441, लक्ष्मीपुरी कालोनी	9926476253
852	रावत प्रदीप	विजय नगर	
853	रावत प्रेम सिंह	6, जगजीत नगर	8602529697
854	रावत प्रेम सिंह	बीएसएफ केम्प कालोनी	8989069118
855	रावत प्रेम सिंह	6, खंडवा रोड	9977416773
856	रावत प्रेम सिंह	273/1, प्रिन्स कुशवाह नगर	9977566924
857	रावत प्रेम सिंह	58–59, गणेश नगर, खंडवा रोड	
858	रावत इलाम सिंह	58, कर्मचारी कालोनी, देवास	9826729125
859	रावत बालम सिंह	एफ–5, विनय नगर, सेक्टर–1, इन्दौर	9039140668
860	रावत ब्रीजपाल सिंह	199, सी.ए. 1, सेक्टर डी, स्कीम नं. 71, इन्दौर	9893187756
861	रावत विजेश	4–बी, सांईनाथ कालोनी, तिलक नगर	9425052102
862	रावत कुँवर सिंह	173, शुभम पैलेस, स्कीम न. 51, छोटा बांगडदा	8827684277
863	रावत कैलाश सिंह	199, सी.ए. 1, सेक्टर डी, स्कीम नं. 71, इन्दौर	9993652476
864	रावत मधु	102, प्रयास अपार्टमेन्ट, शिव मंगल नगर, इन्दौर	9981867902
865	रावत मयंक	समर पार्क कालोनी	9827767653
866	रावत मोहन सिंह	133, शुभम पैलेस, स्कीम नं. 51, छोटा बांगडदा	7089184831
867	रावत मोहन सिंह	33, अरण्य नगर, स्कीम न. 78, विजय नगर	9098387520
868	रावत मोहनी	10, सांई धाम, शर्मा एनक्लेव, नन्दगांव	9893054142
869	रावत महीपाल सिंह/मोहिनी	10, साईं धाम कालोनी, नन्दगांव, इन्दौर	9993083333
870	रावत महावीर सिंह	996/114, स्कीम राजीव विहार, इन्दौर	8103514604
871	रावत महावीर सिंह	ए.एल.–39, पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर, सुखलिया	9302635312

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
872	रावत महेन्द्र सिंह	छतरपुर (म.प्र.)	7893637366
873	रावत महेन्द्र सिंह	212, ब्रह्म बाग कालोनी	8871390360
874	रावत मेहरबान सिंह	361 / 1, देव नगर, अमलतास होटेल के पास	8109040305
875	रावत मनोज सिंह	117, न्यू लोहा मंडी	9893437237
876	रावत शिवचरण सिंह	90, शुभम पैलेस, इन्दौर	9617151391
877	रावत त्रिलोक सिंह	शांति नगर	7415629759
878	रावत त्रिलोक सिंह		9837241250
879	रावत हिमांशु	67, परमहंस नगर, एरोड्रम रोड	
880	रावत पिताम्बरी देवी	16—डी, संगम नगर, इन्दौर	9893044660
881	रावत शिवचरण सिंह	90, शुभम पैलेस, स्कीम न. 51, संगम नगर	9617426385
882	रावत दिलबर सिंह	पल्हार नगर, इन्दौर	8103066416
883	रावत दिलबर सिंह	हाउस नं. 8 / 11, महेश गार्ड लाईन, टाटा स्टील के पास	8103066416
884	रावत विमल श्री	ए.एल.—39, पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर, सुखलिया	
885	रावत विपिन	18—सी, न्यू शीतल नगर	9977740109
886	रावत विनित	186, न्यू शीतल नगर, इन्दौर	9926601616
887	रावत विरेन्द्र सिंह	48, पिपलिया राऊ, भोला राम उस्ताद मार्ग, इन्दौर	5602520200
888	रावत विरेन्द्र सिंह	सिलवानिया लक्ष्मण	
889	रावत विक्रम सिंह	संजय नगर, देवास	7389202696
890	रावत जितेन्द्र सिंह	सी.एस.डबल्यु.टी, बी.एस.एफ.	9179194588
891	रावत हरि सिंह	मुखर्जी नगर, इन्दौर	
892	रावत हरीश	92, शान्ति नगर, महूगाँव, महू	8827925165
893	रावत हरेन्द्र	92, शान्ति नगर, महू	8827925165
894	रावत हरेन्द्र सिंह	महावीर नगर, छोटा बांगडदा रोड	9977334814
895	रावत हेमन्त सिंह	रामकिशन नगर, देवास	8177835201
896	रावत पंचम सिंह	9, गंगा देवी नगर	
897	रावत पीताम्बरी	116—डी, ए स्कीम नं. 51, संगम नगर	9993148236
898	रावत परविन्दर सिंह	3 / 1, ओल्ड पलासिया	9977088130
899	रावत पदम सिंह	108, सुखदेव नगर	9977778108
900	रावत पवन सिंह	337, न्यू गौरी नगर, इन्दौर	8085139566
901	रावत पुरण सिंह	डी—16, गौरी नगर	8871192051
902	रावत पुरण सिंह	20, न्यू गौरी नगर	8966839099
903	रावत पुरण सिंह	1613, न्यू गौरी नगर	
904	रावत पूरनसिंह	16—बी, आदिनाथ नगर, जाम का बगीचा, गौरी नगर, इन्दौर	
905	रावत रणजीत सिंह	221, शुभम पैलेस	8085224337
906	रावत रघवीर सिंह	199, सी.ए. 1, सेक्टर डी, स्कीम नं. 71, इन्दौर	9993652476

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
907	रावत रघुवीर सिंह	1/7, केवलरी लाईन, आर.ए.पी.टी,सी.	9575922493
908	रावत रघुवीर सिंह	गाँधी नगर, इन्दौर	
909	रावत रवि	6, जगजीत नगर, खण्डवा, इन्दौर	8602529697
910	रावत रविन्द्र सिंह		9509288376
911	रावत रविन्दर सिंह	121, गंगा बाग कालोनी	8988280501
912	रावत राम सिंह	413, दूसरी पल्टन	8962432426
913	रावत राम सिंह	4/3, 48, एपीटीसी, एरोड्रम रोड	9074210383
914	रावत राम सिंह	659/8, नन्दा नगर	9926040421
915	रावत रामसिंह	48, क्वाटर दूसरी पल्टन, इन्दौर	
916	रावत राजेन्द्र	48, पिपलिया राव, इन्दौर	
917	रावत राजेन्द्र सिंह	212, संत नगर, खण्डवा नाका, इन्दौर	7879708882
918	रावत राजेन्द्र सिंह	131, पिपलिया रोड़, इन्दौर	9009962050
919	रावत राजेन्द्र सिंह	शांति नगर	9527452779
920	रावत राजेन्द्र सिंह	एम–114, पंडित दिनदयाल नगर, सुखलिया, इन्दौर	9617392918
921	रावत राजेन्द्र सिंह	145, गौरी नगर, इन्दौर	9826601619
922	रावत राजेन्द्र सिंह	530, न्यू गौरी नगर, इन्दौर	9893860938
923	रावत राजेन्द्र सिंह	188, बिलावली फिल्टर	9981916641
924	रावत रतीश सिंह	डी–116, स्कीम नं. 51, संगम नगर	9893044660
925	रावत सेन सिंह	गंगा बाग कालोनी, इन्दौर	7000096760
926	रावत सोहन सिंह	126–बी, वैभव नगर एक्सटेंशन, इन्दौर	9826995543
927	रावत सोना	24, वायरलेस कालोनी, दूसरी बटालियन	
928	रावत संग्राम सिंह	हाउस नं. डी–10/2, महेश गार्ड लाईन	9753869486
929	रावत संदीप सिंह	96, छेदीलाल लाइन, फस्ट बटालियन, इन्दौर	9039574600
930	रावत संजय सिंह	हाउस नं. डी–1/4, महेश गार्ड लाईन	9039642462
931	रावत संजय सिंह	15–बी, महेश गार्ड लाइन, इन्दौर	9111986287
932	रावत संग्राम सिंह	15–बी, महेश गार्ड लाइन, इन्दौर	9575286758
933	रावत सचिन	पिपलिया राव, भोलाराम उस्ताद मार्ग, इन्दौर	9009990070
934	रावत सावर सिंह	530ृ–जी, न्यू गौरी नगर	9755066485
935	रावत सुमेर सिंह		9039896260
936	रावत सुमन सिंह	शीतल नगर,	8109087305
937	रावत सुरत सिंह	बीएसएफ, बिजासन केम्प कालोनी	8109194721
938	रावत सुरेश	केवल्रली लाइन, इन्दौर	8319499075
939	रावत सुरेश	47–बी, छोटा बांगडदा	7879566966
940	रावत सुरेश सिंह	प्रथम वाहिनी बीएसएफ, केवलरी लाईन, मरीमाता	8817202479
941	रावत सुरेन्द्र सिंह	सी–1022, सुखलिया, इन्दौर	7566485588

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
942	रावत सुरेन्द्र सिंह	535, न्यू गौरी नगर, इन्दौर	9630746944
943	रावत सुरेन्द्र सिंह	113, बिलावली फिल्टर हाऊस, बिलावली झोन, पिपलिया पाला	9754945400
944	रावत सुरेन्द्र सिंह	बी–5 / 101, एमओजी लाईन	94245565895
945	रावत सुदर्शन	बी–136, अयोध्यापुरी कालोनी, कोदरिया, महू	7697820510
946	रावत सुनील / अनिल	महू	
947	रावत सुन्दर सिंह	सी–9, विरल ग्राम	
948	रावत सतीश सिह	874, अयोध्या नगरी, जनता क्वार्टर, नन्दानगर	9584619303
949	रावत सतीश सिह	डी–116, स्कीम नं.51, संगम नगर	
950	रावत सेन सिंह	94, गंगा बाग कालोनी, कुशवाह नगर	9300622507
951	रावत उमेश सिंह	सी 6–403, महेश गार्ड, हाई राइज बिल्डिंग, इन्दौर	8109014892
952	रावत दर्शन सिंह	171, शुभम पैलेस, स्कीम न. 51, छोटा बांगडदा	9770218817
953	रावत देवी सिंह	659 / 8, नन्दा नगर, इन्दौर	9617276015
954	रावत देवेन्द्र सिंह		9340223027
955	रावत देवेन्द्र सिंह	189, रुकमणी नगर, छोटा बांगड़दा, इन्दौर	9993104757
956	रावत देवेन्द्र सिंह	199, सी.ए. 1, सेक्टर डी, स्कीम नं. 71, इन्दौर	9993652476
957	रावत भीम सिंह	सी.आय.एस.एफ., बड़वाह	9425448961
958	रावत वीर सिंह	35–बी, वंदना नगर	9977907697
959	रावत वीरेन्द्र सिंह	108, श्रद्धा श्री कालोनी	8223906884
960	रावत वीरेन्द्र सिंह	48, वर्मा कम्पाउण्ड, पिपलिया पाला	8602520200
961	रावत वीरेन्द्र सिंह		8982280501
962	रावत वीरेन्द्र सिंह	530, न्यू गौरी नगर, बाल भवन गली, इन्दौर	9009000709
963	रावत वीरेन्द्र सिंह	18, न्यू राजा राम नगर	9301978287
964	रावत वीरेन्द्र सिंह	सीएम–243, सुखलिया	9302105200
965	रावत वीरेन्द्र सिंह	48, लक्ष्मीपुरी कालोनी	9617477428
966	रावत भारत सिंह	659 / 8, नन्दा नगर	9926471010
967	रावत भुपेन्द्र सिंह	डी–46 / 2, केट कालोनी, इन्दौर	9425478942
968	रावत भूपेन्द्र		
969	रावत भगत सिंह	बी–1282, स्कीम नं. 71	8878348186
970	रावत चमन सिंह	जी.एफ.–28, स्कीम नं. 54, सयाजी होटेल के सामने, विजय नगर	8959222710
971	रावत चन्द्रा	यशोदा अपार्टमेन्ट, नन्दगांव, इन्दौर	9826045803
972	रावत चन्दर सिंह	103, दाउ अपार्टमेन्ट, नन्दगांव	9826045803
973	रावत फतेह सिंह	स्कीम नं. 114, शालीमार टाउन शिप	9981144497
974	रावत तेजपाल	171, शुभम नगर, स्कीम न, 51, संगम नगर	9827044660
975	रावत ज्योति	66, परमहंस नगर, एरोड्रम रोड़, इन्दौर	9669496668
976	रावत जयपाल सिंह	हाउस नं. डी–2 / 5, 48 क्वार्टर, महेश गार्ड लाईन	8269101290

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
977	रावत जयपाल सिंह	3/11, विजय नगर	8817995576
978	रावत जी.एस.	सी.एम.–2/233, सुखलिया	
979	रावत जसपाल सिंह	11, राजेन्द्र नगर, मेल पॉलीटेक्निकल कॉलेज, इन्दौर	8966971169
980	रावत जसवंत सिंह	3/24, नेहरु नगर	9752104538
981	रावत जगत सिंह	विजय नगर	8482917277
982	रावत जगत सिंह	168, अजय बाग कालोनी, इन्दौर	8871390960
983	रावत जगत सिंह	महेश गार्ड	
984	रावत नरेन्द्र सिंह	आईपीएफ–25/3, शालीमार टाउनशिप ए.बी. रोड़, इन्दौर	9300051616
985	रावत नरेन्द्र सिंह	19, आशीष नगर, खंडवा रोड, तेजाजी नगर	9926010007
986	रावत नरेन्द्र सिंह	अनुराधा नगर, तेजाजी नगर, बायपास, इन्दौर	9926110007
987	रावत नरेन्द्र सिंह	7, आशीष नगर, इन्दौर	9977941807
988	रावत नाथपाल सिंह	15–बी, महेश गार्ड लाइन, इन्दौर	9827376332
989	रावत नारायण सिंह	107, शुभम नगर, इन्दौर	9826936648
990	रावत नवीन	शांति नगर, महू	
991	रावत नन्दन सिंह	अनुराधा नगर, इन्दौर	9977941807
992	रावत अरुण	डी.एच.–71, स्कीम नं. 74.सी, विजय नगर	7898915296
993	रावत अमित	126–बी, वैभव नगर एक्सटेंशन, इन्दौर	
994	रावत अनिता	1282, सेक्टर–बी, स्कीम नं. 71,	8878348186
995	रावत अनिता	126–बी, वैभव नगर एक्स. कनाडिया रोड	
996	रावत टी.एस.	सी–35/5, आर.आर. केट कालोनी, राजेन्द्र नगर	9713632755
997	रावत अशोक	शांति नगर, महू	
998	रावत आतीश	542, सेक्टर–सी, सुखलिया	9039246629
999	रावत आलम सिंह	145, गौरी नगर, इन्दौर	7999543763
1000	रावत अजय	66–67, स्कीम नं. 51, संगम नगर	9669496668
1001	रावत गोविन्द सिंह	108, शुभम नगर, स्कीम न, 51, संगम नगर	
1002	रावत गब्बर सिंह	एच–29, एनसीए कालोनी, स्कीम नं. 78	9826965952
1003	रावत गीता	354, अम्बिकापुरी, एयरपोर्ट रोड़, इन्दौर	
1004	रावत गुड्डू	22/4, विजय नगर, इन्दौर	8979934158
1005	रातुडी हरिश	बंग्लो नं. 3, पी.डब्ल्यु.डी कालोनी	
1006	रातुडी ग्यानानन्द	416, रायल बंग्लो, ए.बी. रोड राउ, राजेन्द्र नगर	9009122713
1007	रातूरी हरीश प्रसाद	467–ए, अरिहंत नगर, इन्दौर	9826141012
1008	राजबर विपिन	आर.आर. केट, इन्दौर	
1009	राजपुत प्रभा	डी–6, एचआयजी कालोनी	9826070554
1010	राजपूत कर्नल वाय.एस.	डी–6, एच.आई.जी. कॉलोनी, इन्दौर	9826470554
1011	राजवर ए.एस.	हाउस नं. 99, टाईप–3, सीपीडब्ल्यु कालोनी	9926019081

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
1012	राजवर विपिन चन्द्र	सी–26/6, आर.आर. केट कालोनी, इन्दौर	7697474172
1013	राजवर देवेन्द्र सिंह	103, नवनीत प्लााजा, 8–ई, राजेन्द्र नगर	9039534841
1014	रुवाली खीमानन्द	6.ठए कृषि विहार कालोनी, वंदना नगर मैन	9425906409
1015	रुवाली कैलाश चंद	ई–67, केट कालोनी, इन्दौर	9424819097
1016	रुतेला मानसिंह	जबलपुर	9303605822
1017	मेहता दीपक सिंह	367–बी, शान्तिनगर, महूगांव, महू	9977734208
1018	शर्मा घनश्याम	184, सेक्टर–ए, वीना नगर, सुखलिया	9617988448
1019	शर्मा कुसुम	डी–134, स्कीम नं. 51, इन्दौर	9826568685
1020	शर्मा मोहनलाल	गंगा नगर, देवास	9877009802
1021	शर्मा मुकेश	139, एम.आर.–4, इन्दौर	
1022	शर्मा मन कुमार	17, शुभम ग्रीन कालोनी, इन्दौर	9893175227
1023	शर्मा मनोरमा	212–ए, रुकमणी नगर, इन्दौर	9926597474
1024	शर्मा गिरिश चन्द्र	71, श्री मंगल नगर, बंगाली चौराहा, इन्दौर	9826715617
1025	शर्मा हरि बल्लभ	स्कीम नं. 51, इन्दौर	
1026	शर्मा हरिशलाल	विराट नगर, मुसाखेड़ी, इन्दौर	7746065331
1027	शर्मा पुष्कर दत्त	279, सेक्टर–एफ, इन्दौर	8269516025
1028	शर्मा पुष्पा	महालक्ष्मी नगर, इन्दौर	
1029	शर्मा रमेश	613–बी, तुलसी नगर, इन्दौर	9039011171
1030	शर्मा रमेश चन्द्र	15–बी, महेश गार्ड लाइन, इन्दौर	6260714722
1031	शर्मा रामा	पॉल हील, एयरपोर्ट रोड़, अपो. बिजासन माता मंदिर, इन्दौर	8871030329
1032	शर्मा रेणु	रुक्मणि नगर, छोटा बांगडदा रोड	9977037858
1033	शर्मा सुरेश	फ्लेट नं. 206, सोना रेसीडेन्सी, इन्दौर	8719988888
1034	शर्मा सुभाष चन्द्रा	करसदेव नगर, इन्दौर	9826066479
1035	शर्मा सुगंधी	स्कीम नं, 114, मकान नं. 162, इन्दौर	8719988888
1036	शर्मा दीपक	19, कृष्णा विहार, गांधी नगर, इन्दौर	
1037	शर्मा वी.पी.	354, प्रथम पेराडाइज, इन्दौर	7049108301
1038	शर्मा वीरेन्द्र कुमार	नीरजा नगर, भोपाल	9977588618
1039	शर्मा चन्दन	ए.एस.–67/5, स्कीम नं. 78, विजय नगर, इन्दौर	9303322222
1040	शर्मा अमित	डेल्ही कालेज, मुसाखेडी	8871208961
1041	शर्मा अनिल	30/ए/स्कीम नं. 78, इन्दौर	9303333309
1042	शर्मा आर.डी.	163, शांति नगर, महू	8871283772
1043	शर्मा अजय	एफ–231, लव कुश आवास विहार, इन्दौर	
1044	शर्मा गोकुल	152, लक्ष्मीपुरी	9644464555
1045	शर्मा गोपाल दत्त	एफ–8, 1ली मंजिल, रायल श्री अपा. इन्द्रपुरी कालोनी, किशनगंज, महू	9329023099
1046	शर्मा गार्गी		

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
1047	शर्मा गिरिश चन्द्र	71, श्री मंगल नगर, बिचोली हप्सी रोड़	9826715626
1048	शाह एस.के.	बी.जी.–77, स्कीम नं. 74, विजय नगर	7898491494
1049	शाह रोशन	5, एमआरएफ कालोनी	9981911974
1050	शाह राहुल	106, एलीट टावर, नेहरु पार्क रोड	9826620655
1051	शाही हरीश	एएबी, ब्रजेश्वरी एनेक्स, बंगाली चौराहा, इन्दौर	9826767911
1052	शाही आर.बी.	170, अंबिकापुरी एक्स., बिजासन रोड	9826061993
1053	शालू जी.एस.		
1054	सोनी गणेश	एम–282, जनता क्वार्टर, स्टेडियम ग्राउण्ड	9981423933
1055	सांवल अजय	1/4, सत्यसाँई रेसीडेन्सी, स्नेहलता गंज	9425063610
1056	सावंत हयात सिंह	13–14, लक्ष्मीपुरी कालोनी	
1057	सावंत अरुण	155, रिंग रोड	
1058	सुंदाली प्रदीप कुमार	डी–1/17, 1 बटालियन, एस.ए.एफ., केवलरी लाईन	9425346442
1059	सुवल मोहनलाल	96, मनिषा विहार,	9981620473
1060	सुतैरी ेखरचन्द्र	सिलीकान सिटी	8878510403
1061	सती चन्द्रशेखर	723, एम आर–3, महालक्ष्मी नगर,	9630088835
1062	सतपाल हरिश सिंह	बी–3–ए, छत्रछाया कालोनी	9826367640
1063	सेमवाल दिनेश	व्हाईट चर्च कालोनी	9009600021
1064	सेमवाल रजनी	ए.एल.–169, पं, दीनदयाल उपाध्याय नगर, सुखलिया	9300042901
1065	सेमवाल सुशील शर्मा	105, रानीबाग	9926836545
1066	सेमवाल नरेश	ए.एल.–169, पं, दीनदयाल उपाध्याय नगर, सुखलिया	9300091616
1067	सेमवाल अतुल	बी–12, एयरपोर्ट कालोनी	
1068	सजवान विमला	101, गोयल नगर, इन्दौर	9174224772
1069	सजवान राजेन्द्र सिंह	84, पंचवटी नगर, बिजासन रोड	9691160179
1070	सजवान सागर	84, पंचवटी नगर, इन्दौर	7879224003
1071	सजवान उत्तम सिंह	84, पंचवटी नगर, बिजासन रोड	9977012359
1072	सजवान वीरेन्द्र	18, कैला माता कालोनी, किशन गंज, महू	9826078424
1073	सजवान आनन्द सिंह	49, वन्दना नगर एक्सटेंशन, इन्दौर	9926666379
1074	सलाल पुरण सिंह	बी–89, वीणा नगर, सुखलिया	9826524643
1075	सिंह शावर	शांति नगर, महू	
1076	सिंह ठाकुर	51, गिरधर नगर, इन्दौर	9425078376
1077	सिंह के.सी.	सी–35/16, इन्दौर	8120490262
1078	सिंह कैलाश चन्दर	सी35/4, आर आर केट कालोनी, राजेन्द्र नगर	9302935126
1079	सिंह मनोज	शुभम रेसीडेन्सी, राजेन्द्र नगर, इन्दौर	9158944725
1080	सिंह हिमांशु	10/5, महेश गार्ड लाईन	9754031594
1081	सिंह पूरन	272, स्कीम नं. 51, इन्दौर	9826701431

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
1082	सिंह रघुवीर	आय.आय.एम. केम्पर राउ	
1083	सिंह राकेश	288, लक्ष्मीपुरी कालोनी, इन्दौर	6262700399
1084	सिंह रामा	32/15, किला रोड़, इन्दौर	9425065347
1085	सिंह राजेन्द्र	बालाजी हाईट्स, महालक्ष्मी नगर	
1086	सिंह सीताराम	शांति नगर, महू	
1087	सिंह सुमन	25, प्रगति नगर	9425063629
1088	सिंह दीपक		7755920965
1089	सिंह दीवान	38–बी, मिल्वाबंधु नगर, नियर वेभव नगर, बंगाली चौराहा	9584230430
1090	सिंह देवी	78–326	8109160192
1091	सिंह वीर	बीएसएफ केम्प कालोनी	9752353498
1092	सिंह चन्द्रशेखर	सी–240, छत्रछाया कालोनी, पीथमपुर धार	9926052169
1093	सिंह जयदत्त	278, शुभम पैलेस, इन्दौर	9303237321
1094	सिंह जीवन	180–डी, मालकम लाईन	9826452556
1095	सिंह नन्दन	रेडीसन ब्लू होटेल	7697433931
1096	सिंह अरुण प्रताप	रेडीसन ब्लू होटेल	8602659514
1097	सिंह टोपवाल	बी–217, जवाहर नगर	9893040891
1098	सिंह अंशुमान	आयशर मोटर्स	
1099	सिंह आर.के.		
1100	सिंह आनन्द	30, आजाद नगर	
1101	सिन्हा रीता	यू.एस.ए.	
1102	शर्मा ए.डी.	145, सिटी सेन्टर, एम.जी. रोड	9039427199
1103	शर्मा शशिकुमार	1648, मीनेष नगर, स्कीम नं. 78, विजय नगर	
1104	शर्मा प्रेम नारायण	ए.एस.–30/1, स्कीम नं. 78, विजय नगर	9009494310
1105	शर्मा बलराम	यादव भवन, आजाद नगर, मुसाखेडी	9300096501
1106	शर्मा महानन्द	656/8, नन्दानगर	9926612529
1107	शर्मा मुकेश	आर–286, महालक्ष्मी नगर	8085401262
1108	शर्मा मुकेश	656/8, नन्दानगर	9009576077
1109	शर्मा मनीराम	212–ए, रुकमणी नगर, इन्दौर	9926597474
1110	शर्मा वीरेन्द्र प्रकाश श्री रविदत्त	354, प्रीमियम पेराडाइज, इन्दौर	9424884499
1111	शर्मा विश्वम्भर दत्त	3/22, नेहरु नगर,	9826533767
1112	शर्मा गिरीश चन्द्र	71, श्री मंगल नगर, बिचौली रोड	
1113	शर्मा हरिप्रसाद	हाउस नं. 44/1, रुकमणि नगर, छोटा बांगडदा	9098344275
1114	शर्मा हरिबल्लभ	डी–134, स्कीम नं. 51, इन्दौर	9826568685
1115	शर्मा हरिबल्लभ	1005/4, भागीरथपुरा मंदिर	9926039065
1116	शर्मा पी.पी.	6, श्याम नगर एन एक्स. सुखलिया	9229187105

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
1117	शर्मा रमेशचन्द्र	डी–1/3, अहिल्या ब्लाक, महेश गार्ड लाईन	9713011813
1118	शर्मा रमेशचन्द्र	46, भविष्यनिधि एनक्लेव, आर.टी.ओ., केशर बाग रोड	
1119	शर्मा रवि	18, सुभाष नगर	9826037483
1120	शर्मा रामप्रसाद	100, नीलकण्ठ कालोनी	9425957837
1121	शर्मा रामचन्द्र शर्मा	एफ–108, लवकुश आवास विहार, सुखलिया	9301975333
1122	शर्मा राजेश्वरी	71, श्री मंगल नगर, बिचोली रोड	9826715617
1123	शर्मा संजय	18, सुभाष नगर	9425410203
1124	शर्मा सुरेश	24, बंग्लो, सी.एस. आय. स्कीम नं. 114	9755088596
1125	शर्मा सुरज	197, एम. अम्बेडकर नगर	9303439659
1126	शर्मा सुशील	105, रानीबाग कालोनी	9926536546
1127	शर्मा सत्यनारायण	39, अजय बाग कालोनी, मुसाखेडी	9713028055
1128	शर्मा वेद प्रकाश	464, आलोक नगर, कनाडिया रोड	9926492378
1129	शर्मा चन्दन	ए.एस.–67/5, स्कीम नं. 78, विजय नगर	9826022118
1130	शर्मा जगदीश चन्द्र	54, प्रिन्स सिटी, श्याम नगर एन एक्स, सुखलिया	7415177813
1131	शर्मा अनिता	बंगलो नं. 2, पुलिस ऑफिसर क्वार्टर, सदर बाजार	9424915780
1132	शर्मा आनन्द प्रसाद	100, नीलकण्ठ कालोनी	9203848765
1133	शर्मा अजय	एफ–24/1, लवकुश आवास विहार, सुखलिया	9993178686
1134	शर्मा गोपाल प्रसाद	259/3, जनता क्वार्टर	
1135	शर्मा गार्गी	100, नीलकण्ठ कालोनी	9203848765
1136	शर्मा लीलाधर	101, पलक अपार्टमेन्ट, पागनीसपागा	9827320710
1137	शाही प्रताप सिंह	108, तिरुपति पैलेस, निपानिया	
1138	शाही हरिश	11–बी, ब्रजेश्वरी एन.एक्स., कनाडिया रोड	9826767011
1139	शाही सी.बी.	183, अंबिकापुरी एक्स., बिजासन रोड	9424073269
1140	शाही जी.एस.	20–ए, वंदना नगर एक्स.,	9893101892
1141	शाही नरेन्द्र सिंह	108, तिरुपति पैलेस, निपानिया	9406009484
1142	शुक्ला राजेन्द्र	वैशाली नगर	9907055255
1143	शिकवन कविन्द्र सिंह	आदर्श नगर, देवास	9482504859
1144	शिल्पकार नरेश	145/3, विधा पैलेस, इन्दौर	9039373720
1145	तिरथ राम	विजय नगर	9384599603
1146	तिवारी एस.सी.	132, तिलक नगर मैन	
1147	तिवारी प्रेम प्रकाश	10–सी, वंदना नगर एन.एक्स,	9827238925
1148	तिवारी कमलेश	ए.एम.2/117, सुखलिया	
1149	तिवारी मोहन चन्द्र	फ्लेट नं. 103, ट्रेजरर फेन्टेसी, इन्दौर	9424636807
1150	तिवारी महेश चन्द्र	114, तिलक नगर मैन	8435014863
1151	तिवारी पिताम्बर श्री रामकिशन	65–ए, संचार नगर एन.एक्स, कनाडिया रोड	8435789200

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
1152	तिवारी दिनेश	दिव्य विहार कालोनी, इन्दौर	9584715877
1153	तिवारी दिनेश	विकास टावर	9752598500
1154	तिवारी पीतम्बर	202, मयंक इन्क्लेव, इन्दौर	
1155	तिवारी रमेशचन्द्र	ए.एम.– ।।/117, सुखलिया, इन्दौर	9009877528
1156	तिवारी श्रीकिशन	डीडी–9, स्लाईस न. 2, स्कीम न.78, विजय नगर	9826221631
1157	तिवारी सौरब	102, तपेश्वरी बाग कालोनी	9669577253
1158	तिवारी संजय रमेश		
1159	तिवारी डी.सी	63, रघुवंशी कालोनी	9584715877
1160	तिवारी दया किशन	सी.एम.–166, सुखलिया, इन्दौर	9826221610
1161	तिवारी जे.सी.	सी–1000, पंडित दिनदयाल नगर, सुखलिया, इन्दौर	9630465166
1162	तिवारी जे.सी.	187, सुन्दर नगर मेन	9630465166
1163	तोमर एस.एस.	ए–22, ट्रेजरर फेन्टेसी, इन्दौर	9303237584
1164	तोमर शांता	2–बी, सांईनाथ कालोनी	
1165	तोमर सिद्धार्थ	2–बी, सांईनाथ कालोनी	
1166	तोमर रश्मि	सांई शरण गर्ल्स होस्टेल	
1167	तोमर संजय सिंह	2–बी, साईंनाथ कालोनी, इन्दौर	9301120608
1168	तोमर संजीव सिंह	2–ल्बी, सांईनाथ कालोनी	9826063160
1169	तोमर संजीवन	एडब्ल्यूएचडी, भूपेन्द्र विहार, फ्लेट नं. 5, इन्दौर	9826063960
1170	टोपवाल राजेन्द्र सिंह	1, किशन पुरी	
1171	ओसवाल त्रिवेन्द्र सिंह	स्नेहलता गंज, इन्दौर	800180714
1172	टमटा राजेश	33/1, मोती तबेला, नियर कलेक्टरेट	9926014299
1173	टमटा दीपक	डेली कालेज केम्पस	7509224181
1174	टमटा दीपक	हाउस नं. 43, विराट नगर, मुसाखेड़ी, इन्दौर	9294570220
1175	त्रिपाठी विक्रम	422/7, रोड नं. 9, नन्दा नगर	9165868982
1176	त्रिपाठी नित्यानन्द	422/7, रोड नं. 9, नन्दा नगर	9893406012
1177	त्रिपाठी यु.सी.	21–बी, श्रीजी वाटिका, वंदना नगर एक्स.	
1178	त्रिपाठी मुकुल	127, श्रीनगर एक्स. फ्लेट नं. 102, रेजेन्सी सिद्धि विनायक, इन्दौर	9981111208
1179	त्रिपाठी उमेशचन्द्र	ए.एम–29, सुखलिया, नियर यूको बैंक, इन्दौर	9893003397
1180	थपलियाल दिनेश चन्द्र	आवास नगर, देवास	9713725856
1181	थपलियाल लक्ष्मी देवी	1266, स्कीम नं. 51, इन्दौर	8839316077
1182	थापलियाल रेणु	1266, स्कीम नं. 51, संगम नगर	
1183	थापलियाल देवीदत्त	1266, स्कीम नं. 51, संगम नगर	9827379386
1184	थापलियाल नारायणदत्त	सुदामा नगर	
1185	थापलियाल अरविन्द	पं. फ्लेट नं. 105, रुपायन अपार्टमेन्ट, 31/4,	9826062183
1186	थापलियाल आर.डी.	400, सुदामा नगर	

क्र.	नाम	पता	फोन नं.
1187	थापा विजय सिंह		9755890218
1188	थापा पुरण सिंह	हाउस नं. 272, स्कीम नं. 51, महाराणा प्रताप नगर, निगम झोन ऑफिस	9926701431
1189	थापा दर्शन	804, पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर, सुखलिया	9630707988
1190	थापा व्हाय.बी.	सी–5 / 5, आर आर केट कालोनी, राजेन्द्र नगर	9424082194
1191	ठंगवाल भुवन चन्दर	47, श्याम नगर एन.एक्स., सुखलिया	9826105945
1192	ठाकुर बच्चा सिंह	जी–37, तीसरी, न्यू शब्री नगर, सुखलिया	9907449668
1193	ठाकुर मोहन सिंह	109, लव कुश आवास विहार, सुखलिया	9179481401
1194	ठाकुर मनोज सिंह	इ–45, सेकंड फ्लोर लवकुश आवास विहार, सुखलिया,	9329454639
1195	ठाकुर शिव सिंह	आजाद नगर, मुसाखेडी	9993599393
1196	ठाकुर दिनेश	1159, स्वर्ण हाऊस, फ्लेट नं. 201, स्कीम नं. 114	9826386628
1197	ठाकुर शमशेर सिंह	अनिल श्री नगर, देवास	9926735356
1198	ठाकुर संजय	डी.एम.–288, सुखलिया, इन्दौर	9993110948
1199	ठाकुर जय सिंह	सी–742–ए, सुखलिया	9893901130
1200	ठाकुर नीलम	डी.एम.–288, सुखलिया, इन्दौर	8319192106
1201	उप्रेती हीरा बल्लभ	पी–27, सुखलिया	9302550499
1202	उप्रेती रामप्रसाद	नीलकंठ कालोनी, किला मैदान	
1203	उप्रेती कृष्णकांत	888, सुदामा नगर	9893544646
1204	उनियाल पिताम्बर दत्त	हाउस नं. 35 / 1, जगन्नाथ नगर, सांवेर रोड	9826940061
1205	उनियाल वीरेन्द्र	111, सुन्दर नगर	9752217315
1206	उनियाल अपूर्व	3, विद्या नगर	
1207	उनियाल अजय	3, विद्या नगर	9302568221
1208	उपरेती राजेन्द्र	83, मानस रजत विहार, कोदेरा ग्राम, महू	8435747223
1209	उपाध्याय प्रकाशचन्द्र	207 / 3, नन्दा नगर	
1210	उपाध्याय हरिश चन्द्र	254, बजरंग नगर, नन्दा नगर	9893499989
1211	उपाध्याय रवि प्रकाश	सी.एल.–1, सुखलिया, इन्दौर	8269357438
1212	उपाध्याय राजेन्द्र	सी.एम.2 / 44, सुखलिया	9826630908
1213	उपाध्याय राजेन्द्र	डी–15, कालिंदी गोल्ड सिटी, इन्दौर	
1214	उपाध्याय भेरव दत्त	208 / 3, नन्दा नगर	9754857974
1215	उपाध्याय अमर नाथ	331, एमआर–5, महालक्ष्मी नगर	9907522113
1216	उपाध्याय लक्ष्मीप्रसाद	फ्लेट नं. 101, मालीनाथ अपार्टमेन्ट, 297, सिलीकान सिटी	9424008409

हार्दिक शुभकामनाओं सहित....

दिलीप ब. राजोरिया
(अभिभाषक)

कार्यालय : 134–ए एवं 109, प्रथम मंजिल,
18– ट्रेड सेन्टर, समोशरण जैन मंदिर के सामने,
साउथ तुकोगंज, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-2526262, मो.: 9425066778
Email : dilipbrajoria@gmail.com

DAIKIN
DAIKIN DEALER

With Best Compliments From....

AMIT VIJAYVARGIYA
9303270034

AIR SHOPPE
AIR CONDITIONING SOLUTION PROVIDER

MZ-22-23, Trade Center, 18 South Tukoganj,
Near Hotel Crown Palace, Indore (M.P.)
airshoppe@gmail.com
contact : +91 731 2526680, 4078090

With Best Compliments From....

PREM SHARMA
98263 65128

HARISH SHARMA
94250 65128

API

AASHI PRIME INFOTECH

COMPUTER SYSTEMS, LAPTOPS, TABLETS, PROJECTORS,
SERVERS, PRINTERS & CCTV CAMERAS

M-80, Trade Center, 18, South Tukoganj, Indore (M.P.)
Mobile : 7389905128, Ph.: 0731-4072128
E-mail : aashi.prime@gmail.com | www.aashiprime.com

MEGABYTE
COMPUTERS

DEALS IN:
HARDWARE, PERIPHERAL
& MAINTENANCE, ANNUAL MAINTENANCE
NET SOLUTIONS

MEGABYTE
COMPUTERS
M-75,Trade Center, 18, South Tukoganj, Indore
Phone: 0731 - 2527777, 4066224, Mobile: 93013-16424
E-mail: megabytecomp@rediffmail.com

COMFORTBALE
LIVING
AFFORDABLE
PRICE

K1 HOMES

AMENITIES

- 24*7 Security
- Open Kitchen
- Spacious Room
- Mess facility
- Water facility
- Attached Room
- Housekeeping

70005 08330
87701 44457
Email.Id : ask@K1homes.in

Visit or call us today to learn more about K1 Homes.

Plot No. 210, Scheme No. 113, Opp. Brilliant Convention centre, Vijaynagar, Indore

TALLY CERTIFIED PARTNER
5 Star Sales & Solution

TALLY FOR GST

Ajay Sen
9827095999

COMMERCE CONCEPTS

Authorised 3 Star Tally Partner Tally Solutions Pvt. Ltd.

» Tally Sales, Customization
» Services, Man Power Support
» Data Recover
» Practical Accounting
» Training
» Taxation
» Banking
» Inventory

M-59A, Trade Center, 18, South Tukoganj,
Indore (M.P.) Ph.: 4203999 | Email : tallyindore@rediffmail.com
Web : www.newcommerceconcepts.com

With Best Compliments from....

ANAND VERMA
9131415757

VINAY ENTERPRISES

DEAL IN EDIBLE AND NON EDIBLE OILS

Address : Plot No. 127, Ground Floor
Scheme No. 113, Near Brilliant convention,
Near Vijay Nagar, Indore 452010 (M.P.)

www.ezbattery4u.in

EZ BATTERY

- 2 WHEELER BATTERY
- TUBULAR INVERTER BATTERY
- CAR BATTERY
- TRACTOR BATTERY

Customer Care: 774 8000 774

संस्था का वर्तमान कार्यालय

निजी स्वामित्व की भूमि पर प्रस्तावित भवन

हातोद पटवारी हल्का, जम्बूड़ीहप्सी (पितृ पर्वत के सामने)

स्मृति शेष देवात्मां

पूज्य माताजी
स्व. श्रीमती वंशोधरी देवी बिष्ट
(ब्रह्मलीन दि. 30 मई 2010)

पूज्य पिताजी
स्व. ले. कर्नल एम.एस. बिष्ट
(ब्रह्मलीन दि. 29 सितम्बर 2003)

'व्यक्तित्व ऐसा आप दोनों का जैसे कोई विराट गहन समन्दर,
अब हमारे साथ हैं आपकी, स्मृतियाँ ही हमारी धरोहर ॥'

विनयावत् : समस्त बिष्ट परिवार
डी-7, एच.आई.जी. कॉलोनी, इन्दौर (म.प्र.)

SHREE FINANCIAL

HOME LOAN होम लोन / प्लाट लोन

नयी प्रॉपर्टी खरीदने हेतु सरकारी/प्राइवेट बैंको द्वारा
कम ब्याज और आसान लोन

MORTGAGE LOAN

आपकी पुरानी प्रॉपर्टी पर लोन करवाने हेतु

INDUSTRIAL LOAN

नए एवं पुराने व्यापार के लिए लोन हेतु

CC Limit, OD Limit या किसी भी प्रॉपर्टी पर लोन से सम्बंधित
कार्य के लिए सम्पर्क करे - 20 वर्षों से आपकी सेवा में

HDFC HOME LOANS | pnb Housing Finance Limited | LIC HFL LIC HOUSING FINANCE LTD | IIFL Home Loan | भारतीय स्टेट बैंक State Bank of India

SHREE BUILDERS

वास्तु अनुरूप नया मकान बनवाने
या खरीदने हेतु संपर्क करे

503, राजानी भवन, एम.जी. रोड, हाई कोर्ट के सामने, इन्दौर
सी.एम. 166, सुखलिया, इन्दौर, मो. : 9826221610, 9074282223